



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

28/3/86

सं० 48] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 30, 1985 (अग्रहायण 9, 1907)
No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 30, 1985 (AGRAHAYANA 9, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग खण्ड I [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, निष्पन्नक और महानेजापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

दिनांक 10 अक्टूबर 1985

नई दिल्ली—110011, दिनांक अक्टूबर 1985

सं० पी०/2082-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के नियमित अनुभाग अधिकारी श्री पी० के० कैलाश बाबू के परिवहन मंत्रालय (सतह परिवहन विभाग) नई दिल्ली में सतह परिवहन के राज्य मंत्री के वैयक्तिक स्टाफ में सहायक निजी सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्ति हेतु चयन के परिणामस्वरूप उनको एतद्द्वारा 7 अक्टूबर 1985 (अपराह्न) से इन अनुदेशों के साथ कार्यभार से मुक्त किया जाता है कि वे परिवहन मंत्रालय में ड्यूटी हेतु रिपोर्ट करें।

दिनांक 7 अक्टूबर 1985

सं० ए० 38013/2/85-प्रशा० III—कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के स्थायी सहायक तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री के० एल० सूद को 30 सितम्बर, 1985 के अपराह्न से निवर्तन प्राप्ति होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की राष्ट्रपति द्वारा अनुमति प्रदान की जाती है।

1—346 GI/85

(39559)

सं० ए० 32014/1/85 प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० से० स्टे० से० का ग्रेड ख) श्री के० एस० भुटानी को राष्ट्रपति द्वारा 3 अक्टूबर 1985 से 31 दिसम्बर, 1985 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में निजी सचिव (के० स० स्टे० से० का ग्रेड क) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

2. श्री भुटानी ध्यान में रखें कि निजी सचिव (के० स० स्टे० से० के ग्रेड क) के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और के० स० स्टे० से० के ग्रेड क में वरिष्ठता अथवा विलयन का उन्हें कोई हक नहीं होगा। इसके अलावा उनकी नियुक्ति कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के अनुमोदन के अधीन है।

सं० ए० 32014/1/85(I) प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के के० स० स्टे० से० संवर्ग के निम्नलिखित वैयक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा उनके नाम के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स०

स्टे० से० के ग्रेड 'ख' के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	अवधि
1.	श्री वी० पी० महाजन	3-10-85 से 31-12-85 तक
2.	श्रीमती सरोज कपूर	—वही—
3.	श्री लेख राज गुप्त	—वही—

2. उपर्युक्त व्यक्ति ध्यान में रखें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० के ग्रेड "ख") के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और इससे इन्हें के० सं० स्टे० से० के ग्रेड ख में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का हक नहीं मिलेगा। यह भी ध्यान में रखें कि इनकी नियुक्ति कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के अनुमोदन अध्वधीन है।

दिनांक 17 अक्टूबर 1985

सं० पी० 1790/प्रशा०—III—संघ लोक सेवा आयोग में के० सं० से० संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा इस समय बैंक अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री कैलाश चन्द्र के सेण्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सतर्कता/अन्वेषण अधिकारी के पद पर नियुक्ति हेतु चयन के परिणामस्वरूप श्री कैलाश चन्द्र को ता० 24 अक्टूबर, 1985 से 30 अक्टूबर 1985 तक अपने अर्जित अवकाश की समाप्ति पर 30 अक्टूबर, 1985 के अपराह्न से इस कार्यालय के कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

दिनांक 31 अक्टूबर 1985

सं० ए० 38013/3/84—प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी सहायक अधीक्षक (हालरिथ) और तदर्थ आधार पर उप नियंत्रक (तथ्य संसाधन) के रूप में पदस्थ श्री एस० पी० बंसल ने 31 अक्टूबर, 1985 के अपराह्न से निवर्तन आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उसी तारीख से उप नियंत्रक (तथ्य संसाधन) का प्रभार त्याग दिया है।

एम० पी० जैन
अवर सचिव (प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली—110003, दिनांक 6 नवम्बर 1985

सं० डी०—2/69—प्रशा०—5—निवर्तन होने पर श्री डी० के० जैन, उप विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने 31-10-85 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

आर० एस० नागपाल
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली—110003, दिनांक 31 अक्टूबर 1985

सं० ओ० दो०—1/85—प्रशा०—3—महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री एन० ए० हीरा, अनुभाग अधिकारी को दिनांक 16 अक्टूबर, 1985 (पूर्वाह्न) से बल के वेतन व लेखा कार्यालय में संयुक्त सहायक निदेशक (लेखा) के पद पर तदर्थ रूप में पदोन्नत किया जाता है।

दिनांक 1 नवम्बर 1985

सं० ओ० दो०—8/85—प्रशासन—3—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री आर० के० जवाहरानी, सूबेदार मेजर (कार्यालय अधीक्षक) को बल के महानिदेशालय में दिनांक 29 अक्टूबर, 1985 (पूर्वाह्न) से अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

किशन लाल,

उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली—110003, दिनांक 31 अक्टूबर 1985

सं० ओ० दो०—2001/85—स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने (श्रीमती) उद्योतिरमयी लाहोन को दिनांक 10-11-85 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो०—2042/85—स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर के० बैकाटेश वरलू को 16 सितंबर 1985 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो०—2042/85—स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर बैकाटेश वरलू को 26 अगस्त 1985 (पूर्वाह्न) से 10-9-85 (अपराह्न) तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 5 नवम्बर 1985

सं० ओ० दो०—185/69—स्था० (के० रि० पु० बल)—राष्ट्रपति जी, श्री डी० के० सूरी फर्माइंट सलक्शन ग्रेड को अतिरिक्त उपमहानिरीक्षक के० रि० पु० बल के पद पर अस्थायी रूप में अगले आदेश होने तक सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

2. श्री सूरी ने दिनांक 25-10-85 (अपराह्न) से इस पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

अशोक राज महीपाथी
सहायक निदेशक (स्था०)

महानिदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 1 नवम्बर 1985

सं० ई०-28015/2/85-कार्मिक-II-अधिर्वाषिता की आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप, श्री एस० आर० वाही ने 31 अक्टूबर 1985 के अपराह्न से सहायक कमांडेंट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी), केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल मुख्यालय, नई दिल्ली के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सुनील कृष्ण,

सहायक महानिरीक्षक/कार्मिक

नई दिल्ली 110063, दिनांक 8 नवम्बर 1985

सं० ई० 16016(2)/2/84-कार्मिक-I-भुगतान और लेखा कार्यालय (सचिवालय) गृह मंत्रालय, सी० 1 हटमेंटस डलहौजी रोड, नई दिल्ली के कार्यालय से प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर, श्री के०के० भटनागर ने 31 अक्टूबर, 1985 के अपराह्न से महानिदेशालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली में लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ह०/अपठनीय

महानिदेशक/के० औ० सु० ब०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 नवम्बर 1985

सं० 10/45/82-प्रशा० I-राष्ट्रपति, भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड-I के अधिकारी और इस समय नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में उपमहारजिस्ट्रार (जीवनांक) के पद पर, तदर्थ आधार पर, कार्यरत श्री बी० सुब्रमण्यम स्वामी को, उसी कार्यालय में तारीख 12 अगस्त 1983 पूर्वाह्न से तीन वर्ष से अनधिक अवधि के लिए नियमित आधार पर, उपमहारजिस्ट्रार (जीवनांक) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

3. यह इस कार्यालय की तारीख 6-9-83 की अधिसूचना सं० 10/45/82-प्रशासन-I के अधिक्रमण में जारी की जाती है।

विजय पाल पाण्डे,

भारत के संयुक्त महारजिस्ट्रार

रुते भारत के महारजिस्ट्रार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1985

क्रमांक एम-6/6251-इस कार्यालय की अधिसूचना मांक एम-6/12469 दिनांक 17-2-83 एवं एम-6/952 दिनांक 11/16-7-83 को निष्प्रभावित करते हुए,

अभियंता (यांत्रिक) के पदावनत पद के विरुद्ध श्री बी० एस० शर्मा को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक अभियंता (यांत्रिक) के पद पर नीचे दर्शायी गयी अवधि के लिए पूर्णतः तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है :-

अवधि से	तक
दिनांक 1-1-83	28-6-83
दिनांक 1-7-83	28-6-84
दिनांक 1-7-84	28-6-85

उन्हें उसी पद एवं वेतनमान में दिनांक 1-7-85 से 31-12-85 तक या जब तक अभियंता (यांत्रिक) का पद नहीं भरा जाता, इनमें से जो भी पहले हो, की अवधि के लिए भी नियुक्त किया जाता है।

श० रा० पाठक,

महाप्रबंधक

बम्बई टक्साल का डायरी आदेश

बम्बई, दिनांक 31 अक्टूबर 1985

क्रमांक 199-विभागीय पदोन्नति समिति (समूह "ख") की दिनांक 20 अप्रैल, 1985 के दिन हुई बैठक में की गई सिफारिश पर, महाप्रबंधक, भारत सरकार टक्साल, बम्बई, प्रसन्नतापूर्वक, श्री एन० एस० पाटिल, उपलेखापाल, को दिनांक 1-11-1985 से स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी (समूह "ख") (राजपत्रित) के पद पर, वेतनमान रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में पदोन्नति करते हैं।

जी० आर० कहाते

महाप्रबंधक

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1985

सं० प्रशासन-1/कार्यालय आदेश सं० 286-निदेश लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1 इस कार्यालय के श्री ए० ए० नेगी स्थायी अनुभाग अधिकारी अब सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी को स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के वेतन 840-1200 रु० में 30-10-85 पूर्वाह्न से आगे आदेश आने तक नियुक्ति करते हैं।

सं० प्रशासन-1/कार्यालय आदेश सं० 289-निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1 इस कार्यालय के श्री अविनाश चन्द्र कपूर स्थायी अनुभाग अधिकारी अब सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी को स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के वेतनक्रम 840-1280 रु० से 4-11-85 पूर्वाह्न से आगे आदेश आने तक नियुक्ति करते हैं।

ह०/अपठनीय

माहुर

उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक

लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 नवम्बर 1985

सं० 4528/ए-प्रशासन/130/83-85—नवार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर श्री के० के० दर स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी, रक्षा सेवाएं, दिनांक 31-8-1985 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हुए।

बी० एस० गिल

संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं

रक्षा लेखा विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1985

सं० ए एन/II/2606—रक्षा लेखा महानियंत्रक, श्री श्याम लाल शर्मा, स्थायी लेखा अधिकारी (0/670) के दिनांक 17-10-1985 को हुए निधन को कुछ सहित अधिसूचित करते हैं।

तदनुसार श्री श्यामलाल लेखा अधिकारी को इस विभाग के संख्याबल से दिनांक 18-10-85 (पूर्वाह्न) से हटाया जाता है।

ए० के० घोष

रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशा०)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/1498/84-प्रशासन (राज०) 1459—इस कार्यालय के श्री बी० एन० सभरवाल, नियंत्रक, आयात तथा निर्यात सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 31 अक्टूबर 1985 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 6/570/59-प्रशासन (राज०) 1469—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में श्री जे० पी० शर्मा उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा के धर्ग 2) 31 अक्टूबर 1985 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 7 नवम्बर 1985

सं० 6/415/56-प्रशासन (राज०) 1485—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में श्री के० आर० घीर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा के धर्ग 1)

31 अक्टूबर 1985 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 8 नवम्बर 1985

सं० 6/1315/79-प्रशासन (राज०)/1501—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियंत्रक, आयात-निर्यात श्रीमती पी० एम० पिताले सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 30 सितम्बर 1985 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गयी हैं।

सं० 6/516/58-प्रशासन (राज०) 1507—केन्द्रीय व्यापार सेवा के श्रेणी-2 के अधिकारी और संयुक्त मुख्य-नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, मद्रास में श्री एस० नरी-समहन्त उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात 30 सितम्बर, 1985 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

शंकर चन्व

उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1985

सं० 12(200)/61-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र नई दिल्ली के श्री ए० के० मिश्रा, निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिकी) को सेवा निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर 30-9-85 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

सं० 12(24)/67-प्रशा० (राज०) खण्ड-5—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संगठन, मद्रास के उपनिदेशक (औद्योगिक प्रबन्ध प्रशिक्षण) श्री एम० एस० हमीद को, दिनांक 30-9-1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में निदेशक, ग्रेड-2 (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(374)/79-प्रशा० (राज०)—भारत लैबर कार्पोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली में उपप्रबन्धक (तकनीकी) के रूप में प्रतिनियुक्त से वापस लौटने पर श्री पी० पी० पुरी ने दिनांक 16-9-1985 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के अधीन सी० एफ० टी० सी०, मद्रास में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (चर्म/पादुका) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए०-19018(790)/85-प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग विकास संगठन के लघु उद्योग संबर्द्धन अधिकारी (यांत्रिकी) श्री एच० के० रामगो को दिनांक 16-9-1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के अधीन शाखा लघु उद्योग

सेवा संस्थान, सिलवासा में सहायक निदेशक ग्रेड-2 (यांत्रिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय
उप निदेशक (प्रशा०)

पूति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्तूबर 1985

सं० प्र-1/1(1286)—महानिदेशक, पूति तथा निपटान ने, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चुने जाने पर, श्री अशोक कुमार को 16 अक्तूबर, 1985 के पूर्वाह्न से, पूति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में, सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 1 नवम्बर 1985

सं० ए-1/2(440)—सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर निदेशक, पूति तथा निपटान निदेशालय, मद्रास में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्रीमती सी० एम० कांसी बाई दिनांक 30-9-85 के अग्रहान से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गई हैं।

राजबीर सिंह
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 31 अक्तूबर 1985

सं० ए०-6/247(447)/67 खण्ड 3—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) श्री एस० एस० चौहान को 5 सितम्बर, 1985 से छः महीने की अवधि के लिए अथवा नियमित प्रबन्ध होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, 700-40-900-४० रो०-40-1100-50-1300 रुपये के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक निरीक्षण/निरीक्षण अधिकारी (अभि०) (भारतीय निरीक्षण सेवा का ग्रेड-3 ग्रुप "ए" (अभि० शाखा) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री एस० एस० चौहान ने 4 सितम्बर, 1985 के अग्रहान से निरीक्षण अधिकारी, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और 5 सितम्बर, 1985 को पूर्वाह्न से निरीक्षण अधिकारी, जयपुर के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (अभि०) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० ए०-6/247(589)/II—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) श्री बी० एस० ठाकुर को दिनांक 12-9-85 से 6 महीने की अवधि के लिए अथवा नियमित व्यवस्था हो जाने तक, जो भी पहले हो, 700-40-900-३० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक निदेशक निरीक्षण/निरीक्षण अधिकारी (अभि०) ग्रेड-III (भारतीय निरीक्षण

सेवा, ग्रुप "ए") (अभि० शाखा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री बी० एस० ठाकुर ने 9 सितम्बर, 1985 के अग्रहान से निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 12 सितम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से निरीक्षण, निदेशक, कानपुर के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (अभि०) का कार्यभार संभाल लिया।

भार० पी० शाही
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूति तथा निपटान

इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय

इस्पात विभाग

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 1 नवम्बर 1985

सं० ई-1-12(74)/85(.)—आपूर्ति विभाग के अधीन कलकत्ता-1 में स्थित लेखा नियंत्रक के कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री आर० एस० देवनाथ को एतद्वारा 18 अक्तूबर, 1985 के पूर्वाह्न से अगले आदेश जारी होने तक प्रतिनियुक्ति के आधार पर लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

सनत कुमार सिन्हा
उप लोहा और इस्पात नियंत्रक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 18 अक्तूबर 1985

सं० एफ० 12-3/85-स्था०—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार, श्री कुंवर राजेन्द्र सिंह, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न माइक्रोफोटोग्राफिस्ट, की राष्ट्रीय अभिलेखागार, अभिलेख केन्द्र, जयपुर में 15 अक्तूबर, 1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक, नियमित स्थायी आधार पर माइक्रोफोटोग्राफिस्ट (ग्रुप "बी" राजपत्रित) के पद पर एतद्वारा नियुक्ति करते हैं।

ए० के० शर्मा
प्रशासन अधिकारी,
राष्ट्रीय अभिलेखागार,
कृते अभिलेख निदेशक

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

सं० ए-12026/1/83-एस-2/हिन्दी—महानिदेशक, दूरदर्शन निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के आगे दिए विवरण के अनुसार तदर्थ आधार पर आगे आदेश होने तक

रुपये 650-1200 के वेतनमान में हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं :—

क्र०	नाम/पदनाम	कार्यालय	जिस कार्यालय में हिन्दी अधि-कारी के रूप में नियुक्त हुए	जिस तारीख से नियुक्त हुए
------	-----------	----------	---	--------------------------

नियर ग्रेड "एस बी" पद पर 1 फरवरी, 1979 से मूल रूप में नियुक्त करते हैं ।

एच० आर० रेणुसे
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलराक्कम-603102, 6 नवम्बर 1985

सं० एम० ए० पी० पी०/18(148)/85-भर्ती—परियोजना निदेशक, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना, इस परियोजना के निम्नलिखित अधिकारियों को इसी परियोजना में प्रस्थापित रूप से उनके नाम के आगे उल्लिखित पद क्रमों पर दिनांक 1 फरवरी, 1985 (पूर्वाह्न) से आगे के आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

- सर्वश्री
- विश्व मित्र घोर, दूरदर्शन केन्द्र, दूरदर्शन केन्द्र, 18-1-85 आशुलिपिक जालंधर। जालंधर। (पूर्वाह्न) (वरिष्ठ श्रेणी)
 - एस० रामनृति, तम्बाकू विकास दूरदर्शन केन्द्र, 2-8-85 वरिष्ठ अनुवादक निदेशालय, मद्रास। (पूर्वाह्न) मद्रास।
 - रमेश चन्द्र शुक्ल, दूरदर्शन केन्द्र, दूरदर्शन केन्द्र, 15-7-85 हिन्दी अनुवादक श्रीनगर। नागपुर। (पूर्वाह्न)
 - एस० एन० धुत्रे, दूरदर्शन केन्द्र, उपग्रह दूर- 12-8-85 हिन्दी अनुवादक गुलबर्गा। वर्धन केन्द्र, (पूर्वाह्न) हैदराबाद।

क्र०	नाम	वर्तमान पद	नियुक्त पद
------	-----	------------	------------

सर्वश्री

- एस० परमासिवम् एस० ए०/सी० वैज्ञानिक अधिकारी अभियन्ता 'एस बी'
- जी० सेल्वकुमार " "
- आर० रंगनाथन् " "
- बी० गोविन्दराजुलु " "
- डी० वरधिस कुट्टी " "

बी० के० सन्तानम्
प्रशासनिक अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हिराबाद-500 016, दिनांक 7 नवम्बर 1985

सं० प्र० ख० प्र०-1/9/82-भर्ती—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्वारा, लेखा महा नियन्त्रक, वित्त विभाग, वित्त मंत्रालय के स्थापनापत्र वरिष्ठ लेखा अधिकारी, श्री लक्ष्मी वान्त सिंघा, को परमाणु खनिज प्रभाग में 9 नवम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक, प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्थापनापत्र सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० पदमनाभन
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

सि० सु० सुन्दरेश्वरन्
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1985

सं० ए० 12026/4/85-एम० ई०—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्रीमती एस० कल्याण को 7 अगस्त, 1985 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक 650-30-740-35-810-ब० रो०-35-880-40-1000-ब० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं श्रीमती सुचेता कुरलानी अस्पताल, नई दिल्ली में वरिष्ठ आहारविद् के पद पर सहर्ष आधार पर नियुक्त किया है।

पी० के० घई
उप निदेशक, प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 5 नवम्बर 1985

सं० 5(5ए)/81-स्थायीकरण/1810—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, स्थायी फोर्मेन श्री वार्ड० के० ठाकुरे को भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजी-

इसरो उपग्रह केन्द्र

अन्तरिक्ष विभाग

बेंगलूर-560 017, दिनांक 31 अक्टूबर 1985

सं० 020/1(15.4)/05-स्थापना—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर के श्री कृष्णा हनुमंत राव, वैज्ञानिक/अभियन्ता, "ए० बी०" से प्राप्त स्वागतपत्र को दिनांक 29 अगस्त, 1985 के पूर्वाह्न से स्वीकार करते हैं।

दिनांक 6 नवम्बर 1985

सं० 020/1(15.4)/स्थापना—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, अन्तरिक्ष विभाग को वैज्ञानिक/अभियन्ता, श्रेणी "ए० बी०" पद पर दर्शायी गई क्रियाओं के पूर्वाह्न से अगले अधिक प्राप्त होने तक, अस्थायी आधार पर इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर में नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	पदनाम	दिनांक
1.	श्री ए० बी० प्रसाद	वैज्ञानिक/अभियन्ता- ए० बी०	23-9-85
2.	श्री एम० ए० श्रीनिवासन्	वैज्ञानिक/अभियन्ता- ए० बी०	20-9-85
3.	कुमारी नारायणरामा	वैज्ञानिक/अभियन्ता- ए० बी०	23-9-85

ए० ए० रामदास
प्रशासन अधिकारी-II

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1985

सं० ए० 38013/1/85-ई० ए०—सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर, निदेशक, विमानक्षेत्र मद्रास के कार्यालय के श्री ए० बी० घनश्याम, विमानक्षेत्र अधिकारी दिनांक 30-9-1985 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

एम० भट्टाचार्य
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, नागर विमानन

नीवहन और परिवहन मंत्रालय

नीवहन महानिदेशालय

बम्बई-400 030, दिनांक 8 नवम्बर 1985

सं० 11-टी० आर० (7)/85—राष्ट्रपति, श्री अशोक कुमार अवस्थी को दिनांक 17-10-1985 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक, तदर्थ आवादा पर समुद्री, इंजीनियरिंग प्रशिक्षण

निदेशालय, बम्बई में इंजीनियर अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

अमिताभ चन्द्र
नीवहन उप महानिदेशक

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लुङ्गुमार एण्ड कम्पनी

(कुरीत) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 15 अक्टूबर 1985

सं० 2304/लि०/500 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में ए० ए० सूचना दी जाती है कि लुङ्गुमार एण्ड कम्पनी (कुरीत) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दीनम चिट्स एण्ड ट्रेड्स
इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 15 अक्टूबर 1985

सं० 2332/लि०/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में ए० ए० सूचना दी जाती है कि दीनम चिट्स एण्ड ट्रेड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कोस्टल पेन्ट्स प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 15 अक्टूबर 1985

सं० 3042/लि०/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में ए० ए० सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अज्ञान पर कोस्टल पेन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्ज न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वि० ए० विजयन सैन्न,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, कोरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और शेन प्लास्टिक्स प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1985

सं० 27575/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
560 की उपधारा (3) के अनुसरण में ए० ए० सूचना दी जाती है कि

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अन्तराल पर येन प्रसिद्धित प्राथमिक विभिन्न का नाम इसके प्रतिकूल कारण दण्डित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कुम्भनी विधट्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 अंतर्गत चर्कट, (विनहादा)

प्राइवेट लिमिटेड वे: विषय में

कलहस्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1985

सं० 27435/560(3)--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा, (3) के अनुसरण में एवमुद्दारा धनु सूत्रा की जाती है कि इस सारी इ से ती; मात के अधिज्ञान पर चुल्हा (विहारा) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा यदि उक्त कम्पनी विवदित कर ही जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और परफैक्ट फिल्म डिस्ट्री-

क्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड में विषय में

कल क्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1985

सं० 26323/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1950 की धारा 500 की उपधारा, (3) के अनुसरण में एडवोकाट गुरु सूचना दी जाती है कि इस सारीख से तीनों मामलों के प्रवक्तान पर परकैट फिर्म डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम हटाने प्रतिकूल कारण दशित न किया गया तो रजिस्टर से वाट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवदित कर दी जाएगी।

कमनी अधिनियम, 1956 और एस० वास एण्ड ब्रादर्स

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1985

सं० 15048/560(3)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा, (3) के अनुसरण में एवद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अन्तर्गत पर ए. डी. पांडे एवं आदर्श प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शाित न किया गया तो रजिस्टर से बाट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवट्टि कर ली जाएगी।

कन्यती अधिनियम, 1950 और इन्द्रशक्ति इण्डस्ट्रीज,

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1985

सं० 21461/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 500 की उपधारा (3) के अनुसरण में एडवोकेट, यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अन्तर्गत प्रविष्टि न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवटिड कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1950 और सुव्यवस्था स्टेनलेस स्टीलस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1985

सं० 31901/560(3)--सम्पत्ती अधिनियम, 1956 की

धारा 500 की उपधारा (3) के अनुसरण में एवद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इन तारीख से तीन मास के अवधान पर सुलक्षणा स्टेशनरी स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया गया तो रजिस्टर से बाट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी चिबटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अरोमा कैमिजल्स एंड

कानूनी विषयों पर प्राइवेट लिमिटेड को विषय में

बुधवार, दिनांक 5 नवम्बर 1935

सं० 22923/560(3)---अगनी अधिनियम, 1950 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर अरोमा कमिश्नर एन्ड अससिस्टेड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसकी प्रतिकूल कारण धरित न दिया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त बम्पनी विधिवत कर दी जाएगी।

कम्पटी अविनिम, 1956 और मंजुला फैन्सी स्टोर्स

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कल क्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1965

सं० 24476/560(3)---कम्पनी अधिनियम, 1950 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसारण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इन तारीख से तीन मास के अन्तर्धान पर मंजुवा फेन्सी स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण धरित न किया गया तो रजिस्टर से बाट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित्त बर दी जाएगी।

बाम्बनी अधिनियम, 1956 और वल्लभाणी मेस्तिन फैब्रिक

प्राइवेट लिमिटेड को धियय में

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1935

सं० 27107/560(3)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 500 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीस मास के अक्षान पर बत्ताणी मेजिन फॅब्रिक प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसको प्रतिकूल कारण धरित न किया गया तो रजिस्टर से हटा दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एमको इंजीनियरिंग वर्क्स

प्राइवेट निमितेड के विषय में

मल्लिका, दिनांक 5 नवम्बर 1985

सं० 24221/560(3)---अभ्युपनिधि, 1950 की
द्वारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर एमको इंजीनियरिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बी० जी० एम० पिक्चर एन्टरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1985

सं० 28737/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर बी० जी० एम० पिक्चर एन्टरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

डी० के० पाल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

प्रकृष बाई. टी. एन. एल.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं. आर्.ए.सी./एक्यू सिरसा/3/84-85—
अतः मुझे, बी. एल. खत्री,
भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट, जो सदर बाजार, सिरसा में स्थित है
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरसा में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 23/2/85
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि सहाय्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का
प्रत्येक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
प्राप्त नया प्रतिफल निम्नलिखित सूचकेय से उक्त अन्तरक
प्रतिफल में वास्तविक रूप से कमी के लिए दिया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव का यावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का
वास्तव में कमी करने या उसके तबने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पञ्चदश
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या अधिमान से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्व/श्री राम सरूप गोयल,
प्रमोद कुमार पुत्र
श्रीराम सरूप गोयल द्वारा
मास्टर राम कुमार द्वारा
मै. बंसल थियेटर, हिंसार रोड,
सिरसा।

(अन्तरक)

2. सर्व/श्री परमजीत सिंह,
जसवीर सिंह,
कुलदीप सिंह,
सुरजीत सिंह,
दलजीत सिंह एवं
जसपाल सिंह पुत्रान
श्री सम्पूर्ण सिंह
बजरिये सरदार इम्पोरियम,
सुभाष चौक, सिरसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति से अर्जन के अन्तर्गत से कोई भी भावना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रकृत पक्षों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट जो सदर बाजार, सिरसा में स्थित है, जिसका
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिरसा में रजिस्ट्री
संख्या 5011 दिनांक 23/2/85 पर दिया है।

बी. एल. खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, रोहतक

दिनांक : 10/10/85

मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एच.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० गुडगांव/715/84-85 अतः मुझे,
बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके दफ्तरी
इसके परचाते 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्या भूमि 3½ बीघा फेक्टरी शीट सहित
जो दौलताबाद रोड, गुडगांव में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम
1961 के अधीन दिनांक 4-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाढ़ की बाढ़, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बादिले से कभी कभी या उक्त दफ्तरी में दफ्तरी
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने के
आशय के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री कृष्ण कुमार पुत्र खुशी राम पुत्र जैराम दास
नि०-4/28 रूप नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सूरज भान
पुत्र चन्दगी राम
निवासी. : 183/3 अरबन ईस्टेट, गुडगांव
श्री आम प्रकाश
पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण
निवासी-47/4702 रंगपुरा
करोल बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्तन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सहायक

संपत्ति भूमि 3½ बीघा फेक्टरी शीट सहित जो
दौलताबाद रोड, गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री सं०
4710 दिनांक 4-2-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-10-1985

मोहर:

प्रकाश बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू गुडगांव/714/84-85:-

अतः मुझे बी० एन० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका संख्या भूमि 6 बीघा फैंक्टरी रोड सहित दौलता बाद रोड गुडगांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांव भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 4 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री हरीदास पुत्र खुशी राम

पुत्र श्री जै राम दास

निवासी-51 ई कमला नगर एवं

श्री कृष्ण कुमार पुत्र खुशी राम पुत्र जै राम दास
निवासी-4/28 रूप नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० ग्लोब मुर-जीको इण्डस्ट्रीज,।

दौलता बाग रोड, गुडगांव

पार्टनर श्री सूरजभान अग्रवाल

पुत्र श्री चन्दगी राम

निवासी-183/4 अरबन ईस्टेट गुडगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाही कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 6 बीघा फैंक्टरी रोड सहित दौलता बाद रोड पर स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 7407 दिनांक 4-2-1985 पर दिया है।

बी० एन० खत्री,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-रोहतक

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू गुडगांव/626/84-85:-

अतः, मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सं० नं० 770 (पी), 4 अरबन स्टेट
गुडगांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक
1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायित्व प्रतिफल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री बाराबर सिंह पुत्र श्री हानाम सिंह
निवासी ए-1/13, सफदरजंग इनक्लेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री सूरज प्रकाश चन्द्र शेखर,
बिनोद कुमार, प्रमोद बोहरा
निवासी सोम भवन, गुरु नानक नगर,
मिलीगुरी, पश्चिमी बंगाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पाह
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में बिधा
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 770 (पी) जो 4 अरबन ईस्टेट
गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के
कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 734 दिनांक 1-2-85
पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, रोहतक

दिनांक : 11-10-1985

माहुर :

प्रश्न बाई.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/102/84-85- - अतः मुझे,
बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि 3 कनाल 6 मरले जो 7, रोड
खुर्द में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिसार
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक
1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्त-
रक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्त-
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया
है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भ. या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित किया प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री एम० डी० आहुजा

पुत्र आर० एस० मुकुन्द लाल सुमन्त आहुजा

सदीप आहुजा पुत्र एम० डी० आहुजा

पार्टनर्स मैसर्स स्टील प्रोडक्ट्स, हिसार।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री सत नारायण पुत्र श्री गणपत राम, दुर्गा प्रसाद

पुत्र राम रिछपाल दास पदम सैन,

पुत्र श्री भीम सैन द्वारा गग पाइप कम्पनी,

393 पुरानी अनाज मण्डी, हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 3 कनाल 6 मरले जो कि 7, रोड खुर्द
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
हिसार में रजिस्ट्री संख्या 5080 दिनांक 1-2-1985 पर
दिया है।

बी० एल० खत्री,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 8-10-1985

नोट

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-कालका/6/84-85—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 60 एकड़ जो बीड फिरोज में स्थित है (और इससे उपाक्षेत्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालका में भारतीय आयकर अधिनियम,

8-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनाम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। छिपाने में मन्त्रिधन के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह,

प्रताप सिंह पुत्र हुकूम सिंह

श्रीमती गर्वजीन कौर पत्नी हरबिरत सिंह, निवासी करनाल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कौशल्या विधवा स्व० श्री हरीचन्द्र,

अम्बाला शहर।

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 60 एकड़ जो बीड फिरोजी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय कालका में रजिस्ट्री संख्या 2528 दिनांक 8-2-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 8-10-1985

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 अक्तूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ०/करनाल/170/84-

85—अतः मुझे, श्री० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जो हाउसिंग बोर्ड कालोनी, करनाल में स्थित है (और इनमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख 16-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी काम की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के मापित से कम। करम या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया वास्तव था, छिपाने के सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहन सिंह पुत्र श्री तेग बहादुर सिंह,
दत्त पुत्र गुरुमुख सिंह,
निवासी—हाउसिंग बोर्ड, हरमोहन काटेज,
करनाल शहर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती तुलसी दाई पत्नी श्री पुरुषोत्तम दाम
पुत्र श्री राम किशन,
नि० म० न० 529 हाउसिंग बोर्ड कालोनी,
करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

सम्पत्ति प्लॉट जो कि हाउसिंग बोर्ड कालोनी करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री सं० 7955 दिनांक 16-2-85 पर दिया है।

श्री० एल० खत्री

मध्यम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 9-10-1985

मोहर :

प्रकृष माई. टी. एन. एस. -----

राज्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/सोनीपत/118/84-

85—अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पदवाच 'एनएन अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना अधिनियमों को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 29 कनाल 14 मरले, गाँव कुण्डली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सोनीपत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961
के अधीन दिनांक 7-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत की
वास्त में किसी करने या उगते करने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
की अन्तर्गत भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—346GJ/85

1. मै० किन्सकोलक इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०,
11893, निलक गली गारा गारा
कश्मीरी गेट, दिल्ली-110006,
द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर ईश्वर सिंह दा रा
(पता 11893)

2. मैसर्स फीन पैक (इ०) लिमिटेड
द्वारा डायरेक्टर श्री लक्ष्मी शान शान,
निवासी—1-सी०/30 न्यू रोड, गेट
नई दिल्ली।

(यदि स्थिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रमाण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधि में उक्त
सूचना की तारीख से 30 दिनों के अन्तर में उक्त
अवधि बाद में समाप्त होती है, तब तक उक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति को

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसी
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तर्गत की गई
निहित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और धारों का अर्थ
अधिनियम, के अध्याय 20-क में उक्त परि-
भाषित है, वही दर्श हायने के अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 29 कनाल 14 मरले जो कि गाँव
कुण्डली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्री सं० 4721 दिनांक
7-2-1985।

बी० एल० खत्री

सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक: 10-10-1985

मोहर:

रजिस्ट्रार, टी. एच. एच. :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 अक्तूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/जी०/29/84-85--

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

9

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 75 कनाल 5 मरले जो गाँव किनाना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जी० में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख 25-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का समूह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पात्र गत प्रति-फल गिम्पलीशियस क्लेपमेंट से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुए किसी बाव की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए कोई/वा

(ख) कोई किसी बाव या किसी बाव का अन्य वास्तविकता, किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवर्धनार्थ कर्तारिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, किन्हीं में अन्तरक के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री हरिन्दर सिंह उर्फ हरमिन्दर सिंह,
गुरिन्दर सिंह उर्फ गुरमिन्दर सिंह,
पुत्रान श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र बहादुर सिंह,
निवासी गाँव कनाना, त० व जिला, जी०।
(अन्तरक)

2. मैसर्स हरियाणा इक्विपमेंट लिमिटेड, रजि०
द्वारा डायरेक्टर श्री राम अवतार अग्रवाल,
पुत्र ज्ञानी राम चैयरमैन, जी०, हाल श्री राम श्री राम
अवतार अग्रवाल द्वारा हरियाणा इक्विपमेंट लि०
कलकत्ता फन, 30 चौरंगी रोड, कलकत्ता।
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 75 कनाल 5 मरले जो कि किनाना गाँव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में रजिस्ट्री संख्या 5437 दिनांक 25-2-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 9-10-1985
मोहर :

प्रारूप बाई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/हिसार/103/84-

85—अतः मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 14 कनाल 8 मरले जो गाँव डाबरा
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हिसार में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन, दिनांक 8-2-85

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाविले में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, ~~उपधारा 2~~

1. श्री ब्या राम पुत्र श्री भगनी,
निवासी डाबरा एवं मुख्यतः श्री अमर सिंह
पुत्र श्री भगनी नि० डाबरा, तह० जिला
हिसार।

(अन्तरक)

2. दि हिसार स्वतन्त्रता हाउस बिल्डिंग सोसायटी,
दुकान नं० 469, राज गुरु मार्केट, हिसार।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के रि०
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 14 कनाल 8 मरले जो गाँव डाबरा में
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
हिसार में रजिस्ट्री संख्या 5212, दिनांक 8-2-85 पर
दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्रकाश बाई, टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सो०/एफ्यू०/फरीदाबाद/34/84-
85—अतः मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पहले 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 15-ए०, अरबन ईस्टेट फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत, तारीख 27-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया निष्पत्ति, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के दायरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहायता

उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1) के अधीन सूचित व्यक्तियों, बर्ष 1985 :-

1. श्री इन्द्र प्रकाश चण्डोक पुत्र ज्ञान चन्द चण्डोक, निवासी—229 सैक्टर 15ए०, फरीदाबाद (हाल डी० आई० सी०-38-सी०, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण लाल कोहली पुत्र स्व० श्री एल० आर० कोहली, निवासी—229, सैक्टर 15ए०, फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सुखी

सम्पत्ति प्लॉट नं० 15-ए०, जो अरबन ईस्टेट फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री सं० 4552 दिनांक 27-2-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतकदिनांक: 10-10-1985
मोहर:

प्रकृष माह. टी. एन. ए. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/फरीदाबाद/26/84-
85—अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० बंगलो प्लॉट नं० 10 जो एन० आई० टी०
फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, फरीदाबाद में भारतीय अधिनियम, 1961
के अधीन तारीख 4-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

1. मै० गिडोर टूलम इंडिया प्रा० लि०
दिल्ली।
(अन्तरक)
2. मैमर्स प्रीमीयर इंडस्ट्रियल एण्ड इलेक्ट्रीकल्स
1560, भागीरथ पैलेस,
दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्यवन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी, के अन्तर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से निम्नलिखित किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के द्वारा लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूच.

सम्पत्ति बंगलो प्लॉट नं० 10 जो एन० आई० टी०
फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिकार विपणन रजिस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री नं० 3616 दिनांक
4-2-1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्री
प्रकार्यकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसूचण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 10-10-1985
मोहर :

प्रकरण भाग टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/हाँसी/6/84-85—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन मध्यम अधिकारी को यह विवेकात्मक करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 18/10 जो बजरिया चौक, हाँसी
में स्थित है (और इसे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हाँसी में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन, तारीख 19-2-1985

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दसगुना
मोतका के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवेकात्मक करने
कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके
दसगुना प्रतिफल से, ऐसे दसगुना प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
हो अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
रहितफस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यतिरिक्त कोई करने या उसके करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामधन पुत्र श्री कासी राम,
लाकेश कुमार, संजोब कुमार
पुत्रान श्री रामधन, नि०—हाँसी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कुष्णा पाल पत्नी श्री सुरिन्दर पाल,
श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री कुपन लाल
पुत्र पारस राम नि०—बजरिया चौक के गाँव,
हाँसी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तान्तरण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति मकान नं० 18/10 जो बजरिया चौक, हाँसी
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
हाँसी में रजिस्ट्री संख्या 2592 दिनांक 19-2-85 पर
दिया है।

बी० एल० खत्री
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज रोहतक

दिनांक: 10-10-1985

हस्ताक्षर :

प्रमुख आर्. टी. एन. एस.-----

भविष्य, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निदेश पं० आर्. टी. एन. एस. 631/84-

85—अन: मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 447/9 जो शिवपुरी, गुडगाँव में स्थित है (जो इसमें उपायुक्त अनुपुषों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगाँव में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 20-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमोलक सिंह पुत्र मोहर सिंह,
नि० 4-जे०-5052, लाजपत नगर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री शिव राम वामदेवन पुत्र मायावन गिलाई
रासीका—निवास, वासपुरा को जिला त्रिवेन्द्रम
(केरल) हाल म० नं० 447/9, शिवपुरी,
गुडगाँव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 447/9 जो शिवपुरी गुडगाँव में
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
गुडगाँव में रजिस्ट्री मख्या 7692 दिनांक 20-2-85 पर
दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 10-10-1985

मोहर :

प्रमुख भाई टी. एन. एस. -----

भारतीय अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 अक्तूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/जगाधरी/122/84-85—अतः मुझे, बी० एल० खत्री
आयुक्त (बी० एल० खत्री, 1961 (1961 का 43) 'बिच' इसने
इसके अधिनियम 'भारतीय अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100, 000 रु. से अधिक है
और जिसकी सं० सं० नं० 126, जो शिव शंकर पुरी आजाद
नगर, यमुना नगर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जगाधरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1961 के अधीन, दिनांक 14-2-1985
को पूर्वोक्त संदर्भित उचित बाजार मूल्य से कम के समानान
प्रतिफल के लिए अधिनियम की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि, अधिपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उचित बाजार मूल्य से कम के समानान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक (अन्तरिक) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
तब तक सम्पत्ति, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित से आन्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के शक्ति
में कमी करने या इससे बचने में सुविधा है किए;
और/या

(ख) कोई किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
के लिए भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
के अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
के अधिनियम द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
अन्तरण के लिए धन छिपाने में सुविधा के

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरजीत लाल पुत्र आया सिंह,
सं० नं० 229 शास्त्री कालोनी,
यमुना नगर।

2. श्री लाल विहारो दास पुत्र श्री पुलिन विहारो
नं० सी-2, पेपर मिल कालोनी,
यमुना नगर।

(अन्तरिक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 126 जो शिव शंकर पुरी आजाद
नगर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्री सं० 5746 दिनांक
14-2-1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक: 7-19-1985
मोहर :

प्रकाश बाई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/आर० डब्ल्यू० आर०/

15/84-85—अन: मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1652-डी० का० मण्डी,
रिवाड़ी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रिवाड़ी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के
अधीन, दिनांक 13-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी करने या करने के लिए
नहीं किए गए/गए

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित वास्तविकताओं, अधीन :—

4—346G1/85

1. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री बनवारी लाल,
पुत्र श्री शिव दत्त,
निवासी रिवाड़ी।

(अन्तरक)

2. श्री शिवान चावला पुत्र श्री ज्योतिराम चावला,
निवासी 1652-डी०, काठ मण्डी,
रिवाड़ी।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
आवश्यकताएं करवाई गई हैं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान मकनी पश्चिम खूबी म्युनिसिपल नं०
1652-डी० जो कि काठ मण्डी, रिवाड़ी में स्थित है जिसका
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रिवाड़ी में रजिस्ट्री सं०
3072, दिनांक 13-2-1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 9-10-1985

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/फरीदाबाद/31/84-
85—अतः मुझे, बी० एल० खत्री,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 393 सैक्टर 15 फरीदाबाद
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फरीदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961
के अधीन, दिनांक 18-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लब्धमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीवों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
के वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छुपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुदरत सिंह पुत्र श्री राजा सिंह
नि० म० नं० 3915, मोरी गेट, दिल्ली
हाल 44 सैक्टर 15-ए, फरीदाबाद
द्वारा मुख्याम्नाम श्री रतन लाल गुप्ता
नि० 34, म्यूनिसिपल फ्लैट, कमला नगर,
दिल्ली-1।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुनीता गुप्ता पत्नी जैशंकर गुप्ता
पुत्र श्री रतन लाल गुप्ता
नि० 393, सैक्टर 15, फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अन्तर्ही

सम्पत्ति मकान नं० 393 जो सैक्टर 15 फरीदाबाद
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
में रजिस्ट्री सं० 4164 दिनांक 18-2-85 पर दिया
है।

बी० एल० खत्री

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 4-10-1985

माहुर :

प्रकट नम्बर डी.एन.एच.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/ए० एम० बी०/
130/84-85--अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हाउस नं० 44, मनहोली हाउस, अम्बाला
शहर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रविष्टि के कार्यालय,
अम्बाला भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरको) और अंत-
रिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अध्यातः—

6. मेजर अचिनाथ चन्द्र नारायण पुत्र श्री फकीर चन्द्र
निवासी—44 मनहोली हाउस,
अम्बाला शहर।

(अन्तरक)

2. श्री कंवर सुशील कुमार पुत्र जंग बहादुर,
और श्रीमती राज कुमारी पत्नी श्री कंवर सुशील
कुमार, निवासी—बादल, यू० टी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भाषकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, नहीं बर्त होंगे जो उस अध्याय में दिख
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 44 मनहोली हाउस जो अम्बाला
शहर में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 7630 दिनांक 1-2-85 पर
दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, रोहतक

दिनांक: 16-9-1985

मोहर:

एकल बाई. दई. एन. एन. —

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/फरीदाबाद/28/84-
85—अतः मुझे, बी० एन० खत्री,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1083 भूमि 133 वर्ग गज
सेक्टर 7-सी०, फरीदाबाद में स्थित है (और इनमें उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 13-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वर्द्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
राशि से कमी करने या उसके बचत से सूचना
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
की चिन्ह भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सूचिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री त्रिलोचन सिंह पुत्र श्री खेम सिंह, 5-जी०-
41, न्यू टाउन शिप,
फरीदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री राधे श्याम पुत्र श्री प्रभुदयाल
निवासी मोहना तेह० बल्लबगढ़
जिला फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पट्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि मकान नं० 1083, 133 वर्ग गज जो
सेक्टर 7-सी०, फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री
सं० 3935, दिनांक 3-2-1985 पर दिया है।

बी० एन० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 7-10-1985

मोहर:

प्रकाशक: ड. एन. एच. - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतास, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एचयू०/बी० आर० आर०/
21/84-85-अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी का, यह विवधान करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सं० नजदीक रेलवे स्टेशन बरारा
में स्थित है (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-प्राप्ति अधिकारी के कार्यालय,
बरारा, भारत सरकार अधिनियम, 1961 के
के अधीन दिनांक 21-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के अद्ययान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवधान
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अद्ययान प्रतिफल से, ऐसे अद्ययान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को चिन्ह भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रत्येकधारा अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, द्वारा :-

1 श्री मनोहर लाल पुत्र श्री चानन शाह,
दिलबाग राम पुत्र भीम सेन,
वेद प्रभाण, सुभाष चन्द,
पुत्र मंगल गेज, शाहबाद।

(अन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र कुमार, रघुन्द्र कुमार,
पुत्र श्री बाबू राम नजदीक रेलवे स्टेशन,
बरारा जिला अम्बाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
युक्त किसी अन्य व्यापक द्वारा अधिप्राप्तारी के
पक्ष लिखित में किया जा सकेगा।

लक्ष्यकरण — इसका ध्यान रखना चाहिए कि, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नजदीक रेलवे स्टेशन, बरारा में स्थित
है जिसका विवरण रजिस्ट्री-प्राप्ति के कार्यालय बरारा में
रजिस्ट्री सं० 7085 दिनांक 21-2-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 7-9-1985
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, राहतक

राहतक, दिनांक 9 अक्टूबर 1985

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू/करनाल/172/84-85---
अतः मुझे, बी. एल. खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. दफ्तान नं. 8/536 रेलवे रोड, करनाल में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक
21-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस
दृश्यमान प्रतिफल के बन्धु प्रतिफल से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्राप्तफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
वहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वस्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक या
वास्तव में कभी करने या उक्त करने में सुविधा
के बिना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता जा रहा था, छिपाने में सुविधा
के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह,
निवासी-मुभाष बानीनी,
करनाल।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री वमल नारायण पुत्र लाहोरी लाल,
लाहोरी लाल पुत्र सुन्दर दास,
सुरेन्द्र कुमार और यशपाल माहनी
पुत्र हरी राम, मोहल्ला नेची बन्द,
कपूरथला (पंजाब)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही कराया है।

उक्त संघर्ष के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० VIII/536 रेलवे रोड, करनाल
में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,
करनाल में रजिस्ट्री सं० 8001, दिनांक 21-2-1985
पर दिया है।

बी० एच० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, राहतक

दिनांक : 9-10-1985
मोहर :

सक्षम बाल, डी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

माध्यम सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/पानीपत/129/84-
85-अन: मुने, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी की, यह विस्मय करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 19 बीघा 4 बिशवा पट्टी इन्सार्, पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक: फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था प्रतिफल के लिए बन्दरिस्त की गई है और मुझे यह विस्मय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके समान प्रतिफल से ऐसे समान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिही (अन्तरिहीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के सिद्ध रूप पर्याप्त प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्दरिस्त निश्चित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाव या किसी भव या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचति :-

1. सर्वश्री धर्म वीर, मोहन कृष्ण चन्द्र, आजाद,
राम मोहन पुवान गोपाल चन्द्र मोहन,
निवासी-251/1 पानीपत।

(अन्तरक)

2. श्री राज कुमार पुवान श्री बनारसी लाल
मेहता निवासी-पानीपत।

(अन्तरिही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी वाद :-

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों के सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 19 बीघा 4 बिशवा पट्टी इन्सार्, पानीपत में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्री सं० 5912, दिनांक फरवरी, 1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक: 7-10-1985
मोहुर

प्राख्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/रोहनक/51/84-
85--अतः मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 2 कनाल 15.1/2 मरला पट्टा जिला रोहतक में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख 15-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल को पक्का प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरिक) और अन्तरिकी (अन्तरिकीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त संस्करण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे कम करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, र धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया, यथा धन या धन किंवा आय वास्तव में, विधान के अधीन के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति कृष्णा पत्नी श्री जगवीर सिंह,
निवासी—पौलीपन रोड,
रोहतक।

(अन्तरक)

2. मेसर्स इण्डस्ट्रियल कम्युन इण्डिया लिमिटेड,
इण्डस्ट्रियल एरिया राजपुरा (पंजाब),
द्वारा श्री इन्द्रजीत सिंह भण्डारी,
मैनेजर कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना बाधे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् आवश्यकता पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बड़ा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिता-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथाहस्ताक्षरी के पत्र विहित में किए जा सकेंगे।

पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्तुष्टी

सम्पत्ति भूमि 2 कनाल 15.1/2 मरला पट्टा जिला, रोहतक में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्री सं० 8428 दिनांक 15-2-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक : 7-10-1985

मोहर :

प्ररूप आर्.टी.एन.एम.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक: 8 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/भिवानी, 29/84-
85—अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० म० नं० 139/8, कृष्णा कालोनी, भिवानी
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्री-होती अधिकारी के कार्यालय भिवानी
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख
27-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अभिलेखित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उसके करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या जिसका आना या प्राप्त होना, विधायी से अधिक
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अन्तरण
हो, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5—346GI/85

1 श्री मिलखा राम पुत्र श्री बिलन्दा राम
पुत्र श्री मूल चन्द,
निवासी 139/8, कृष्णा कालोनी,
भिवानी।

(अन्तरक)

2 श्री रमेश कुमार पुत्र श्री लाघूराम
पुत्र श्री कन्हैयालाल,
निवासी 134/8, कृष्णा कालोनी,
भिवानी।

(अन्तरिणी)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए
कार्यवाहियां कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों के
सूचना की मानील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

यकीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सम्पत्ति

सम्पत्ति म० नं० 139/8 जो कृष्णा कालोनी, भिवानी
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-होती के कार्यालय
भिवानी में रजिस्ट्री सं० 3801, दिनांक 27-2-85 पर
दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भिवानी

दिनांक 8-10-1985
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/पानीपत/124/84-

85--अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 9 कनाल गांव कावड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीद्वारा अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक फरवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वनों के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत पं० में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री राम लाल पुत्र तीर्थराम,
सतीश कुमार, हरीश कुमार पुत्रान सरदारी लाल
निवासी परम हंस कुटिया,
देव कालोनी, पानीपत।

(अन्तरक)

2. मैसर्स लुधियाना होनरी एण्ड टैक्स टाईल्स
एसेसियेशन चीफ माधोपुरी लुधियाना
द्वारा श्री तरुण लाल जैन
पुत्र बाबू राम महासाविव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 9 कनाल जो गांव कावड़ी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीद्वारा के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री सं० 5577 दिनांक माह फरवरी 1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्रश्न बाढ़, टी. एन. एच.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० फरीदाबाद/27/84-

85—अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 1 बी-207 न्यू टाउनशिप,
फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन दिनांक 4-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त
अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक के
वापस में कभी करने या उन्हें बचने से बचने
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य मास्तिवा
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषा-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या बिना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को उचित है—

1. श्री ताराचन्द

पुत्र श्री दीवान चन्द
निवासी 1-बी-207 न्यू टाउनशिप,
फरीदाबाद।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री कंवल नैन, सरजनलाल,

पुत्र श्री रामजी लाल
पुत्र श्री राम चन्द
निवासी 1-एच-92 न्यू टाउनशिप,
फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में रहित-
पद्धत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सहस्र

सम्पत्ति भूकान नं० 1-बी-207, न्यू टाउनशिप, फरीदा-
बाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के
कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री संख्या 3634 दिनांक
4-2-1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-10-1985

मं.हं:

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

फरीदाबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० फरीदाबाद/30/84-

85—अतः मुझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 5-के 61 है तथा जो फरीदाबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक
15-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
नियमों में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
की जाए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुशीला कुमारी

पत्नी श्री रोशनलाल तनेजा

नि० 5 के न्यू टाउनशिप फरीदाबाद

द्वारा मुख्यांश आम श्री फकीरचन्द पुत्र देवीविता

राम निवासी ई-36 नेहरू ग्राउंड, न्यू टाउनशिप

फरीदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री रोशन,

सुनील कुमार, श्याम सुन्दर,

पुत्रान रोशन लाल

नि० 5-के-52-सी न्यू टाउनशिप, फरीदाबाद।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्त :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिनों की अवधि या उत्तमव्यवस्था व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बतसूची

सम्पत्ति मकान नं० 5-के-61 फरीदाबाद में स्थित है
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फरीदाबाद
में रजिस्ट्री संख्या 4082 दिनांक 15-2-1985 पर दिया
है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

दिनांक : 11-10-85

मोहर :

प्रमुख कार्य: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० चन्डी०/149/84-85--अतः सुमं, जोगिन्द्र
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 45 है तथा जो सैक्टर 5,
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कटू देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे दबने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमतीं ज्ञान सुखदीप कौर पत्नी श्री मखन सिंह,
श्री सरदुल सिंह, जगजीत सिंह पुतान श्री भान
सिंह, श्रीमती गजेन्द्र कौर अपने लिए तथा बतौर
अटार्नी सर्वश्री कुलवीर सिंह, रविन्द्र सिंह खोखर,
जमविन्द्र सिंह, खोखर पुतान श्री सुरजीत बहादुर
सिंह तथा श्रीमती जसवीर कौर पुत्री श्री सुरजीत
बहादुर सिंह निवासी मकान नं० 45, सैक्टर
5, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदर्शन सिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह,
श्रीमती गुरशरण कौर पुत्री श्री गुरबचन सिंह
निवासी सेवा भवन, नाभा पंजाब)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधि में
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 45, सैक्टर 5, चन्डीगढ़। (अर्थात् वह जाय-
दाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के विलेख
सं० 1167 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-10-1985

मोहर

प्रमुख आई.टी.एन.एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निदेश सं० चन्डी०/176/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषय करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1177 है तथा जो पैर 34
सी. चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिखित में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शान्ता शर्मा पत्नी श्री एम० एल० शर्मा
श्री एम० एल० शर्मा पुत्र श्री शाम दास,
मकान नं० 1281, सेक्टर 33 सी,
चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरबखश सिंह गांधी पुत्र श्री गोपाल सिंह
द्वारा कानूनी वारिस श्रीमती मनजीत कौर गांधी
तथा श्रीमती मनजीत कौर गांधी पत्नी श्री
गुरबखश सिंह, द्वारा श्रीमती सरोता सचदेवा,
मकान नं० 1053, सेक्टर 36 सी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां कराया है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1177 सेक्टर 34 सी, चन्डीगढ़। (अर्थात्
वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के
विलेख संख्या 1297 माह फरवरी 1985 के तहत दर्ज
है।)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निदेश सं० चन्डी०/148/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1282 है तथा जो सैक्टर
34 सी, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुभाष चन्द्र चौपड़ा पुत्र श्री नथू राम चौपड़ा
तथा श्रीमती रविन्द्रा कुमारी चौपड़ा पत्नी श्री
सुभाष चन्द्र चौपड़ा, निवासी मकान नं० 1282,
सैक्टर 34 सी, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमरजीत कौर कोहली पत्नी श्री गुरचरन
सिंह कोहली तथा मास्टर नखनीत सिंह कोहली
(ताबागिंग) पुत्र श्री गुरचरन सिंह कोहली
द्वारा नेचुरल गार्डियन तथा माता श्रीमती अमरजीत
कौर कोहली निवासी, मकान नं० 3372,
सैक्टर 46 सी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हूँ, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1282, सैक्टर 34 सी, चन्डीगढ़ (अर्थात्
वह जगह जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के
विलेख संख्या 1165 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज
है।)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-10-1985

मोहर :

प्राक्का आर्.टी.एन.एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निदेश सं० खरड़/94/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र

सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म.नं० 2622, है तथा जो फेज VII, मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्-
निक रूप से लिखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुए किसी धन की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उन्हें बचने में बाधना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों के निम्न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में बाधना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मनपाल चौपड़ा पुत्र श्री जगदीश चन्द्र, निवासी मकान नं० 3994, सैक्टर 22 डी, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र सिंह सहगल पुत्र श्री सरदार सिंह सहगल, श्री बलबीर सिंह सहगल पुत्र श्री नरेन्द्र सिंह सहगल, निवासी मकान नं० 1613, फेज 3 बी-2, मोहाली, तहसील खरड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2622, फेज VII, मोहाली तहसील खरड़ (अर्थात् जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के विलेख संख्या 4300 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।) ज

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-10-1985

सोहर :

प्रथम भाग. डॉ. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निदेश सं० खरड़/95/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सज्ञान नं० 844, है तथा जो फेज IV, मोहाली मेट्रोनीय खरड़ में स्थित है (और इसमें उपाकृष्ट अनुवृत्तों में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निताओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणालिनार्थ अन्तरिती दवाग्न प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कैलाश राणी
पत्नी श्री जगदीश लाल

निवासी सज्ञान नं० 3946, सैक्टर 22 डी,
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माखिरी देवी पत्नी श्री दर्शन सिंह
निवासी सज्ञान नं० 844, फेज IV,
मोहाली, तहसील खरड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सज्ञान नं० 844, फेज IV, मोहाली तहसील खरड़
(अर्थात् वह आयदादा जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के विलेख संख्या 4301 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-10-1985

मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. इव. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (नगराक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० खरड़/98/84-85---अतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिपकी सं० मकान नं० 1638, है तथा जो फेंज 7,
मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (और इसे उपायुक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी,
1985

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उक्त दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का दायमान
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लेखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत
में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए;
बोर्ड/बा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में रजिस्ट्री
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात :—

(1) श्री महिन्द्र सिंह
पुत्र श्री अमर सिंह
निवासी गांव खानपुर, तहसील खरड़,
अन्न कोठी नं० 128, मैक्टर 20 ए,
चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री बख्शिश सिंह पुत्र श्री मिलखा सिंह,
निवासी कन नं० 2044, फेंज VII,
मोहाली,
तहसील खरड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमव्ययी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1638, फेंज VII, मोहाली तहसील खरड़।
(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, खरड़
के विनियम संख्या 4391, माह फरवरी, 1985 के तहत
दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (नगराक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-10-1985
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री बी० के० घोषड़ा
पुत्र श्री केशो नाथ,
डी० ई० टी० शिमला।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० खरड़/102/84-85—अतः मुझे जोगिंद्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० मकान नं० 9, है तथा जो फेज JV, मोहाली, तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांश के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री भगत सिंह भाटिया
पुत्र श्री अर्जुन सिंह भाटिया,
मकान नं० 217, सैक्टर 37 ए,
चन्डीगढ़ अब मकान नं० 3,
रतन नगर, नई दिल्ली-110005।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 9, फेज , मोहाली मेहमोल खरड़
(अर्थात् वह आयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांश, खरड़ के विलेख संख्या 4653 माह फरवरी, 1985 के महसुल दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लुधियाना

तारीख: 11-10-1985

महंश:

प्रकट. नॉटि. एन. एन. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० डेराबस्सी/38/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 37 बीघा 8 तथा जो गांव किशनपुरा सब तहसील डेराबस्सी में स्थित है (और इससे उपो-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, डेराबस्सी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी कटौत या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के याँजार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शाम सुन्दर शर्मा
पुत्र श्री किदार नाथ शर्मा,
निवासी मकान नं० 229, सैक्टर 9,
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री छविन्द्र सिंह राजवन्त,
पुत्र श्री वीर इन्द्र सिंह
एच० यू० एफ०
निवासी मकान नं० 1014, सैक्टर 8 सी,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 37 बीघा 11 बिमवा जो कि गांव किशनपुरा सब तहसील डेराबस्सी में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, डेराबस्सी के बिलियम संख्या 1459 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-10-1985
मोहर :

प्रमाण: आई. टी. एन. एच. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० डेराबस्सी/83 ए/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 14 बीघा 15 बिकवा है तथा जो गांव शिवत पुरा, सब तहसील डेराबस्सी में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेराबस्सी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष प्रत्यक्ष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पसंद नहीं था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री विनोद कुमार शर्मा,
पुत्र श्री केदार नाथ शर्मा,
निवासी मकान नं० 229, मैक्टर 9,
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री छविन्द्र सिंह रानवंत,
पुत्र श्री वरिन्द्र सिंह,
निवासी मकान नं० 1014,
मैक्टर 8 सी,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 14 बीघा 15 बिकवा जो गांव शिवतपुरा सब तहसील डेराबस्सी में स्थित है (अर्थात् वह आयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेराबस्सी के विलेज संख्या 1460 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-10-1985

मोहर:

प्रकट माह, टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० डेराबस्सी/39/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 45 बीघा 12 बिसवा है तथा जो गांव किशनपुरा सब तहसील डेरा बस्सी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेराबस्सी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाब को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बहिष्करण से कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

वतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नात :—

(1) श्री श्री विनोद कुमार शर्मा एण्ड सन्ज ।
एच० यू० एफ० तथा शाम सुन्दर शर्मा एण्ड सन्ज, एच० यू० एफ० पुत्रान श्री कंदार नाथ शर्मा, निवासी मकान नं० 229, सेक्टर 9 सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरजीन कौर पत्नी श्री छविन्द्र सिंह राजवंत, निवासी मकान नं० 1230, सेक्टर 8, चण्डीगढ़।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कटुता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् अर्जाकर्ता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 45 बीघा 12 बिसवा जो कि गांव किशनपुरा, सब तहसील डेरा बस्सी में स्थित है। (अर्थात् वह जयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्सी के विलेख संख्या 1461 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-10-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० चण्डी/147/84-85--अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सफात नं० 1206 है तथा जो सैक्टर
15 बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-
रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन फर देने में अन्तरक को
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डी० पी० मोहन,
पुत्र श्री जगत नाथ,
निवासी सफात नं० 1206, सैक्टर 15 बी,
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री जनक सिंह
पुत्र श्री जामन सिंह,
श्रीमती जसवन्त कौर
पत्नी श्री जनक सिंह,
द्वारा मं० ओरिण्टल होटल एण्ड रेस्टोरेंट,
4-दर्शनी गेट, देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सफात नं० 1206, सैक्टर 15 बी, चण्डीगढ़। (अर्थात्
वह आयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के
बिलेख संख्या 1159 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-10-1985
मोहर:

प्रकट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० चण्डीगढ़/179/84-85—अन: जोगिन्द्र सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 435 है तथा जो सैक्टर 37
ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसी उपाखण्ड अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और भूमे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिप्सी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विजय मलिक

पुत्र श्री दुनी चन्द मलिक

तथा श्रीमती भर्नाप मलिक

पति श्री विजय मलिक,

निवासी, मकान नं० 671, सैक्टर 11 बी,
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरदीप कौर

पति श्री जोगिन्द्र सिंह,

मकान नं० 349, सैक्टर 37 ए,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिप्सी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 435, सैक्टर 37 ए, चण्डीगढ़। (अर्थात्
वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के
विलेख संख्या 1317 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-10-1985

मोहर:

प्रकरण आई. पी. ए. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर 1985

निदेश सं० चण्डी०/173/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1837 है तथा जो सैक्टर 34 डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कोथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचत या सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, नवम्बर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाण-नार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता जा रहा था या जिसमें से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब से अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अर्थ में निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जोगिन्द्र कौर
पत्नी श्री कुलदेव सिंह
निवासी मकान नं० 662,
सेक्टर 33 बी,
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) डा० भजन सिंह शेंवाल,
पुत्र श्री गजजत सिंह,
मकान नं० 281, लाजपत नगर,
जालन्धर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवस्थाओं पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम में आकर जा सकती है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रकरण 20-अ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1837, सैक्टर 34 डी, चण्डीगढ़। (अर्थात् वह आयदादा जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विवेक संख्या 1279 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निदेश सं० लुधियाना/649/84-85—प्रतः मुझे जोगिन्द्र
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और दिक्की सं० फैक्ट्री बिल्डिंग नं० बी-23-569 (नं०
12 ए०) है तथा जो टैक्स्टाइल कालोनी, लुधियाना में
स्थित है (और इससे उतावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में, एने दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच एने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मालिखित
उद्देश्य में लक्ष्य अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) तभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, निर्धारित भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या न किया जाना चाहिए था दिखाने में सक्षम
के लिए;

अब अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात् :—

(1) श्री चमन लाल भाटिया
पुत्र श्री दौलत राम भाटिया,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश कौर पत्नी
श्री भगवान सिंह
तथा श्री परमजीत सिंह
पुत्र श्री भगवान सिंह,
निवासी ए-13, पंचवटी कालोनी,
दिल्ली-33 अब ए०-12, टैक्स्टाइल कालोनी,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फैक्ट्री बिल्डिंग नं० बी-23-569 (नं० 12 ए०),
टैक्स्टाइल कालोनी, लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या
11646 साह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/660/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य :

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माला नं० बी-8-219 का भाग है तथा जो मोहनपुर रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधि-
कारियों के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रार अधि-
नियम, 1903 (1903 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वावक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्गतियों) की बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण यह है किसी काय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री देव सिंह पुत्र श्री गनना राज, वीर
सिंह पुत्र श्री राम सिंह, श्रीमती पारवती कौर
पत्नी श्री राम सिंह तथा श्रीमती पारवती कौर
पत्नी श्री कुमर सिंह, निवासी माला नं०
बी-8-219, मोहनपुर रोड, लुधियाना।

(अन्तर्गती)

(2) सर्वश्री प्रकाश चन्द तथा केशो राम पुत्र श्री
हंस राज, गोश्री राम तथा दनारसी दास पुत्रान
श्री राम गोपाल, निवासी 494/9, हस्पताल
नगर, लुधियाना तथा सर्वश्री राम नारायण,
सीता राम, अशोक कुमार पुत्रान श्री नन्द लाल
निवासी 1835, दरती अमरुता पुर, लुधियाना।

(अन्तर्गती)

(3) सर्वश्री विजय दास अलुभा तथा राम नारायण।
(यह व्यक्ति, जिसने अधिनियम में
सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना को प्रकाशित से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावक्त
व्यक्तियों पर कोर्ट द्वारा अर्जन कराया,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त संपत्ति के अर्जन में अन्त-
वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वहाँ अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

माला नं० बी-8-219 का भाग, मोहनपुर रोड, लुधियाना, अर्थात् वह संपत्ति जो रजिस्ट्रार अधि-
कारी, लुधियाना के निदेश सं० 11836 आह फरवरी,
1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-10-1985
मोहर :

प्रमुख शब्द: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० लुधियाना/661/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले के पत्रावली 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन राक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स.ता. सं० बी-8-219 का भाग है तथा जो मोन्टपुरा रोड, लुधियाना में स्थित है (और जहाँ जगन्नाथ अमृतचंद में और पूर्ण रूप से विभाजित है), एजिस्ट्रीयती अधि-कारि के कार्यालय, लुधियाना में, एजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, तारीख फरवरी, 1985 की

का पूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का समूह प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दायर किया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से होने वाली आय को अद्यतन उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) इसी किस्म की या किसी अन्य या अन्य वास्तविकता के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) आसतो गजानन कौर पत्नी श्री वीर सिंह, श्री वीर सिंह पुत्र श्री राम सिंह, श्रीमती परमजीन कौर पत्नी श्री कुलना सिंह, श्री देवा सिंह पुत्र श्री गजानन राम निवासी बी-8-219, मोन्टपुरा रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) पूर्वोक्त राम नायकन, सीता राम, अशोक कुमार पुत्रान् श्री नन्द लाल निवासी 1835, अमरुना पुर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के लिए कार्रवाई शुरू कराया है।

उक्त सम्पत्ति के बचने की सम्पत्ति में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या अस्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितस्वधृति अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स.ता. सं० बी-8-219, मोन्टपुरा बाजार का हिस्सा, लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो कि एजिस्ट्रीयती अधि-कारि, लुधियाना के विवेक संख्या 11837 तारीख फरवरी, 1985 के अधीन दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह
राक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-10-1985

मोहर:

प्रमाण नम्बर: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निदेश सं० लुधि०/654 ए/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सधान नं० बी-18-3652/5 एच०/3 का हिस्सा है तथा जो ग्राम फोल्ड, माडा ग्राम, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिपति के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक और अन्तरिती द्वारा प्रत्यक्ष प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की दर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के उद्देश्य के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिसमें अन्तरक आय-अन्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरविन्द लाल सिंह पुत्र श्री लालचन्द सिंह, 185, ग्रीन फोल्ड, माडा ग्राम, लुधियाना। (अन्तरक)

(2) श्रीमती राजजीत कौर पत्नी श्री लालचन्द सिंह, निवासी बी-18-3652/5 एच०/3 ग्रीन फोल्ड, माडा ग्राम, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के नि कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात्की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन शब्दों में दिया गया है।

अनुसूची

सधान नं० बी-18-3652/5 एच०/3 का हिस्सा, ग्रीन फोल्ड, माडा ग्राम, लुधियाना। (अर्थात् आयदाद जो कि रजिस्ट्रार अधिपति, लुधियाना के विनिय संख्या 11738 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख: 11-10-1985
मोहर:

प्रमाण क्रमांक टी.एस.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/633/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सजान नं० बी-20-1157 का हिस्सा
है तथा जो सरायवा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इसमें
उपादक अनुसूची में और पूर्ण रूप में गणित है), रजिस्ट्रार-
अधिवारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रार-अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तर्गत (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का
स्थितिक या कभी करन या उचित बचने में सुविधा
के लिए; और या

या ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1937 (1937 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा एकत्र नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
को, यों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री जगजीत सिंह, जगमोहन सिंह, अवतार
सिंह पुत्राः श्री बदन सिंह, निवासी गांव फुलां
बाग सहसांज लुधियाना द्वारा अटार्नी श्री विपन
कुमार पुत्र श्री देव राम, 745, सरगोवा बालोनी,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम कुमार
पुत्र श्री भगत राम,
निवासी एस-18, विकास नगर, लुधियाना।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्वबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकता है।

संश्लेषणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सजान नं० बी-20-1157 का हिस्सा, सरायवा नगर,
लुधियाना। (अर्थात् वह आयदाद जो कि रजिस्ट्रार-
अधिवारी, लुधियाना के विवेक संख्या 11383 माह फरवरी,
1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-10-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/634/84-85—अतः मुझे,
जोगिन्दर सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० मजान नं० बी-1157 है तथा जो
रायपुर नगर, लुधियाना का हिस्सा में स्थित है (अर्थात् इससे
उपरोक्त अनुसूची में अर्थात् पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-
वर्ती अधिारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रार-
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम, तारीख
फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए कायस्थित का नोट है। किन्तु यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गुन्हा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लक्ष्य पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वस्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री/श्रीमती सिंह, जयमल सिंह, अद्वैत सिंह
पुलान श्री बचन सिंह; निवास: गांव फुलावाल
तहसील लुधियाना द्वारा अटार्नी श्री विपिन कुमार
पुत्र श्री देव राज निवास: 745, सरगोधा पालीन
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री/श्रीमती प्रेम कुमार पुत्र श्री भगवत राम, निवास:
ए-18, विकास नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मजान नं० बी-XX-1157 का हिस्सा, रायपुर नगर,
लुधियाना (अर्थात् वह जगह जो रजिस्ट्रार-वर्ती अधि-
कारी, लुधियाना के दिल्ख संख्या 11425 माह फरवर,
1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्दर सिंह

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-10-1985

मोहर:

प्रकाशित: 14. एच. एल. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मध्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोड, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर, 1985

निवेद: सं० एण्ड/162/84-85- अतः मुझे, जोगिन्दर सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के तहत सूचना प्रार्थिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अंतरिक्ष सं० प्लॉट नं० 2, है तथा जो ट्रांसपोर्ट और वा, चण्डीगढ़ में स्थित है (यहां पर जो संपत्ति अन्तर्गत में आती पूर्णतः से वर्णित है), राजस्थानी प्राधिकरण के कार्यालय, एण्ड गढ़ में, राजस्थानी अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान प्रतिफल के लिए अन्वेषण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतररती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय को अन्तरण, उक्त अधिनियम के अधिनियम कर देने के अन्तरक के अन्वेषण में कभी करने या उसके अन्तर्गत में सूचना के लिए; और/या और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों का, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावमार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वेषण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मैजिस्ट्रेट सु सुन ट्रांसपोर्ट कं० प्राई० लिमिटेड, द्वारा
आ सं० कं० जैन चैयमन, गांधी रोड, अमृतसर।
(अन्तरक)

2 श्री सतनाम सिंह पुत्र साखार लधा सिंह द्वारा
दिल्ली: पंजाब गुरुद्वार करण (रजिस्टर्ड)
आ सं० ट्रांसपोर्ट, पतेन चौक, जयलक्ष्मी सिटी।

(2) मैजिस्ट्रेट सु सुन ट्रांसपोर्ट कं०
द्वारा आ सु सुन सिंह, हैड आफिस गुरुद्वार
हृदियाणा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तर्गत के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तर्गत के संबंध में कोई भी सूचना :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अन्तर्गत या उसके बाद की व्यक्तियों को सूचना की तारीख से 30 दिन की अन्तर्गत, जो भी अधिकतम में समाप्त होती है, के अन्तर्गत पूर्वोक्त व्यक्तियों से से सूचना प्राप्त होगी।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अन्तर्गत उक्त स्थावर संपत्ति में निवसित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निवसित या किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गत

प्लॉट नं० 2, ट्रांसपोर्ट एरिया, चण्डीगढ़। (अर्थात्
वा साखार जो कि राजस्थानी प्राधिकरण चण्डीगढ़
के विनियम संख्या 1236 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्दर सिंह
सक्षम प्राधिकार:
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रोड, लुधियाना

दिनांक: 11-10-1985

माहुर:

प्रकट बाई टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० चण्डी/181/84-B5—अतः सुश्री, जोगिन्दर
सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 358, है तथा जो सैक्टर 38
ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
शासकिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—346GI/85

(1) श्री रामजी दास द्वारा उनका अटार्नी श्री के०
के० गोयल, मकान नं० 1267, सैक्टर 22 बी
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीर कौर पति श्री सुवर्णन सिंह,
मकान नं० 378, सैक्टर, 38ए०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 358 सैक्टर, 38ए चण्डीगढ़ (अर्थात् वह
जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख
संख्या 1327 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्दर सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय, लुधियाना

दिनांक: 11-10-1985

मोहर

प्रकाश भाग टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निदेश सं० चण्डी०/170/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पञ्चांग 'आय अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अन्तर्गत अधिकारी को यह दिखाना करने का कारण है कि संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 2, है, तथा जो सैक्टर 24, चण्डीगढ़ में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वंशित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वंश प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रमिन्द्र कौर, पति श्री कुलवीर सिंह,
मकान नं० 564, सैक्टर 8-सी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरदियाल कौर पति, श्री रंजीत सिंह,
श्री मेवा सिंह, पुत्र श्री रंजीत सिंह, श्री मोहन सिंह
पुत्र श्री रंजीत सिंह, निवासी गांव, सदीकपुर, तहसील
सिरहिंद, जिला पटियाला।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किष्ट या सूकेने।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 2, सैक्टर 24, चण्डीगढ़, (अर्थात् वह जायदाद, जो कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1264, माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 10-10-1985
मोहर

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

बाइव सख्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० ऊना/1/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 37 कनाल, 18 मरला है, तथा जो गांव
रायसारी, तहसील तथा जिला ऊना में स्थित है (और इससे
उपाखण्ड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) [रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, ऊना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामनाथ पुत्र श्री शिव लाल,
निवासी गांव रायसारी, तहसील तथा जिला ऊना।
(अन्तरक)
2. मैसर्स नवज्योति, इंजीनियर्स प्राईवेट लिमिटेड,
गांव रायसारी, तहसील तथा जिला ऊना (हि० प्र०)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सका।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

37 कनाल, 18 मरला, भूमि जोकि गांव रायसारी, तहसील
तथा जिला ऊना (हि० प्र०), में स्थित है। (अर्थात् वह
जायदाद, जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, ऊना के विलेख
संख्या 152 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 8-10-1985
मोहर

प्रकृष भाई. टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निदेश सं० चण्डी०/154/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 8, है तथा जो सैक्टर
8-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त
अधिनियम के अधीन कट जाने के अन्तरण के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामगोपाल बंसल, पुत्र स्व० श्री विशोरी लाल बंसल,
निवासी मकान नं० 1225, सैक्टर-19 बी,
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री, तरविन्द्र सिंह, श्री जगमोहन सिंह, तथा श्री
सुरजीत सिंह पुत्रान, श्री गुर दित्त सिंह,
निवासी मकान नं० 2084, सैक्टर 61, फेज-7
मोहाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 8, सैक्टर 18-सी, चण्डीगढ़, (अर्थात्
वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना, के
विलेख संख्या 1182, माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 8-10-1985

मोहर :

प्रकृष माई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

बायकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निदेश सं० चण्डी०/160/84-85—प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 7, है, तथा जो सैक्टर-33ए चण्डीगढ़
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक फरवरी, 1985

के पूर्वोक्त, सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्राद-
क्य दिग्गमिष्ठित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उन्हे बढ़ने में सुविधा
के लिए; यदि/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य वास्तुको
का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अधः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कथित :—

1. श्री अजमेर सिंह सुपुत्र, श्री लेख सिंह,
निवासी मकान नं० 03, सैक्टर, 33ए,
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री शविन्द्र कौर, पति श्री रमेन्द्र सिंह ग्रेवाल,
श्री तजेन्द्र सिंह ग्रेवाल, पुत्र श्री हरमिन्द्र सिंह ग्रेवाल
द्वारा, उक्तका अन्तरक अटार्नी, श्रीमती जोगिन्द्र कौर
निवासी मकान नं० 25J3, सैक्टर, 19 सी,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकर्ता:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्री उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है। वही शब्द छोटा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 7, सैक्टर, 33 ए, चण्डीगढ़, (प्रयति वह
जायदाद, जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख
संख्या 1232, माह फरवरी, 1985 के तहत वर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की,
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निवेदन सं० चण्ड/153/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० एस० सी० ओ० नं० 439-440 है, तथा जो
संकर-35 सी, चण्ड/गढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार/वर्ती अधिधारी के
कार्यालय चण्ड/गढ़ में रजिस्ट्रार/वर्तन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और गतकर (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए दाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय में कमी करने या उससे बचने में बाधित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कंवर विश्वजित मृध्वजित सिंह, पुत्र श्री कंदरपृथ्वी-
जित सिंह, श्री सुरेन्द्र सिंह चौधरी, पुत्र श्री जोरिन्द्र सिंह
चौधरी, शान्त अंजना, सिंह विधवा श्री प्रेमनाथ मल्होत्रा,
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री पाला राम धर्मा, श्री अमरजित सिंह
सेठा, पुत्र श्री राम लाल सेठा, द्वारा अटार्नी/सब अटार्नी
श्री चमनलाल धर्मा पुत्र श्री गुरुचरण दास, निवासी
मकान नं० 1573, सैक्टर, 18-डी, चण्ड/गढ़। (अन्तरित।)
2. डा० इकबाल सिंह पुत्र स्व० श्री इन्द्रजित सिंह,
निवासी 110, साउथ माडल ग्राम, लुधियाना, अपने-
लिए तथा बर्तार अटार्नी, श्री विश्वमजित सिंह पुत्र
स्व० इन्द्रजित सिंह, अमरता राजवन्स कौर पत्नि
स्व० श्री इन्द्रजित सिंह, डा० प्रतापलाल सिंह पुत्र स्व०
चतुर सिंह, श्री प्रताप मोहिन्द्र सिंह, पुत्र डा० प्रतापलाल सिंह,
डा० जसविन्द्र सिंह, पुत्र डा० काबल सिंह, मेजर जे०.
एस० जीवा पुत्र स्व० मेजर टी० एस० जीवा,
श्री तजेन्द्र सिंह पुत्र स्व० प्रकाश सिंह, अमरता
मोहिन्द्र कौर, पत्नि स्व० एस० प्रकाश तथा श्री भारत
सिंह, पुत्र स्व० सरन सिंह द्वारा डा० इकबाल सिंह,
समा निवासी, मकान नं० 183, सैक्टर, 11 ए,
चण्ड/गढ़। (अन्तरित।)
3. स्टेट बैंक आफ पटियाला, एस० सी० ओ० 439-440
सैक्टर 35 सी, चण्ड/गढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ० नं० 439-440, सैक्टर 35 सी, चण्ड/गढ़
(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रार/वर्ती अधिधारी चण्ड/गढ़
के विलेख संख्या 1181, माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 10-10-1985

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निदेश सं० चण्डे/०/158/84-85—अतः सुश्री, जोगिन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 558 है, तथा जो सैक्टर 36,
चण्डेगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिवारों के दायित्व
चण्डेगढ़ में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधिनियम दिनांक फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, तो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमता। काम कौर पति श्री मोहन सिंह,
निवासी, मकान नं० 3296, सैक्टर, 15-डी,
चण्डेगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री गुरजीत सिंह रंधावा, सिंह पुत्र श्री गुरबचन सिंह
रंधावा, श्रीमती अमरजोत कौर पति श्री गुरबचन सिंह
रंधावा, निवासी मकान नं० 204, सैक्टर 36 ए,
चण्डेगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 558, सैक्टर 36, चण्डेगढ़, (अर्थात् वह
जायदाद, जो कि रजिस्ट्रार की अधिवारों के चण्डेगढ़ के रजिस्टर
संख्या 1215, माह फरवरी, 1985 के अंतर्गत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 8-10-1985

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निदेश सं० खरड/97/84-85—प्रति: सुखे, जोगिन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मजान नं० 1778, फ़ेज 3 बी-2, है, तथा जो
मोहल, तहसील खरड में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची
में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार/वर्ती अधिकारी के
कार्यालय खरड में रजिस्ट्रार/करण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक फ़रवरी, 1985

को एवांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती/ सीता के० कुमार, पति श्री/ कीर्ति कुमार,
निवासी/ मजान नं० 1778, फ़ेज 3 बी-2, मोहल,
तहसील खरड ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती/ अमृत कौर पति श्री/ पाल सिंह,
श्रीमती/ इन्द्रजाल कौर पति श्री/ बलवंत सिंह,
निवासी, मजान नं० 1615, सैक्टर 36 बी,
चण्डे/गढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मजान नं० 1778, फ़ेज 3 बी-2, मोहल, तहसील, खरड,
(अर्थात् वह आयदाता जोकि रजिस्ट्रार/वर्ती अधिकारी खरड के
विलेज संख्या 4351 माह, फ़रवरी, 1985 के दस्त दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10-10-1985

मोहर :

इसका नाम: टी. एन. एम्. एम्.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं० डेराबस्स/16/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि यथावत संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 5 बीघा है, तथा जो गांव रामपुर कलां,
सब तहसील डेरा बस्स में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची
में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार प्राधिकारी के
कार्यालय, डेराबस्स में रजिस्ट्रार प्राधिकार, 1908
(1908 का 16) के अर्जुन दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का
परिणत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के लिये तो
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रारम्भिक अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री जगदीश मित्र पुत्र श्री हरि राम अपनी तरफ से
तथा बतौर भ्रान्ती श्री विद्या मित्र, पुत्र श्री हरिराम
निवासी कोठे नं० 67, सैक्टर, 28ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री पंचशैल को-आप० हाउसिंग बिल्डिंग सोसायटी लि०
(रजिस्टर्ड), गांव रामपुर कलां, सब तहसील डेरा
बस्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों का
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या जो
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवशुप
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 5 बीघा जो कि गांव रामपुर कलां सब तहसील
डेरा बस्स में स्थित है (अर्थात् वह जगदाद जो कि रजिस्ट्रार प्राधिकारी
अधिनियम डेराबस्स के विलेख संख्या 1498 माह फरवरी,
1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—
9 —346GI/85

दिनांक : 8-10-1985
सोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निदेश सं० डेराबस्सी/41/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० भूमि 6 बिघा है तथा जो गांव रामपुर ब्लां सबतहसील डेरा बस्सी, में स्थित है (और इससे उपान्वित अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रार अघिदारी के कार्यालय डेरा बस्सी में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, दिनांक जनवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गंभीर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगदीश मित्र पुत्र श्री हरि राम निवासी—कोठा सं० 67, सेक्टर 28ए, चन्डीगढ़, श्री विद्या मित्र पुत्र श्री हरि राम द्वारा जं० पं० ए०, श्री जगदीश मित्र पुत्र श्री हरि राम कोठा सं० 67, सेक्टर, 28ए, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) दी पंचशोल को० प्रा० हाउस बिल्डिंग सोसायटी (रजिस्टर्ड) गांव रामपुर ब्लां, सब तहसील डेरा बस्सी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 6 बिघा जो कि गांव रामपुर ब्लां सब तहसील डेरा बस्सी में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रार अघिदारी, डेरा बस्सी के विलेख संख्या 1469 माह जनवरी के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 8-10-1985

मोहर :

प्रथम भाग : टी. पुन. पुन.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भाइत बडकाइ

कार्यालय, सहायक कायकर जायकस्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज, लूधियाना

सुधियाना, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निदेश सं० डेरा वस्सी/40/84-85—प्रतः मुखे, जोगिन्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० जर्नल 6 बाधा है तथा जो गांव रामपुर कलां सब तहसील डेरा बस्ती में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रार वर्तमान अधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्ती में, रजिस्ट्रार वरुण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, दिनांक जनवरी 1985,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की वापस, उस अधिनियम को अधिन कर देने से अन्तरक को वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा हो सिए; जीर/बा

(ब) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तियों को, बिन्दू भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में साक्ष्य के लिए;

कतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसूचक
नं. १, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११, १२, १३, १४, १५, १६, १७, १८, १९, २०, २१, २२, २३, २४, २५, २६, २७, २८, २९, ३०, ३१, ३२, ३३, ३४, ३५, ३६, ३७, ३८, ३९, ४०, ४१, ४२, ४३, ४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ४९, ५०, ५१, ५२, ५३, ५४, ५५, ५६, ५७, ५८, ५९, ६०, ६१, ६२, ६३, ६४, ६५, ६६, ६७, ६८, ६९, ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५, ७६, ७७, ७८, ७९, ८०, ८१, ८२, ८३, ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ८९, ९०, ९१, ९२, ९३, ९४, ९५, ९६, ९७, ९८, ९९, १००, १०१, १०२, १०३, १०४, १०५, १०६, १०७, १०८, १०९, ११०, १११, ११२, ११३, ११४, ११५, ११६, ११७, ११८, ११९, १२०, १२१, १२२, १२३, १२४, १२५, १२६, १२७, १२८, १२९, १३०, १३१, १३२, १३३, १३४, १३५, १३६, १३७, १३८, १३९, १४०, १४१, १४२, १४३, १४४, १४५, १४६, १४७, १४८, १४९, १५०, १५१, १५२, १५३, १५४, १५५, १५६, १५७, १५८, १५९, १६०, १६१, १६२, १६३, १६४, १६५, १६६, १६७, १६८, १६९, १७०, १७१, १७२, १७३, १७४, १७५, १७६, १७७, १७८, १७९, १८०, १८१, १८२, १८३, १८४, १८५, १८६, १८७, १८८, १८९, १९०, १९१, १९२, १९३, १९४, १९५, १९६, १९७, १९८, १९९, २००, २०१, २०२, २०३, २०४, २०५, २०६, २०७, २०८, २०९, २१०, २११, २१२, २१३, २१४, २१५, २१६, २१७, २१८, २१९, २२०, २२१, २२२, २२३, २२४, २२५, २२६, २२७, २२८, २२९, २३०, २३१, २३२, २३३, २३४, २३५, २३६, २३७, २३८, २३९, २४०, २४१, २४२, २४३, २४४, २४५, २४६, २४७, २४८, २४९, २५०, २५१, २५२, २५३, २५४, २५५, २५६, २५७, २५८, २५९, २६०, २६१, २६२, २६३, २६४, २६५, २६६, २६७, २६८, २६९, २७०, २७१, २७२, २७३, २७४, २७५, २७६, २७७, २७८, २७९, २८०, २८१, २८२, २८३, २८४, २८५, २८६, २८७, २८८, २८९, २९०, २९१, २९२, २९३, २९४, २९५, २९६, २९७, २९८, २९९, ३००, ३०१, ३०२, ३०३, ३०४, ३०५, ३०६, ३०७, ३०८, ३०९, ३१०, ३११, ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६, ३१७, ३१८, ३१९, ३२०, ३२१, ३२२, ३२३, ३२४, ३२५, ३२६, ३२७, ३२८, ३२९, ३३०, ३३१, ३३२, ३३३, ३३४, ३३५, ३३६, ३३७, ३३८, ३३९, ३४०, ३४१, ३४२, ३४३, ३४४, ३४५, ३४६, ३४७, ३४८, ३४९, ३५०, ३५१, ३५२, ३५३, ३५४, ३५५, ३५६, ३५७, ३५८, ३५९, ३६०, ३६१, ३६२, ३६३, ३६४, ३६५, ३६६, ३६७, ३६८, ३६९, ३७०, ३७१, ३७२, ३७३, ३७४, ३७५, ३७६, ३७७, ३७८, ३७९, ३८०, ३८१, ३८२, ३८३, ३८४, ३८५, ३८६, ३८७, ३८८, ३८९, ३९०, ३९१, ३९२, ३९३, ३९४, ३९५, ३९६, ३९७, ३९८, ३९९, ४००, ४०१, ४०२, ४०३, ४०४, ४०५, ४०६, ४०७, ४०८, ४०९, ४१०, ४११, ४१२, ४१३, ४१४, ४१५, ४१६, ४१७, ४१८, ४१९, ४२०, ४२१, ४२२, ४२३, ४२४, ४२५, ४२६, ४२७, ४२८, ४२९, ४३०, ४३१, ४३२, ४३३, ४३४, ४३५, ४३६, ४३७, ४३८, ४३९, ४४०, ४४१, ४४२, ४४३, ४४४, ४४५, ४४६, ४४७, ४४८, ४४९, ४५०, ४५१, ४५२, ४५३, ४५४, ४५५, ४५६, ४५७, ४५८, ४५९, ४६०, ४६१, ४६२, ४६३, ४६४, ४६५, ४६६, ४६७, ४६८, ४६९, ४७०, ४७१, ४७२, ४७३, ४७४, ४७५, ४७६, ४७७, ४७८, ४७९, ४८०, ४८१, ४८२, ४८३, ४८४, ४८५, ४८६, ४८७, ४८८, ४८९, ४९०, ४९१, ४९२, ४९३, ४९४, ४९५, ४९६, ४९७, ४९८, ४९९, ५००, ५०१, ५०२, ५०३, ५०४, ५०५, ५०६, ५०७, ५०८, ५०९, ५१०, ५११, ५१२, ५१३, ५१४, ५१५, ५१६, ५१७, ५१८, ५१९, ५२०, ५२१, ५२२, ५२३, ५२४, ५२५, ५२६, ५२७, ५२८, ५२९, ५३०, ५३१, ५३२, ५३३, ५३४, ५३

(1) श्री जगदाश मित्र पुत्र श्री हरी राम
निवासी—कोठे सं 67 सैक्टर 28—ए, चण्डीगढ़
अपने तरफ से और बतौर भटानी श्री विश्वा
मित्र पुत्र श्री हरी राम
निवासी—कोठे सं 67, सैक्टर 28—ए, चण्डीगढ़ ।
(अन्तरक)

(2) मेसर्स पंचशील को० आपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी रजिस्टर्ड गांव रामपुर कलां सब तहसील डेरा बस्ती ।

(अन्तरिती.)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मजदूरों के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

ज्वरत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधाएँ :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कम में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस स्थान पर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनामसूची

जमीन 6 बीघा गाँव रामपुर कलां सब तहसील डेरा बस्सी में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रार वार्ता अधिकाारी डेरा बस्सी के विलेख संख्या नं० 1462 माह जनवरी 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरिक्षण),
अर्जन रेंज, लखियाना

दिनांक : 8-10-1985

मोहुर :

प्रश्न आई.टी.एन.एच.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायक उपायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निदेश सं० डेराबस्सी/32/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 6 बीघा 8 बीघा है तथा जो गांव रामपुर कलां, सब सहस्राल डेरा बस्सी में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूचा में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकांश के कार्यालय, डेराबस्सी में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायित्य में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अर्थ, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री जगदीश मित्र पुत्र श्री हरी राम निवासी—कोठा सं० 67, सैक्टर 28-ए, चण्डीगढ़, श्री विजयमित्र, जगदेव मित्र पुत्रान, श्री हरी राम द्वारा जो० पं० ए०, श्री जगदीश मित्र पुत्रान श्री हरी राम, कोठा सं० 67, सैक्टर 28-ए, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) दो पंचसाल को—आप० हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड, (रजिस्टर्ड) गांव रामपुर कलां, सब सहस्राल डेरा बस्सी।
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

अनसूची

भूमि 6 बीघा, 8 बिसवा जो कि गांव रामपुर कलां सब-सहस्राल डेरा बस्सी में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रार की अधिकांश, डेरा बस्सी के विलेख संख्या 1383 माह जनवरी 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक नायक उपायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 8-10-85

मोहर ॥

प्रथम भाग, टी. एच. एच.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आउट स्टैंड

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निदेश सं० डेरा बस्ती/31/84-88—प्रतः मुझे, जोगिन्दर सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० भूमि 6 बीघा 7 बिस्वा है तथा जो गांव रामपुर कलां, सब तहसील, डेरा बस्ती में स्थित है (और इससे उपान्वित भूखुजा में और पूर्ण वर्णित है), रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्ती में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, दिनांक जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया वाला चाहिए या, डिपॉजिट में सुरक्षा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगदेव मित्र पुत्र श्री हरी राम निवास—महान सं० 67, सैक्टर 28ए, चण्डीगढ़, श्री विश्वा मित्र जगदेव मित्र पुत्रान, श्री हरी राम, कोठी सं० 67, सैक्टर 28ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री पंचगोल को—आप० हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड (रजिस्टर्ड) गांव रामपुर कलां, सब तहसील डेरा बस्ती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्रवाई करना है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्पन्नम्भी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बाधोद्घातकों के बाध निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 6 बीघा, 7 बिस्वा जो कि गांव रामपुर कलां, सब तहसील डेरा बस्ती में स्थित है अर्थात् जगदेव जो कि रजिस्ट्रार प्राधिकारी, डेरा बस्ती के विवेक संख्या 1377 माह जनवरी 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्दर सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक नायकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना।

दिनांक : 8-10-1985

मोहर :

अध्याय बाई-टी.एन.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पटियाला/53/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० म.नं. सं० 3153/3 है तथा जो धर्मपुरा बाजार, पटियाला, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम, दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल गणितीय लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (1) श्रीमती सकुमरी देवी पत्नी श्री राजकुमार गोयल निवास—67, पंजाबी बाग, पटियाला। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती इन्द्र कौर पत्नी श्री सुजान सिंह, निवास—6436/1, गुरु नानक नगर, नजदीक टी० बी० हस्पताल, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्ज के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्ज के संबंध में कोई भी बाधा—

- (क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, भिन्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

म.नं. सं० 3153/3 धर्मपुरा बाजार, पटियाला (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रार की अधिकारी, पटियाला के विलेज संख्या 4609 माह फरवरी, 1985 के तहत वर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 10-10-1985
मोहर

श्री. टी. एन. एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पटियाला/52/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सं० 3152-3153/1, है तथा जो घमपुरा बाजार, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती स्वमती देवी पति श्री राजभुसार गोदल, निवासी—67, पंजाबी बाग, पटियाला ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्र कौर पति श्री सुजान सिंह, निवासी—6436/1, गुरु नानक नगर, नजदीक टी० बी० हस्पताल, पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० 3152-3153/1, घमपुरा, बाजार पटियाला (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रार अधिकारी, पटियाला के विलेज संख्या 4587 साह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, लुधियाना ।

दिनांक : 10-10-1985
मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस. :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार .

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निदेश सं० डेरा बरसा/1/85-86—प्रति: मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 33विघा, 14 बिसवा है तथा जो गांव
शेखपुरा सब तहसील डेरा बरसा में स्थित है (और इससे उपायुक्त
अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के
कार्यालय, डेराबरसा में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चग प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किना जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्ग
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री: सतपाल, रमेश कुमार, अश्वनी कुमार,
सुखदेव कुमार, सुशील कुमार पुत्रान् श्री: चत्तर सैन
निवासी—डेरा बरसा ।

(अन्तरक)

(2) श्री: शेखपुरा खुर्द को०—प्राप० हाउस बिल्डिंग
सोसायटी, खुर्दपुर ग्राम मकान सं० 1860, सैक्टर
34-डी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्जन की लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 33 विघा, 14 बिसवा जो कि गांव शेखपुरा सब-
तहसील डेराबरसा में स्थित है (अर्थात् वह पारस जो कि
रजिस्ट्रार अधिकारी डेरा बरसा के दिल्ख संख्या 149 माह
अप्रैल 1985 के दखल दर्ज है ।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० डेरा बर्मा/36/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 33 बिघा, 14 बिसवा है तथा जो गांव शेखपुरा सब-तहसील डेरा बर्मा, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बर्मा में, रजिस्ट्रार/करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ऐसे द्यमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—346GI/85

(1) सर्वश्री सतपाल, रमेश कुमार, असोनी कुमार उर्फ अश्वना कुमार, सुखदेव कुमार, सुनील कुमार पुत्रान् श्री जगन सैन निवासी—डेरा बर्मा।

(अन्तरक)

(2) दी शेखपुरा खुर्द को०आप० हाउस बिल्डिंग सोसा-इटी, शेखपुरा, खुर्द अब मकान सं० 1860, मक्टर 34डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 33 बिघा 14 बिसवा जो कि गांव शेखपुरा सब-तहसील डेरा बर्मा में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी, डेरा बर्मा के विलेख संख्या 1450, माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, लुधियाना।

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्रकृष्ट कार्य, टी. एन. एल. - - - - -

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

साहस सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निदेश सं० खरड़/100/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), क. धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1133 है तथा जो फेज
मोहाली महमिल खरड़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उक्त करने से सुविधा को लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवच-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाव में सुविधा को
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित हूँ—

(1) श्री अमृत लाल शर्मा पुत्र श्री अचनाशी राम
मकान नं० 455, सैक्टर 15 ए,
चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन जीत सिंह
पुत्र श्री चरण जीत सिंह,
निवासी 11, मथुरा रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या दस्तावेजों व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1133, फेज 5, मोहाली महमिल खरड़।
(अर्थात् वह आयदादा जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़
के बिलख संख्या 4558 माह फरवरी, 1985 के तहत
दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

आयकर आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-10-1985

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० लुधि०/650/84-85—अन: मुझे, जोगिन्द्र
मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद नं० बी-35-7/21 बी का
1/2 भाग है तथा जो भाई रघीर सिंह नगर, लुधियाना
में स्थित है (और इसके उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वार्षिक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वचनी देवी
पत्नी श्री ब्रिज लाल,
निवासी 51 ए, नौलखा गार्डन कालोनी,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुराणंदर कौर
पत्नी डा० अजीत सिंह कंड,
निवासी 9/48, पंचाव एग्रीकल्चर्स यूनिवर्सिटी
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जायदाद नं० बी-35-7/21 बी का 1/2 भाग जो कि
भाई रघीर सिंह नगर, लुधियाना में स्थित है। (अर्थात्
वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के
चिन्ता नं० 11662 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज
है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7-10-1985

गोहर

प्रूप. अर्ज. टी. ए. ए. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निदेश सं० लुधियाना/623/84-85-अतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-19-327 बी का 1/4
भाग है तथा जो डा० राम सिंह रोड, लुधियाना में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्दूक से हुई किसी बाय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वास्तव में कभी करने या सबसे बचने में सुविधा
के लिए, अर्ज/बा

(ख) एसी किसी बाय या किसी भू या अन्य वास्तवों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना की विधि

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ए, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भूपण कुमार
पुत्र श्री पन्ना लाल,
निवासी बी-XIX-327 बी,
डा० राम सिंह रोड,
लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री शिरी देव जैन
पुत्र श्री माधन मल जैन,
निवासी मकान नं० 773, मोचपुरा,
लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ताकृती के पात्र विधि
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-19-327 बी का 1/4 भाग जो कि
डा० राम सिंह रोड, लुधियाना में स्थित है । (अर्थात्
वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के
विलेख सं० 11023 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज
है।)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 8-10-1985

मोहर :

प्रासूप बाई.टी.एन.एल.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
कं धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० लुधि०/623/84-85-अतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० बी-19-372 बी का 1/4
भाग है तथा जो डा० ग्राम मिह रोड, लुधियाना में स्थित
है (और इनमें उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आदेशानुसार, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विधिवत
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वास्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी धन का किसी धन का अन्य भागिदारों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री भूपण कुमार
पुत्र श्री पन्ना लाल,
निवासी मकान नं० बी-19-327 बी,
डा० ग्राम मिह रोड,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तरुम जैन
पत्नी श्री गिरी देव जैन,
निवासी 773, सांवपुरा,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सप्ताहन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोदस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्यान :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-19-327 बी का 1/4 भाग, जो कि
डा० ग्राम मिह रोड, लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् वह
जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख
संख्या 1184 साह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-10-1985
मोहर :

प्रकरण बाई.टी.एम्.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भाग
269-ब (1) के अधीन सूचना

वास्तव सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निदेश सं० लुधियाना/615/84-85-अतः मुखे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षा करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-19-327 बी का 1/4 भाग है तथा जो डा० शाम सिंह रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवक्षा करने का कारण है कि अप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे दृश्यमान के बिन्दु एवं शेष तथा प्राप्ति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिन्दु बाँट/घट

(ख) इसी किसी धन या किसी धन का अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावद्वारा बन्धित नहीं किया गया या वास्तविकता अर्थात् वा, विधानों में अधिष्ठा के बिन्दु

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब के अनुसार यह, कि, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री भूपण कुमार
पुत्र श्री पन्ना लाल,
निवासी मकान नं० बी-19-327 बी,
डा० शाम सिंह रोड,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री शिरी दैव जैन
पुत्र श्री मावन मल जैन
निवासी 773, मोचपुरा,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम, के अन्धार् 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-19-327 बी का 1/4 भाग, जो कि डा० शाम सिंह रोड, लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विवेक संख्या 11121 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-10-1985
मोहर :

प्रमुख कार्य.टी.एच.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्तूबर 1985

निदेश सं० लुधियाना/610/84-85—अन: मुझे, जोगिन्द्र
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-19-327 बी का 1/4
भाग है तथा जो डा० शाम सिंह रोड, लुधियाना में स्थित
है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) यथापूर्व से हुए किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दाखिल में कमी करने या उससे बचने में सूचना
की लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रसंगिकार्थ अंतरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था और जिसका ज्ञान अधिनियम, 1922 में सूचना
की लिए;

अतः कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधार (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भूपण कुमार
पुत्र श्री पन्ना लाल,
निवासी मकान नं० बी-19-327 बी,
डा० शाम सिंह रोड,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नरमेम जैन
पत्नी श्री शिरी देव जैन,
निवासी मकान नं० 773, मोचपुरा,
लुधियाना।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-19-387 बी का 1/4 भाग, जो डा०
शाम सिंह रोड, लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् वह
जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विवेक
संख्या 11040 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8-10-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० लुधियाना/581/84-85—अन: मुझे,

जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कॉलड स्टोरेज बिल्डिंग 8 कनाल 4 मरला भूमि के साथ है तथा जो तरफ काराबारा लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैथर्ण निधान कोल्ड स्टोरेज, जी० टी० रोड, बाईपास, गांव काराबारा, लुधियाना द्वारा श्री पलविन्द्र मह पुर श्री गुरचरन सिंह, श्री प्रीत मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह निवासी खडौवाल, तहसील तथा जिला लुधियाना। श्रीमती अमरजीत कौर पत्नी श्री रंजोध सिंह निवासी गांव हीरा तहसील तथा जिला लुधियाना। श्री जमीर सिंह पुत्र श्री चेत सिंह निवासी 146, भिन्वरगंज, लुधियाना। श्री कुनबिन्द्र सिंह पुत्र श्री अर्जुन सिंह निवासी 447, विजय नगर, डंडास्ट्रियल एरिया ए, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री अवतार सिंह एण्ड सन्ज (एच० यू० एफ०), श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नी श्री अवतार सिंह, श्री गुरचरन सिंह एण्ड सन्ज (एच० यू० एफ०) तथा श्रीमती जोगिन्द्र कौर पत्नी श्री गुरचरन सिंह निवासी 77-बी, उद्यम सिंह नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कॉलड स्टोरेज बिल्डिंग 8 कनाल 3 मरला भूमि के साथ जो कि तरफ काराबारा, लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विनिर्दिष्ट संख्या 10828 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 8-10-1985

मोहर:

सकल बाह्य ऋणों का निपटारा करने के लिए

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अध्यापक, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निदेश सं० लुधि०/657/84-85—प्रतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 150 सी, है तथा जो
बिचलू नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी,
1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से उचित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वारदात, उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत करने की अन्तरक के अन्तर्गत
को कभी करने या करने के लिए को अधिनियम के अधिनियम
के लिए/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जाय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिसने में अधिनियम
के लिए है

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अध्यापक—

11—346GI/85

(1) श्री हर्ष मोहन वर्मा
पुत्र श्री आनन्द सक्कर,
150-सी, बिचलू नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री मनमोहन सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह तथा
श्रीमती प्रीत हर्ष कौर पत्नी श्री मनमोहन सिंह,
निवासी 150 सी, बिचलू नगर, लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सहस्र

मकान सं० 159सी, बिचलू नगर, लुधियाना। (अर्पित)
यह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के
विलेख संख्या 11781 माह फरवरी, 1985 के सहित वर्ज
है।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना।

तारीख : 11-10-1985
मोहर।

व्यक्ति का नाम, पता, पेशा, आदि

जायदर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निदेश सं० लुधियाना/6/7084-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

जायदर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिह्न इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-1/982/2 का 1/8 भाग, है तथा जो सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना में स्थित है (और इन्से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल की संख्या अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच होने वाले अन्तरण के लिए तय पाया गया अंतरक, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में अस्तित्वपूर्ण रूप में कोशित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व में बची करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) उक्त अन्तरण का वह या किसी भी अन्य व्यक्ति को, अथवा भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्री प्रकाश पुत्र

श्री अमर नाथ,

निवासी 982/2, सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री राम सरन दास पुत्र श्री तेलू राम गुप्ता,

निवासी मकान नं० बी-1-982/2,

सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए निर्देशित किया जाता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बाधोद्धार की वृत्ति निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

सूचना

मकान नं० बी-1-982/2 का 1/8 भाग जो कि सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 11011 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-10-1985

मोहर :

(1) श्री मंगल दास

निवासी महान नं० १८२/२, रागने पुलित लाइन्स,
सिबिल लाइन्स, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री राम सरन दास गुप्ता

पुत्र श्री तेलू राम गुप्ता,

नवासी महान नं० बी-१-१८२/२, सायन पुल
लाइन्स, सबल लाइन्स,
लुधियाना ।

(अन्तरिती)

कई ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तत्पश्चात् 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तिगत पर सूचना की तारीख से 30 दिनों का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, में भारत प्रत्यक्ष व्यक्तियों में से किसी को भी प्रत्यक्ष

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिग्रहणपत्र के शर्त निर्धारित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-1/1982/2 का 1/8 भाग जो कि सामने पुलिस लाइन, विविल लाइन, लूथियाना में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि एजिडंकरनी अधिकारी, लूथियाना के विलेख संख्या 12004 माह फरवरी, 1984 में ग्रहण दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

गक्षम प्राधिहारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निराक्षर)

अर्जन रेंज, लुइसियाना

सायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

साक्ष्य संकलन

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निवेश सं० लुधियाना/674/84-85—प्रतः मुझे जोगिन्द्र

सिंह,

प्रायः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-1-982/2 का 1/8 भाग है तथा जो सामने पुलित लाइन, विविल लाइन, लुधियाना में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्वय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रत्येकान्वय अन्तरिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

तारीख : 8-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निवेश सं० लुधियाना/6 3/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र,

सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-1-982/2 है तथा जो सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना भाग का 1/8 में स्थित है (और इससे उगावड़ा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हदमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हदमान प्रतिफल से, ऐसे हदमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ललित कुमार

पुत्र श्री भ्रमर नाथ

निवासी मकान नं० 982/2, सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम सरन दास गुप्ता

पुत्र श्री तेलू राम गुप्ता,

निवासी मकान नं० बी-1-982/2, सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-1-982/2 का 1/8 भाग जो कि सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेज संख्या 12003 माह फरवरी, 1986 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निवेद सं० लुधियाना/607ए/84-85--प्र.सं. मुसे, जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-1-982/2 का 1/8 भाग, है तथा जो सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना में स्थित है (और इससे उगाड़क अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सुबेश कुमारी

पुत्री श्री अनुर नाथ,

निवासी मकान नं० 982/2, सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना।

(प्रन्तरक)

(2) श्री राम सरन दास,

गुप्ता पूत श्री तेजु रामगुप्ता

निवासी मकान नं० बी-1-982ए, सामने पुलिस लाइन्स, लुधियाना।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-1/982/2 का 1/8 भाग, जो कि सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना में स्थित है अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रार अधिकाारी लुधियाना के विलेख संख्या 11/37 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-10-1985

[मोहर :

प्रकृष भा.टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० लुधियाना 14/84-85--प्रतः मुझे जोगिन्द्र

सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-1-982/2 का 1/8
भाग, है तथा जो सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स
लुधियाना में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे
दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अश्वनी कुमार

पुत्र श्री अमर नाथ

निवासी मकान नं० 982/2, सामने पुलिस लाइन्स,
सिविल लाइन्स, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री अश्वनी कुमार

पुत्र श्री राम सरन दास,

निवासी मकान नं० बी-1-982/2, सामने

पुलिस लाइन्स,

लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अ.सू.सी

मकान नं० बी-1-982/2 का 1/8 भाग जो कि
सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना में स्थित
है। (अर्थात् बड़ जायदाद जो कि रजिस्ट्रार अधिकारी,
लुधियाना के विज्ञेय सं० 1623 माह फरवरी 1985 के
सहित दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

संजन प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8-10-1985

मोहर:

प्रथम भाग, टी. एन. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निदेश सं० लुधियाना/606/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-1-982/2 का 1/8 भाग
है तथा जो सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना
में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के
अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तुओं
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
यह मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्रीमती कमलेश रानी
पत्नी श्री धर्म पाल,
निवासी 982/2, सामने पुलिस लाइन्स,
सिविल लाइन्स, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री राम सरन दास गुप्ता
पुत्र श्री तेलू राम गुप्ता
निवासी मकान नं० बी-1-982/2, सामने पुलिस
लाइन्स, सिविल लाइन्स,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० बी-1-982/2 का 1/8 भाग जो कि
सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना में स्थित
है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
लुधियाना के विलेख संख्या 11011 माह फरवरी, 1985
के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-10-1985

मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निवेश सं० लुधियाना/588/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषय करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-21-8/ए का भाग है,
तथा जो इन्डस्ट्रियल एरिया बी, लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रि-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्चित
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
सर्वोच्च प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीकी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से करीब नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकी
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री गुरबीन सिंह पुत्र श्री दबिन्द्र सिंह,
निवासी 1102 हरनाम नगर, लुधियाना द्वारा
जी० पी० ए० श्री दबिन्द्र सिंह पुत्र श्री सलिंग
राम, निवासी 1102, हरनाम नगर, लुधियाना।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती परमिन्द्र कौर
पत्नी श्री बलवन्त सिंह
निवासी 1102, हरनाम नगर,
लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-21-8/ए का भाग, इन्डस्ट्रियल एरिया बी,
लुधियाना। (अर्थात् वह आयदाद जो कि रजिस्ट्रिकर्ता
अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 10924 माह फरवरी,
1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-10-1985
मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निदेश सं० लुधियाना/587/84-85—अतः मू.जे. जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-21-8/ए का हिस्सा है
तथा जो इंडस्ट्रियल एरिया बी, लुधियाना में स्थित है (और
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मू.जे. यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—346G1/85

- (1) श्री गुणदीप सिंह

पुत्र श्री दक्खिन्द्र सिंह,

निवासी 1102 हरनाम नगर, लुधियाना द्वारा
श्री दक्खिन्द्र सिंह पुत्र श्री मालिग राम निवासी
1102, हरनाम नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती नरेन्द्र कौर

पत्नी श्री अमरजीत सिंह

निवासी 1102, हरनाम नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सप्ताहन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होना हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-21-8/ए, इंडस्ट्रियल एरिया बी का
हिस्सा, लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेन्ड संख्या 10923 माह
फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

महायुक्त आयकर आयुक्त

(निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6024---

अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 22 (तन मंजिल) है तथा जो शाबुआ टावर, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसके अन्तर्गत से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए, बी के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में फरवरी 1985 को पंजीकृत माना गया है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० सी० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ए० सी० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ए० सी० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम के अन्तर्गत कर देना या देना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैक्स एडिशन लिमिटेड : इन्टरप्राइसेस प्राइवेट लिमिटेड,
निवासी 170 आर० एन० टी० मार्ग,
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री अमर ए० अम्बासी,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 22 (तन मंजिल) शाबुआ टावर, 170,
आर० एन० टी० मार्ग, इंदौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

“आयकर भवन” मैदा मिल के सामने,

हंशगाबाद रोड, भोपाल

तारीख : 15-10-1985

हर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5963—अतः

मुझे, एम० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 है, तथा जो मीरापथ, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कोशिक

पिता श्री रणजीत सिंह होलकर,
निवासी 13-ए, भवा-उपुर कालोनी,
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शिरोमणि

पति विमलचन्द्रजी जैन,
63, पीरगली,
इंदौर।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

महसूची

प्लॉट नं० 2, मीरापथ, इंदौर में स्थित है।

एम० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयुक्त आयुक्त
अर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख : 14-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5964—अतः

मुझे, एम० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

औद्योगिकी सं० प्लॉट नं० 150 बी है, तथा जो नेमी-नगर, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या जिन्हें वे सहायता के लिए;

वातः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मनोरमा बाई
पति नरेन्द्र कुमार पटोदी
निवासी 301, उपानगर,
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री शांति कुमार जैन
पिता विमलचंद्र जैन
निवासी 191, भवानी मार्ग,
मनावद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 150 बी, नेमी नगर (जैन कालाती),
इंदौर में स्थित है।

एम० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-10-1985
मोहर :

प्रमुख आर्क्ष. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5965—अतः

मुझे एम० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 26 है तथा जो ग्राम
लसूडिया मोरी, जिला इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रायोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमणचन्द्र
पिता जगन्नाथ शर्मा
निवासी—ग्राम लसूडिया मोरी,
जिला इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री राजकुमार अग्रवाल एण्ड संस
(एच० यू० एफ०)
तरफे कर्ता राम कुमार
पिता जयलालजी अग्रवाल।
2. धर्मपाल अग्रवाल एण्ड संस
(एच० यू० एफ०)
तरफे कर्ता धर्मपाल
पिता रामकुमार अग्रवाल
निवासी—354, नाकेतनगर,
इंदौर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना भारत सरकार के प्रमुख आयुक्तों के अंतर्गत की जाये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के अन्तर्गत की जायेगी भी आदेश —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या इससे अधिक व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम निशानों में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

श्री भूमि ख० नं० 26, ग्राम लसूडिया मोरी, जिला
इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका
सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा अत्युपलब्ध फार्म नम्बर 37
जी में निहित है।

एम० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 14-10-1985
मोहर:

प्रमाण द्वारा टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/प्रजन/भोपाल-अन: मुझे
एस० सी० शर्मा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वत्ता करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० प्लॉट नं० 43 है, तथा जो मुभाषनगर
कालोनी, उज्जैन में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के
कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इच्छमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधोपरोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इच्छमान प्रतिफल में, ऐसे इच्छमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने की अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य भास्त्रियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मंजर महाशंकर मेहरा

आत्मज, श्री लाल धीरज रामजी मेहरा
प्राचार्य बरेली कानून विद्यापीठ बरेली कालेज,
कंपाउंड उत्तर प्रदेश हाल,
मुकाम उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती देवीबाई

पत्नी श्री जेठानन्दजी शाहलानी,
निवासी 32, महाकाल विधी कालोनी,
उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 43, मुभाषनगर कालोनी, लाल महादुर
शास्त्री मार्ग, सावर रोड, उज्जैन में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 10-10-1985

मोहर:

प्रकट भाई. टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5967---

अतः मुझे एम० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 416 (पुराना) (नया),
604 है, तथा जो महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
एक प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाण्ड-
बिक रूप से अभिलेखित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के शासित में
कमी करने या उक्त अर्जन में सुविधा के लिये;
और वा/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिये;

(1) श्रीमती भाग्यश्री
पति गोपालसिंह चौहान,
निवासी मकान नं० 604,
महात्मा गांधी मार्ग,
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जैल कुमारी
पति श्रीशान्त जैल
निवासी 601, महात्मा गांधी मार्ग,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० जूना 416 तथा दया नं० 604, महात्मा
गांधी मार्ग, इंदौर में स्थित है।

एम० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तर्ग
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिलेखित है—

तारीख: 14-10-1985

मोहर:

अध्याय 20-क, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5968---

अतः मुझे एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 85 (पुराना) तथा नं०
109 है, तथा जो जूनी बमेरा बाखल, इंदौर में स्थित है
(और इनके उद्भावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आयिनिय. इंदौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के संबंध में आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्
या या किया जाने चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रणदाई पति
श्री गोविन्दलालजी नीमा
निवासी धरमपुरी जिल्हाधर नरफे ग्राम
मु० गोविन्दलाल पिता धोलाजी निमा
निवासी ग्राम धरमपुरी,
धारा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी बाई
पति श्री रमनलालजी जैन
(अम्बाला)
निवासी-22, बड़ा सराफा,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काढा भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रतिष्ठाक्षरों के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 85, जूना व तथा नम्बर 109, जूनी
बमेरा बाखल, इंदौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
नक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-10-1985

मोहर :

प्राकृत आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5969—

अतः मुझे, एम० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० प्लॉट नं० 345 पर बना मकान है, तथा
जो राफेल नगर, इंदौर में स्थित है (और अपने उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अंतरक (अंतरकर्त) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंत-
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(2) श्रीमती राजवंती आई
पति श्री गोपालदास मोटवानी
निवासी 18, राजेश नगर,
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुषमा
पति राधाकिशन
निवासी 517, जीवनदीप कालोनी,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जहाँहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 345 पर बना मकान, राफेल नगर, इंदौर
में स्थित है।

एम० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 14-10-1985

मोहर :

प्ररूप बाह्य, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन शेट मोपाल

मोपाल, दिनांक 19 अक्टूबर 1985

निवेदन सं० प्राई० ए० सी०/अर्जुन/मोपाल/5970---

अन: मुं० एम० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना अधिनियम को यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,60,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 345 पर बना मकान है, तथा जो भाकेतनगर, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम में अंतरण प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह निश्चय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उचित प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में अन्तरिक रूप से उचित विचार किया है ---

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कोई कमी या उचित वृद्धि के पूर्वाधार के लिए और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थानों में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार न. म. उक्त अधिनियम के धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शर्तियों, अर्थात् ---

(1) श्रीमतीं लाजवंती बाई
पति श्री गोपाल दास मोटवानी
निवासी-18, राजेश नगर,
नंदलालपुरा,
जहंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार
पिता दयारामजी नखलानी
निवासी-8, रूपराम नगर,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 345 पर बना मकान भाकेतनगर, इंदौर में स्थित है।

एम० सी० शर्मा

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन शेट, मोपाल

तारीख: 14-10-1985

मोहर:

प्रकट आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5971--

अतः मुझे, एम० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़िम्मेदारों में मकान नं० 41, फ्लैट नं० 6, गली नं०
4 है तथा जो स्नेहलतागंज, इंदौर में स्थित है (और इससे
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अविधायी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
सहित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णित :-

- (1) 1. श्री भानु कुमार पिता विष्णुमल
2. आशा पति मनमोहनलाल
3. शकुंतला पति प्रहलाददास गोयल
4. बल्लभकुमार पति रामस्वामीजी
समस्त भागीदार मैमर्स विजय श्री स्मृतिशाल
कम्पनी 419, भोला गली महु कि ओर से
आम मु० श्रीमती आशा पति मनमोहनलाल
अग्रवाल नि०--10, सिव्ही मोहनलाल, इंदौर।
(अन्तरक)

- (2) श्री त्रियाउरीन
पिता अहमदअली चौधानी
निवासी 8/4, स्नेहलतागंज, इंदौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तरण के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी बाधाएं :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समस्त व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृत्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 41, फ्लैट नं० 6, गली नंबर 4, स्नेहलता
गंज, इंदौर में स्थित है।

एम सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, भोपाल

तारीख: 14-10-1985
मोहुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5972--

अतः मुझे एस० म० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य और जिसकी सं० प्लॉट नं० 16 का प्लॉट है, तथा जो अग्रवाल नगर नई भूमि, इंदौर में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारियों के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अंतरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री राधेश्याम

पिता श्रीमाणकचंदजी व

श्रीमती स्नेहलता,

पत्नी श्री राधेश्याम जी

निवासी 12/2, पारसी मोहल्ला,

इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री गोविन्दकुमार

व रामदास

109, शियागंज,

इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बंध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 16, का प्लॉट, अग्रवाल नगर नई भूमि इंदौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 14-10-1985

मोहर:

प्रकाशक: टी. ए. ए. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5973---

अतः मुझे एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 345 पर बना मकान है, तथा
जो साकेत नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुमूर्चों में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियमों के अन्तर्गत, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
न कमी करण या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अभाववाले अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमतीं लाजवंतीबाई
पति गोपालदास मोटवानी
निवासी-18, राजेश नगर
(नंदलालपुरा इंदौर)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ता
पति राजेन्द्र कुमार थोटीया
निवासी 187, साकेत नगर,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बसुन्धी

प्लॉट नं० 345 पर बना मकान, साकेत नगर, इंदौर
में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 14-10-1985
मोहर:

प्रमुख भाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5974—

अतः मुझे, एम० सी० शर्मा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 23 है, तथा जो वासुदेव नगर कालोनी, इंदौर से स्थित है (और इनसे उपायव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तररती (अन्तररतियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कीयत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की जायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तररती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किन्तु जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सदाशिव रामचन्द्र खेर
खेरवाडा, लोधीपुरा गली नं० 1,
इंदौर
स्थायी पता ए/10, माडल टाउन हाऊसिंग ऑ०
आप सोसायटी
जुहू विले पार्क, डेवलपमेंट स्कोम,
गुलमोहर काम रोड,
बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री अरविन्द कृष्णराज पुराणिक
55/1, स्नेहलतागंज,
इंदौर।

(अन्तररती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 23, वासुदेव नगर कालोनी, इंदौर में स्थित है।

एम० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-10-1985

मोहर :

प्रकाश बाबू. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल—अतः मुझे
एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 25/807 है, तथा जो राजेन्द्र
प्रसाद कालोनी, तानसेन रोड, ग्वालियर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
होने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी
(अन्तरिणीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वास्तव में कमी करने या उसके बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्य
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
के प्रयाजनाथ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, अन्तरण में सहायता
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचन
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन—

(1) श्री हरीदत्त सिंह
पिता श्री पुरन सिंह बगर
निवासी डा० राजेन्द्रप्रसाद कालोनी,
ग्वालियर।

(अन्तरक)

(2) श्री नारायण सिंह
आत्मज विश्वनाथ सिंह
निवासी धाडग्रे की
दौलतगंज, लखर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जुन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 25/807, राजेन्द्रप्रसाद कालोनी, तानसेन
रोड, ग्वालियर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-10-1985

साक्षर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5976-

अतः मुझे एम० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6 (तल मंजिल) है, तथा जो
4, कैलाश पार्क, इंदौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री साईनाथ अपार्टमेंट तरफे ग्राम मुख्यार
प्रेमचंद मदनलाल
46, एम० जी० रोड,
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री महिपाल मंदमलजी जैन
2. शिशुपाल मंदमलजी जैन
निवासी 4, कैलाश पार्क,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिमी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्वहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, 4, कैलाश पार्क, इंदौर में स्थित है।

एम० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-10-1985

सोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन. एस.-----

(1) श्री जर० जे० कोट्रेक्टर, नीमच।

(अन्तरक)

(2) श्री भंवर लाल ऐरन पिता बदीलाल ऐरन, नीमच।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5977—अतः मुझे,
एस० सी० शर्मा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिनकी सं० बंगला नं० 47 का कवेलपोश मकान है
तथा जो नीमच में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नीमच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, फरवरी, 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों अन्तर्गत प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत (1)
में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन

14—346GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 47, का कवेलपोश मकान, नीमच में स्थित
है।एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

बक्स बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5978—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट नं० 150बी है, तथा जो नेमी नगर (जैन कालोनी), इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब नामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मनोरमाबाई पति नरेन्द्र कुमार पाटोदी निवासी-301, उपातनगर, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री विमल चन्द्र पोरवाड़ (जैन) पिता छज्जूः लालजी निवासी-22/1, बैराठी कालोनी, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्पाक्षरी को पार लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 150बी, नेमीनगर (जैन कालोनी), इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा

असम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक : 10-10-1985

मोहर

प्रकृष आर्.टी.एम.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5979—अतः

सुष्टे, एस० सी० शर्मा

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी वड० भूमि सर्वे क्रमांक 462/1/1 है तथा जो जो ग्राम एकलदूना (दिगठान) में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, धार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण से अधिक के अन्तरण के अन्तरण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तिकों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिये या, जिन्हें से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रंछोड पिता अम्बाराम कुल्मी निवासी एकलदूना (दिगठान) तह० व जिला धार।

(अन्तरक)

(2) इंदौर लेबर प्राइवेट लिमि० फारेन लिक्वोर यूनिट डा० श्री एम० एम० नेवेडिया आदि इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिद्ध कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 462/1/1; ग्राम एकलदूना (दिगठान), जिला धार में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक : 10-10-1985

माहुर :

प्रथम आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-अतः मुझे,

एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे क्रमांक 1737 है तथा जो हीरा मिल रोड, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है

और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती दिव्याबेन पति गणवंत अध्यापक माधव नगर, उज्जैन (2) कैलाशचन्द्र पिता शांतिलाल शाह निवास नागदा, (3) अशोक कुमार पिता शांतिलाल शाह निवासी देहली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पाबाई पति मोहनलाल निवासी बेगमपुरा (2) मनोरमाबाई पति जीतमल निवासी बेगमपुरा, (3) बसन्तीबाई पति गोपालकृष्ण, बेगमपुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 1737, हीरा मिल, इण्डस्ट्रीयल ऐरिया के पास, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नम्बर, 37जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक : 10-10-1985 .

मोहर :

प्रकाश भाई. टी. एन. ए. ५४.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सं०/अर्जन/भोपाल/5981--अतः

मूझे, ए० सं० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- से अधिक है

आर वि० सं० मकान म्यु० नं० 67 का भाग है तथा जो
विश्वविद्यालय मार्ग, देवास, रोड़, उज्जैन में स्थित है (और
इससे उपायुक्त अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी का कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रार/करण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख फरवरी,
1985

अं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, जिसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
मन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरातय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तबिक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी बाव की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाविल में कमी करने या उक्त बावत में सूचना
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

(1) श्री. लक्ष्मणराज पुत्र श्री. गोपालदासजी खंभोजी
गुजरात, भाटिया निवासी 67, विश्वविद्यालय
मार्ग, उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) श्री. राकेश कुमार भार्गव पुत्र श्री. वैलाश प्रसाद
भार्गव निवासी 38, रामप्रसाद भार्गव मार्ग,
उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जागे/आक्षेप के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

नवीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान म्यु० नं० 67 का भाग विश्वविद्यालय मार्ग,
देवास रोड़, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति
है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरित द्वारा स्थापित
फार्म नं० 37जी० में निहित है।

ए० सं० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक: 10.10-1985

मोहर:

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आर्.टी.एन.एस./अर्जन/भोपाल/5982---अतः मुझे,
एस० सी० अर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भवन म्यू० नं० 60/1 है तथा जो विश्व-विद्यालय मार्ग, आजाद नगर कालोनी, देवास, रोड़, उज्जैन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार जती अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन, फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल में, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पक्का प्रतिपाद से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने की अन्तरक की वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) किसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, जिन्हें में सुविधा के लिए

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात्

(1) श्री मोहंमज मोहंमद आत्मज श्री ताज मोहंमद जो बांधरी निवास-151, चन्द्रगुरु आजाद मार्ग, उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) श्री तनमुखलाल पिता श्री सौभागमलजः तलाटः निवासः सरस्वती निवास, फागज, उज्जैन।

(अन्तरितः)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उसके समान्यी व्यक्तिओं पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिओं में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकरी के बाध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बलों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही बर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन म्यू० क्रमांक 60/1, विश्वविद्यालय मार्ग, आजाद नगर कालोनी, देवास रोड़, उज्जैन में स्थित है।

एस० सी० अर्मा

सक्षम प्राधिकारः

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक: 10-10-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5983-—अर्जन मुझे,
एम० सी० अर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आय निपटारा सं० भवन नया न० पा० नि० क्रमांक 50/1
है, तथा जो बरुचिमार्ग, माधव नगर, फ्रोंगज, उज्जैन में स्थित
है (आय इनमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), निम्नलिखित अधिनियम के कार्यालय, उज्जैन में
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन,
फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
संग्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् :—

(1) श्री. लकाहरालाल पिता श्री. शंकरलालजी जैन,
निवास: कमला नैहल फ्रोंगज उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) श्री. कुवर्धमेश आत्मज श्री. मुकुंद लालजी
गुप्ता निवास: निचवाई कालोनी, रामटेकरी,
भदमाय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भवन नया न० पा० नि० क्र० 50/1, बरुचि मार्ग, माधव
नगर, फ्रोंगज, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति
है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्या-
पित फार्म नम्बर 37जी में निहित है।

एम० सी० अर्मा

सक्षम प्राधिकार,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 10-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जुन रेड्डी, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निवेदन सं० अ.ई.ए.म.०/अर्जुन/भोपाल/5984—अतः मुझे,

एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भवन नया न० पा० नि० क्रमांक 501 पुराना म्यू०
6/407 है तथा जो बराली मार्ग, माधव नगर, फोगंज, उज्जैन में स्थित
है (और इसकी उपाबद्ध प्रतिलिपि में और पूर्ण के रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रेशन अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधिनियम, दिनांक फरवरी, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वार्ताविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यतिरिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
प्रदान करने और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री जवाहरलाल आर्यजी श्री शंकरलालजी जैन
निवासों कमलानेहरू मार्ग, फोगंज, उज्जैन।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा गुप्ता पत्नी श्री कुंवरसेनजी गुप्ता
निवासों यशोधन मार्ग, रामदेहरा, मंदसौर
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वेष्टाधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भवन नया न० पा० नि० गृह क्रमांक 50/1 पुराना
म्यू० गृह क्रमांक 6/407, बराली मार्ग, माधव नगर, उज्जैन
में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
(सक्षम प्राधिकारी)
सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)
अर्जुन रेड्डी, भोपाल

दिनांक: 10-10-1985
मोहर :

प्रमुख आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी० अर्जुन/भोपाल—5985—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूतान नं० 159 पुराना, नया नं० 126,
से 126/1, है तथा जो गुरुनानक वाड़, कटनी में स्थित है
है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कटनी में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अर्धान, दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को इसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिबो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

15—346GI/85

(1) श्री नटरालाल वरद चंद्रलाल पटेल नेपियर
टाउन, अबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रमोद कुमार वरद सोहनलाल कुक्कल
मालवीयगंज, कटनी।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूतान नं० 159 पुराना, नया नं० 126 से 126/1
गुरुनानक वाड़, कटनी में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक: 14-1-1985

मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए०सी० अर्जुन भोपाल 5986—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 19 पुराना नया नं० 126 से 126/1 है तथा जो गुरुनानक बाई, कटनी में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटनी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधागा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री धर्मेन कुमार अह्म गोविन्दलपुल जपटेल द्वारा आम गोविन्दलाल पटेल अह्म मनीलाल पटेल, नेपियर टाऊन, जबलपुर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुगठधीबाई जोसे सुरेशचन्द्र जैन मंडला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 159, पुराना, तथा नं० 126 से 126/1 गुरुनानक बाई, कटनी में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

दिनांक: 14-10-1985

मोहर:

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अभिलेख, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5987--प्रतः
मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिससे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० न० 290 है, तथा जो मौजा
सांघली जिला छिदवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधि-
कारी के कार्यालय, सौंसेर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
के अधीन, दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से इसे दृश्यमान प्रतिफल से
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।)

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भू या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
[1922 का 11] या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया या वा कि या जाना जा रहा था, छिपाने के
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री मानिलाल व० गंगाराम मानहर निवासी
सांघली तह० सौंसेर जिला छिदवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) मैजिस्ट्रेट बजाज टील इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० मुख्य
कार्यालय, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखिकारी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त बन्धन में दिये
गये हैं।

अनुसूची

भूमि ख० न० 290, मौजा सांघली, तह० सौंसेर जिला
छिदवाड़ा में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका
सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म न० 37
जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

दिनांक: 14-10-1985

मोहर:

प्रथम भाग, टी. एन. एस. ---

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आ.ई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5983-प्रतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 25/1 है तथा जो मोवा
बाघोड़ा में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है ()), रजिस्ट्रार अतिकारी के कार्या-
लय, सोतेर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देवी लाल च० नरयणच स पलीवाल निवासी
बाघोड़ा तह० सोतेर जिला छिन्वाड़ा।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स बजाज स्टील इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० कार्या-
लय नागपुर, तह० जिला नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 25/1, मोवा बाघोड़ा जिला छिन्वाड़ा
में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण
विवरण अन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म नम्बर 37 जी में
निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक: 14-10-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सायासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5989--असः

मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० भूमि ख० नं० 2 है, तथा जो मौजा
बाघोड़ा तह० सौसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूचन में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी
के कार्यालय, सौसर में रजिस्ट्री और अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अन्तर्गत, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रमाण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अ, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री संजय, पूज्य पिता रघुनाथ तारोवर निवासी
सांवल तह० सौसर जिला छिदवाड़ा

(अन्तरक)

(2) मैसर्स बजाज स्टील इन्डस्ट्रिज प्रा० लि० मुख्य
कार्यालय, नागपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 2, मौजा बाघोड़ा तह० सौसर जिला
छिदवाड़ा में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका
संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नंबर 37जी
में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 14-10-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्तूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5990---प्रतः

मुझे, एस० सी० शर्मा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० मकान नं० 159 पुराना, नया नं० 126
से 126/1 है तथा जो गुरुनानक वाड, कटनी में स्थित
और इससे सम्बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार/वर्ती अधिपति के कार्यालय, कटनी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और अतः यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण अधिकृत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नान्देय कुमार वन्द कान्तलाल मैपियर
टाउन, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार वन्द परमानन्द जैन, भालवार-
पुरा, जबलपुर।

(प्रतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 159 (पुराना) नया नं० 126 से 126/1,
गुरुनानक वाड, कटनी में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 14-10-1985

आह्वान

इसका बार्ड.डी.एच.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० अर्जन/भोपाल/5991—प्रतः
मूझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 25 नजुल प्लॉट नं० 14 है
तथा जो सिविल लाईन, जबलपुर में स्थित है (और इससे
उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्री-
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित सक्षम से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
सुविधा के लिए ;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मगिन्दर सिंह आत्मज श्री बेलसिंह नई-
हंसियत अटार्नी अपने पुत्र श्री सुखवंश सिंह 1353,
मक- महल, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री केशव प्रसाद यादव आत्मज श्री उमराव
यादव पचपेड़ी, दक्षिण सिविल लाइन्स, जबलपुर
(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् अस्तित्व के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में शिष्ट
पाया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 25, नजुल, प्लॉट नं० 14, प्लॉक नं० 35
पचपेड़ी, दक्षिण सिविल लाइन्स जबलपुर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 14-10-1985

मोहर :

प्रथम भाग टी. एन. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5992—अतः
मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 67 है तथा जो ई-7, अरेरा
कालोनी, भोपाल में स्थित है (और इससे उपोबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार/वर्ती अधिकारी के
कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रार/वर्ती अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या तससे बचने में इच्छा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में इच्छा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अरुण जे० शर्मा, पिता के० एल० शर्मा
द्वारा मू० आम के० डी० शर्मा पिता के०
एल० शर्मा निवासी: रिटायर्ड आई०जी० पी०
13, सी, ई-7 अरेरा कालोनी, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री जनक राज दूगल पित बलरज दूगल
निवासी: वधीरा अपार्टमेंट, अरेरा कालोनी,
भोपाल।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 67, ई-7, अरेरा कालोनी, भोपाल में स्थित
है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 15-10-1985

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षर)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5993---अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० फ्लैट नं० 3 है तथा जो सिविल लाइन्स जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया दया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—346 GI/85

(1) मैसर्स मेहता इन्वेस्टमेंट एण्ड फ़ायनेंस प्रोप्रायटर्स श्री दिलीप मेहता पिता श्री धीरजलाल मेहता, सिविल लाइन्स, जबलपुर। (अन्तरक)

(2) श्री तेज सिंह सिधुटवारिया पिता श्री हजारालाल सिधुटवारिया पंचपेड़ा, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, मकान नं० 402/2 एवं 402/43 का भाग सिविल लाइन्स जबलपुर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षर)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 15-10-1985

मोहर:

प्रकृत बाई. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5994--अंतः
मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो रायपुर रायपुर में
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजि-
स्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच
ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

तब, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शरद कुमार अग्रवाल पिता मंहरलाल अग्रवाल
नेहरू बाई, भाटापारा, रायपुर

(अन्तरक)

(2) श्री विश्वेश्वरैया अग्रवाल पिता सूर्यवंश लाल
अग्रवाल पूरानी बस्त, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही बर्तन होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, रायपुर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 15-10-1985
मोहर :

प्रमुख नार्ड. टी. एन. एस. - - - -

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी/अर्जन/भोपाल—अतः मुझे,
एस० सी० शर्मा,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लॉट नं० 25 है तथा जो सी सैक्टर, कोहेक्रिजा
भोपाल में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अर्जन, तारीख फरवरी, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वारदात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
सावित्त्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों, वर्गीकृत है—

(1) श्रीमती एम. चांदमाना पति अमरनाथ मज. चांदमाना
अशोक कालोनी, नूर महल, भोपाल।

(अन्तःक)

(2) श्रीमती शांतिदेवी पति वृष्ण लाल (2) कौशल्या
देवी पति कुमार अडवाना, निवास: 50/59 ए,
बैरागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 25, सी सैक्टर, कोहेक्रिजा, भोपाल में स्थित
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण
अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नं० केम नं० 37जी
निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 15-10-1985

मोहर

प्रकाशित की गई है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5996—अतः,

मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 593/3, पुराना वर्तमान नं०
593/3/3 ए है तथा जो मौजा कछरपुर, रानी दुर्गावती,
जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्या-
लय, जबलपुर में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, फरवरी, 1985

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्त्रालय अधिनियम में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक के द्वारा किसी भाग की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापस में कमी करने या उक्त धर्म के सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य जातिबो
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या कि या जाया जाहिए या, छिपाने के
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री बंसंत महाजन आत्मज स्व० श्री नारायण
राव महाजन रानी दुर्गावती, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मूरलीधर कुबे आत्मज श्री मुकुन्द लाल
कुबे निवासी-निवाड़गंज, जबलपुर।

(अन्तरितों)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की बर्चन की बिना
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 593/3 पुराना, वर्तमान नं० 593/3/3 ए
मौजा कछरपुरा नं० 501, रानी दुर्गावती, जबलपुर में
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण
अन्तरितों द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी
में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय, भोपाल

दिनांक: 15-10-1985

मोहर:

प्रकृ. आई. डी. एन. एन. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5997—अतः,
मुझे, एस० सी० शर्मा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 34 डी है तथा जो कोहेफिज,
भोपाल में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची है और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय,
भोपाल में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वभाव
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उक्त वर्ष में शुद्धि
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

(1) श्रीमती प्रियम्बदा श्रीवास्तव पति श्री के० के०
श्री वास्तव, द्वारा डा० पातजली श्रीवास्तव
शासकीय क्वार्टर एफ-2, उत्तरी दुर्ग, तह०
ब जिला दुर्ग।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उर्मिला जैन पति डा० डी० के० जैन
निवासी थाना तलैया के पीछे 73, भगवान
सहाय मार्ग, भोपाल,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-
बलूह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 34 डी० कोहेफिज, भोपाल में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 15-10-85

मोहर :

हकूमत बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

नारद बड़खर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5998—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 433, शीट नं० 274 है, तथा जो मौजा गोरखपुर जिला जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से स्वीकृत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचाव है—

(1) श्री मति रंजत कौर पत्नी सरदार कुलदीप कुलदीप सिंह निवासी-110/एन०, गोरखपुर, बाई जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री के० एल० ततुवाय आत्मज हरलाल निवासी 41, शंकरबाग, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 433, शीट नं० 274, मौजा गोरखपुर तह० व जिला जबलपुर स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 15-10-1985

कोहड़

प्रकाशक: डॉ. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5999—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 47, मकान नं० 647 है, तथा
जो गंगानगर, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्ति-
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि जा-
बाना बाँटिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रीथानाल मजूमदार जिता श्री सुतीश चन्द्र
मजूमदार थियेटर रोड, डी० एन० डी० सड़क
कालोनी, केन्ट, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार जिता श्री एच० पी० श्रीवास्तव
निवासी-47, गंगानगर कालोनी, गढ़ा, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जगहोस्ताधारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 47, मकान नं० 647, गंगानगर, जबलपुर
में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-10-1985

मोहर:

प्रकृष बाई. टी. एन. इत, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल 6000----अतः
मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 198, योजना क्रमांक 6 है, तथा
जो संजीवनी नगर, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पर्यन्त
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्रीमति सुनीता धाबू पति स्व० बसंतराम चन्द्र
धाबू व मंजली धाबू (2) अभय धाबू
मोहन धाबू तीनों के पिता बसंत धाबू के ना० के भा
(3) श्रीमति सुनीता धाबू व श्रीमती सुनीता देवी की ओर
से गु० आभ सुरेश धाबू निवासी प्रतापनगर, नागपुर,
हाल, जबलपुर।

(अन्तरक)

- (2) श्री पी० सी० पाध्ये पिता श्री सी०एम० पाध्ये
निवासी संजीवनी नगर, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 198, योजना क्रमांक 6, संजीवनी नगर,
जबलपुर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षात् —

दिनांक: 15-10-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 14, अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6001-

अतः मुझे एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5/5-बी है तथा जो मनोरमागंज राजगढ़ कोठी, (नवरतन) बाग मार्ग, इंदौर में स्थित (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित कां गढ़ है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17-346 GI/85

(1) मेसर्स यूनाइटेड टायर्स (इंदौर) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मेनेजिंग डायरेक्टर श्री के० विजयन नायर पिता श्री एम० आर० नायर, 11/4, ओलड पलासिया, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति मोहनदेवी पति मोहनलाल मेलीलवाल (2) श्रीमती शकुन्तला देवी पति मोहनलाल मेलीलवाल नवासी 107 कैलाश पार्क कालोनी, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5/5-बी, मनोरमागंज, राजगढ़ कोठी (नवरतन बाग मार्ग), इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फॉर्म नंबर 37 जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक : 14-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6002--अतः
मुझे एस. सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान क्रमांक 4/1264 नवीन नं० 25 है तथा जो कन्हैयालाल मनाना मार्ग, गली नं० 1, शांति नाथ मंदिर, गली डाबरी पीठा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिपति के कार्यालय उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरे बचने में सूचिका के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार अधिनियम के अधीन धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दिगम्बर जैन मन्दिर ट्रस्ट नमकमण्डी उज्जैन द्वारा ट्रस्टीगण द्वारा मु० गण 1, सत्यधर कुमार सेठी पिता फतेहलाल सेठी निवासी जीक्षीरसागर उज्जैन, (2) तेजीकरण बांगड़ियां पिता प्यार चंदजी बांगड़िया निवासी नईपेट, उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) श्री शांतिलाल पिता रामजीलाल जैन (2) जयन्तलाल पिता रामलालजी जैन (3) सुधीर कुमार पिता शान्तिलाल जैन (4) अतुल कुमार पिता शान्तिलालजैन निवासी कलालसेरी, उज्जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताधारी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 4/1264 नवीन नं० 25, कन्हैयालाल मनाना मार्ग गली नम्बर 1, शांतिनाथ मन्दिर गली डाबरी पीठा, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नंबर जी 37 में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल।

दिनांक : 14-10-1985

मोहर :

प्रकाश.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6003--अंतः

मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० भूमि ख० न० 197/1, 197, 197/1,
170, 194 है तथा जो ग्राम नरेला शंकरा तह० हजूर
भोपाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षयित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धनसिंह पुत्र काशीराम ग्राम नरेला शंकरा
तह० हजूर, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) छत्रसाल गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित
भेल भोपाल द्वारा अध्यक्ष श्री गन्धर्व सिंह पिता
श्री गनेश सिंह 227, सी-3, सेक्टर, बी, पिप-
लानी, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाब में समाप्त होखी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० न० 197/1, 297/197/1, 170, 194,
ग्राम नरेला शंकरा तह० हजूर जिला भोपाल में स्थित
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती
द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 4-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अशोक कुमार जन, सतना।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री दिलीप कुमार बघेला पिता श्री छत्रसिंह दीलतसिंह बघेला, 2325, राइट टाउन, जबलपुर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6004—अतः

शुद्ध, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 307, 309, 310, 311 (सतना बिल्डिंग) ह तथा जो डब्ल्यू आर० गोल बाजार गजीपुरा, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन फ रवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्गणित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा- है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मकान नं० 307, 309, 310, एवम् 311 (सतना (सतना बिल्डिंग) डब्ल्यू० आर० गोल बाजार गजीपुरा जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 4-10-1985

मोहर :

प्रकट आई.टी.एन.एस. 1985

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राज्य सभा

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन भोपाल/6005—अतः,
मुझे, एस० सी० शर्मा

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 690 है, तथा जो संजीवनी
नगर, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपायुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित से
वास्तविक रूप से कम नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
बायल में कभी करने या उससे बचने के उद्देश्य
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
द्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री नरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव (प्रोफेसर) जी०
एन० कालेज, राइट टाउन, जबलपुर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती मिथलेश पुत्री प्रयागलाल शुक्ला (2)
श्री प्रयागलाल पाठक मिना रात्रेश्याम पाठक
निवासी मौजा धनीरा, तह० लखनादोन, जिला
सिवनी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के उद्देश्य से कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध से उपाय होती हो, के अन्तर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अन्तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाध
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 690, संजीवनी नगर, जबलपुर में स्थित है।
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा
सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-10-1985

मोहर :

मुख्य भाग टी. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन भोपाल/6006---अतः,
मुझे, एस० सी० शर्मा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 172 है, तथा जो ग्राम बरबाद
रतलाम में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उचित करने के सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :-

(1) श्री तमन्ना पिता नर्सिंह जी
निवासी-चन्द्रा भवन, गोशाला रोड,
रतलाम।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जयन्त विटामिन्स लि०,
इन्डस्ट्रीयल एरिया, डोसीगाँव,
रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमवन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण :- इसमें प्रयुक्त कच्चा और पक्का का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 172, ग्राम बरबाद, रतलाम में स्थित है।
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती
द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-10-1985
माहुर :-

प्रमाण नम्बर टी० ए० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 4 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० अर्जन/भोपाल/6007—अतः

मुझे, एम० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 263, त्रिवेणी एक्सटेंशन कालोनी,
इन्दौर है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
कर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वावद, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
भीर/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, दर्शाते

(1) श्री भंवरलाल दगदी पिता श्री बलदेव दगदी
निवासी-63, राधा नगर कालोनी,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

(1) हात्तानन्द पिता श्री बाटूमल जी,
निवासी-मकान नं० 63, त्रिवेणी एक्सटेंशन कालोनी,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 63, त्रिवेणी एक्सटेंशन कालोनी, इन्दौर में स्थित
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती
द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

एम० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-10-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6008/अतः
मुझे एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान एवं आफिस प्लॉट नं० 7 बी पर (मकान
नं० 123/1) है, तथा जो लबरिया भैरू, धार रोड, इन्दौर में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) एसी किसी आय या कमी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या प्रकट
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जयमल सिंह पिता श्री जीवमन्दमल
निवासी-86/1, राज मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री हकीमुद्दीन पिता श्री नजर हुसैन,
इकबाल हुसैन पिता श्री नजर हुसैन
निवासी-लबरिया भैरू धार रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 123/1, लबरिया भैरू धार रोड, इन्दौर में स्थित
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती
द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-10-1985

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 4 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6009—अतः
मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति (मकान तथा आफिस टीनशेड लाटज नं० 7
ए पर) रोड़ 123/1 लाबरिया भेरू धार इन्दौर है, तथा जो इन्दौर
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तररत की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
जें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18 —346GI/85

(1) श्रीमति वियावती परिन श्री जयमल सिंह
निवासी-86/1, राज मोहल्ला, इन्दौर।
(अन्तरक)

(2) श्री हकीमुद्दीन पिता नजर हुसैन,
इकबाल हुसैन ता नजक हुसैन,
लाबरिया भेरू धार रोड़ इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति (मकान आफिस, टीनशेड) नं० 123/1, प्लॉट
नं० 7ए पर, लाबरिया भेरू धार, इन्दौर में स्थित है। यह वह
हस्तावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा
सत्यापित फार्म नं० 37जी में लिखित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-10-1985
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 4 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6010--

अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म्यू० मकान नं० 72, श्रीनगर, कालोनी है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ओवर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपाबद्ध संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के समूह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

- (1) श्री तुलसी दास पिता टीकमदास जी हिन्दुजा
निवासी-72, श्रीनगर कालोनी, इन्दौर ।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमति चाँव देवी पति स्व० श्री रामगोपालजी विजय
निवासी-2, आनन्देश्वर गली, धार ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करनी पूर्वोक्त धर्मार्थ के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करनी हों।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभेद्यताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः--इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्यू० मकाननं० 72 श्रीनगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह स्थावर संपत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-10-1985

मोहर :

इसका आदेश जारी किया गया है—

**भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा
भाग 269-अ (1) की अधीन सूचना**

भाषण प्रकाश

**कार्यालय, सहायक भाषक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल**

भोपाल दिनांक 4 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० अर्जुन/भोपाल/6011—
अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाषा
269-अ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विचार करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संस्यु० मकान नं० 73, है, तथा जो मोहल्ला
चांदनी चौक, रतलाम में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख, फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विचार करने
करने का कारण है कि यन्त्रपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
वस्तु प्रमाणित से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्त-
रती (अन्तरीक्षियों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए अब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निहित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

**जिसे अंतरक से हुई किसी बात को बाध, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने से अंतरक के
वास्तव में कभी करने या उद्धरे करने से अधिभा
से किया और/वा**

(क) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय भाषक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किसी बात बाध, धियान में
अधिभा से किया

उक्त बात, उक्त अधिनियम की भाषा 269-अ के अन्तर्गत
में, यी, उक्त अधिनियम की भाषा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अधीन है—

(1) श्री कांतिलाल पिता केसरीमल झालानी
के० मु० खास उमेशचन्द्र जिता कांतिलाल झालानी
71, छोटा सराफा, उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार समरथमल चौरडिया,
कर्ता श्री राजेन्द्र कुमार,
60, चांदनी चौक, रतलाम।

(अन्तरिक्षी)

**को यह सूचना जारी कइये पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाही कराता है।**

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपे :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की बाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की बाध, जो भी
अधीन बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जहाँहस्ताक्षरी के पास
निहित में बिना का उद्धरे।

सम्बन्धित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अध्याय

मकान संस्यु० नं० 73, मोहल्ला चांदनी चौक, रतलाम में
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण
अन्तरिक्षी द्वारा स्थापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-10-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निवेश सं आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6012--

अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० श्रीनगर कालोनी है, तथा जो इन्दौर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी,
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लेफ्टिनेंट कर्नल केशव राव
पिता गोविन्द राव पवार,
बम्बई (निवासी-602, नीलम अपार्टमेंट, बसोवा,
रोड, अंधेरी, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति इन्दुमति कनि शेषरावजी,
निवासी--मकान नं० 73, तिलकपथ, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 153, श्रीनगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है।
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती
द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-10-1985
मोहर :

प्रकरण नम्बर टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निदेश सठ० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6013--अतः
मूख, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि ख० नं० 315/1 है तथा जो
ग्राम छोटा बांगड़ा तह० व जिला इंदौर में स्थित है (और
इसमें उमाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार/कर्ता अधिपति के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रार/करण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी,
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्राप्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वन्दा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुए किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या वस्तु वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
के, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री रामलाल, दुर्गाप्रसाद व पूनमचंद पिता
श्री सीतारामजी व सरस्वती बाई पति सीता-
रामजी निवासी ग्राम छोटा बांगड़ा तह०
व जिला इंदौर।

(अन्तरक)

(2) बसणमाह गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित
इंदौर तरफे अध्यक्ष सतराम दास पिता श्री
खुबचन्दजी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहेस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 315/1, ग्राम छोटा बांगड़ा तह० व
जिला इंदौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 10-10-1985
मोहर:

अर्जन रेंज; भोपाल

मोहर [६]

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6015—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो मूह में स्थित है (और
इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मूह में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 ((1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री कंचन सिंह चौहान ग्राम पिण्डम्बर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स साधवी मेटल प्रोसेसिंग एण्ड मेन्यू-
फ्रेक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड, जवातर मार्ग, इंदौर
(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिय कर रहा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 7 प्लॉट नं० 29 क्र० नं० 57, अघेरी पूर्वी
बंबई में स्थित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 16-10-1985

ओहोर

प्रमुख जाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्तुबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6016:—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० नया 199/1 व 199/4 है तथा जो ग्राम एमगिद, बुरहानपुर में स्थित स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दा प्रतिफल से अधिक है और यह कि बंजरक (बंजरकी) और अन्तरिती रीती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तविक रूप से करीब नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जाई/बा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहम्मद अली पिना खनीजउद्दीन, बैरी मैदान, बुरहानपुर।

(अन्तरक)

(2) दि इण्डस्ट्रियल कोअपरेटिव साइजिंग प्रोमोसिंग कैलेण्डरिंग सोमायटी, 19 इंडस्ट्रियल स्टेट, बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कांफे :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० नया 199/1, 199/4 ग्राम एमगिद, जिला बुरहानपुर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक: 15-10-1985

मोहर:

इसका बाई. टी. एन. एन. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6017—अतः

मुझे, एम० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् बिना अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 26 है तथा जो ग्राम लमुडिया मोर, तहसील व जिला इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अन्तर्भूत में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारजी अमिधारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को प्रोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से, ऐसे इष्टमान प्रतिफल का बन्दूक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित और वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक, के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

आ. किसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार अतः, मैं, नक्स अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19—346G1/85

(1) श्री. एमेश चन्द्र पिता जगन्नाथ शर्मा, निवासी: ग्राम लमुडिया मोर, तहसील व जिला इन्दौर। (अन्तरक)

(2) श्री. पुरुषोत्तम कुमार अग्रवाल पिता श्री. राम कुमार जे. अग्रवाल (2) विनोद अग्रवाल पिता श्री. राम कुमार अग्रवाल (3) श्रीमती प्रमिला-देव: अग्रवाल पत्नी देवराज अग्रवाल (4) श्रीमती: राजकुमारी अग्रवाल, निवासी: 354, साकेत नगर, इन्दौर। (अन्तरिती:)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 26, ग्राम लमुडिया मोर, तहसील व जिला इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मर्यापित फार्म नं० 37 जो में निहित है।

एम० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 15-10-1985

मोहर

प्रथम भाग, टी. एम्. एस. -----

भाषाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आर्ई० ए० सं०/अर्जन/भोपाल/6018—अतः
मुझे, एस० सी० शर्मा

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० भूमि ख० नं० 84/1 व नया नं० 123
है तथा जो डी० तह० बुरहानपुर में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रार/अधिनियम के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रार--
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिनियम,
फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप में अधिनियम नहीं किया गया है:--

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अंतरक की
व्यवस्था में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री धर्मवीर पिता रामलाल अरोरा बगैरा
प्रतापपुरा, बुरहानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मण रामू महाजन, शाहपुर।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मि ख० भूमि नं० 84/1 नया नं० 123, डी० तह०
बुरहानपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका
सम्पूर्ण विवरण अन्तरितों द्वारा मत्यापित फार्म नं० 37 जो
में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 15-10-1985

मोहर:

प्रमुख भाग. टी. एन. एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6019—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सहायक आयकर अधिकारी को, यह विवक्षित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आर. जिसका सं० प्लॉट नं० 11 है तथा जो जोधव कालोनी, साउथ तुकोगंज, इन्दौर में स्थित है (आर. इसमें उपापबद्ध अनुसूची में आर. पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार-कर्ता अधिकांश के सहायक, इन्दौर में रजिस्ट्रार वर्ण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिनियम, दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के दक्षित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवक्षित करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देवेंद्र प्रसाद विधवा श्री द्वारका दाम जी (2) श्री विक्रम आत्मज द्वारकादास जी (3) श्री अमरलाल (4) श्री निर्मल कुमार (5) श्री हरेश कुमार (6) श्री दिलीप कुमार सभी पुत्रगण श्री द्वारकादास जी एवं (7) श्रीमती शान्ताबाई पुर्वः श्री द्वारका दाम जी, निवासी म० नं० 9/2, नवरत्न बाग, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री बिसलचन्द जैन आत्मज श्री सुरजमल जी जैन (2) श्रीमती पदमा जैन पत्नी श्री विमल चन्द जैन निवासी: सकान नं० 18/6, छोटी ग्वाल टोली, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के निम्न कार्यवाहियां कराए हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 11, जोधव कालोनी, साउथ तुकोगंज, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

दिनांक: 16-10-1985

मोहर:

प्रारूप भाग 1. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्ष (निराक्षर)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6020—अतः

मूझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनका सं० मकान नं० 15/90 का हिस्सा है तथा
जो जवाहरनगर, रायपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधि-
कारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रार अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अध्यापक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ए० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ज्योतिका बेन पति मुकुन्द, जवाहर नगर रायपुर
(अन्तरक)

(2) रश्मिबाई, अशोककुमार, शंभुलाल सुशीलकुमार,
श्यामसुमार, एवं अंगुरीबाई
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 15/90 का हिस्सा जवाहर नगर रायपुर
में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण
विवरण अन्तरित द्वारा स्थापित फार्म नं० 37 जो में निहित
है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आवृक्ष निराक्षर

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 16-10-1985

मोहर:

अन्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6021—अतः

मुझे, एम० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इस्मो इसके पश्चात् 'प्रत्येक अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सधन अधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौण्ड नं० मकान नं० 992, 992/1 एवं 993 एवं 993/1, 1003, मू० प्लॉट नं० 116, 117 एवं प्लॉट नं० 242/1 गल नं० 151, गोल बाजार, जबलपुर में स्थित है (ग्रौण्ड को उत्तरावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार का अधिनियम के अन्तर्गत, जबलपुर में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, नं० 12-2-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायत्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भुवन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमता सुनीता सुगुता स्व० लेफ्ट० १० पी० आर० प्रोम, निवासी, 990, गोल बाजार, जबलपुर।

(अन्तरक)

- (2) (1) श्रीमता सुनीता जैन पत्नी श्री विजय कुमार जैन (2) श्री विजय कुमार जैन आत्मज श्री एम० एल० जैन, (3) श्री कपिल कुमार जैन आत्मज श्री केवल चन्द जैन, गोल बाजार, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 992, 992/1, 993, 993/1, 1003, मू० प्लॉट नं० 116, 117 एवं प्लॉट नं० 242/1, गल नं० 151, गोल बाजार, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37जे में निहित है।

एम० सी० शर्मा

अम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, भोपाल

दिनांक: 16-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/अर्जन/भोपाल/6022—अतः

मुझे, ए० सं० शर्मा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
संकेत पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट नं० 14/1, ईदगाह हिल्स है तथा
जो ईदगाह हिल्स भोपाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार
अधिकांश के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रार के अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधिन, पारख 5-2-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डॉ० सुरेन्द्र नारायण आत्मज प्रतापसिंह नवलखा
निवासी, 26, हौजबाग, न्यू देहली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश चौधरी आत्मज स्व० लेखराज
निवासी, 50-बी, ईदगाह हिल्स, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 14/1, ईदगाह हिल्स, भोपाल में स्थित है।
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती
द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

ए० सं० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 17-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/अर्जन/भोपाल/6023—अतः

मुझे, एस० सं० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 14/2 है तथा ईदगाह हिल्स
भोपाल में स्थित है (और अपने उपाबद्ध असूनुचों में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारों अधिनियम के कार्यालय,
भोपाल में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 5-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मन्त्रिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

(1) डा० सुरेन्द्र नवलखा आत्मज प्रताप सिंह नवलखा
निवासः, 26, हौजबास, न्यू देहली।

(अन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तम खन्ना, आत्मज स्व० श्री लेखराज
खन्ना, निवासः 50-ब, ईदगाह हिल्स, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 14/2, ईदगाह हिल्स, भोपाल में स्थित है।
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती
द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जं० में निहित है।

एस० सं० शर्मा
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 17-10-1985
मोहर :

प्रमुख आर्.टी.एन.एच.-----

(1) बेस्टन डाइया विल्डिंग।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) अमन: महेश्वरानु अमरेश्वरानु देवदा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/15190/84-85—अन्त. मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्कर्ष बचने का कारण है कि बर्जापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और निदेश सं० फ्लैट नं० 17, जो 4था मंजिल, "डी" विंग, गुलिस्थान अपार्टमेंट "बी", एन० वी० रोड, प्लाट जिम्मा सं० टी० एन० सं० 1053/1 से 7, दहिगर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूचा में और पुनः रूप से वर्णित है), और जिम्मा परास्नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है। तारीख 1-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सजिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, किन्तु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सजिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितरहित कृषि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 17, जो 4था मंजिल, "डी" विंग, गुलिस्थान अपार्टमेंट, "बी", एन० वी० रोड, प्लाट जिम्मा सं० टी० एन० 1053/1 से 7, दहिगर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूचा: जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15190/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) वेस्टर्न इंडिया बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रेमजी नानजी बोडीया।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं. आर० ए० सी० नं० 15192/84-85-अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, जो, 3री मंजिल, "ई"
विंग, गुलिस्थान अपार्टमेंट "ई" प्लॉट जिसका सी० टी०
एस० नं० 1053/1 से 7, एस० बी० रोड, दहिसर (पूर्व),
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1-2-1985

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

फ्लैट नं० 14, जो, 3री मंजिल, "ई" विंग, गुलिस्थान
अपार्टमेंट "ई", प्लॉट जिसका सी० टी० एस० नं० 1053/
1 से 7, एस० बी० रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15192/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
20—346GI/85

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्रश्न आई. टी. एन. एस.---

(1) श्रीमती सरस्वती दीनबन्धु यादव

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बरफोदेवी लालसिंग छलिया।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14942/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'सहायक अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि सहायक संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फौड नं० ए/10, जो, माधव श्रीवा, 2री
मंजिल, मराठा कालोनी, बहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में
स्थित है (और इसके उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका फाउंडेशन आयकर अधिनियम
1961 की धारा 260 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1-2-1985

को प्रयोज्य व्यक्तियों के लिये उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए संपत्ति की गठ है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि सहायक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
सह प्रतिफल में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है :—

(क) सहायक संपत्ति का मूल्य कम है, उक्त
अधिनियम में प्रयोज्य करने के अन्तरक के
दायमान में कमी करने या उससे बचने में सक्षम
प्राधिकारी को ज्ञात

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिसमें सहायक आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या जिसका जाना चाहिए था, छिपाने में
सक्षम प्राधिकारी को ज्ञात

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके प्रयोज्य व्यक्तियों के धर्जन के
लिए कार्यवाहियां क्रूरता है।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों यह
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रयोज्य
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फौड नं० ए/10, जो, माधव श्रीवा, 2री मंजिल, मराठा
कालोनी, बहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14942/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1.) मैसर्स विषयविहंग को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अशोक अग्रवाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14999/84-85—अतः मुम,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो दिश्व विहंग को. आप. हाउसिंग, सोसाइटी लि., शिवाजी रोड, दाहिसर (पूर्व), बम्बई-68

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिधारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति के मूल्य में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रहम्भारों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1, जो, विषयविहंग को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, शिवाजी रोड, दाहिसर (पूर्व), बम्बई 68 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र० सं० आई-4/37-ईई/14999/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

माहुर :

मुख्य भाई टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15002/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 5, जो, विश्वविहंगम को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 1236, शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वार्षिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैसर्स विश्वविहंगम को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स केसकर इलेक्ट्रानिक्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 5, जो, विश्वविहंगम को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड प्लॉट नं० 1246 शिवाजी रोड दहिसर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15002/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्रश्न बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निवेदन सं० अई-4/37-ईई/15001/84-85—आ.मुने,]

सहमण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुरान नं० 2 जो विश्वविहंग को-आप० हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड शिवाजी रोड दहिंसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-2-1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कालिख में कमी करने या उससे बचने से इच्छा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तविक को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से इच्छा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मजर्स विश्वविहंग को-आप० हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मजर्स शोशेय बेंचिफिट ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बायोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्झीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रसूची

दुकान नं० 2, जी, विश्वविहंग को-आप० हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, शिवाजी रोड, दहिंसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15 1/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सहमण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई०-3/37-ई० ई०/16459/84-85—अजः

मुद्दी, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4, जो, विश्वविहंग को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लमेटेड, शिवाजी रोड, वस बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यान्वयन आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैजिस्ट्रेट विश्वविहंग को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री अमरचंद आर० राडर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 4, जो, विश्वविहंग को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, शिवाजी रोड, बहिस्तर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जता कि क्र० सं० आई०-4/37-ईई/15060/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्रश्न बाई, टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15003/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जित्की सं० दुकान नं० 3, जो, विश्व विहंग को-आप०
हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, प्रलाट नं० 1236, शिवाजी
रोड, दहिपुर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे
उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 1-2-1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उगके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैक्स विश्व विहंग को-आप० हाऊसिंग सोसाइटी
लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री पद्माकर एस० भिलकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ
निहित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

दुकान नं० 3, जो, विश्व विहंग को-आप० हाऊसिंग
सोसाइटी लिमिटेड, प्रलाट नं० 1236, शिवाजी रोड, दहिपुर
(पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15003/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985
प्रभु :

वस्तु आवेदन की सूची, 1985

(1) मैक्स विस्वविहंगम को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वामेचंद धनगलाल जैन

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/18062/84-85—अतः मुक्त,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बुकान नं० 6, जो, विस्वविहंगम को-आप हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, शिवाजी रोड, व्हिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अन्तर्गत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार न-अ, उक्त अधिनियम की धारा-269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुकान नं० 6, जो, विस्वविहंगम को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, शिवाजी रोड, व्हिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/18062/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैक्स विश्वविहंग को-भाप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(2) श्री देवराज छगनलाल जैन।

(अन्तरिती)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15031/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० दुकान नं० 7, जो, विश्वविहंग को-भाप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, शिवाजी रोड, दहिमर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाब की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभागीता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीत हूँ—
21346 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 7, जो, विश्व विहंग को-भाप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, शिवाजी रोड, दहिमर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15031/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री अविनाश एम. खिरे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गौरीनाथ डग. पाँयरे।

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15318/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 44/बी, जो, 4थी मंजिल,
"चंद्रलोक" इमारत, प्लॉट जिसका सर्वे नं० 918, जे० 'एम०
रोड, दहिसर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-2-1985 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हासिल होने की कल्पना या उक्त करने में बाधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 44/बी, जो, 4थी मंजिल "चंद्रलोक" इमारत,
प्लॉट जिसका सर्वे नं० 918, जे० एम० रोड, दहिसर
(पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15318/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15081/84-85--अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 36, जो, तल माला, वर्धमान इंडस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे नं० 120, एच० नं० 6 और 10 दहिमर, बम्बई-68 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) वर्धमान कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) मैमर्स पायोनियर इन्डस्ट्रियल कारपोरेशन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्बई

यूनिट नं० 36, जो, तल माला, वर्धमान इंडस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे नं० 120, एच० नं० 6 और 10, दहिमर, बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा अि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15081/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्राकृतिक बाई.डी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15181/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 26-ए, जो, रतन नगर, एस०
वी० रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशियुक्त में कमी करने या जखस करने में उचित
नहीं किए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
को चिन्ह भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
नहीं दिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(1) मैसर्स श्री सदगुरु इन्टरप्राइसेस

1. श्री जगदीश नारायण राणे और
2. श्री मनोहर वामण नांदगांवकर

(अन्तरक)

(2) श्री भगवान गोविंद लाड और

श्रीमती प्रभा वनश्याम अपराज

(अन्तरिणी)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 26-ए, जो, रतन नगर, एस० वी० रोड,
दहिसर (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15181/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एच.

(1) श्री बस्तुधर के. जैन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15239/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० जी, जो, सुमर्ती इमारत,
275, लोकमान्य तिलक मार्ग, रेलवे स्टेशन के सामने,
दहिशर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका अद्यतन अधिनियम 1961 का धारा
269 ग के अंतर्गत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरूप
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन का अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाया जा रहा था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार
न, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को
बाध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० जी, जो, सुमर्ती इमारत, 275, लोकमान्य
तिलक मार्ग, रेलवे स्टेशन के सामने, दहिशर (पश्चिम),
बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/15239/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) वेस्टर्न इंडिया बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) आनन महोदय शरीफभाई दोडिया।

(अन्तरित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15189/84-85—अन्तः, मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 13, जो, 3रा मंजिल, "ई"
विंग, गुलिस्थान अपार्टमेंट "बी", एस० बी० रोड, प्लॉट
जिसका सं० टी० एन० नं० 1053/1 में 7, दहिबर
(पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है,
तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के
प्राप्त लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 13, जो, 3रा मंजिल, "ई" विंग, गुलिस्थान
अपार्टमेंट "बी", एस० बी० रोड, प्लॉट जिसका सं० टी०
एन० नं० 1053/1 में 7, दहिबर (पूर्व), बम्बई में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-4/37-ईई/15189/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15191/84-85—अन: मुधे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसका सं० फ्लैट नं० 1, जो, 4थी मंजिल, "डी."
"विंग", गुल्लिस्थान अगार्टमेंट "बी", एस० बी० रोड, प्लाट
जिसका सं० टी० एम० नं० 1053/1 में 7, दहिंसर
(पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूचों में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करागनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख
1-2-1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वह पाव
भवा प्राप्तफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
आस्ताधिक रूप से कीष्ट नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण यह है कि किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित
में कभी करों या उक्त करों में छूट का लिए,
कोई या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तिवों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छियाने में
प्रतिभा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः

(1) वेस्टर्न इंडिया विल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री अमरप्रकाश प्रेमजो दोडिया।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताधारी के
पास लिखित में विज्ञापन करने के।

लक्ष्मीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 18, जो, 4थी मंजिल, "डी" विंग, गुल्लिस्थान
अगार्टमेंट "बी", एस० बी० रोड, प्लाट जिसका सं० टी०
एम० नं० 1053/1 में 7, दहिंसर (पूर्व), बम्बई में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/15191/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

माहुर :

प्रकट नम्बर: टी. एन. एच.-----

(1) सैयर्स परम आनन्द बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।
(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार रुग्डिया।

(अन्तरित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15091/84-85—अतः भूमे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे क्लेम
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 12, जो, तल माला, 8, 9
10 इमारत, रत्न नगर, दहिसर, बम्बई-66 में स्थित है
(श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है), श्रीर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे वह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन क्लेम के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उचित करने में बाधा
के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में
बाधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वजहों :—

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि कम से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही बर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सम्पत्ति

दुकान सं० 12, जो, तल माला, 8, 9, 10 इमारत,
रत्न नगर, दहिसर, बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15091/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिन
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री बी० आर० पिपले।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम प्रकाश एस० सतसंगी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15390/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० औद्योगिक माला नं० 10, जो, 2री
मंजिल, अग्रवाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिपुर (पूर्व), बम्बई-
68 में स्थित है (और इसे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिला करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1-2-1985 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि संपूर्ण पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवस्था प्रतिफल से, ऐसे व्यवस्था प्रतिफल का
एक प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ब) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में
कमी करण या उसके अर्थ में सविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय वाद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अंतर्गत अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
22—346GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्रवाई करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्धारा 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्धारा में दिया
गया है।

अनुसूची

औद्योगिक माला नं० 10, जो, 2री मंजिल, अग्रवाल
इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिपुर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क्र० से आई-4/37-ईई/15390/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985
मोहर:

प्रकरण बाई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15334/84-85--अतः मुझे,

लक्ष्मण दाग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० औद्योगिक माला, यूनिट नं० 8, जो,
2री मंजिल, अग्रवाल को-आप० इंडस्ट्रियल इस्टेट, लि०,
121/सी, एम० वी० रोड, दहिमर, बम्बई-68 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्बियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
या प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैसर्स जे० वी० इंडस्ट्रीज।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रिसेनिक रेडियो एण्ड इलेक्ट्रानिकस प्राइवेट
लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

औद्योगिक माला, यूनिट नं० 8, जो, 2री मंजिल,
अग्रवाल को-आप० इंडस्ट्रियल इस्टेट लि०, 121/सी, एम०
वी० रोड, दहिमर, बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15334/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर:

प्रकृष बाई.टी.एन.एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15012/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० यूनिट नं० 20, जो, 1ली मंजिल, अग्रवाल
इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० वी० रोड, देहिमर (पूर्व), बम्बई-
68 में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिनाका कारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है, तारीख
1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री डी० डी० मेहता और
श्रीमती बी० डी० मेहता

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एल० शहा और
श्री बी० एस० शहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भूत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की, भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यापक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तिबों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

यूनिट नं० 20, जो, 1ली मंजिल, अग्रवाल
इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० वी० रोड, देहिमर (पूर्व), बम्बई-68
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15012/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री दिनेश धीरजलाल मेहता।

(अन्तरक)

(2) श्री मधुकांत बी० शवेरी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15014/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 21, जो, 1ली मंजिल, अगारवाल
इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० बी० रोड, बहिपर (पूर्व), बम्बई-
68 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है, तारीख
1-2-1985 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 21, जो, 1ली मंजिल, अगारवाल इंडस्ट्रियल
इस्टेट, एस० बी० रोड, बहिपर (पूर्व), बम्बई-68 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15014/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर :

प्रकृष बाई.डी.एन.एस्.-----

(1) मैसर्स आशिष कन्स्ट्रक्शन्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नरेश ताराचंद शहा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

व्याजिग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निवेश सं० अई-4 37-ईई/15054/84-85—अं०: मु०,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, जी०
के० नगर, इमारत नं० 1, शंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम),
बम्बई-67 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई
स्थित सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख
1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 401, 4थी मंजिल, जी० के० नगर इमारत
नं० 1, शंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15054/
84-85 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 4-10-1985

मोहर :

प्रारूप भाई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स आशिश कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री भरत अंबालाल शहा और
श्रीमति एस० ए० शहा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15204/84-85;—अतः, मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 204, जो, 2री मंजिल, जी०
के० नगर इमारत नं० 1, शंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम),
बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका काराखाना
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1-2-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
द्वारा न कही करने या उससे बचने के सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 204, जो 2री मंजिल, जी० के०, नगर इमारत
नं० 1 शंकर लेन कांदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैमाफि क्र० सं० अई-4/37ईई/15204/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक : 4-10-1985
मोहर :

प्रकृत बाई. टी. एम्. एम्. = - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/14968/84-85—अंतः, मुझे,
लक्ष्मण दास;

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री० जिनकी संप्लिट नं० 603 जो 6ठी मंजिल
जी० के नगर, इमारत नं० 1 शकर लेन, कांदिवली
(प०), बम्बई-67 में स्थित है (श्री० इससे उभावद्ध अनुसूची
में श्री० पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन
बम्बई स्थित सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए छय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बाउ/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पुर-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) मैगर्स ऑफिश कन्स्ट्रक्शंस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वर्मा वी० पटेल श्री०,
श्रीमती वी० टी० पटेल,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त उक्तों के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के बाह
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 603, जो 6ठी मंजिल, जी० के० नगर,
इमारत नं० 1, शकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37ईई/14968/
84-85 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-10-1985
मोहर :

रूप आई. टी. ए. एस.

(1) मैसर्स आशिष कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 (क) (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० जे० नेगांधी और
श्रीमती वी० एस नेगांधी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/15056/84-85—अतः, मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 403, जो 4थी मजिल, जी०
के० नगर हमारत न० 1, शकर लेन, कांदिवली (प०),
बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1-2-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि भूवाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
द्वारा से कभी करने या उससे बचने में सुविधा
न मिलेगी और/या

(ख) एबी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

की सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के विषय
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

लक्ष्मीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही बर्ण होगा जो उक्त अध्याय में दिए
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 403, जो 4थी मजिल, जी० के० नगर
हमारत न० 1, शकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37ईई/15056/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 4-10-1985
मोहर :

प्रारूप बाई.डी.एन.एच. :-----

1. मेसर्स आणिश कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री बी० जे० पारेख और श्री बी० बी० पारेख।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15011/84-85—प्रतः,

मुझे, लक्ष्मण दास

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 704, जो 7वीं मंजिल, जी०
के० नगर इमारत नं० 1, शंकर लेन, कादिवली (प०), बम्बई-
67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1 फरवरी
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यद्यप्युक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक
गया गया प्रतिफल निम्नीकृत अन्तरण से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
अधिकार में कभी करने या उससे करने में इच्छा
नहीं कर/या

(ख) किसी किसी भाव या किसी धन या अन्य मास्तिबों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में संधिभा के लिए

नमः नमः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नीकृत व्यक्तियों अर्थात् 1—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन का
कार्यवाहीकर्ता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निम्नीकृत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 704, जो 7वीं मंजिल, जी० के० नगर
इमारत नं० 1, शंकर लेन, कादिवली (प०), बम्बई-67 में
स्थित है।

अनुसूची जमाति क्र० सं० अई-4/37-ईई/15011/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 4-10-1985

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एच.-----

1. मैमर्स विलोक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(अन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मी बेन दालुभाई लाड।

(अन्तरिती)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन एवम्

भारत सरकार

सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15030/84-85—प्रतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 7, जो, नल माला, सत्यम इमारत, एस० वी० रो फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अधिकतम में वास्तविक कम से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें कटने से सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के तर्जुनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें से सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उपर अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

फ्लेट नं० 7, जो, नल माला, सत्यम इमारत, एस० वी० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-4/37-ईई/15030/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 4-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15333/84-85—अतः मुझे

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 28, जो, 4थी मंजिल, सुन्दरम
इमारत, एस० वी० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प) बम्बई-
64 में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1
फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्हस्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स त्रिलोक कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्री जतीनकुमार एन० ओझा और श्री सी० एन०
ओझा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से सीब्या द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 28, जो, 4थी मंजिल सुन्दरम इमारत, एस०
वी० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई-64 में स्थित है

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-4/37-ईई/15333/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 4-10-1985

मोहर :

प्रकाश आर्ट्स, टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15148/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण बास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 38, जो शिवम इमारत, एस० वी० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 261 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्वान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायित्वान प्रतिफल से, ऐसे दायित्वान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के माध्यम से कभी करने या इससे बचने में सहायता दी जाए;

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता दी जाए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यास्तियों, बर्णात् :-

1. मैसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्री अरविंद रतिलाल शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ध्यानीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुषूची

प्लेट नं० 38, जो, शिवम इमारत, एस० वी० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-4/37-ईई/15148/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण बास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 4-10-1985

मोहर:

सहायक आयुक्त, टी. एन. एल. —

सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन अधिनियम

नियम

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15286/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 2, जो तल माला, शिवम इमारत एस० बी० रोड फतेहबाग, कांदिवली (प०), बम्बई में स्थित है (और इसने उचित अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका अद्यतन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 1 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बंधमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बंधमान प्रतिफल से, ऐसे बंधमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. मेसर्स राजलक्ष्मी इन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्री कानज बाबा चित्तोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न हुई हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में मिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाधत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त करने में सविधा के लिए धीरे/या

(ख) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य प्राप्तिवा की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अधोवर्ती अन्तरिती द्वारा रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लेट नं० 2, जो तल माला, शिवम इमारत, एस० बी रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-4/37-ईई/15286/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-4, बम्बई

दिनांक: 4-10-1985

महूर:

प्रारूप आई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15216/84-85--अतः मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

संका सं० फ्लेट नं० 46, जो, 4थी मंजिल, शिवम
इमारत, एस० वि० रोड, फतेहबाग, कांदिवला (प), बम्बई
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है)/और जिसका सारनामा आयकर अधिनियम-
1961 की धारा 269-ब के अधिन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 1 फरवरी
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाबत में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तिमों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

2. कुमारी सावित्रीबेन पोपटलाल तेली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 46, जो, 4थी मंजिल, शिवम इमारत, एस०
वि० रोड, फतेहबाग, कांदिवला (प), बम्बई में स्थित है।
अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15216/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-
1985 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 4-10-1985

मोहर:

प्राकृतिक आर्क.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन रोज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक: 4 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15055/84-85—अन: मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लेट नं० डा-26, जो, निलकंठ इमारत, सी० टी० एस० नं० 215, फतेहबाग, पुलिस स्टेशन के सामने, एस० वि० रोड, कांतिबल (प), बम्बई-57 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूच: में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका उद्देश्य आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्र: है, तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बुद्धिवा से लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविकता के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूढिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. श्री प्रह्ला जयंत: लाल खिमजी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती: ताराबेन नविणचंद्र दवे।

(अन्तरिती)

यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० डा-26, जो, निलकंठ इमारत, सी० टी० एस० नं० 215, फतेहबाग, पुलिस स्टेशन के सामने, एस० वि० रोड, कांतिबल (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूच: जैना: क्र० सं० अई-4/37-ईई/15055/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन रोज-4, बम्बई

दिनांक: 4-10-1985

मोहर:

प्रथम भाई.डी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14920/84-85---अनः मुझे
सक्षम दात

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० हुजान नं० 9, जो, तल माला, वर्धमान
कुटीर, गंकर लेन, नांदिवला (प), बम्बई-67 में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका पुराना नाम आयकर अधिनियम 1961
का धारा 269-क, ख के अधिनियम, बम्बई स्थित सक्षम प्रा-
धिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है, तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और बचस्क (अंतरकों) और अंतरितों
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्तों :—

1. श्री भारत के० मनिवार और श्रीमती म० बी०
मनिवार।

(अन्तरित)

2. शाह तिलोत्तम एच० जैन।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करवा हों।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वेषाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

हुजान नं० 9, जो, तल माला, वर्धमान कुटीर, गंकर
लेन, नांदिवला (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जोसफि का सं० अई-4/37-ईई/14920/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सक्षम दात

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-4, बम्बई

दिनांक: 4-10-1985

मोहर:

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री आर. डी. शेट।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14996/84-85—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लेट नं० 1, जो, यशस्विनी, बैंक आफ
बरोडा एम्प्लॉईज को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, कमला
नहर क्रॉस रोड नं० 1, कांदिवली (प), बम्बई-17 में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), और जिसका कार्यालयात् आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-

कारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है। तारीख 1 फरवरी 1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है 2--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उक्त वर्णन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
व्ययित्व अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्रीमती इला किराट कामदार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 1, जो यशस्विनी, बैंक आफ बरोडा एम्प्लॉईज
को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, कमला नहर क्रॉस रोड,
नं० 1 कांदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा, कि सं० अई-4/37-ईई/14996/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 4-10-85

मोहर :

प्रकृष बाई, टी. एन. एल. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15214/84-85---अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 31, जो 3री मंजिल दानार्ज ग्राम इमारत नं० 1, हेमू कलानी क्रॉस रोड नं० 3, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धन प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी सिमा जी० मांडवेवाला और श्री जी० मांडवेवाला।

(अन्तरक)

2. श्री मिनाक्षी मोहन माशक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 31, जो 3री मंजिल, दानार्ज ग्राम इमारत नं० 1, हेमू कलानी क्रॉस रोड नं० 3, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15214/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 4-10-1985
मोहर:

प्रकाशक: टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15017/84-85—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे प्लॉट नं० 40, जो 3^{रीं} मंजिल, वर्धमान कुटीर, बी-विंग, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अर्थान्त, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अंतरिणीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स वर्धमान बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री किरोट जयंतीलाल शहा और श्री के० जे० शहा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 40, जो, 3^{रीं} मंजिल, वर्धमान कुटीर, बी-विंग, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15017/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-10-1985

मोहर:

प्रकरण आई. टी. एन. एस. ---

1. मेसर्स वर्धमान बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री दुर्गाप्रसाद एस० खत्री।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14820/84-85---अतः

मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 4, जो तल माला, वर्धमान कुटीर,
बी-विंग, लणकर लेन, कांदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 4, जो, तल माला, वर्धमान कुटीर, बी-विंग,
लणकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/14820/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 8-10-1985

मोहर :

प्रकट बाई. टी. एच. एच. —

1. मेसर्स गुडविल विल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री बी० एल० खन्नाकर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निदेश सं० अई०-4/37-ईई/14950/84-85—अतः

शुद्ध लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जितकी सं० फ्लेट नं० 101, जो, 1ली मंजिल, हस्त
गिरी अपार्टमेंट्स, चक्रवर्ती अशोक ग्राम, विलेज बाधवान
कांदिबल (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के
अधीन, बम्बई स्थित सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड
है, तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से,
एसे इसमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) सम्मरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायित्य
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन का अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूचों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्येष्टाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 101, जो पहली मंजिल हस्त गिरी अपार्टमेंट्स
चक्रवर्ती अशोक ग्राम, विलेज बाधवान, कांदिबल (पूर्व),
बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूचों जैसाकि क्र० सं० अई०-4/37-ईई/14950/84-
85 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 8-10-1985

मोहर :

प्रकाश भाई.टी.एन.एच.-----

(1) मैसर्स गुडविल बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री वि० एल० बखारकर

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/14949/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 104, जो 1ली मंजिल,
हस्त गिरी अपार्टमेंट, चक्रवर्ती अशोक ग्राम, विलेज वाधवान
कांदिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल

के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 104, जो 1ली मंजिल, हस्तगिरी अपार्टमेंट, स,
चक्रवर्ती अशोक ग्राम, विलेज वाधवान, कांदिवली (पूर्व),
बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/14949/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, मद्रास

तारीख : 8-10-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मणि वर्गम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अक्टूबर, 1985

निर्देश संख्या आई-4/37ईई/15117/84-85—अन: मुसे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 1, जो बाबी शापिंग सेंटर,
प्रिमायसेम को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, एम० जी०
रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (और
इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री पी० मी० रामकृष्ण और
श्री के० वि० नायर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1, जो बाबी शापिंग सेंटर प्रिमायसेम को-
आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, एम० जी० रोड, कांदिवली
(प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-2/37-ईई/15117/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 8-10-1985

मोहर :

प्रमुख भाग: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15203/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 13, जो पहली मंजिल, बी-
विंग, दासानी अपार्टमेंट, नं० 4 पारेख नगर, एम० बी०
रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे
उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क
ख, के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
हामियत में कमी करने का उद्देश्य करने में सविधा
की है; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैसर्स एक्सेल बिल्डर्स,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० एच० संधानिया और,
श्री एच० जे० संधानिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना वाही करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम, के बध्नाय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 13, 1ली मंजिल, बी-विंग, दासानी अपार्टमेंट
नं० 4, पारेख नगर, एम० बी० रोड, कांदिवली (प),
बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15203/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 8-10-1985

मोहर :

वक्ता **श्री टी. एन. एस.** -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15205/84-85—अतः सुखे
लक्ष्मण दास,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 22-ए, जो 2री मंजिल,
दासानी अपार्टमेंट नं० 4, पारेखनगर, एस० वी० रोड,
कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (और हममें उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा भाषाकर अधिनियम 1961 की धारा 269
क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच होने अंतरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(1) श्रीमती भारती के० शाह, और
श्री एम० के० शाह

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलाबेन जे० शाह और,
श्री जे० एम० शाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथाहस्ताभरी व
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन यह सूचना जारी करने के लिए
राष्ट्रिय में कमी करने या उद्धृत करने में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य आस्तियों का
जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, विधान में सूचना के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,

फ्लैट नं० 22-ए, जो 2री मंजिल, दासानी अपार्टमेंट
नं० 4, पारेख नगर, एस० वी० रोड, कांदिवली (प)
बम्बई-67 में स्थित है

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15205
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 8-10-1985

मोहर

इसका नाम टी. ए. ए. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

बाजार मूल्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15290/84-85-प्रतः मुझे
लक्ष्मण दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 19, जो तल माला, दत्तानी
पार्क, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, काँदिवली (पूर्व), बम्बई-
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्मान
प्रतिफल के लिए अन्तरीत की गई है और भूत यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल के
पेड़ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक पात्र नया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित के
वास्तविक रूप से कोचित नहीं किया गया है :-

(क) अनुसूची में हुई किसी बात की वारत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वितीय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
की दिव्य; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

(1) मैसर्स दत्तानी कन्स्ट्रक्शन्स

(अन्तरक)

(2) मास्टर विवेक पी० कामथ (सायनर)
द्वारा बी० पी० कामथ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्वीकारण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 19, जो तल माला, दत्तानी पार्क वेस्टर्न
एक्सप्रेस हायवे, काँदिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15290/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 4-10-1985

सोहर:

संख्या: बी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती पुष्पा एस० मेहता ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमुद एच० श्रीमानकर ।

(अन्तरिती)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राज्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (गिरीगण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/15048/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 301, जो गुरुनानक अपार्ट-
मेंट्स, 51, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख
1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिष्टित :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधाएँ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० ए-301, जो गुरुनानक अपार्टमेंट्स, 51,
शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15048/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (गिरीगण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 4-10-1985

सोहर :

(अन्तरक)

(2) श्री अतुल आर० मेहता,
श्री आर० सी० मेहता, और
श्री के० आर० मेहता

(अन्तरिती)

काशीसद, सहायक नायकर बाबूबत (विराज)

मैं वह सूचना जारी करके पत्राचार सम्पत्ति में वर्धन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

समस्त सम्पादित के वर्णन के सम्बन्ध में 'कोट' भी बोलते :—

लक्ष्मण दास,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी बं. दाख लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 11, जो 1ली मंजिल, महावीर दर्शन, शंकर
मेन, कौटिल्ली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37ईई/14975
84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम
नक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 4-10-1985
मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15207/84-85—अतः, मुझे

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 32, जो 3री मंजिल, महावीर दर्शन, शंकर लेन, काँदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (और इसमें उगावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य वसूली दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं अर्थात् :—
मोहुर :

(1) मैसर्स जी० के० डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन

(अन्तरक)

(2) श्री भरत मानालाल शाह और श्री जयेश एम० शाह ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 32, जो 3री मंजिल, महावीर दर्शन, शंकर लेन, काँदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15207-ए/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 4-10-1985

मोहुर :

इसका बार्ड: टी. ए. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15294/84-85—अतः मुर्शि,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिन्ह इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 66, जो 6ठी मंजिल जी० के० नगर इमारत नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (प०) बम्बई-67 में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्जन रेंज-4—

- (1) मैसर्स जी० के० डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन।
(अन्तरक)
- (2) श्री रमेश शांतीलाल शाह।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

व्यक्ति

प्लेट नं० 66, जो 6ठी मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 2 शंकर लेन कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15294/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 4-10-1985
मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एन. 4/37-ईई/14971/85-85

(1) मैसर्स जी. के. डिवेलपमेंट कांफॉरिशन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सुरेखा विनोद शहा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14971/85-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 56, जो 5वीं मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-2-1985

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

फ्लैट नं० 56, जो 5वीं मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14971/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :-

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 4-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15142/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या प्लॉट नं० ए/72, जो, ब्लॉक नं०
1, राजेश अपार्टमेंट, ए-विल्डिंग, शंकर लेन, कांदिवली (प)
बम्बई-67 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1-2-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का
सोपान्य में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सहायता के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित हैं—

- (1) श्री सराफजवी गुलामहुसेन दागिनावाला
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती कांचनगोरी चिमणलाल मिस्त्री
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ए/72, जो ब्लॉक नं० 1, राजेश अपार्ट-
मेंट, ए-इमारत, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में
स्थित है।अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई 15142/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 14-10-1985

आह्वार है

अध्याय 1 का भाग 1 का अध्याय 1

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14850/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लेट नं० 45 जो 4थी मंजिल इमारत 'दास्तानी ग्राम' इमारत नं० 01, हेमू कलानी क्रास रोड नं० 3, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवधान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का संग्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी वाय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के कार्यालय में कमी करने या उसके अर्थ में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

26—326GI/85

(1) मेसर्स दास्तानी कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री रजनीकान्त टी० भाटीया और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 45, जो 4थी मंजिल, इमारत "दास्तानी ग्राम इमारत" नं० 1, हेमू कलानी क्रास रोड नं० 3, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37ईई/14850/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त: (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

तारीख: 14-10-1985

सोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14924/84-85—अतः मुझे

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ब्लाक नं० बी-38, जो निर्माणाधीन
इमारत, सर्वे नं० 15, एच० नं० 4, विलेज सिम्पोली,
तालुका बोरिवली, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख
के अधीन; बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब तब क्या
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
नो वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स आकांक्षा कन्स्ट्रक्शन्स कंपनी

(अन्तरक)

(2) श्री अरविंद करसनभाई पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काहें भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

२. टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० बी-38, जो निर्माणाधीन इमारत, सर्वे नं०
15, एच० नं० 4, विलेज सिम्पोली, तालुका बोरिवली,
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14924/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4 बम्बई

तारीख : 10-10-1985

मोहर :

प्रश्न क्र. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) मैसर्स हिमालय इंटरप्रायसेस

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भारती प्रवीन त्रिवेदी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14056/84-85—अतः सुधे
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 23, दूसरी मंजिल, प्रभू निवास
प्लॉट नं० 166, बोरीवली (प०), बम्बई 300092 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आम या बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ग) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तथमील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसूची

फ्लैट नं० 23, जो दूसरी मंजिल, प्रभू निवास, प्लॉट
नं० 166, आफ फैक्टरी लेन, बोरीवली (प०), बम्बई
400092 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/14956/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 10-10-1985
मोहर :

अन. अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
2, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स परम आनन्द विल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड
(अन्तरक)(2) श्री बसन्त कुमार गुप्ता ।
(अन्तरिती)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14957/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **दुर्धर्ष वसुधा** 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 31, दूसरी मंजिल, इमारत नं० ए-11, रतन नगर, बोरीवली (पु०), बंबई 400066 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क-ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 31, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० ए-11, रतन नगर, बोरीवली (पु०), बंबई-400066 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/14957/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 10-10-1985

मोहर :

प्ररूप आर्क्ष टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स परम आनन्द बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।
(अन्तरक)(2) श्री शिवराम राघू काटकर ।
(अन्तरिती)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचनाको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14954/84-85--अतः सुश्रे-
लक्ष्मण दास,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मंख्या प्लेट नं० 10, इमारत नं० 8, 9,
10 रतन नगर, बोरीवली (पु०), बम्बई में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269-क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया है कि फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वाणिज्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/याप्लेट नं० 10, जो तीमरी मंजिल, इमारत नं० 8,
9, 10 रतन नगर, बोरीवली (पु०), बम्बई में स्थित है ।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14954/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बईअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
यह, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--तारीख : 10-10-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई-4/37ईई/15129/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या दुकान नं० 11, जो शिवदर्शन को-
आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, प्लॉट नं० 16 और 22,
फायनल प्लॉट नं० 625, टीपीएस-3, सिम्पोली रोड, बोरिवल
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसूची निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी नाम की वाबद्ध, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छेपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रश्मी कल्याण कोनूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री लहरचंद मेघजी शाह ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विषय
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 11, जो शिवदर्शन को-आप० हाउसिंग
सोसाईटी लि०, प्लॉट नं० 16 और 22, फायनल प्लॉट
नं० 625, टीपीएस-3, सिम्पोली रोड, बोरिवली, बम्बई में
स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15129/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 10-10-1985

ओहर ■

अध्यक्ष बाई. टी. ए. ए.-----

(1) श्री दिनेश लक्ष्मीदास आशर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बेलजी कोरशी शाह ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/15144/84-85-अतः मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० सी जो तल माला, महेश्वरी भुवन महेश को-ऑप हाउसिंग सोसाईटी लि०, दत्तपाडा रोड बोरिपली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क ख, के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या या अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवांछ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, कर/का

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए

दुकान नं० सी, जो, तल माला, महेश्वरी भुवन महेश को-ऑप हाउसिंग सोसाईटी लि०, दत्तपाडा रोड बोरिपली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है ।

अनुसूची जिसका क्र० सं० अई-4/37-ईई/15144/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

मह: यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 10-10-1985

मोहर :

प्रारूप - आई. टी. एन. एम्. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14837/84-85—अतः मुझे
लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं
दूकान नं० 6, जो तल माला, ब्लू स्टार फ्रायस्टल को-ऑपरेटिव
सोसायटी लि०, सोडावाला लेन, बोरिवली (प), बम्बई-92
में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 का धारा 269 ग, ख के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, दिनांक
1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भव या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे. टी. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित है—

(1) श्री नारायण मणिलाल बारोट

(अन्तरक)

(2) श्री रियामत हशमतुल्लाह और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दूकान नं० 6, जो तल माला, ब्लू स्टार फ्रायस्टल
को-ऑपरेटिव सोसायटी लि०, सोडावाला लेन, बोरिवली
(प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14837/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 10-10-1985
मोहर :

प्रश्न नम्बर टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14838/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 111, जो, सी-विंग, 1ली मंजिल
मात कृपा कुंज को-आप-हाउसिंग सोसाइटी लि० कार्टर रोड नं०
3, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क, ख अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-2-1985

क? पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से ऐसे दर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक की
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मतिषा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मतिषा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब क अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

27-346 GI/85

(1) श्री देवेन्द्र शिवना शेटीषर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शोभा भरत माधीया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की
अवधि यावत समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में प्रत्यक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 111, जो सी-विंग, 1ली मंजिल, मात
कृपा कुंज को-आप-हाउसिंग सोसाइटी लि०, कार्टर रोड
नं० 3, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र० सं० अई-4/37-ईई/14838/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 10-10-1985

मोहर :

प्रकृत बाई.टी.एन.एस-----

(1) श्री हरेंद्र एन० शाह,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्राणलाल वनमालादास और अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15036/84-85—अतः

मृ. लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 13, जो गोदावरी निवास, 1ली कस्तूरबा रोड, बारिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को हाथिएव में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीसं करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 13, जो "गोदावरी निवास", पहली कस्तूरबा रोड, बारिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची: जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15036/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 10-10-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

- (1) श्री गिरीश एन० मेहता और अन्य
(अन्तरक)
- (2) श्री भूपेंद्र मोहनलाल दोशी और अन्य
(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (i) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बाबूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15354/84-85—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 5, जो तल माला, "ए"
निल धरा, देवीदास रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका कार्यान्वयन आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख
1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में रुचिभा
के लिए; और या/

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
रुचिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना बाड़ी कड़के पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के निम्न
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाकी :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के साथ
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

बम्बई

दुकान नं० 5, जो तल माला, "ए" निल धरा, देवीदास
रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15354/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 10-10-1985

मोहर

प्रत्येक भाग में दो एक एक एक एक

(1) श्री किसन सिताराम ठाकुर

(अन्तरक)

(2) श्री शशिकांत नरसिंग भोसले

(अन्तरिती)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14917/84-85—अतः मुझे
लक्ष्मण दास,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवशत करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 1, जो पहली मंजिल, लक्ष्मी
नारायण नगर, इमारत सं० सर्वे नं० 96, एच० नं० 1-
ए, सी० टी० एस० नं० 2262, एकसार विलेज, बोरिवली
(प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उपबन्ध से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उच्च बचत में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 104, जो पहली मंजिल, लक्ष्मीनारायण
नगर, इमारत नं० सी० सर्वे नं० 96, एच० नं० 1-ए,
सी० टी० एस० नं० 2262, एकसार विलेज, बोरिवली (प)
बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/14917/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 10-10-1985

मोहर :

प्रकट आई.टी.एन.एल. - - -

(1) श्री एच० सुणम० सुन्दरम

(प्रचारक)

(2) श्री श्रीर प्रभु टी० के० ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15250/84-85—अतः मुझे
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका संख्या फ्लैट नं० 106, मोहन तेरेस वी, कस्तूर
पार्क, शिपोली रोड, बोरीवली (प), बंबई-400092
में स्थित है (और अपने उत्तमवत् अनुसूची में श्री पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 106, जो मोहन तेरेस वी, कस्तूर पार्क,
शिपोली रोड, बोरीवली (प), बंबई-400092 में स्थित
है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15250/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 10-10-1985

मोडर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15220/84-85-अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, "सी"
विंग, सुमेर नगर, एस० वी० रोड, बोरिवली (प०),
बम्बई-91 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
हाथिए में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इन्हीं किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तिवों
को, चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा

(1) श्री हममुख घाघजी शहा और अन्य।
(अन्तरक)

(2) श्री जयंतीलाल लालचंद पटेल और अन्य।
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के बाब
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, "सी" विंग, सुमेर
नगर, एस० वी० रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15220/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

माहुर :

सूचना क्र. टी. एन. ४४,-----

1. श्रीमती विद्या रमेश पटेल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री नानालाल एन. भट्ट।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-4, बम्बई

दिनांक, 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं. अई-4/37ईई/14952/84-85.---अतः
मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

100,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. फ्लैट नं. ए/1/13, जो, श्री पूनीत नगर को-
आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., पूनीत नगर, एस. वि. रोड,
बॉरिवली (प), बम्बई-92
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है।

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269-ग के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-
लय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
अभिलेख में कमी करने या उसमें वचने में सूत्रिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ सम्पत्ति दवांग प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूत्रिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. ए/1/13, श्री पूनीत नगर को-आप. हाउसिंग
सोसाइटी लि., पूनीत नगर, एस. वि. रोड, बॉरिवली (प),
बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-4/37ईई/14952/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-4, बम्बई

दिनांक 10-10-1985.
मोहुर :

अन्वय भाव' टी. एन. एच. - - - - -

(1) डी० एन० इंटरप्राइज।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरुजी चरमशी विद्यीकोश।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

वास्तव वास्तव

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० एई-4/37-ईई/14993/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० यूनिट नं० 51, जो, ए-विंग, ड्रीमलैण्ड,
सी० टी० एन० नं० 1830 और 1838 (अंश), एकसार, 120 फीट वि० रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92
में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिम्मा करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारख
1-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से एंसे दसमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 2—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एंसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छेपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
अतः, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बम्बई :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव 2—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादस्थाक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

यूनिट नं० 51, जो, ए-विंग, ड्रीमलैण्ड, सी० टी० एन०
नं० 1830 और 1838 (अंश) एकसार, 120 फीट वि० रोड,
बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची के अंतर्गत सं० एई-4/37-ईई/14993/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अश्विन कुमार गह्रा और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री लछमन हरीगम मीरचंदानी और अन्य।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14866/84-85-अतः मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 004, जो, इमारत नं० डी-29, योगी नगर, एकमर रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इनके उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और निम्न प्रारम्भिक आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाकत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

28—346GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 004, जो, इमारत नं० डी-29, योगी नगर, एकमर रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14866/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर

प्ररूप बाई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14881/84-85—अन:मुझे,

लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 28, जो, 3री मंजिल, स्पेरी
स्टार-को-ग्राम० हाउसिंग सोसाइटी, सहयोग नगर, एकमार
रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे
उपायधन अनुसूची से और पूर्ण रूप में वर्णित है), और
जिसका कगारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
य, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुधीर एम० वडाकरे।

(अन्तरक)

(2) श्री शिरीष आर० शिरवाइकर।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 28, जो, 3री मंजिल, स्पेरी स्टार को-ग्राम०
हाउसिंग सोसाइटी, सहयोग नगर, एकमार रोड, बोरिवली
(पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14881/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्रमुख बाई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स दत्तानी इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जयाबाई गोकलदास मंनन और अन्य।
(अन्तरितो)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14845/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 31, जो, 3री मंजिल, दत्तानी
नगर इमारत नं० 4, एस० बी० रोड, बोरिवली (प०),
बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 1-2-1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण है हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रत्येकानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाकाय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 31, जो, 3री मंजिल, दत्तानी नगर इमारत
नं० 4, एस० बी० रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० वं० अई-4/37-ईई/14845/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स विजय नगर कारपोरेशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शामजीभाई खोदाभाई पटेल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14955/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'सहायक अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, जो, टेरेस के साथ, इमारत नं० ई-21, योगी नगर, एकसार रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कांथत नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(3) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोग्यताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 103, जो, टेरेस के साथ, इमारत नं० ई-21 योगी नगर, एकसार रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/14955/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

बोहर

प्रकृष जाई.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14831/84-85—अन: मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक आयुक्त (निरीक्षण) को सूचित किया गया है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, जो, 2री मंजिल, बेल-ग्राविया, आई० सी० कालोनी क्रॉस रोड नं० 41, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सम्पत्ति को गड़ है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि अपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुदेश से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट नै नास्तिक रूप से कीमत नहीं किया गया है।

(1) लिगोरी अलवा।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कन्डेस एण्ड कुंदर इन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कम से कमान्य होखी हो, के बीच पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के साथ लिखित में किसे न किया।

सम्बन्धित:—इसमें प्रमुख कथनी और धारा 20-क के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कम करने के अन्तरक के शायित्व से कमी करने का उसमें अर्जन में सविधा के लिए; मोहर/अ

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लैट नं० 202, जो, 2री मंजिल, बेलग्राविया, आई० सी० कालोनी क्रॉस रोड नं० 41, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/14831/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एन.-----

(1) जलाल शा।

(अन्तरक)

(2) अख्यार अहमद फीदी और अन्य।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्रवाई करता है।

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14878/84-85-अनः मुझे

लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जी. 3री मंजिल, इमारत
योगी स्मृति को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, इमारत
नं० डी/15, योगी नगर, एक्कार रोड, बोरिवली, बम्बई-92
में स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका कारखाना आधार अधिनियम
1961 की धारा 269-ग, ख के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के अधिनियम में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
उक्त के व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पन्ना
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एवं अन्तरण के लिए एक भाग नवा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 117) या भारत अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
है या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के मा. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, जी. 3री मंजिल, इमारत योगी स्मृति
को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, इमारत नं० डी/15,
योगी नगर, एक्कार रोड, बोरिवली, बम्बई-92 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14878/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985
मोहर :

पञ्चम भाग टी. एन. एन. एन. एन. एन.

(1) मैक्स प्रोडक्शंस इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती ए. मेहन।

(अन्तरिती)

नगर सचिव

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/15161/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दाम,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

₹ 1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो तल मात्ता, ए-विंग,
निर्माणाधीन इमारत, प्लॉट नं० 14 और 19, सिटी सर्वे
नं० 13/15, 13/21, देसाई और शेट नगर, आफ एम०
वी० रोड, पोस्टमैन बस डिपो के पास, बोरिवली (पश्चिम)
बम्बई में स्थित है (और इसका उपाधुद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नगरपाली

फ्लैट सं० 1, जो तल मात्ता, ए-विंग, निर्माणाधीन
इमारत, प्लॉट नं० 14 और 19, सर्वे नं० 13/15, 13/
21, देसाई और शेट नगर, आफ एम० वी० रोड, पोस्टमैन
बस डिपो के पास, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-4/37-ईई/15161/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14793/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 7, जो, बी-विंग, 1ली मंजिल,
अलका को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, बोरिवली
(पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दाऊद आदम शेख।

(अन्तरक)

(2) श्री राजाराम पांडुरंग सावंत और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 7, जो, बी-विंग, 1ली मंजिल, अलका
को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, बोरिवली (पश्चिम),
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14793/
84-85 और जो उक्त प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मैसर्स विजय कंपनी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

(2) श्री वर्मन गोपाल शानभाग।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14834/84-85--अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, इमारत श्याम कृपा नं० 1, एकनार विलेज रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेज के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त व्यवस्था प्रतिफल से ऐसे व्यवस्था प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को हाथरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 22) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9 —346GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, इमारत श्याम कृपा नं० 1, एकनार विलेज रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/14834/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मुद्रित :

प्रकट आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14938/84-85—अन:मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, उरी मंजिल, जय
गुरु देव भवन, विजेज एक्कार, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-
92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और
मझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी राश की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि करने में मन्त्रिभा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तिओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हमीद अली अब्दुल मजिद।

(अन्तरक)

(2) श्री पवनकुमार केडिया।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, जो, उरी मंजिल, जय गुरु देव भवन,
विजेज एक्कार, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14938/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर:

इसका नाम, श्री. गुल. गुल. ...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14873/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, जो, उरी मंजिल, जय गुरु
देव भवन, विलेज एकसार, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विहित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की, वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

(1) श्री हमीद अली अब्दुल मजिद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदादेवी तुलसियान और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाचक
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के अर्थ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, जो, उरी मंजिल, जय गुरु देव भवन,
विलेज एकसार, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14873/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्रकृत आई. टी. एन. एस. -----

(1) एफ० ई० दीनशा चैरीटीज।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) कौताप्रसाद एस० एन० तिवारी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आई-4/37-जी/86/84-85-अतः मुझे
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके
इसके पर्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन, जिसका सर्वे नं० 93, एच० नं०
3, सी० टी० एस० नं० 325 ए और 325 ए 1 से 20,
आफ मासाड, रेवीन्यू विलेज, काँदिवली (पश्चिम), बम्बई
है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अनुसूची प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित है
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, कमाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघर्ष के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां कराए हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वादों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्तमम्भी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सके।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-2257/80 और
जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 2-2-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985
मोहर :

प्रकरण भाग. टी. एन. एन. - - - - -

(1) रेतबो कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री क्लेअरन्स एल० पी० फोनसेका और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15363/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो, तल माला, निर्माणाधीन
इमारत, "बेला-विस्ता", प्लॉट नं० 7, सर्वे नं० 119, एच०
नं० 6 (अंश) और जिसका सी० टी० एस० नं० 1014,
तालुका बोरिवली, एकसार, बम्बई में स्थित है (और इससे
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
शास्तविक रूप से कथित नहीं किया जा रहा है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाध, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सापेक्ष में कमी करने का उद्देश्य रखने के विषय
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्धन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बातों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3, जो, तल माला, निर्माणाधीन इमारत,
"बेला-विस्ता", प्लॉट नं० 7, सर्वे नं० 119, एच० नं०
7 (अंश) और जिसका सी० टी० एस० नं० 1014,
तालुका बोरिवली, एकसार, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15363/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985
मोहर :

बख्त बाबू, डी.एन.एच.-----

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

शास्त्र सहायक

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14939/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, जो, ए-विंग, 1ली मंजिल
कविता अपार्टमेंट्स, नाटकवाला लेन, बोरिवली (पश्चिम),
बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1-2-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि बहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से ऐसे सम्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये था, क्लियर में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स कविता कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

(2) केतनकुमार पी० ओसा और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सहस्रमुखी

फ्लैट नं० 6, जो, ए-विंग, 1ली मंजिल, कविता अपार्ट-
मेंट्स, नाटकवाला लेन, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14939/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम (प्राधिकारी)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्रकृत अर्द्ध टी एन.एस. -----

(1) मैक्स मणिक एण्ड ग्रामोमिण्ड्स।

(अन्तरगत)

(2) मोनी तटवरनाथ पूजीराम।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14905/84-85--अतः मुझे,
लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो, तल माला, सी/1
इमारत, मणिक नगर, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-ब, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरगत) और
अन्तरिती (अन्तरिगतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया प्रतिफल, निम्नलिखित लक्ष्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना अपेक्षित था, स्थिति में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णित :-

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंतर्गतकारी के पास
नहीं किया गया हो।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 6, जो, तल माला, सी/1 इमारत, मणिक
नगर, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/14905/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री राजन एन.ए. खरौ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती गंधा टी. कूपर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15319/84-85---अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डुकान नं० 3, जो, तल माला, एस्टी गीजय को-आप० हाउसिंग सोसाईटी, साईबाबा नगर, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में भूमिका वास्तव के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों जहाँ :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाकीप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्झौताकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डुकान नं० 3, जो, तल माला, इस्टी गीजय को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, इमारत नं० 12, साईबाबा नगर, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/15319/84-85 और या अन्य प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष कार्य, टी. एन. एस. -----

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15364/84-85-अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्नी सं० दु.ता.नं० 7, जो, तल माडा, निर्माणाधीन
इमारत, "बेलत-विस्ता" प्लॉट नं० 7, सर्वे नं० 119,
एच नं० 7 (अंग) और विस्ता सी० टी० एन० नं०
1014, तालुका बोंद्विली, एकात, बम्बई में स्थित है (और
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका संपत्ति का आयुक्त अधिनियम 1961 की
धारा 269-न, के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985 को

यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) को
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय बाधा
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित से
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उलट करने में बाधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषा-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
वार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में बाधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

30-346G1/85

(1) मैक्स रैनबो कन्स्ट्रक्शंस।

(अन्तरक)

(2) मैक्स दिवाली इंटर्प्र्राइजेस।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दु.ता.नं० 6, जो, तल माडा, निर्माणाधीन इमारत,
"बेलत-विस्ता", प्लॉट नं० 7, सर्वे नं० 119, एच० नं०
7 (अंग) और विस्ता सी० टी० एन० नं० 1014,
तालुका बोंद्विली, एकात, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-4/37-ईई/15364/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14886/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो, गिरनार अपार्टमेंट्स
ऑफ मंडपेश्वर रोड, गोविंद नगर, बोरिवली (पश्चिम)
बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आय-
कर अधिनियम 1961 की धारा 269-क ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बिना ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स कमला इटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) मणिलाल गोंगजी केनिया और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 6, गिरनार अपार्टमेंट्स, आफ मंडपेश्वर
रोड, गोविंद नगर, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14886/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर:

प्रकरण बाई-टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14852/84-85—अतः मुझे

लक्ष्मण दास,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बुकान नं० 2, जो सत्यम इमारत नं०
2, रायानीग्राम, सिम्पोली रोड, बोरिवली (पश्चिम),
बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका कारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रत्यक्ष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
वस्तु जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

(1) श्री दिनेश एन० सोनी और अन्य।

(अन्तरक)

(2) जितेन्द्र शांतीलाल सोनी और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बुकान नं० 2, जो, सत्यम इमारत नं० 1, रायानीग्राम
सिम्पोली रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14852/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

प्रकाशक: डी.एस.एस.-----

(1) महेन्द्र केशी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) विरजलाल नाजजी और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15061/84-85—अतः मुझे
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो, सह्याद्री अपार्टमेंट
और शांति सेंटर, लोकमान्य तिलक रोड, बोरिवली (प)
बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कार्यालया
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है,
तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
तन्त्र प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वास्तविक में कमी करने या उक्त करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेंगे।

सूचीकरण :—इसमें प्रयुक्त सूची और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बन्धाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही बर्त होना जो उस बन्धाय में दिया

अनुसूची

दुकान नं० 6, जो, सह्याद्री अपार्टमेंट और शांति
सेंटर, लोकमान्य तिलक रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-
92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15061/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर:

प्रकल्प आई.टी.एच.एस.-----

(1) श्री कीर्ति सी० गहटा और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश रामजी वेदीया और अन्य।

(अन्तरिती)

सामक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15153/84-85—अतः सूजे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो, राज माला, जमुना
दर्शन, नाटकवाला लेन, आफ ल्यामी विवेकानन्द रोड, बोरे-
वली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्शाया है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
गठन गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3, जो, राज माला, जमुना दर्शन, नाटक-
वाला लेन, आफ ल्यामी विवेकानन्द रोड, बोरेवली (प),
बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अ-4/37-ईई/15153/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

बोहर:

प्रकृत आई. टी. एन. एस. -----

(1) मैक्स निक एण्ड क्रेडल इंटरप्राइजेज।

(अन्तरक)

(2) श्री इ. डिसोझा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निदय सं० आई-4/37-ईई/15338/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैश्रीरजिस्की सं० फ्लैट नं० 601, जो, 6 ठी मंजिल, हिल टाप कंदारपाडा फ्रांस रोड, बोरिवली (पश्चिम),
बम्बई-103 में स्थित है (और इसने उभावद्ध अनुसूचा
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ग, ख के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है,
तारीख 1-2-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
वार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिए
कार्यवाहियां करा हों।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन की संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 601, जो, 6ठी मंजिल, हिल टाप कंदारपाडा
फ्रांस रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।अनुसूचा जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15338/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1985

मोहर:

प्रारूप भाई टी.एन.एस.-----

(1) श्री देवी बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जसिन्धा परेर।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15311/84-85—अतः सूचे,
सक्षम दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, जो, पहली मंजिल,
"युनाइटेड अपार्टमेंट्स", श्री देवी नगर, वसिन्हा नाका,
एल० टी० रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित
है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका कालान्तर आयकर अधिनियम 1961
का धारा 269-ब, ख के अर्जन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की इष्टमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से ऐसे इष्टमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101, जो, पहली मंजिल, "युनाइटेड अपार्ट-
मेंट्स", श्री देवी नगर, वसिन्हा नाका, एल० टी० रोड,
बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15311/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सक्षम दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 10-10-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15329/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लेट नं० ए-402, जो, 4थी मंजिल,
दि स्टार मकान को-प्राप० हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड,
प्लॉट नं० 59, टॉ० पॉ० ए३० नं० 3, उमेश आश्रम रोड,
बोरोवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अन्तर्गत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-2-1985

को पर्यवेक्षक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से फिक्स्ड नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;—

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महेन्द्र गंगाराम मिरन।

(अपूरक)

(2) श्री रमेश लुण्णाव कुलकर्णी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्यवेक्षक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० ए-402, जो, 4थी मंजिल, दि स्टार मकान
को-प्राप० हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 59,
टॉ० पॉ० ए३० 3, उमेश आश्रम रोड, बोरोवली
(पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/15329/
04-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर:

हस्त बाई. टी. एन. ए. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14854/84-85—अतः मूद्ये,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 1, जो, तल माला, विठ्ठल
अपार्टमेंट्स, कस्तूर पार्क, सब प्लॉट नं० 30, फाइनल
प्लॉट नं० 321, टो० पॉ० ए० नं० 3, बोरिवली (प),
बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचि में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालयालय आय-
कर अधिनियम, 1961 का धारा 269 क, ख के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है,
सारांश 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अमान्य
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अमान्य
प्रतिफल से, ऐसे अमान्य प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है
है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभिमत
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
सार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए या छिपाने में सविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

346GI/85

(1) श्रीमता: निलमबेन चितामण: पारख।

(अन्तरित)

(2) श्रीमता: निलावत: शांत लाल छेडा।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिवस
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों के
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्तारणीय
पक्ष लिखित में किष्ट या सकेंगे।

संक्षेपण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो, तल माला, विठ्ठल अपार्टमेंट्स,
कस्तूर पार्क, सब प्लॉट नं० 30, फाइनल प्लॉट नं० 321,
टो० पॉ० ए० नं० 3, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में
स्थित है।

अनुसूचि जैसा कि सं० अई-4/37-ईई/14854/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15023/84-85—अतः
मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो, तन माला, स्टार ट्रेड
सेंटर, एम० वी० पी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 ग, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाहू
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राशि गवा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मिरा बेंकटेश देवले और अन्य।

(अन्तरक)

2. श्रीमती डी० डी० सावंत और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि-वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

'दुकान नं० 6, जो तन माला, स्टार ट्रेड सेंटर, एम० वी०
पी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-4/37-ईई/15023/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर *

प्रकाश बाई.टी.एन.एच.-----

1. मेसर्स दात्तानी कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15296/84-85--अतः मुझे
लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लेट नं० 52-ए, जो, 5वीं मंजिल, इमारत
"दात्तानी टावर्स", एन० बी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-
400092 में स्थित है (और इनमें उपावृत्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिनका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269-ब, ख के अधीन, बम्बई में स्थित
है सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
1 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसमें यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
गैर/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

2. श्रीमती भरत कातीनाल शहा और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तान्तरण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखिकारी के पास
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 52-ए, जो, 5वीं मंजिल, इमारत "दात्तानी",
एन० बी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15296/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :-

प्रकृष बाई.टी.एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15295/84-85—अतः

मुझे; लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 112, जो, 11वीं मंजिल इमारत "दास्तानी टावर्स", एन० बी० रोड, कोरा केंद्र, बारिबली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1 फरवरी 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स दास्तानी कन्स्ट्रक्शंस।

(अन्तरक)

2. श्री हितेश के० गहा।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 112, जो, 11वीं मंजिल इमारत "दास्तानी टावर्स", एन० बी० रोड, कोरा केंद्र, बारिबली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15295/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14770/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 001, जो, गगनगिरी नगर, सी-इमारत, प्लॉट ए, एकसार रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का सम्यक् प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिणी (अंतरिणीयों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए एक बका बका प्रवि-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के वास्तिक में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तिकों का, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स गगनगिरी डेवलपमेंट कापोरेशन।
(अन्तरक)
2. श्रीमती अनीता मुरारी पाल।
(अन्तरिणी)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के अन्तर्गत व्यक्तिगत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर कोई भी व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पाये जाते हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'प्लेट नं० 001, जो, गगनगिरी नगर, सी-इमारत, प्लॉट ए, एकसार रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी सं० सं० आई-4/37-ईई/14770/84-85 है और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

माहुर :

प्रकृष जाई, टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15069/84-85—अतः
मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 501, जो, 5वीं मंजिल, ग्रौरिएन्टल अपार्टमेंट, प्लॉट नं० 1329, सर्वे नं० 162, जीवन बीमा नगर, बारिवली (ए) बम्बई-103 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 धारा 269-क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तिवां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स नमिर अब्दुल्ला एण्ड सन्स।

(अन्तरक)

2. श्री आर० मुरली चारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 501, जो, 5वीं मंजिल, ग्रौरिएन्टल अपार्टमेंट, प्लॉट नं० 1329, सर्वे नं० 162, जीवन बीमा नगर, बारिवली (ए), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-4/37-ईई/15069/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्रकट बाई-टी.ए.एस.

1. मे० नसिर अब्दुल्ला एण्ड सन्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री टी० ए० रंगनाथन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15068/84-85—अतः

मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट न० 401, जो, 4थी मंजिल, ग्रोरी-
एन्टल अपार्टमेंट, प्लॉट जिसका सी० टी० एस० 1329, सर्वे
न० 162 (ग्रंश), जीवन बीमा नगर, बोरिवली (प), बम्बई-
103 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 फरवरी
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाचस्प
में कमी करने या उससे बचने में मविधा के लिए;
और/वा

(ख) यदि किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मविधा के लिए;

इस सूचना अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट न० 401, जो, 4थी मंजिल, ग्रोरीएन्टल अपार्ट-
मेंट, प्लॉट जिसका सी० टी० एस० 1329, सर्वे न० 162
(ग्रंश), जीवन बीमा नगर, बोरिवली (प), बम्बई-103
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-4/37-ईई/15068/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985
मोहर:

प्रकृष जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14776/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 202, जो, "सी" इमारत, 2री
मंजिल, योगीदीप को-ऑप० सोसाइटी लि०, एकसार रोड,
बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल से, ऐसे हयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मणिभाई एल० पटेल।

(अन्तरक)

2. श्री रमणीलाल डत्तमलाल दोशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 202, जो, "सी" इमारत, 2री मंजिल, योगीदीप
को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, एकसार रोड, बोरिवली
(प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/14776/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 14-10-1985

दिनांक :

प्राख्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15157/84-85---अंतः मुक्त
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्जिन की सं० प्लेट नं० 404, जो, 4वीं मंजिल, इमारत
नं० सी/1, योगी नगर, एकतार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-
92 में स्थित है (अर्जिन इसका अनुसूची में अर्जिन पूर्ण
रूप से वर्णित है) अर्जिन निम्नलिखित आधार पर अधिनियम
1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है तारीख 1
फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित है वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

32—346GI/85

1. श्रीमती चेतना दिलीपकुमार भट्ट।

(अन्तरक)

2. श्री बिंदू कुमार देवे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों की
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवांछी
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लेट नं० 404, जो, 4वीं मंजिल, इमारत नं० सी/1,
योगी नगर, एकतार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-4/37-ईई/15157/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-
1985 को रजिस्ट्रार किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 14-10-1985

मोहर:

प्रकाशक: डी. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त

काजलिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14933/84-85—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 204, जो, 2री मंजिल, डी/23 योगी नगर "योगी-कावेरी" इमारत, एकसार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसवां प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दसवां प्रतिफल से ऐसे दसवां प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण की, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अन्तरितियों, अर्थात्—

1. श्री कैप्टन मृणाल कांत/ नाग और अन्य।
(अन्तरक)
2. श्री नरेनकुमार जयंतकुमार शर्मा और अन्य।
(अन्तरित)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई कराई जाएगी।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 204, जो, 2री मंजिल, डी/23, योगी नगर "योगी कावेरी" इमारत, एकसार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र० सं० अई-4/37-ईई/14933/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1985

कोष्ठ नं०

प्रकरण 1 भाग 1, अध्याय 1, अध्याय 1

भाषांतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राप्त प्रमाण

कार्यालय, सहायक भाषांतर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14965/84-85—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

भाषांतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० ए/104, जो, 1वीं मंजिल, हमारा नं० 1, गणपती अपार्टमेंट्स, प्लॉट नं० 172 और 177, एल० टी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)/और जिसका कार्यालय भाषांतर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है तारीख 1 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अतः, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए रूप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अनुमति के दायित्व से कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तुओं को, जिन्हें भारतीय भाषांतर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन से अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसूची में, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री महेश चिमणलाल शहा और अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री महेश जेठाभाई शहा और अन्य।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन में सम्मिलित में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० ए/104, जो, 1वीं मंजिल, हमारा नं० 1, गणपती अपार्टमेंट्स, प्लॉट नं० 172 और 177, एल० टी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की सं० अई-4/37-ईई/14965/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को राजस्टैंड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषांतर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1985

मोहर:

इस्य भाई टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15064/84-85—अतः

मूले लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 601, जो, विंग-बी, बाहूबली टावर्स, 68/1 मंजिल, साईबाबा धाम के पछे, देसाई शेठ नगर, एस० बी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ, ख के अधिन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार यह है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. अमरत/ शिरान एस० कराचिवाला।

(अन्तरक)

2. श्री प्रकाश एच० दारोरा और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 601, जो, विंग-बी, बाहूबली टावर्स, 68/1 मंजिल, साईबाबा धाम के पछे, देसाई शेठ नगर, एस० बी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूचों जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15064/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1985

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निवेदन सं० आई-4/37-ईई/15284/84-85—अतः

मृगे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० प्लेट नं० 10, जो, 2री मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है (और इसे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका मालिकाना अधिकार अधिनियम 1901 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृगे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

1. मेडर्स साम कन्स्ट्रक्शन्स।

(प्रतिरक्ति)

2. श्री सुन्दर एन० कुर्कयन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 10, जो 2री मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैताकी सं० आई-4/37-ईई/15284/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 14-10-1985
मोहर:

परूप आई.टी.एन.एच.-----

1. सैसर्स साम कन्ट्रिब्यूशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री बी० एन० पालन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

अर्जन रेंज-4, बम्बई

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेप :-

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

दिनांक सं० अई-4/37-ईई/15277/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पर्याप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री जैसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो, अजय अगार्टमेंट्स, आई०
सी० कालोनी, बालिवी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे
उपरोक्त अनुसूची में श्री पूर्ण रूप से वर्णित है) और निम्न
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, क,
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चगुण प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय के तहत
दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, कि उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

फ्लैट नं० 8, जो, अजय अगार्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी,
बालिवी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसकी सं० सं० अई-4/37-ईई/15277/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स सामकन्सल्टन्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती आई० एस० मोटरो।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15283/84-85—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्की सं० प्लेट नं० 1, जो नन माला, अन्न आर्टमेंट्स, आय० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उदावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)/और जिन्का करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1 फरवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से यह के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 1, जो नन माला, अन्न आर्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15283/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 14-10-1985

मोहर :]

प्रकृष आई.टी.एन.एस्.-----

(1) मैडर्स साम कन्ट्रोल

(अन्तर)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रामाकुण्डम्मा सालिम्मा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15270/84-85—अ. : मुने,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० फ्लैट नं० 6, जो अजय अगार्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी, बोखली (५), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा

(ख) एसी किसी आय या किसी इन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, जो अजय अगार्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी बोखली (५), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15270/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 14-10-1985]

मोहर :

प्ररूप क्रम. टी. एन. एस. - - -

(1) मेसर्स साम कन्स्ट्रक्शन्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती नानानिया डायस

(अन्तरिती)

बाउल सुरक्षा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15472/84-85—अतः, मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 2, जो अक्षय अपार्टमेंट्स,
आई० सी० कालोनी बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दखलान
प्रतिफल के लिए जम्मा की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दखलान
प्रतिफल से, लगे दखलान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरिती) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक को
कायम हो करनी करने या उसके अन्तरण में परिवर्धन
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

33—346GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्धारा 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्धारा में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो अक्षय अपार्टमेंट्स आई० सी० कालोनी
बोरिवली (प०) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15472/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा किना
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 14-10-1985

साक्षर :

प्रथम भाग, टी. एन. ए. ए.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) मैसर्स साम कन्स्ट्रक्शन्स

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वाई० आर० शेटी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15276/84-85— अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12-ए, जो अश्व अपार्टमेंट्स,
आय०सी० कालोनी, बोखिली (प०) बम्बई में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वायस्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बाद/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फ्लैट नं० 12-ए, जो अश्व अपार्टमेंट्स, आई० सी०
कालोनी, बोखिली (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15276/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति के नाम :—

तारीख : 14-10-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश संख्या आई-4/37-ईई/15273/84-85—अतः ;

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सर्क पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेचना करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 18, जो अक्षय अपार्टमेंट्स,
आई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-85

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवेचना
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स साम कन्स्ट्रक्शन्स

(अन्तरक)

(2) श्री एच० सी० शाह

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही कक्षा है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 18, जो अक्षय अपार्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी
बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15273/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 14-10-1985

मोहर :

प्रश्न आई. टी. एन. एन. -----

(1) मैसर्स साम कन्स्ट्रक्शन्स

(अन्तरक)

(2) श्री ए जी पुजारी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(ग) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० ई-4/37-ईई/15278/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 11, जो अक्षय अपार्टमेंट्स,
आई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यतिरिक्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी भू या अन्य वास्तुओं
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहीवां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 11, जो अक्षय अपार्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी
बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15278/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
2-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 14-10-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष माह.टी.एन.एच.-----

(1) मैसर्स साह कन्स्ट्रक्शंस

(अन्तरक)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चंद्रशेखर एन० कोलेकर

(अन्तर्निरीक्षण)

भाषा सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15269/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 7, जो 1ली मंजिल, अक्षय
अपार्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई
में स्थित है (और इससे उपापन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज
अधिकृत के लिए अन्तर्निरीक्षण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दस्तावेज अधिकृत के द्वारा दस्तावेज अधिकृत का
एक प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तर्निरीक्षण (अन्तर्निरीक्षणों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए इस
गना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
विहित में वास्तविक रूप से कम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कारण से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्निरीक्षण द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धि में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मण दास :—इसमें प्रयुक्त सम्पत्ति और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में किया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, जो 1ली मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट्स,
आई० सी० कालोनी बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि भ० सं० अई-4/37-ईई/15269/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 14-10-1985

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स साम कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निरंजना के. शहा।

(अन्तरितः)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/ईई/15281/84-85---अतः :

मुझे, लक्ष्मण दास;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, जो, 3री मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी, बोरिवली, (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका व्यापारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधिन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है। तारीख 1-2-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिबों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 14, जो, 3री मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी, बोरिवली, (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/ईई/15281/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-4, बम्बई

दिनांक : 14-10-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन. एस.-----

(1) पैरामा पैरामा न.सूचकसंख्या

(अन्तरगत)

(2) श्री विठ्ठल नं० पुजारी

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/15268/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, जो, 2री मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट्स, आई० सी० गालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, के दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं०, जो, 2री मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट्स, आई० सी०, गालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/15268/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

मोहर :

प्रकट आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स सास कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

(2) अंमर्ता विरोना डिमुजा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/77-ईई/15271/84-85—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, 1वीं मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छिप-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 5, जो 1वीं मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15271/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 14-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) साम कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जोसेफ पी० राड्रिग्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्थनिय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/15280/84-85—अतः मझे,
लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 17, जो 4थी मंजिल, अक्षय
अपार्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई,
में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्री और उचित कथारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है,
तारीख 1-2-85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए बंटरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के नियम पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
खर्चों को कभी करने या उक्त करने के सुविधा
को किए, जोड़/घटा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोधमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, क्लियर में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
जै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

34—346GI/85

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 17, जो 4थी मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट्स,
आई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/15280/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

मोहर:

प्ररूप माह. टी. ए. ए. एस. -----

(1) मैसर्स साम कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमा एन० पटेल।

(अन्तरिती)

भाषकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15082/84-85—अतः मुझे

लक्षमण दास

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 12, जो 2री मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

क. उसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्ति
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
1922 का अधिनियम, या
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दायरा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 12, जो 2री मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट्स,
आई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है
अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15282
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक : 14-10-1985

मोहर :

प्रत्येक भाग टी. एन. एच. - - -

(1) मैसर्स साम कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री गंगाधर टी० अमीन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/15272/84-85-अतः मुझे,

लक्षमण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 16, जो 3री मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकता को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्तरण के, अर्थात्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 16, जो 3री मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37ईई/15272/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 14-10-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स साम कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री विठ्ठल टी० कलकर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15279/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, जो 3री मंजिल, अक्षय
अपार्टमेंट्स, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित
से कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के द्वारा :—

फ्लैट नं० 15, जो 3री मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट्स
आई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15279
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक : 14-10-1985
मोहर :

प्रत्यक्ष बाई-टी. एच. एच. -----

(1) मैसर्स निपा कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री महेशचन्द्र एम कोठारी और सुगन चन्द्र
बी० कोठारी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के दर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षे :-

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14982/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, जो 1ली मंजिल, विंग-बी,
परेश अपार्टमेंट्स, एस० बी० पी० रोड, बोरिवली (प),
बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति का हिस्सा
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों पर, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी वाक की वाकत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

फ्लैट नं० 102, जो 1ली मंजिल, विंग-बी, परेश
एपार्टमेंट्स, एस० बी० पी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-
92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37ईई/14982/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई।

दिनांक : 11-10-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

(1) बोटान्हा विल्डर्स प्राइवेट लि०

(अन्तरक)

(2) कुमारी बर्था सोफिया फर्नांडीज।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15000/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो 5वीं मंजिल, "आकांक्षा" एस० वी० पी० रोड, भगवती हास्पिटल के सामने, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो 5वीं मंजिल, "आकांक्षा", एस० वी० पी० रोड, भगवती हास्पिटल के सामने, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15000/84-85 कछोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1985

मोहर:

प्रकट जाई. टी. एन. एल. -----

(1) श्री कृपा विल्डर्स :

(अन्तर क)

(2) श्री और श्रीमती मोहन वि० सहस्त्रबुद्धे ।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15201/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 401, जो 4थी मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, प्लॉट नं० 377-78 टी० पी० एस०-3, वक्षिरा नाका, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बहालपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का वंशह प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रवि-कृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित के वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 2—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 401, जो 4थी मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, प्लॉट नं० 377-78, टी० पी० एस०-3 वक्षिरा नाका, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15201/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1985

मोहर:

प्रकट भाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री देवी विल्डर्स।

(अन्तर क)

(2) श्री थॉमस पी० गलवान।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करवा रहे हैं।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15315/84-85--अतः मुझे
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिन्की सं० प्लॉट नं० 102, जो 1ली मंजिल, "युना-
टेड अपार्टमेंट्स", श्री देवी नगर, वसिरा नाका, एल० टी०
रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269-क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीकों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए सब शान्त
होना, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक विहित
में वास्तविक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरक से है किसी बाव की बाव, उक्त
अधिनियम के अधीन यह धर्म के अन्तरक के
वास्तव में कभी करों या उक्त धर्म में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी बाव या किसी धर्म या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय बाव-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहे या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्सम्यन्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्झौतेकरः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 102, जो 1ली मंजिल, "युनाइटेड अपार्ट-
मेंट्स", श्री देवी नगर, वसिरा नाका, एल० टी० रोड,
बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-4/37-ईई/15315/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1985

मोहर :-

प्ररूप आई. टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निवेश सं० आई-4/37-ईई/15367/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4/बी/16, जो, बाज गीजय को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, साईबाबा नगर, आफ एस वी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख

1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

35—346GI/85

(1) श्रीमती वासुमती एन० देसाई और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीनाथ तिवारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी को पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4/बी/16, जो बाज गीजय को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, साईबाबा नगर, आफ एस० वी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15367/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1985

मोहुर

प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14979/84-85—प्रतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 406, जो सी-इमारत, गगन-
गिरी नगर, लक्ष्मीनारायण टेंपल के पीछे, एकसार रोड,
बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब,
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
नामा प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची में उक्त अन्तरक
विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के क्वीक कर होने के अन्तर्गत के
वास्तव में कमी कर रहे या उक्त करने में बाधना
न मिले; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बाधना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गगनगिरी डेवलीपमेंट कॉर्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० सी० सावंत।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त बम्बई और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 406, जो सी-इमारत, गगनगिरी नगर,
लक्ष्मीनारायण टेंपल के पीछे, एकसार रोड, बोरिवली (प)
बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14979/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मेसर्स गोकुल कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

(2) श्री बी० एस० करकोरा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तुबर, 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/15149/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

जिसका सं० फ्लैट नं० 6, जो 2री मंजिल, इमारत नं०
ए, पंचवटी, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित
है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्र है, तारीख 1-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
बीच ऐसे अन्तरण के लिए दाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9, जो 2री मंजिल, इमारत नं० ए, पंचवटी,
बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15149/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

वातः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 11-10-1985

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/15032/84-85 - अतः मुझे,
लक्षमण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० ब्लॉक नं० बी-15, जो, निर्माणाधीन इमारत
सर्वे नं० 15, एच० नं० 4, विल्हेज सिम्पोली, तालूका
बोरिवली, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारखाना
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है
तारीख 1-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशिय में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित करता हूँ—

(1) मैसर्स आकाश कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन भाई सी० बारीट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

सन्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

ब्लॉक सं० बी-15, जो, निर्माणाधीन इमारत, सर्वे नं०
15, एच० सं० 4, विल्हेज सिम्पोली, तालूका
बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15032/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त अयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1985

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) रघुवंशी डब्लोपर्स।

(अन्तरक)

(2) व्हिक्टर आर० लेक्स और अन्य।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई-4/37ईई/14769/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 11, जो, बी-विंग, माँ कृपा
सी० टी० एम० नं० 765, 861, 862, 863, 864, 865,
866 और 868, सिम्पोली रोड, बोरिवली (प) बम्बई-92
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अन्तर्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अंतरक) और अन्त-
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 11, जो बी-विंग, माँ कृपा, सी० टी० एम०
नं० 765, 861, 862, 863, 864, 865, 866 और
868, सिम्पोली रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37ईई/14769/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्रकाशित: टी. एन. एल. -----

(1) गगनगिरी डेवलपमेंट कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० एस० टंडेल।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/814978/84-85-अतः मुझे
लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पदवाक्य 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 111, जो, सी-इमारत, गगन-
गिरी डेवलपमेंट कार्पोरेशन, लक्ष्मीनारायण टेंपल के पीछे
एक्सर रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और
इससे उपरोक्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से, ऐसे सम्यमान
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
दिया गया या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अ-
यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 111, जो, सी-इमारत, गगनगिरी डेवलपमेंट
कार्पोरेशन, लक्ष्मीनारायण टेंपल के पीछे, एक्सर रोड,
बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37 ईई/14978/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-
2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 14-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) गगनगिरी डैवलपमेंट कॉर्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री के० एच० निजाप।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० अई/4/37 ईई/14980/84-85--प्रतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 120, जो सी इमारत, गगन
गिरी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में
स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, में रजि० है। तारीख 1-2-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने का उद्देश्य
के लिए; और/या

(ख) एतां किसी आय या किसी धन अन्य वास्तविक
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए या छिपाने में व्यक्ति
के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
आयदा किया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प-
निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 120, जो सी इमारत, गगनगिरी नगर, एक्सार
बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37ईई/14980/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक-
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 14-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एड. - - -

(1) गगनगिरी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० एस० पवार।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/14977/84-85—अतः सुसे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 006, जो गगनगिरी नगर,
एक्सार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-2-85

उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
संग्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्धन से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचने के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 006, जो, गगनगिरी नगर, एक्सार रोड/
बोरिवली (प), बम्बई 92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37ईई/14977
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 14-10-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. ए. 1985-86

(1) मैसर्स महेश बिल्डर्स।

(प्रन्तरक)

भाषकृत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० बी० कदम।

(प्रन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के विषय
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :-

निदेश सं० आई-4/37-ईई/15342/84-85—प्रतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के मूल्यबोध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० प्लैट नं० 3, जो, तल माला, निकिता
कुंज अपार्टमेंट, एस० नं० 53-6ए, एकसार बिल्डिंग, बोरि-
वली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख
के अन्तर्गत, बम्बई सिटी सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का वंश
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह बाधा पड़ा
होतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
के वास्तविक रूप से काचित नहीं किया गया है :-

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुए किसी बाध की वास्तविक व्यवसाय
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तविक रूप से कमी करने या उससे बचने की सुविधा
के लिए; और/वा

प्लैट नं० 3, जो तल माला, निकिता कुंज अपार्टमेंट, एस०
नं० 53-6ए, एकसार बिल्डिंग, बोरिवली (प), बम्बई-92
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15342/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, किन्हीं भारतीय बाध-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-4, बम्बई

धारा 269-ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
है, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बम्बई :-

दिनांक: 14-10-85

मोहर:

अनुसूची टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14986/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण, दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य ₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 17-ए, जो 3री मंजिल, इमारत नं० ए-17, रत्न नगर, प्रेमजी नगर और दौलत नगर के पास, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कम करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों के अन्तर्गत इत्यादि प्रकट नहीं किया गया था या जिसका आयकर अधिनियम, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स भावना कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री मावजी मेघजी छाबेया और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्भन की अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 17-ए, 3री मंजिल, इमारत नं० ए-17, रत्न नगर, प्रेमजी नगर और दौलत नगर के पास, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14986/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 11-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) मैसर्स एल. एन. टो. इंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) कुमारी डी. एम. लेविस।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15337/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो, 3री मंजिल, वेस्ट एवेन्यू, होलीक्रास रोड, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाकिर में कमी करने या उससे बचने में सृजिभा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृजिभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण की, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अन्दर या उससे अधिक दिनों के अन्दर पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक या अधिक द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अन्दर या उससे अधिक दिनों के अन्दर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा आग्रहस्तोत्रों के पार निश्चित में किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का अर्थ यही है, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो, 3री मंजिल, वेस्ट एवेन्यू, होलीक्रास रोड, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जता कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15337/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 11-10-1985
माहुर :

प्रश्न नम्बर टी. एन. एन.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सादर सूचना

भाषाकर, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14880/84-85—प्रतः मुझे,

सहमण दास

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले कभी 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 102, जो, 1ली मंजिल, वेस्ट एवेन्यू, होली क्रॉस रोड, आई० सी० कालोनी, बोरिवली बम्बई-103 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भाषाकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समभाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके समभाव प्रतिफल से, ऐसे समभाव प्रतिफल का पन्नाह सौ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निरीक्षण के अन्तर्गत रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से पूर्व किसी नाम की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के आविर्भाव से कभी करने या उसके करने से सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स एल० एन० टी० इन्टरप्राइज।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० ए० डिसोसा और
श्रीमती एल० एस० ए० डिसोसा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या अन्तर्गत व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तक्षेप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीष्टकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्तर्गतः—इसने प्रमुख सूची की धारा 269-ब के अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 102, जो, 1ली मंजिल, वेस्ट एवेन्यू, होली क्रॉस रोड, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14880/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सहमण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1985

मोहर:

प्रथम भाग, बी. एन. एस. एन.

(1) मैसर्स हिमांशु इंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) हिमांशु घिरेंद्र दिवेजा और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता है।

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15071/84-85—प्रतः मुझे, सक्षम दास

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बुकान नं० "सी", जो, प्रभू निवास, प्लॉट नं० 166, आफ फील्डरी लेन, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाकृत अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा प्राय-कर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वसूल, उक्त अधिनियम के अधीन कृत होने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) यदि किसी भाग या किसी भू या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय भाषक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को, अन्तरक से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यायीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुकान नं० "सी", जो, प्रभू निवास, प्लॉट नं० 166, आफ फील्डरी लेन, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15071/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सक्षम दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रैंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15312/84-85—प्रतः मुझे

सक्षम दास;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्का सं० प्लेट नं० 401, जो, 4 थोम जिल्ह, "यनाइटेड अपार्टमेंट्स", श्री देवो नगर, वासिरा नाका, एल० टी० रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इन्को उभावद्ध अस्तुवा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिन्का सहायक आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अन्तर्गत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है, तारीख 1-2-1985 को को पूर्णित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देवी बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री रामनाथ नारायण सुवर्णा।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, "यनाइटेड अपार्टमेंट्स", श्री देवो नगर, वासिरा नाका, एल० टी० रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15312/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सक्षम दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष भाषा: टी. एन. एड.

(1) श्री एम० बी० वामथ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० डी० पारेख।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/14851/84-85—प्रति: मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, जो, 2री मंजिल, सुदामा-
पुरी वागले स्मृति को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड,
20, चंदावरकर क्रास रोड, बोखिली (पश्चिम), बम्बई-
400092 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आय-
कर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है,
तारीख 1-2-1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 15, जो, 2री मंजिल, सुदामापुरी वागले
स्मृति को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, 20, चंदावरकर
क्रास रोड, बोखिली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/14851/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक: 11-10-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एस. 1-2-1985

भाष्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाष्यकार आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजनन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15028/84-85—प्रतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

भाष्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके दसवें
संशोधन पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लेट नं० 43, जो, प्रभु निवास, प्लॉट
नं० 166, आ.फ. फ़ैक्टरी लेन, बोखिल्ला (पश्चिम), बम्बई-
92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिनका कारनामा भाष्यकार अधि-
नियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रजनन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख
1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच उसे, अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधियान में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
कमी करने या उसके बचन में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी कम मूल्य वास्तविक
को, बिना भारतीय भाष्यकार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाष्य-
कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

(1) मैसर्स हिमंशु इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) रुयेन बी० ग्राहा और बी० ए० ग्राहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 43, जो, प्रभु निवास, प्लॉट नं० 166,
आ.फ. फ़ैक्टरी लेन, बोखिल्ला (पश्चिम), बम्बई-92 में
स्थित है।

अनुसूचों जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15028/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाष्यकार आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजनन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1985

मोहर:

प्रकृष बाई.टी.एन.एच.-----

(1) मैसर्स हिमांगु इंडस्ट्रियजस।

(प्रस्तुतक)

(2) पिपुल वी० शहा और
सी० वी० शहा।

(अन्तर्गती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/15027/84-85—प्रतः मुद्रा,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पत्र नं० 44, जो, प्रभु निवास, प्लॉट
नं० 166, आफ फ्रैंचर लेन, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-
92 में स्थित है (और इसके उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालय आयकर अधि-
नियम, 1961 का धारा 269 ग, ख के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख
1-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
प्रतिफल से, ऐसे स्थायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
वर्षों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आदकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बतौर :-
37-346GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पत्र नं० 44, जो, प्रभु निवास, प्लॉट नं० 166,
टरीजेन, बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15027/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14896/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2826 और 2847, है जो वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, दहीसर (पु०), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, स के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपायय संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच में अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित अनुदेका से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रसीकलाल एम० शोंसा।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स अग्रवालालास डेवलपमेंट एण्ड कन्स्ट्रक्शन्स।
प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2826 और 2847, जो वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, दहीसर (पु०), बम्बई 400068 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14896/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 14-10-1985

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एच. एच.-----

(1) मैसर्स बी. आर. इन्टरप्रायजेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स यूनिटी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरिती)

आवृत्त सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/14997/84-85—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसको
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 15, एच० नं० 13, सिटी सर्वे
नं० 1353, विलेज दहिसर, बम्बई-68 में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कर गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
में उचित निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 15, एच० नं० 13, सिटी सर्वे नं० 1353;
विलेज दहिसर, बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/14997/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

मोहर:

प्रकाशक आई. टी. एम. एस. -----

(1) श्रीमती सबा सुभाष पादकर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मिना उत्तम मोटवानी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15255/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी 1/5, जो, 1ली मंजिल, सावे नगर को-आप० सोसायटी लिमिटेड, छत्रपति शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की अव्ययमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के पक्ष में :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तस्मील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी 1/5, जो, 1ली मंजिल, सावे नगर को-आप० सोसायटी लिमिटेड, छत्रपति शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15255/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

मोहर :

धन्यवाद, डॉ. एन. एन. शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आउट ऑफ़

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/15327/84-85—आतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 16, एच० नं० 11 सी० एस०
नं० 1240, दक्षिण विलेज बोरीवली तालुका, बम्बई
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित संवदय से उक्त अन्तरण लिखित है
में वास्तविक रूप से कटौत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कुसुमदेव जीतेन्द्र सरदेसा और अन्य।
(अन्तरक)

(2) मैसर्स विजय कन्स्ट्रक्शन्स।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही कराई गई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाहर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अधीन का हिस्सा जिसका एस० नं० 16, एच० नं०
11, सी० एस० नं० 1240, दक्षिण विलेज, तालुका बोरी-
वली, बम्बई है।

अनुसूची की क्र० सं० जैसा आई-4/37-ईई/15327/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 14-10-1985

बोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

(1) श्री बालकृष्ण आमाराम म्हात्रे।

(अन्तरक)

(2) श्री मंगेश केशव दलवी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15289 84-85-प्र.सं.मु.से,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 296, हिस्सा नं० 8/2 ए दहीनर विलेज, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारागामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

[क] अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

[ख] ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 296; हिस्सा नं० 8/2ए, दहीनर विलेज, तालुका बोरीवली, बम्बई है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/15289/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

मोहर:

प्रकाशक: टी. एन. एल.

(1) मैसर्स एमी इन्टरप्रायसेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मंगेश केशव दत्तवी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेन,—

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15326/84-85—यस: मुझे;
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० सर्वे नं० 296, हिस्सा नं० 8/2 बी,
वहीसर विलेज, बम्बई में स्थित है (और इसे उदाहरण
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और निम्न
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, महाहस्ताक्षरी के पास
सिद्धि में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
संग्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 296, हिस्सा नं०
8/2 बी, सी० टी० एस० नं० 169 (पार्ट), वहीसर विलेज,
बम्बई है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनों के अन्तर्गत प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15326/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

नोट: (अ) उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
ई, ई, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित हैं—

दिनांक : 14-10-1985

मोहर :

प्रकट भाई टी. एन. ए.-----

(1) श्री चन्द्रशान्त अर्जुन विश्वास राव श्रीर अम्य ।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स अमीर इन्टरप्रायसेस।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15288/84-85—यसः, मुझे,
लक्ष्मण दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1.00 000/- रु. से अधिक है
श्रीर जित्ता सं० सर्वे नं० 296, सी० टी० एन० नं०
169, बहिर में स्थित है (श्रीर इससे उभावद्ध
अनुपुषी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जित्ता
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क ख के अन्तर्गत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्ट प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
रही किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी बात की दृष्टि, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे घटने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
श्री. श्री. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

को यह सूचना जारी की जायेगी सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शर्त :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जित्ता सर्वे नं० 296, एन० नं०
8 (2) पार्स, सी० टी० एन० नं० 169, बहिर में स्थित है।

अनुपुषी जित्ता सं० अई-4/37-ईई/15288/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी/
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 14-10-1985
माहुर :

प्रकाशक: टी. एन. एस. -----

(1) श्री श्री. पी. अग्रवाल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती बिभावास जतिवनाथ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० अई-4/37-ईई/15241/84-85—अतः, मुझे,
लक्ष्मण दास,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रतिष्ठाकारी के पास
निहित हो किए जा सकेंगे।

श्रीर जितकी सं० फ्लैट नं० 105, जो, 1ली मंजिल, यशोधन
कंदापाडा ब्रीज, दहिसर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित
है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ॥

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे वर्जन में सुविधा के लिए;
और/या

फ्लैट नं० 105, जो, 1ली मंजिल, यशोधन कंदापाडा
ब्रीज, दहिसर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों
में, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सक्षम
के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्र० सं अई-4/37-ईई/15241/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
—346 GI/

दिनांक : 14-10-1985
मोहर :

प्रकृष माई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मनरीतलाल जी बखारीया
(वर्ती)

(प्रतरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एस० सी० मेहता।

(धस्तर्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14951/84-85—यतः, मुने,
लक्ष्मण दास,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 20, जो, ब्रिन्दावन इमारत,
यशवंतराव मार्ग, दहिसर (पश्चिम), बम्बई में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269-क के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के समान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतीकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
*, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुखी

फ्लैट नं० 205, जो, ब्रिन्दावन इमारत, यशवंतराव
मार्ग, दहिसर (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/14951/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

मोहर।

प्रकट बाई: टी. एच. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15045/84-85—यतः,

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक यूनिट नं० 112, जो, 1ली
मंजिल, बी-ब्लाक, मंडपेश्वर इंडस्ट्रियल प्रिमायसेज को-ऑप०
सोसाइटी लिमिटेड, आफ एस० बी० पी० रोड, बोरिवली
(पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपायय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
वाराणामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्टर्ड है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्पहू प्रतिफल
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरक निम्नलिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशिया में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए; और/वा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अरुणकुमार छनालाल शहा और अन्य।
(अन्तरक)

(2) श्री गोविन्दभाई अजनभाई पटेल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

औद्योगिक यूनिट नं० 112, जो, 1ली मंजिल, बी-
ब्लाक, मंडपेश्वर इंडस्ट्रियल प्रिमायसेज को-ऑप०
सोसाइटी लिमिटेड, आफ एस० बी० पी० रोड, बोरिवली (पश्चिम),
बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15045/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 11-10-1985
मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15044/84-85--अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 12 ए, जो, तल माला, बी-
ब्लाक, मंडपेश्वर प्रिमायसेस सोसाइटी लिमिटेड, बोरिवली
(पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपादख
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का
बहुधा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
कास्तविक ढंग से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अयोग्यार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जीर्वाबेन मुलजीभाई पटेल।

(अन्तरक)

(2) श्री रामजी भाई शामजीभाई पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी-आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 12 ए, जो, तल माला, बी-ब्लाक, मंडपेश्वर,
इंस्ट्रियल प्रिमायसेस सोसाइटी लिमिटेड, बोरिवली (पश्चिम)
92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15044/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 11-10-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई. डी. एन. ए.

(1) श्री सिराज मोहम्मदअली बालकसाबाला।

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स इल्लान आसोसिएट्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14175/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति जिसका सर्वे नं० 159, एच० नं० 4 (अंश), और बी० टी० एस० नं० 1273, एकडार रोड, बोरेवली, बम्बई में स्थित है (और इसका उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका वारानामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तविक को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जिसका सर्वे नं० 159, एच० नं० 4 (अंश), और बी० टी० एस० नं० 1273, एकडार रोड, बोरेवली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि नं० सं० आई-4/37-ईई/15175/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4, बम्बईदिनांक: 11-10-1985
मोहर:

प्रकट आदेश टी.एन.ए.ए.

(1) रजिस्ट्री ड० हजोतें (प्रन्तरक)

बाजार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) कौन्सिल गौल्ल टॉक। (प्रन्तरितो)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निवेदन सं० अई-4/37-ईई/14941/84-85—प्रज: मुझे,
सकम दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० प्लेट नं० 102, जो, पहली मंजिल, विंग-बी, मां कुमा, सो० टी० ए० नं० 705, 801, 802, 803, 804, 805, 806 और 808, सिम्पोजी रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-400092 में स्थित है (और इतने उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1901 की धारा 209 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय थाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन में विश्व कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्बई

प्लेट सं० 102, जो, पहली मंजिल, विंग-बी, मां कुमा, सो० टी० ए० नं० 705, 801, 802, 803, 804, 805, 806 और 808, सिम्पोजी रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-4/37-ईई/14941/84-85 और जो सजन प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सकम दास
सजन प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14882/84-85—प्रतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जितनी सं० प्लेट नं० 208, जो, 2री मंजिल, प्रभुत
सागर, विलेज मागठाणे, हरीमोन अपार्टमेंट के पास, एन०
बी० रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है
(और इससे उगावद्ध अनुपूर्वों में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जितना करारनामा प्राचुर अधिनियम 1931
की धारा 208 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सजम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-2-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उपबन्धों से उक्त अन्तरण विहित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण सं हुई किसी भाग का वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तविक में कमी करने या उसमें घटने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी भू या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :-

(1) श्री सागर विल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री कनुभाई नानजी सागर
और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्णों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 208, जो, 2री मंजिल, प्रभुत सागर, विलेज
मागठाणे, हरीमोन अपार्टमेंट के पास, एन० बी० रोड,
बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/14882/
84-85 और जो सजम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर:

प्रश्न भाई-टी.एन.एस.-----

(1) जयदीप डेवलर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री विवेकलाल मुलजी दुबल और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

आयुक्त, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14778/84-85-प्रतः मुने,

सहमण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-ग के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० ए/3, जो, जयदीप अपार्टमेंट,
कोरा केन्द्र के पास, एस० बी० रोड, ताराबाग के पीछे,
एफ० पी० नं० 735, टी० पी० एस०-3, बोरिवली (प),
बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अन्तर्गत, बम्बई
स्थित सभ्य प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त के दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यवस्थित, अधीन :-

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० ए/3, जो, जयदीप अपार्टमेंट, कोरा केन्द्र
के पास, एस० बी० रोड, ताराबाग के पीछे, एफ० पी०
नं० 735, टी० पी० एस० नं० 3, बोरिवली (पश्चिम),
बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14778/
84-85 और जो सभ्य प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सहमण दास

सभ्य प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1985

मोहर:

प्रमुख भाग: डी. एन. एस.

(1) श्री जयंत शिवराम मालशे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स गणेश कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके संबंधित कंपनी के अर्जन के लिए
आवश्यकताएं करवाई जाएंगी।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाढ़ से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/14932/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8, जो, स्किम ऑफ सर्वे नं०
119, एच० नं० 6 (अंश), एच० नं० 7 (अंश), एकसार
विलेज, तालुका बोरिवली, बम्बई में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कीमतें तय की जा सकेंगी :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में बाधक होने से उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
और/वा

अनुसूची

प्लॉट नं० 8, जो, स्किम ऑफ सर्वे नं० 119, एच०
नं० 6 (अंश), एच० नं० 7 (अंश), एकसार विलेज,
तालुका बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/14932/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाई के
संज्ञा के लिए;

मैं, श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

39—346GI/85

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 11-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई टी. एन. एस. -----

(1) श्री शेख अहमद हुसैन एम० ए० रसूल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री पी० डी० दिवलानी और
श्रीमती जे० पी० दिवलानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15265/84-85—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो, 4थी मंजिल, राकेश
अपार्टमेंट्स को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी (नियोजित), वल्लभ
नगर, कर्नाटक बैंक लिमिटेड के सामने, बोरिवली (पश्चिम)
बम्बई-103 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आय-
कर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1-2-1985को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायस्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—उपरोक्त प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो, 4थी मंजिल, राकेश अपार्टमेंट्स
को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी (नियोजित) वल्लभनगर,
कर्नाटक बैंक लिमिटेड के सामने, बोरिवली (पश्चिम),
बम्बई-103 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4-37-ईई-15265-
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1985

मोहर:

प्राप्त आहे टी.एम.एस

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

जगदलक्ष्मी वंदनम्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15355/84-85-अतः मुझे
पण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी स० समीक्षा आ हिस्सा स्ट्रक्चर के साथ, जिसका सी० टी० एन० नं० 1208 और 1209 विज्ञान एकसार, ग्राई० पी० जालीनी के पीछे पोरबिली (प), बम्बई में स्थित है (और इतने उपायद्ध जलपुत्री में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और विज्ञान प्रकाशना आचार अधिनियम 1961 की धारा 269 के अन्तर्गत बम्बई स्थित नक्षत्र प्राधिकारी के आधीन में पंजीकृत है। तारीख 1 फरवरी 1985

का पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त का गड़ा है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि अन्तर्पूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के इन्तर्गत प्रतिफल से अधिक है और अन्तर्गत (वस्तुतः) और अतिरिक्ती (अतिरिक्तियाँ) के बीच पूर्ण अन्तरण के लिए एक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में प्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय को प्राप्त। उनसे अधिनियम के प्रतीन कर देने से अन्तरण के दावात्मक में कर्ण करने या उससे नवन या सुविधा के लिए; और/वा

(ख) एंसी किसी माध या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिना भारतीय नागरिक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सज्जित है कि वह ऐसा करे।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती ए.ए. ए. म्हात्रे और अन्य

(अन्तरक)

2. मेसर्स दाणी विल्डर्स ।

(अम्सरिती)

को यह सूचना जारी करके संबंधित सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की जाते से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर प्रत्येक व्यक्ति को जो ऐ कितनी व्यक्ति बचाए;

(ख) इस सूचना के साक्ष्य में प्रकाशन की तारीख है 4.5.1970 के 10.12.1970 सम्पादन में द्वितीय

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

22

जमीन का हिस्सा, स्टूकचर के साथ, जिसका सी० टी० एम्० नं० 1208 और 1209, विलेज एक्धार, आई सी० कालोनी के पीछे, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जंगली क्र० सं० आई-4/37-ईई/15355/84-85
और जाँ सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया।

नक्षत्र दाम
मक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-4, बम्बई

दिनांक : 14-10-1985

मोहर :

प्रथम भाग: टी. एच. एस. -----

1. मैसर्स ज्योति डेवलपर्स।

(अन्तरक)

2. श्री बामनोलकर हृदय एलीजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अर्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर, 1985

निर्देश नं० ग्रई-4/37ई/14976/84-85—अतः
मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 31, तिमरी मंजिल, ज्योति अपार्टमेंट, एम्सार् रोड, बोरीवली (प०), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपर्युक्त अनुसूची में शीर्षक के अधीन वर्णित है) और जिसका अन्तर्गता आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्तर्गत प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसके लिए विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाध्यत्व में कमी करने या उससे अर्जन में सुविधा के लिए; और/अथ

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किताबाना कोई-था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण से, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पित :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांछितकारी के पास निहित न किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 31, जो तिमरी मंजिल, ज्योति अपार्टमेंट, एम्सार् रोड, बोरीवली (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची के अधीन क्र० सं० ग्रई-4/37-ईई/14976/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1985

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

1. मेसर्स वर्धमान बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री बी० जे० शहा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15016/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी भू० प्लॉट नं० 3, जो, तल मावा, वर्धमान कुटीर, बी-विंग, शंकर लेन, लॉडिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (और इसमें उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आय 1 अधिनियम 1961 की धारा 269 अ, ब के अधीन, बम्बई स्थित प्रथम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इससे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय या किसी अन्य आस्तियों का, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में वर्धमान के विश्व कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति में वर्धमान के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अधिक हो सके, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों को अधिकार प्राप्त होगा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिखे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3, जो, तल मावा, वर्धमान कुटीर, बी-विंग, शंकर लेन, लॉडिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी भू० सं० अई-4/37-ईई/15016/84-85 और जो प्रथम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
प्रथम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बईदिनांक: 8-10-1985
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री सुन्दरनाथ के० पन्कज।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना.

2. श्री आई० एच० अग्रवाल और के० एच० अग्रवाल।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15387/84-85—अतः,

मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो, तल माला, श्रीजी गुप्ता
को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, अडूरिया रोड, कांदिवली
(प०), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करानामा आय-
कर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के आधिकार में रजिस्ट्री है तारीख
1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
नौ वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिख या कहेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो, तल माला, श्रीजी गुप्ता को-आप०
हाउसिंग सोसाइटी लि०, अडूरिया रोड, कांदिवली (प०),
बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कु० सं० आई-4/37-ईई/15387/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

मोहर:

अध्याय 21. एम. एम. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37 ईई/14906/84 85—अतः, मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परभाव 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-10 है जो आदिली मातृ
आशिश को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, कांदिवली (प०),
बम्बई 67, में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से घणित है) और जिसका बराबरमा आदिली
अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में पंजीकृत है तारीख
1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अमान्य
प्रतिफल के लिए अन्तरिक में गरीबों को यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ३—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारेण न कभी करने या उसके बन्धन से मुक्ति
के लिए; मोह/ना

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या दत्त किया गया ताकि या निष्पत्ति में मुक्ति
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३—

1. श्री ए० वी० श्रीमान और एम० वी० श्रीमानकर
(अन्तरक)

2. श्री मोरारजी कुंवरजी गहा और किरिट एम० गहा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् स्थावर की एक
लिखित में किए या सौंपे

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्धारा 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिये
गये हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 10, जो कांदिवली मातृ आशिश को-आप०
हाउसिंग सोसाइटी लि०, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित
है।

अनुसूचीकी जेक्षा क्र० सं० अई 4/37 ईई/14906/84
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 4-10-1985
मोहर:

प्रकरण आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन मक्षम

सहायक आयकर आयुक्त

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 4 अक्टूबर, 1985

निवेण सं० आई-4/37-ईई/15102/84-85—अतः, मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'एन एन अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्नलिखित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 346, जो, प्राणकुटीर
सर्वे नं० 65, एच० नं० 1, रामगल्ली, एस० वी० रोड के
सामने, आदिली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (और इसने
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग
ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती
(अन्तरिदियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल विनिर्दिष्ट अन्तरण से अधिक अन्तरण लिखित में अन्तरिदियों
का से अधिक नहीं किया गया है —

1. मेडम अन्तर अन्तरकॉ कांती।

(अन्तरक)

2. श्री एन० एम० जाल और श्रीमती एच० एन०
जाल।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पञ्चोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में अर्हे भी बाधोप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी आदेशों पर सूचना
की वासीत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त आयकर सम्पत्ति में हित-
प्रदम किन्तु उक्त व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण:—इसका प्रकाशन तारीख 4 अक्टूबर, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 का 50 परिभाषित
है, यही वर्ष होता जो उक्त अध्याय के विषय
में है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी कार्य की बाधत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उक्त करने से अविषा के लिए
और/या

(ख) इसी किसी कार्य या किसी पर या अन्य वास्तविक
को, जिसके अधीन आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची के अधीन उक्त पर उक्त नहीं किया गया
पर उक्त अधिनियम के अधीन उक्त में उक्त
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अधिति:—

प्लॉट नं० 346 ग, प्राणकुटीर, सर्वे नं० 65, एच० नं० 1,
रामगल्ली, एस० वी० रोड के सामने, आदिली (प०), बम्बई-
67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/15102/84-
85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-
1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

लक्ष्मण दास
मक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 4-2-1985
मोहर:

प्रत्यक्ष रूप से दी गई है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई 4/37 ईई/14821/84-85-अंतः,
मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, तल माला, वर्धमान
कुटीर, विंग बी, शंकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 फरवरी 1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंचदश
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन आय के अंतरक के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या अन्यसे बनने में सक्षम
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षम
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों, अध्याय :-

40—346G1/85

1. मैरिज वर्धमान विधिवत।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पावन विरट बोहरा और किरीट बी०
व्हांग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी शर्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, जो, तल माला, वर्धमान कुटीर, विंग बी-
शंकर लेन कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र० सं० आई 4/37 ईई/14821/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-10-1985

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/15196/84-85---अतः

मुख्य, लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पञ्चांग 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जिसका रेवेन्यू सर्वे नं०
47, एच० एच० नं० 5, मिटी सर्वे नं० 749, एच० नं० 6
आर० 9, बिलेज, कांदिबली, तालूका बोरिवली, कांदिबली
बम्बई में स्थित है (और इसने उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका पुराना आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 फरवरी,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ए० एल० मेहता और अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद अली बहामनवा और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका रेवेन्यू सर्वे नं० 47, एच०
नं० 5, मिटी सर्वे नं० 749, एच० नं० 6 और 9, बिलेज
कांदिबली तालूका बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैनाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/15196/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

मोहर :

प्रकृष. जाई. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-जी/84/85-अतः मुसे
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
आर. वि.का. सं० जमीन प्राप्ति अर्बे सं० 47, पृष्ठ न०
1 (अंश), सं० टा० पृ० न० 225 (अंश), सीजे कान्हेरी,
ता.वा. बोखिली बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में आर. पूर्ण रूप से धनिता है) रजिस्ट्रार
आधारा के अन्तर्गत बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 फरवरी
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, एस. दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कींचत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव
से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार
अ, अ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स दि० स्पुनिसिपल को-आप० बैंक लिमिटेड।
(अन्तरक)
2. मेसर्स बोखिली मनोगन को-आपरेटिव हाउसिंग
सोसाईटी लि०।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वादोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 20 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में स्थापित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जमाकी बिल्लख सं० एस० -888/84 और जो
उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 13-2-1985 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 10-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती मरीया पी० सी० मेडोका।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई-4/47-जा/87/84-85—अतः मुझे

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० जमीन दा हिस्सा, जिसका प्लॉट नं० 17 सी० टी० एन० नं० 1304, सर्वे नं० 158, एच० नं० 3 (अंश), विलेज एक्कार, गाल्हा बोरिवले, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्रीमती कोप्पी फ्लोरेंस कोरेला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 720/83 और जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 7-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. अन्तर्गत ए० उ० राणे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

2. आ. एस० गोरखनाथ।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-4/37-जं/85/84-85—अतः मुझे
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० सर्वे सं० 183/5, सी० टो०एस० सं०
1837/1838, दक्षिण (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित (और
इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिपति के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अर्जन, तारीख 11 फरवरी
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
अधिकतम; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बाध्यकारी रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-2314/80 और जो
उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 11-2-1985 को रजिस्टर्ड,
किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-10-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय: सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अक्टूबर 1985

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू सिरसा/4/84-85---

अतः मुझे, बी. एल. खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट, जो सदर बाजार, सिरसा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरसा में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 23/2/85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतः (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है।---

(क) अन्तरण के द्वारा आय कर बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एतरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिः :-

1. सर्व/श्री राम सरूप गोयल,
प्रमोद कुमार पुत्र
श्रीराम सरूप गोयल द्वारा
मास्टर राम कुमार द्वारा
मै. बंसल थियेटर, हिसार रोड,
सिरसा।

(अन्तरक)

2. सर्व/श्री परमजीत सिंह,
जसबीर सिंह,
कूलदीप सिंह,
सूरजीत सिंह,
बलजीत सिंह एवं
जसपाल सिंह पुत्रान
श्री सम्पूर्ण सिंह
बर्जारिय सरदार इम्पारियम,
सभाप चौक, सिरसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट जो सदर बाजार, सिरसा में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिरसा में रजिस्ट्री संख्या 5012 दिनांक 23/2/85 पर दिया है।

बी.एल. खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

दिनांक : 10/10/85
मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 4th November, 1985

No. F. 22/85/SCA(G).—In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of Supreme Court Rules, 1966 as amended, the Hon'ble the Chief Justices of India has been pleased to direct that the following days be observed as Court Holidays during the year 1986 :

Name of Holiday	Date & Month	Day of the week	No. of Day
Maha Shivratri	8th March	Saturday	1
Holi	21st to 27th March	Friday to Thursday	7
Good Friday	28th March	Friday	1
Ram Navami	18th April	Friday	1
Mahavir Jayanti	22nd April	Tuesday	1
Independence Day	15th August	Friday	1
Janmashtami	27th August	Wednesday	1
Muharram	15th September	Monday	1
Mahatma Gandhi's Birthday	2nd October	Thursday	1
Dussehra Holidays	3rd October to 10th October	Friday to Friday	8
Balmiki Jayanti	17th October	Friday	1
Diwali	31st October	Friday and 1st November	2
Bhai Dooj	3rd November	Monday	1
Christmas and New Year Holidays	22nd December 1986 to 2nd January, 1987	Monday to Friday	12

BY ORDER

R. SUBBA RAO, Registrar
Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the October 1985

No. P/2082-Admn.III.—Consequent on his selection for appointment as Assistant Private Secretary on the personal staff for the Minister of State for surface Transport in the Ministry of Transport (Department of Surface Transport), New Delhi on deputation basis, Shri P. K. Kailasa Babu, a regular Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, is hereby relieved of his duties on the afternoon of 7th October, 1985 with instruction to report for duty to the Ministry of Transport.

The 7th October 1985

No. A.38013/2/85-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri K. L. Sood, a permanent Assistant and officiating Section Officer on ad-hoc basis in the CSS cadre of the Union Public Service Commission to retire from Government service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 30th September, 1985 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Eststs.(A) dated the 24th November, 1973.

The 10th October 1985

No. A.32014/1/85-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Bhutani, Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period from 3rd October, 1985 to 31st December, 1985 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri Bhutani should note that his appointment as Private Secretary (Grade A of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on him any title for absorption in Grade A of CSSS

or seniority in that grade. Further, his appointment is subject to the approval of the Department of Personnel & Training.

No. A. 32014/1/85(i) Admn. I.—The President is pleased to appoint the undermentioned Personal Assistants of the CSSS cadre of Union Public Service Commission as Senior Personal Assistants (Grade 'B' of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period shown against their names or until further orders, whichever is earlier :—

Sl. No.	Name	Period
1.	Shri V. P. Mahajan	3-10-85 to 31-12-85
2.	Smt. Saroj K. Kapoor	Do.
3.	Shri Lakh Raj Gupta	Do.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Further, their appointment is subject to the approval of the Department of Personnel & Training.

The 17th October 1985

No. P.1790/Admn.III.—Consequent on his selection for appointment as Vigilance/Investigating Officer in the Central Bank of India, Shri Kailash Chandra, a permanent Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission and presently working as Desk Officer stands relieved of his duties in this office on the afternoon of 30th October, 1985, on the expiry of his earned leave from 24th October, 1985 to 30th October, 1985.

The 31st October 1985

No. A.38013/3/84-Admn.II.—Consequent upon his attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31st October, 1985, Shri S. P. Bansal, a permanent Assistant Superintendent (Hell) and holding the post of Deputy Controller (DP) on ad-hoc basis has relinquished the charge of the office of the Deputy Controller (DP) in the office of the Union Public Service Commission from the same date.

M. P. JAIN,
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service CommissionMINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMN.
REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 6th November 1985

No. D-2/69-Ad.V.—Sh. D. K. Jain, Dy. Legal Adviser, Central Bureau of Investigation relinquished the charge of his office in the afternoon of 31-10-1985, on superannuation.

R. S. NAGPAL,
Administrative Officer (E)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 31st October 1985

No. O.I.182-Ad-3.—Shri N. A. Hira, Section Officer of the Directorate General, CRPF has been promoted to the grade of Joint Assistant Director (Accts) purely on ad-hoc basis in the P&AO, CRPF, New Delhi with effect from the forenoon of 16th October, 1985.

The 1st November 1985

No. O.II-8/85-Adm-3.—Shri R. K. Jawaharani, Subedar Major (Office Supdt) of the CRPF has been promoted to the grade of Section Officer in the Directorate General, CRPF, New Delhi, with effect from the forenoon of 29th October, 1985.

KISHAN LAL
Dy. Director (Adm.)

New Delhi-110 003, the 31st October 1985

No. O.II-2001/85-Est-I.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Jyotirmayee Lahon as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 11-10-1985 (FN) for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-2042/85-Est-I.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. K. Venkateswarlu as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 16-9-1985 for a period of three months or till a regular incumbent joins whichever is earlier.

No. O.II-2042/85-Est-I.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. K. Venkateswarlu as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 26-8-1985 to 10-9-1985 (AN).

The 5th November 1985

No. O.II-185/69-Estt(CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion Shri D. K. Suri, Commandant Selection Grade to the rank of Additional DIG of Police CRPF in a temporary capacity till further orders.

2. Shri Suri took over charge of the post on the afternoon of 25-10-1985.

ASHOK RAI MAHFEPATHI
Asstt. Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 1st November 1985

No. F-28015/2/85-Pers.II.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation, Shri L. R. Wahi relinquished charge of the post of Assistant Commandant (JAO), Central Industrial Security Force Hqrs. New Delhi on 31st October, 1985 (AN).

SUNIL KRISHNA,
Asstt. Inspector General (Pers.)

New Delhi-110003, the 8th November 1985

No. E-16016(2)/2/84-Pers.I.—On transfer on deputation from office of the Pay and Accounts Office (Secdt.) Ministry of Home Affairs, C.I. Hutments Dalhousie Road, New Delhi, Shri K. K. Bhatnagar, has assumed the charge of the post of Accounts Officer in the Directorate General, Central Industrial Security Force, New Delhi with effect from the afternoon of 31st October 1985.

Sd/- ILLEGIBLE
Director General.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 5th November 1985

No. 10/45/82-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri V. Subramanian, an officer belonging to Grade I of the Indian Statistical Service, and at present working as Deputy Registrar General (Vital Statistics) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, on ad-hoc basis, as Deputy Registrar General (Vital Statistics) in the same office, on a regular basis for a period not exceeding three years, with effect from the forenoon of the 12th Augst. 1983.

2. His headquarters will be at New Delhi.

3. This issues in supersession of this office notification No. 10/45/82-Ad.I. dated 6-9-1983.

V. P. PANDEY
Jt. Registrar General, India
for Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS SECURITY PAPER MILL.

Hoshangabad-461 005, the 6th November 1985

No. M-6/6251.—In supersession of this office Notification No. M-6/12469 dated 17-2-1983 and No. M6/3952 dated 11/16-7-1983, Shri B. L. Sharma is appointed as Assistant Engineer (Mechanical), against the downgraded post of Engineer (Mechanical), on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 during the period as indicated below:—

from 1-1-1983 to 28-6-1983

from 1-7-1983 to 28-6-1984

from 1-7-1984 to 28-6-1985

He is further appointed in the same capacity and scale of pay for the period from 1-7-1985 to 31-12-1985 or till the post of Engineer (Mechanical) is filled up, whichever is earlier.

S. R. PATHAK
General Manager

INDIA GOVERNMENT MINT

Bombay, the 31st October 1985

No. 199.—On the recommendations made by the Departmental Promotion Committee (Group 'B') in its meeting held on 20th April 1985 the General Manager, India Government Mint, Bombay is pleased to promote Shri N. S. Patil, Dy. Acctt. to officiate as Accounts Officer (Group 'B' Gazetted) in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 with effect from 1-11-1985.

G. R. KAHATE
General Manager

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 6th November 1985

No. Admn.I/O.O. No. 286.—The Director of Audit, Central Revenues-I, New Delhi hereby appoints Shri G. S. Negi, a permanent Section Officer (now Asstt. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the forenoon of 30th October 1985 until further orders.

No. Admn.I/O.O. No. 289.—The Director of Audit, Central Revenues-I, New Delhi hereby appoints Shri Avinash Chandra Kapoor a Permanent Section Officer (now Asstt. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the forenoon of 4th November 1985 until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE
Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 6th November 1985

No. 4528/A Admn/130/83-85.—On attaining the age of superannuation, Shri K. K. Das, Substantive Audit Officer, retired from service with effect from 31-8-1985 (AN).

B. S. GILL
H. Dir. of Audit Def. Services,

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

New Delhi, the 1st November 1985

No. AN/II/2606.—The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of Shri Shiam Lal Sharma, Permanent Accounts Officer (O/670) on 17-10-1985.

Shri Shiam Lal Sharma Accounts Officer is accordingly struck off the strength of this Department with effect from 18-10-85 (FN).

A. K. GHOSH
Addl. C.G.D.A. (AN)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 6th November 1985

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1498/84-Admn.(G) 1459.—On attaining the age of superannuation, Shri D. N. Sabharwal, Controller of Imports and Exports in this office retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st October, 1985.

No. 6/570/59-Admn.(G)1469.—On attaining the age of superannuation, Shri J. P. Sharma, Dy. Chief Controller of Imports and Exports (Grade II of Central Trade Service) in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st October, 1985.

The 7th November 1985

No. 6/415/56-Admn.(G)1485.—On attaining the age of superannuation, Shri K. R. Dheer, Joint Chief Controller of Imports and Exports (Grade I of Central Trade Service) in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st October, 1985.

The 8th November 1985

No. 6/1315/Admn.(G)1501.—On attaining the age of superannuation Smt. P. M. Pitale, Controller of Imports & Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay retired from Government Service with effect from the afternoon of 30th September, 1985.

No. 6/516/58-Admn.(G)1507.—Shri S. Narasimhan, an Officer of Grade II of the Central Trade Service and Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports Madras retired from Government service with effect from the afternoon of the 30th September, 1985.

SHANKER CHAND
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 31st October 1985

No. 12(200)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri A. K. Mitra, Director (Gr.II) (Mechanical), Regional Testing Centre, New Delhi to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from afternoon of 30-9-1985.

41—346GI/85

No. 12(24)/67-A(G)Vol.V.—The President is pleased to appoint Shri M. S. Hameed, Dy. Director (Industrial Management Training) Small Industries Service Institute, Madras as Director (Gr. II) (General Administrative Division) at Small Industries Service Institute, Cuttack on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 30-9-1985 until further orders.

No. A.19018(374)/79-Admn.(G).—Consequent on his reversion from deputation with the Bharat Leather Corporation Ltd., New Delhi as Deputy Manager (Technical) Shri P. P. Puri assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Leather/Footwear at Central Footwear Training Centre, Madras, under Small Industries Service Institute, Madras on the forenoon of 16-9-1985.

No. A-19018 (790)/85-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri H. K. Ramegowda, Small Industry Promotion Officer (Mechanical) in Small Industry Development Organisation as Asstt. Director (Gr. II) (Mechanical) at Branch Small Industries Service Institute, Silvassa under Small Industries Service Institute, Ahmedabad with effect from the forenoon of 16-9-1985 until further orders.

C. C. ROY, Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES
AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 18th October 1985

No. A-1/1(1286).—The Director General of Supplies & Disposals is pleased to appoint Shri Ashok Kumar on his selection by the Union Public Service Commission, to officiate as Assistant Director (Litigation) (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of the 16th October, 1985.

The 1st November 1985

No. A.1/2(440).—Smt. C. M. Kasi Bai, officiating Assistant Director (Administration) (Gr. II) in the office of Director of Supplies & Disposals, Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 30th September 1985, on attaining the age of superannuation.

RAJBIR SINGH, Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110 001, the 31st October 1985

No. A-6/247/(447)/67 Vol. III.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Chauhan, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Asstt. Director of Inspection Inspecting Officer (Engg.) (Grade III) of Indian Inspection Service Group 'A' (Engg. Branch) with effect from 5-9-1985 in the pay scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 on ad-hoc basis for a period of six months or till the regular arrangements are made whichever is earlier.

2. Shri S. S. Chauhan relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) on the afternoon of 4th September, 1985 in the office of Director of Inspection, Calcutta and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the O/o Inspecting Officer, Jaipur on the Forenoon of 5th September, 1985.

No. A-6/247(589) II.—The President is pleased to appoint Shri V. S. Thakur, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Asstt. Director of Inspection/Inspecting Officer (Engg. Grade III) of Indian Inspection Service, (Group A) (Engg. Branch) with effect from 12-9-1985 in the pay scale of

Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 on ad-hoc basis for a period of six months or till the regular arrangement is made whichever is earlier.

1. Shri V. S. Thakur relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) on the Afternoon of 9th September, 1985 in the office of Director of Inspection, Calcutta and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Kanpur on the forenoon of 12th September, 1985.

R. P. SHAHI, Dy. Director (Admn.)
for Director Genl. of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL
(DEPARTMENT OF STEEL)
IRON AND STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 1st November 1985

No. EI-12(74)/85(.)—Shri R. S. Debnath, Accounts Officer, Office of the Controller of Accounts, Department of Supply, Calcutta-1, is hereby appointed on deputation as Accounts Officer with effect from the forenoon of the 18th October 1985, until further orders.

S. K. SINHA
Dy. Iron and Steel Controller

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 18th October 1985

No. F.12-3/85-Estt.—The Director of Archives, Government of India, hereby appoints Kanwar Rajender Singh, Offg. Microphotographer on ad-hoc basis to the post of Microphotographer (Group 'B' Gazetted) in the National Archives of India, Record Centre, Jalandhar, on regular temporary basis, with effect from the forenoon of 15th October 1985, until further orders.

A. K. SHARMA
Administrative Officer
for Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL : DOORDARSHAN

New Delhi, the 4th November, 1985

No. A-12026/1/83-S-II(Hindi).—Director General : Doordarshan is pleased to appoint the following persons as Hindi Officer on ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-1200 as per details given below until further orders :—

Sl. No.	Name/Designation	Previous Office where working	Name of office where posted as Hindi Officer	Date from which appointed
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	V. M. Dhir Stenographer (Sr. Grade)	Door-darshan Kendra, Jalandhar	Door-darshan Kendra, Jalandhar	18-1-85 (FN)
2.	S. Ramamurthy, Sr. Hindi Translator	Directorate of Tobacco Development, Madras	Doordarshan Kendra, Madras	2-8-85 (FN)

1	2	3	4	5
3.	R. C. Shukla, Hindi Translator	Door darshan Kendra Sinagar	Door-darshan Kendra, Nagpur	15-7-85 (FN)
4.	S. S. Dhutre, Hindi Translator	Door-darshan Kendra, Gulbarga	Upgraha Door-darshan Kendra, Hyderabad	12-8-85 (FN)

T. S. SUNDARESWARAN
Dy. Director of Administration,
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES
ME SECTION

New Delhi, the 1st November 1985

No. A.12026/4/85-ME.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. S. Katyal to the post of Senior Dietician, at Lady Harding Medical College and Smt. S. K. Hospital, New Delhi in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad hoc basis with effect from the forenoon of the 7th August 1985 and until further orders.

P. K. GHAI
Dy. Director Administration (C&B)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 5th November 1985

No. 5(5A)/81-Confn./1810.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Y. K. Thakore, a permanent Foreman, in a substantive capacity as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Bhabha Atomic Research Centre with effect from February 1, 1979.

H. R. RENUSHE
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 6th November, 1985

No. MAPP/18(148)/85-Rectt.—The Project Director, Madras Atomic Power Project is pleased to appoint the following officials of this Project to the grade mentioned against each, in the same Project, in a temporary capacity with effect from the forenoon of February, 1, 1985 until further orders :

S. No.	Name	Present grade	Grade to which appointed.
	S/Shri		
1.	S. Paramasivam	SA/C	Scientific Officer/ Engineer 'SB'
2.	G. Selvakumar	SA/C	Scientific Officer/ Engineer 'SB'
3.	R. Ranganathan	SA/C	Scientific Officer/ Engineer 'SB'
4.	B. Govindarajalou	SA/C	Scientific Officer/ Engineer 'SB'
5.	D. Varghese Kutty	SA/C	Scientific Officer/ Engineer 'SB'
			V. K. SANTHANAM Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 7th November 1985

No. AMD-1 '9/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Laxmi Kanta Singha, officiating Junior Accounts Officer, Controller General of Accounts Department of Expenditure, Ministry of Finance to officiate as Assistant Accounts Officer in Atomic Minerals Division on deputation basis with effect from the forenoon of September 9, 1985 until further orders.

S. PADMANABHAN
Sr. Administrative and Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE
ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-17, the 31st October 1985

No. 020/1(15.1)/Estt.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint Shri Krishna Hanamant Rao Navalgund to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the forenoon of August 29, 1985 in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space, on a temporary basis and until further orders.

The 6th November 1985

No. 020/1(15.4)/Estt.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the dates mentioned against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space, on a temporary basis and until further orders :—

- (a) Shri L. V. Prasad with effect from the forenoon of September 23, 1985.
- (b) Shri M. S. Srinivasan with effect from the forenoon of September 20, 1985.
- (c) Kum. Latha Ramaswamy with effect from the forenoon of September 23, 1985.

H. S. RAMADAS
Administrative Officer-II

CIVIL AVIATION DEPARTMENT
OFFICE OF THE

DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-22, the 24th October 1985

No. A.38013/1/85-EA.—Shri N. V. Dhana Pal, Aerodrome Officer, office of the Director of Aerodrome, Madras retired from Government services on the 30-9-1985 on attaining the age of superannuation.

M. BHATTACHARJEE
Dy. Director of Administration
For Director General of Civil Aviation

MINISTRY OF TRANSPORT

DEPARTMENT OF SURFACE TRANSPORT
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 038, the 8th November 1985

No. 1*-TR(7)/85.—The President is pleased to appoint Shri Ashok Kumar Awasthi as Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Bombay on ad-hoc basis with effect from 17-10-1985 (FN) until further orders.

AMITABH CHANDRA
Dy. Director General of Shipping

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act 1956 and in the matter of Sukumar and Company (Kuries) P. Ltd.

Cochin-682 011, the 4th November 1985

No. 2364/8044/Liq/560(5)/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Sukumar and Company (Kuries) Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and in the matter of Deepam Chits and Trades (India) P. Ltd.

Cochin-682 011, the 14th October 1985

No. 2332/8008/Liq/560(5)/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Deepam Chits and Trades (India) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and in the matter of Coastal Paints Private Limited

Cochin-682 011, the 6th November 1985

No. 3042/Liq/560(3)/8179/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Coastal Paints Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. A. VIJAYAN MENON
Registrar of Companies, Kerala

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Shell Plastics Private Limited

Calcutta, the 5th November 1985

No. 27575-560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shell Plastics Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Cheroots (Dinhata) Private Limited

Calcutta, the 5th November 1985

No. 27435/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Cheroots (Dinhata) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Perfect Film Distributors Private Limited

Calcutta, the 5th November 1985

No. 26323-560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956,

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Perfect Film Distributors Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
S. Dass & Bros. Private Limited*

Calcutta, the 5th November 1985

No. 15048/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the S. Dass & Bros. Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Indrashakti Industries Private Limited*

Calcutta, the 5th November 1985

No. 21461/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Indrashakti Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sulokshona Stainless Steels Private Limited*

Calcutta, the 5th November 1985

No. 31901/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sulokshona Stainless Steels Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Aroma Chemicals and Cosmetics Private Limited*

Calcutta, the 5th November 1985

No. 22923/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Aroma Chemicals and Cosmetics Private

Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Manjula Fancy Stores Private Limited*

Calcutta, the 5th November 1985

No. 24476/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Manjula Fancy Stores Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Kalyani Maschinfabrik Private Limited*

Calcutta, the 5th November 1985

No. 27107/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kalyani Maschinfabrik Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
EMCO Engineering Works Private Limited*

Calcutta, the 5th November 1985

No. 24221/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the EMCO Engineering Works Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
B.G.M. Picture Enterprises Private Limited*

Calcutta, the 5th November 1985

No. 26737/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the B.G.M. Picture Enterprises Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

D. K. PAUL
Addl. Registrar of Companies
West Bengal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./SRS/4/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property situated in Sadar Bazar, Sirsa (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa under Registration No. 5012 of Income-tax Rules, 1962 dated 23-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Ram Saroup Goyal,
Sh. Parmod Kumar s/o Sh. Ram Saroup Koyal,
c/o Master Ram Kumar
c/o M/s. Bansal Theatre,
Hissar Road, Sirsa.
(Transferor)
- (2) S/Sh. Paramjit Singh, Jasbir Singh,
Kuldeep Singh, Surjeet Singh, Daljit Singh
Jaspal Singh s/o Sh. Sampuran Singh
c/o Sardar Emporium Subhash Chowk,
Sirsa.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property is situated in Sadar Bazar, Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5012 dated 23-2-85 with the Sub Registrar, Sirsa.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM IIS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./SRS/3/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot situated in Sadar Bazar, Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration Sirsa under Registration No. 5011 of Income-tax Rules, 1962 dated 23-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ram Saroup Goyal,
Sh. Parmod Kumar so Sh. Ram Saroup Goyal
c/o Master Ram Kumar
c/o M/s. Bansal Theatre,
Hissar Road, Sirsa.
(Transferor)
- (2) S/Sh. Parmjit Singh, Jasbir Singh, Kuldeep Singh,
Surjeet Singh, Daljit Singh and Jaspal Singh ss/o
Sh. Sampuran Singh c/o Sardar Emporium,
Subhash Chowk, Sirsa.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The words and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot situated in Sadar Bazar Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5011 dated 23-2-85 with the Sub Registrar, Sirsa.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/715/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 3.12 bishwas with factory shed situated at Daultabad Road, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7410 of Income-tax Rules, 1962 dated 4-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Krishan Kumar s/o Sh. Khushi Ram
s/o Sh. Jai Ram Dass
r/o 4/28, Roop Nagar Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Suraj Bhan s/o Sh. Chandgi Ram
r/o 183/3, Urban Estate, Gurgaon
Sh. Om Uarkash s/o Sh. Lakshmi Narayan
r/o 47/4702, Ragerpura, Karol Bagh, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3.1/2 biswa with factory shed situated at Daultabad Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7410 dated 4-2-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/714/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (~~hereinafter referred to as the 'said Act'~~) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 6 biswas with factory shed situated at Daultabad Road, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration Gurgaon under Registration No. 7407 of Income-tax Rules, 1962 dated 4-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Haridass s/o Sh. Sh. Khushi Ram
s/o Jairam Dass
r/o 51-E, Kamla Nagar and
Sh. Krishan Kumar s/o Sh. Khushi Ram
s/o Jairam Dass r/o
4/28, Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Globe Surgico Industries,
Daultabad Road, Gurgaon
partners Sh. Suraj Bhan Aggarwal s/o
Shri Chandgi Ram r/o
183/4, Urban Estate, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 biswas with factory shed situated at Daultabad Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7407 dated 4-2-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/626/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 770(P) situated at 4 Urban Estate, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred at per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7344 of Income Rules, 1962 dated 1-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

42—346GI/85

(1) Sh. Kartar Singh s/o Sh. Harnam Singh
r/o A-1/13, Safdarjang Enclave, New Delhi.
(Transferor)

(2) S/Sh. Suraj Parkash, Chander Sekhar,
Vinod Vohra, Parmod Vohra r/o
Som Bhawan, Guru Nanak Naga,
Sili Guri, West Bengal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 770P situated at 4 Urban Estate, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7344 dated 1-2-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/102/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 3 kanals 6 marlas situated at Satroad Khurd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Hissar under Registration No. 5080 of Income-tax Rules, 1962 dated 1-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. S. D. Ahuja so R. S. Mukand Lal, Sumant Ahuja and Sandip Ahuja ss/o Sh. S. D. Ahuja partners of M/s. Steel Products, Hissar. (Transferor)
- (2) S/Sh. Satnarayan adopted son of Sh. Ganpat Ram, Durga Parshad s/o Sh. Ram Richhpal Dass, Padam Sain s/o Bhim Sain c/o Garg Pipe Co. 393. Old Anaj Mandi, Hissar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 kanals 6 marlas situated at Satroad Teh. Hissar and as more mentioned in the said deed registered at Sr. No. 5080 dated 1-2-85 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-10-85

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./KLK/6/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 60 acres situated at Birferozi (and more fully described in the schedule below) has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the competent Authority u/s 262AB of the said Act read with rule 48DD (4) of the Kalka under Registration No. 2528 of Income-tax Rules, 1962 dated 8-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) S/Sh. Joginder Singh s/o Partap Singh,
Partap Singh s/o Hukam Singh,
Subjit Kaur w/o Harbirat Singh
r/o Karnal. (Transferor)
- (2) Smt. Kaushalaya wd/o late Sh. Hari Chand,
Ambala City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 60 acres situated at Birferozi and as more mentioned in sale deed registered at Sr. 2528 dated 8-2-85 with the Sub Registrar, Kalka.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-10-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./KNL/170/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. plot situated at Housing Board Colony, Karnal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 7955 of Income-tax Rules, 1962 dated 16-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Mohan Singh s/o Sh. Tegbahadur Singh adopted son of Sh. Gurmukh Singh r/o Hospital Road, Harmohan Cottage, Karnal. (Transferor)
- (2) Smt. Tulsi Bai w/o Sh. Parsotam Dass s/o Sh. Ram Kishan r/o H. No. 529, Housing Board Colony, Karnal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot situated at Housing Board Colony, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7955 dated 16-2-85 with the Sub Registrar, Karnal.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./SPT/118/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 29 kanals 14 marlas and structure built thereon situated at village Kundli Teh. Sonapat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration Sonapat under Registration No. 4721 of Income-tax Rules, 1962 dated 7-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Kinsfolk Industries Pvt. Ltd.
1/893 Tilak Gali Bara Bazar,
Kashmere Gaet, Delhi-110006 through its Managing Director Mr. Ishar Singh Thapar. (Transferor)
- (2) M/s. Finapack (India) Ltd. through its Director—
Sh. Lachhmi Dass Aggarwal, r/o
1-C/30, New Rohtak Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property land measuring 29 kanals 14 marlas and structure built thereon situate at village Kundli Teh. Sonapat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4721 dated 7-2-85 with the Sub Registrar, Sonapat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1985

Ref. No. I.A.C.IAcq./IND/29/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 75 kanals 5 marlas situated at village Kinana Teh. Jind

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jind under Registration No. 5437 of income-tax Rules, 1962 dated 25-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Sh. Harinder Singh uraf Sh. Harminder Singh, Gurinder Singh uraf Gurminder Singh Ss/o Sh. Joginder Singh s/o Sh. Bahadar Singh r/o vill. Kinana Teh. and Distt. Jind. (Transferor)
- (2) M/s. Haryana Equipment Ltd. Registered through its Director Sh. Ram Avtar Aggarwal s/o Sh. Giani Ram Chirimar, Jind Now Sh. Ram Avtar Aggarwal c/o Haryana Equipment Ltd. Calcutta Pan, 30 Chowringhee Road, Calcutta-700016. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

...Properted being land measuring 75 kanals 5 marlas situated at village Kinana Teh. & Distt. Jind and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5437 dated 25-2-85 with the Subj Registrar, Jind.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-10-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/103/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 14 kanals 8 marlas situated at Vill. Dabra Teh. & Distt. Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Hissar under Registration No. 5212 of Income-tax Rules, 1962 dated 8-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Daya Ram s/o Magni
r/o vill. Dabra and Mukhtiar-aim
Sh. Amar Singh s/o Bhagni
R/o Vill. Dabra Teh. & Distt. Hissar. (Transferor)
- (2) M/s. The Hissar Sawatantarta House Building
Shop No. 469 Rajguru Market, Hissar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 14 kanals 8 marlas situated at village Dabra Teh. & Distt. Hissar and as more mentioned in sale deed registered at Sr. 5212 dated 8-2-85 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/34/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 15-A, situated at Urban Estate, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 4552 of Income-tax Rules, 1962 dated 27-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Inder Parkash Chandake s/o
Sh. Gian Chand Chandake r/o
229, Sector 15-A Faridabad.
(Now D-1-C-38-C, Janakpuri, New Delhi.
(Transferor)

- (2) Sh. Krishan Lal Kohli s/o Late Sh. L. R. Kohli
r/o 229, Sector 15-A, Faridabad. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House plot No. 15-A, Urban Estate, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4552 dated 27-2-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq/FBD/26/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bungalow plot No. 10 situated at NIT-I, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 3616 dated 4-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

43—346GI/85

(1) M/s. Gidor Tools India Pvt. Ltd., Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. Premier Industrial & Electricals,
1560 Bhagirath Palace, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being bungalow plot No. 10, NIT-1, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3616 dated 4-2-85 with the said Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 10-10-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq/HNS/6/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 18/10 situated at Bajria Chowk, Hansi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hansi under Registration No. 2592 of Income-tax Rules, 1962 dated 19-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sh. Ram Dhan S/o Sh. Kanshi Ram & Sh. Lakesh Kumar & Sanjiv Kumar as/o Sh. Ram Dhan s/o Hansi. (Transferor)
(2) Smt. Krishna Pal W/o Sh. Surinder Pal, Smt. Lachmi Devi W/o Sh. Krishan Lal S/o Sh. Paras Ram near Bajaria Chowk, Hansi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 18/10 Bajria Chowk, Hansi and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2592 dated 19-2-85 with the Sub Registrar, Hansi.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Amolak Singh S/o Mohar Singh,
4-J-5052 Lajpat Nagar, Delhi .
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Shiv Raman Vasdevan S/o Mayavan Pilai,
Rasika Niwas Vasepura Kau Distt. Trivanderm
(Kerala) now H. No. 447/9 Shivpuri Gurgaon.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq/GRG/631/84-85.—Whereas, I,
B. L. KHATRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
House No. 447/9 situated at Shivpuri, Gurgaon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Gurgaon under Registration No. 7692 dated 20-2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 447/9 Shivpuri Gurgaon and as
more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7692
dated 20-2-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-10-1985

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Surjit Lal S/o Aya Singh H. No. 229,
Shastri Colony, Yamunanagar.

(Transferor)

(2) Lal Behari Dass S/o Sh. Polin Behari Dass,
C-2, Paper Mills Colony, Yamunanagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq/JDR/122/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 26 measuring 121 sq. yds. situated at Shiv Shankar Puri, Ajad Nagar, Yamunanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Jagadhari under Registration No. 5746 dated 14-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being House No. 121 sq. yds. situated at Shiv Shankar Puri, Ajad Nagar, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5746 dated 14-2-85 with the Sub Registrar, Jagadhari.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq/RWR/15/84 85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1652-D situated at Kath Mandi, Rewari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rewari under Registration No. 3072 dated 13-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Om Parkash S/o Sh. Banwari Lal
S/o Sh. Shiv Dutt
r/o Rewari. (Transferor)
- (2) Sh. Shiwam Chawla S/o Sh. Jyotiram Chawla,
r/o 1652-D, Kath Mandi, Rewari. (Transferee)
- (3) State Bank of Bikaner & Jaipur, Rewari.
(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 1652-D, Kath Mandi, Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3072 dated 13-2-85 with the Sub Registrar, Rewari.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq/FBD/31/84-85.—Whereas, I, B. D. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 393 situated at Sector 15, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 4164 of Income-tax Rules, 1962 dated 18-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Kudarat Singh S/o Sh. Raja Singh
r/o H. No. 3915 Mori Gate, Delhi now 44 Sector
15-A, Faridabad through Mukhtiar Ram Sh. Rattan
Lal Gupta S/o Sh. Mihir Ram Gupta
r/o 34 Municipal Flat, Kamla Nagar Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Sunita Gupta W/o Sh. Jai Shankar Gupta
S/o Sh. Rattan Lal Gupta
r/o 393 Sector 15 Faridabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 393 Sector 15 Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4164 dated 18-2-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Major Avinash Chander Narang
S/o Sh. Faqir Chand
r/o 44 Manoli House, Ambala City
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Kanwar Sushil Kumar S/o Jang Bahadur and
Smt. Raj Kumari W/o Sh. Kanwar Sushil Kufar
r/o Badail U.T., Chandigarh.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq/AMB/130/84-85.—Whereas, I,
B. L. KHATRI,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the Said Act) have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House No. 14 situated at Manoli House, Ambala City
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ambala under Registration No. 7630 of Income-tax Rules,
1962 dated 1-2-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 44, Manoli House, Ambala City
and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No.
7630 dated 1-2-85 with the Sub Registrar, Ambala.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 7th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq/FBD/28/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 1083 measuring 133 sq. yd., situated at Sector 7-C, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 267AB of the said Act read with rule 48DD(4) Faridabad under Registration No. 3935 dated 13-2-85, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tirloach Singh s/o Shri Khem Singh
5-G/41, New Tewaship, Faridabad. (Transferor)
- (2) Shri Radhey Shyam s/o Shri Parbhu Dayal
r/o Mohna Teh. Ballabgarh Distt. Faridabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 1083 measuring 133 sq. yds. situated at Sector 7-C, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3935 dated 13-2-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-10-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 7th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq/BRR/21/84-85.—Whereas, I,
B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. House situated at near Railway Station, Barara,

(and more fully described in the schedule below)
has been transferred and registered with the Competent
Authority u/s 269B of the said Act read with rule 48DD(4)
of Income-tax Rules, 1962 under registration
Barara under Registration No. 7085 dated 21-2-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
44—346G1/85

- (1) Shri Manohar Lal s/o Shri Chanan Shah,
Dilbagh Ram s/o Bhim Sain, Vaid Luckash,
Subhash Chand s/o Mangal Sain, Sahabod,
(Transferor)
- (2) Narinder Kumar, Ravinder Kumar ss/o Shri Babu
Ram near Railway Station, Barara Dist. Ambala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meanings as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being house situated near Railway Station,
Barara Dist. Ambala and as more mentioned in the sale deed
registered at Sr. No. 7085 dated 21-2-85 with the Sub Regis-
trar, Barara.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-10-1985
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Shri Joginder Singh s/o Shri Jeewan Singh
r/o Subhash Colony, Karnal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S. Shri Kamal Narayan s/o Lahori Lal,
Lohari Lal s/o Sunder Dass, Surinder Kumar and
Yashpal Sahni s/o Hari Ram, Mohalla Nechy
Band, Kapurthla (Punjab).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 7th October 1985

Ref: No. I.A.C./Acq./KNL/172, 84-85.—Whereas, I,
B. L. KHATRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act') have reason to believe that the immovable prop-
erty, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Shop No. VIII/536 situated at Railway Road,
Karnal,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
Karnal under Registration No. 8001 dated 21-2-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Shop No. VIII/536 situated at Railway
Road, Karnal and as more mentioned in the sale deed regis-
tered at Sr. No. 8001 dated 21-2-1985 with the Sub Registrar,
Karnal.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Sh. Dharamv, Mohan, Krishan Chander,
Azau Rai Mohan S/o. Gopal Chand Mohan,
R/o. 251/1 Panipat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Raj Kumar,
S/o. Sh. Banarsi Lal Mehta,
R/o. Panipat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 7th October 1985

Ref. No. I. A. C./Acq./PNP/129/84-85--Wheters, I.
B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land measuring 19 bigha 4 biswa, situated at Patti Insar,
Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Registering Officer
at Panipat under Registration No. 5912 date February 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 19 bigha 4 biswa situated at
Patti Insar, Panipat and as more mentioned in sale deed
registered at Sr. No. 5912 dated February, 1985 with the sub
Registrar, Panipat.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 7-10-1985

Seal :

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 7th October 1985

Ref. No. J.A.C./Acq./RTK/51/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,60,000/- and bearing No. 1 land measuring 2 kanals 15.1/2 marla situated at Padda Teh. & Distt. Rohtak, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registration Office at Rohtak under Registration No. 8428 dated 15-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Krishna,
W/o. Sh. Jagbir Singh,
R/o. Sonapat Road, Rohtak.
(Transferor)
- (2) M/s. Industrial Cables Indian Ltd. Industrial Area,
Rapara (Punjab) C/o
Sh. Inderjeet Singh Bhandari,
Manager Construction,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 kanals 15.1/2 marlas situated at Padda Teh. & Distt. Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 8428 dated 15-2-1985 with the Sub Registrar, Rohtak.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 7-10-1985
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 8th October 1985

(1) Sh. Milkha Ram,
S/o. Sh. Bisanda Ram,
S/o. Sh. Mool Chand,
R/o. 139/8, Krishna Colony,
Bhiwani.

(Transferor)

(2) Sh. Ramech,
S/o. Dr. Ladhk Ram,
S/o. Kanhiya Lal,
R/o. 134/8, Krishna Colony,
Bhiwani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

Ref. No. I.A.C./Acq./BWN/29/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 139/8 situated at Krishna Colony, Bhiwani (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Office at Bhiwani under Registration No. 3801 dated 27-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being house No. 139/8 Krishna Colony, Bhiwani and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3801 dated 27-2-1985 with the sub Registrar, Bhiwani.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. I.A.C. Acq./PNP/124/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.- and bearing No. land measuring 9 kanals situated at village, Kabri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 5577 dated February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) S/Shri Ram Lal,
S/o. Sh. Tirath Ram,
S. atish Kumar,
S/o. Sh. Sardari Lal,
R/o. Param Hans Kutia,
(Transferor)
- (2) M/s. Ludhiana Housie & Textile Association,
Chowk Madhopuri,
Ludhiana through Sh. Tersaim Lal Jain,
S/o. Sh. Babu Ram Maha Sachiv.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 9 kanals situated at village Kabri and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5577 dated February, 1985 with the Sub Registrar, Panipat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/27/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 1-B situated at 207, New Township, Faridabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 3634 dated 4-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Tara Chand.
S/o. Sh. Dewan Chand,
R/o. 1-B, 207 New Township,
Faridabad. (Transferor)
- (2) S/Sh. Kanwal Nain,
Sarjan Lal,
Kanhya Lal,
S/o. Sh. Ramji Lal, S/o. Ram Chand,
R/o. 1-H, 92, New Township Faridabad. (Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 1-B, 207 New Township, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3634 dated 4-2-1985 with the Sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Rohtak

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 11th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./Fbd./30/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 5-K61 situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Office, at Faridabad under Registration No. 4082 dated 15-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Susila Kungari,
W/o. Sh. Roshan Lal Taneja,
R/o. 5-K, New Township, Faridabad through Mukhtiar Singh, Faqir Chand S/o. Sh. Devi Ditta Ram,
R/o. E-36, Nehru Ground, New Township,
Faridabad. (Transferor)
- (2) Smt. Kamla Devi, W/o. Roshan,
Surul Kumar, Shyam Sunder,
S/o. Sh. Roshan Lal,
R/o. 5-K-52-C, New Township Faridabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 5-K-61 Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4082 dated 15-2-1985 with the sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 10-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. CHD/149/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kothi No. 45, situated at Sector 5, Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

45—346GI/85

(1) Mrs. Gian Sukhdeep Kaur w/o Shri Makhan Singh Shri Sardul Singh, Jagji Singh s/o Shri Bhan Singh Mrs. Gajinder Kaur for self and as attorney of S/Sh. Kubar Singh, Ravinder Singh Khokhar, Jasvinder Singh Khokhar s/o Shri Surjit Bahadur Singh and Smt. Jasbir Kaur d/o Shri Surjit Bahadur Singh r/o H. No. 45, Sector 5, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Gurdarshan Singh s/o Shri Gurbachan Singh, Mrs. Gursharan Kaur D/o Gurbachan Singh Sewa Bhawan, Nabha (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 45, Sector 5, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1167 of February 1985 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. CHD/176/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 1177 situated at Sector 34C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Chandigarh in February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shanta Sharma w/o Shri M. L. Sharma,
Shri M. L. Sharma S/o Shri Sham Dass,
House No. 1281, ec. 33C, Chandigarh.
(Transferor)

(2) Shri Gurbax Singh Gandhi S/o Shri Gopal Singh
through legal heir Smt. Manjit Kaur Gandhi, &
Smt. Manjit Kaur Gandhi W/o Shri. Gurbax Singh
C/o Mrs. Sarita Sachdeva, H. No. 1053, Sector 36C,
Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1177, Sector 34C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1297 of February 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. CHD/148/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 1282, situated at Sector 34C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Chandigarh in February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Subhash Chand Chopra S/o Shri Nathu Ram Chopra and Mrs. Savindra Kumar Chopra W/o Shri Subhash Chand Chopra R/o H. No. 1282, Sector 34C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Mrs. Amarjit Kaur Kohli W/o S. Gurcharan Singh Kohli and Master Navnet Singh Kohli (minor) son of S. Gurcharan Singh Kohli through his natural guardian and mother Smt. Amarjit Kaur Kohli R/o H. No. 3372, Sector 46C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1282, Sector 34C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1165 of February 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. KHR/94/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 2622, situated at Phase VII, Mohali Teh. Kharar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Kharar in February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sat Pal Chopra s/o Shri Jagdish Chander
r/o H. No. 3994, Sector 22D, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Narinder Singh Sehgal s/o S. Sardar Singh
Sehgal, Shri Balbir Singh Sehgal, s/o S. Narinder
Singh Sehgal r/o H. No. 1613, Phase, 3-B-2-Mohali
Teh. Kharar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2622, Phase VII, Mohali Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4300 of February 1985 of the Registering Authority Kharar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No KHR/95/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 844, situated at Phase IV, Mohali, Teh. Kharar, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kailash Pani
W/o Sh. Jagdish Lal
R/o H. No. 3946, Sector 22-D,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi
W/o S. Darshan Singh
R/o H. No. 844, Phase IV, Mohali Teh.
Kharar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 844, Phase IV, Mohali Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4301 of Feb. 85, of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. KHR/98/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1638, situated at Phase 7, Mohali Teh. Kharar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in Feb. 1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. Mohinder Singh
S/o S. Amar Singh
R/o Vill. Khanpur, Teh. Kharar
now Kothi No. 128, Sector 20-A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Bakhshinder Singh
S/o S. Milakha Singh
R/o H. No. 2044, Phase-7, Mohali
Teh. Kharar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1638, Phase-7, Mohali, Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4391 of Feb. 1985, of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. KHR/102/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9, House No. 9, situated at Phase IV, Mohali, Teh. Kharar. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri B. K. Chopra
S/o Sh. Kesho Nath
D. E. T. Shimla. (Transferor)
- (2) Shri Bhagat Singh Bhatia
S/o Aran Singh Bhatia
House No. 217, Sector 37-A,
Chandigarh now at House No. 3,
Rattan Nagar,
New Delhi-110 005. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 9, Phase IV, Mohali, Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4653 of Feb., 1985 of the Registering Authority, Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. DBS/38/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. land 37 Bigas 11 Viswas
situated at Village Kishan pura, Sub Tehsil Dera Bassi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Dera Bassi Feb., 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

(1) Sh. Sham Sunder Sharma
S/o Sh. Kedar Nath Sharma
R/o H. No. 229, Sector 9,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Shavinder Singh Rajwant
S/o Sh. Vir Inder Singh, HUF,
Resident of H. No. 1014, Sector 8-C,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
in that Chapter.

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 37 Bigas and 11 Viswas at Village Kishan
pura, Sub Tehsil Dera Bassi.
(The property as mentioned in the sale deed No.
1459 of Feb., 85 of the registering authority Dera Bassi.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. DBS/58-A/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
land measuring 14 Bighas & 15 Biswas,
situated at Kishan pura, Sub-Teh. Dera Bassi.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Dera Bassi Feb., 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

46—346GI/85

(1) Sh. Vinod Kumar Sharma
S/o Kidar Nath Sharma,
R/o H. No. 229, Sector 9,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Shavinder Singh Rajwant
S/o Sh. Varinder Singh,
Resident H. No. 1014, Sector 8-C,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 14 Bighas 15 Viswas at Village Kishan-
pura, Sub Tehsil Dera Bassi.
(The property as mentioned in the sale deed No.
1460 of February, 1985 of the registering authority Dera
Bassi.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. DBS/39/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing measuring 45 Bigas 12 Biswas at Village Kishanpura, Sub-Tehsil Dera Bassi, situated at Village Kishanpura, Sub-Tehsil Dera Bassi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Vinod Kumar Sharma
& Sons HUF and Kedar Nath Sharma
Sham Sunder Sharma & Sons,
HUF Ss/o Sh. Kedar Nath Sharma
resident H. No. 229, Sector 9-C,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Tarjit Kaur
W/o Sh. Shavinder Singh Raiwant,
R/o H. No. 1230, Sector-8,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 45 Bigas 12 Biswas at Village Kishanpura, Sub-Tehsil Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1461 of February 1985 of the registering authority Dera Bassi.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. CHD/147/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 1206
situated at Sector 15B, Chandigarh.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Chandigarh in February, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri J. P. Mohan
S/o Sh. Jagan Nath
R/o House No. 1206, Sector 15B,
Chandigarh.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Janak Singh S/o
S. Jaman Singh
2. Smt. Jaswant Kaur W/o
S. Janak Singh, C/o
Oriental Hotel & Restaurant,
4-Darshani Gate,
Dehradun.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1206, Sector 15B, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No.
1159 of Feb., 1985 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1985

Ref. No. CHD/179/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 435 situated at Sector 37A, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Vijay Malik
S/o Sh. Duni Chand Malik &
Smt. Santosh Malik
W/o Sh. Vijay Malik
R/o House No. 671, Sector 11B,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shrimati Gurdeep Kaur
W/o Joginder Singh,
Houst No. 349, Sector 37A,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 435, Sector 37A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1317 of Feb., 1985 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1985

Ref. No. CHD/173/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 1837 situated at Secor 34D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Jaswinder Kaur
W/o S. Kuldeep Singh,
H. No. 662, Sector 33B,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Dr. Bhajan Singh Grewal
S/o Sh. Gajjan Singh
House No. 281, Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1837, Sector 34D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1279 of February, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. 237/Feb. 85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.Factory Building No. B. XXIII.569 (No. 12-A) situated at
Textile Colony, Ludhiana(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officerat Ludhiana in February, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee, for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Chaman Lal Bhatia,
S/o Shri Daulat Ram Bhatia,
House No. B.IV.1775, Ghass Mandi,
Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Smt. Parkash Kaur,
W/o S. Bhagwan Singh and
Shri Paramjit Singh,
S/o Bhagwan Singh,
R/o A-13, Panchvati Colony, Delhi-33,
now at A-12, Textile Colony,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein at
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Building No. B.XXIII.569 (No. 12A) Textile
Colony, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed
No. 11646 of February, 1985 of the Registering Authority,
Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. LDH/660/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Portion of H. No. B-VIII-219, situated at Mochpura Road, Ludhiana has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Dessa Singh S/o Shri Ganpat Rai, Vir Singh S/o Shri Ram Singh, Smt. Jaswant Kaur w/o Shri Ram Singh and Smt. Paramjit Kaur w/o Shri Kulwant Singh, R/o H. No. B-VIII-219, Mochpura Road, Ludhiana. (Transferor)
- (2) S/Shri Parkash Chand and Kesho Ram, s/o Shri Hans Raj, Geja Ram and Banarasi Das, s/o Shri Ram Gopal, R/o 494/9, Harpal Nagar, Ludhiana and S/Shri Ram Narain, Sita Ram, Ashok Kumar, s/o Shri Nand Lal, R/o 1835, Basti Abdulla Pur, Ludhiana. (Transferee)
- (3) S/Shri Bishan Dass Ahuja, Ram Narain. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. B-VIII-219, Mochpura Bazar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Sale Deed No. 11836 of February, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. LDH/661/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Portion of H. No. B-VIII-219 situated at Mochpura Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred at per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jaswant Kaur w/o Shri Vir Singh, Shri Vir Singh s/o Shri Ram Singh, Smt. Paramjit Kaur w/o Kulwant Singh, Shri Desa Singh s/o Shri Ganpat Rai, R/o B-VIII-219, Mochpura Road, Ludhiana. (Transferor)
- (2) S/Shri Ram Narain, Sita Ram, Ashok Kumar, ss/o Shri Nand Lal, R/o 1835, Basti Abdullapur, Ludhiana, S/Shri Parkash Chand, Kesho Ram, ss/o Shri Hans Raj and S/Shri Geja Ram, Benarsi Dass, ss/o Shri Ram Gopal, R/o 494/9, Harpal Nagar, Ludhiana. (Transferee)
- (3) S/Shri Ram Narain and Geja Ram. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. B-VIII-219, Mochpura Bazar, Ludhiana. (The property as mentioned in the Sale Deed No. 11837 of February, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1985

Ref. No. LDH/654A/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Portion of H. No. B.18.3652/5H/3 situated at Green Field, Model Gram, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (1) Shri Harvinder Pal Singh,
S/o S. Santokh Singh,
185, Green Field, Model Gram,
Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Manjit Kaur W/o S. Tarlok Singh,
R/o B. 18.3652/5H/3, Green Field, Model Gram,
Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. B.18.3652/5H/3, Green Field, Model Gram, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 11738 of February, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

47—346GI/85

Date : 11-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. LDH/633/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. B.XX.1157 (Portion) situated at Sarabha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Jagjit Singh, Jagmit Singh, Avtar Singh, s/o S. Bachan Singh, R/o V. Phullanwal Tehsil Ludhiana, through attorney Shri Vipan Kumar, S/o Shri Dev Raj, 745, Saigodha Colony, Ludhiana. (Transferor)
(2) Shri Prem Kumar S/o Shri Bhagat Ram, R/o S-18, Vikas Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. B.XX.1157, Sarabha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 11383 of February, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref No. LDH/634/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. B.XX 1157 (Portion situated at Sarabha Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Ludhiana in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Jagjit Singh, Jagmit Singh, Avtar Singh,
S/o S. Bachan Singh,
R/o V. Pullanwal, Tehsil Ludhiana,
through attorney Shri Vipin Kumar,
S/o Shri Dev Raj,
R/o 745, Sargodha Colony, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Prem Kumar S/o Shri Bhagat Ram,
R/o S-18, Vikas Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. B.XX,1157, Sarabha Nagar, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 11425 of February, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1985

Ref. No. CHD/162/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 2, situated at Transport Area, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s New Suraj Transport Co. Pvt. Ltd., through Shri B. K. Saini, Chairman, Gandhi Gate, Amritsar. (Transferor)
- (2) 1. Shri Satnam Singh S/o Sardar Latha Singh, C/o Delhi Punjab Goods Carrier, (Regd.), G. T. Road, Patel Chowk, Jalandhar City.
2. M/s Gill Sandhu Haryana Transport Company, through Shri Harbans Singh, Head Office, Gurgaon (Haryana). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2, Transport Area, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1236 of February, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1985

Ref. No. CHD/181/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 358 situated at Sector 38-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramji Dass through his attorney,
Shri K. K. Goyal,
House No. 1267, Sector 22-B,
Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Bir Kaur W/o S. Sudershan Singh,
House No. 378, Sector 38-A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 358, Sector 38-A, Chandigarh,
(The property as mentioned in the sale deed No. 1327 of February, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM No. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Raminder Kaur W/o S. Kullip Singh,
House No. 564, Sector 8-C, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Gurdial Kaur W/o S. Ranjit Singh,
2. Shri Mewa Singh S/o S. Ranjit Singh,
3. Shri Mohan Singh S/o S. Ranjit Singh,
R/o V. Sadikpur, Tehsil Sirhind,
District Patiala.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. CHD/170/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a Fair Market Value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S.C.F. No. 2, situated at Sector 24, Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Chandigarh in February, 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S.C.F. No. 2, Sector 24, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1264 of
February, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. UNA/1/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land measuring 37 Kanal 18 Marlas situated at Vill. Raisari, Teh., District Una (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Una in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Ram Nath S/o Shri Shiv Lal,
Vill. Raisari, Teh., District Una. (Transferor)
(2) M/s Navjyoti Engineering Private Limited,
Vill. Raisari, Teh. and District Una (H.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 37 Kanal 18 Marlas situated at ill Raisari, Teh., District Una (H.P.).
(The property as mentioned in the sale deed No. 152 of February 1985 of the Registering Authority Una.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. CHD/154/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing SCF No. 8, situated at Sector 18-C, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Gopal Bansal
S/o Late Shri Kishori Lal Bansal
R/o H. No. 1225 Sector 19-B,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Trivender Singh,
Shri Jagmohan Singh and
Shri Surjeet Singh
S/o Shri Gurdit Singh
R/o H. No. 2084, Sector 61, Phase VII,
Mohali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

SCF No. 8, Sector 18-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1182 of February, 1985, of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 8-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. G.I.R. No. R-260/Acq.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. House No. 7, situated at Sector 33-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

48—346GI/85

(1) Shri Ajmer Singh
S/o Shri Lekh Singh,
R/o H. No. 93, Sector 33-A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Shavinder Kaur
W/o Shri Raminder Singh Grewal,
Shri Tejinder Singh Grewal
S/o Harminder Singh Grewal
Through his general attorney
Smt. Joginder Kaur
R/o House No. 2533, Sector 19-C,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 7, Sector 33-A, Chandigarh.

(The property mentioned in the sale deed No. 1232 of February, 1985, of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 10-10-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. CHD/153/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing SCO No. 439-440, situated at Sector 35-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kanwar Vishvijit Prithvijit Singh
S/o Shri Kanwar Prithvijit Singh
Shri Surendra Singh Chaudhry
S/o Shri Joginder Singh Chaudhry
Smt. Rani Aanjana Singh
Wd/o Kanwar Ranjit Singh,
Miss Kumkum Malhotra
D/o Shri Prem Nath Malhotra
Shri Om Parkash
S/o Shri Palli Ram Sharma,
S. Amarjit Singh Sethi
S/o Shri Ram Lal Sethi
Through attorney/sub-attorney,
Shri Chaman Lal Sharma
S/o Shri Gurcharan Dass
R/o H. No. 1573, Sector 18-D,
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Dr. Iqbal Singh
S/o Late S. Inderjit Singh
R/o 110 South Model Gram,
Ludhiana for self and as attorney of
Shri Bikramjit Singh
S/o Late S. Inderjit Singh
Mrs. Rajbans Kaur
W/o Late Inderjit Singh
Dr. Pritpal Singh
S/o Late S. Chittar Singh
Shri Preet Mohinder Singh
S/o Dr. Pritpal Singh
Dr. Jaswinder Singh
S/o Dr. Kabal Singh
Maj. J. S. Jodha
S/o Late Maj. T. S. Jodha
Shri Tejinder Singh
S/o Late S. Parkash Singh
Mrs. Mohinder Kaur
W/o Late S. Parkash
S. Bhagat Singh
S/o Late S. Saran Singh through
Dr. Iqbal Singh
All r/o C/o 183 Sector 11A,
Chandigarh.

(Transferee)

- (3) State Bank of Patiala,
SCO No. 439-40, Sector 35-C,
Chandigarh.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO No. 439-440, Sector 35-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1181 of February, 1985, of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. CHD/158/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Plot No. 558, situated at Sector 36, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sham Kaur
W/o S. Modhan Singh
R/o H. No. 3296, Sector 15-D,
Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Gurpreet Singh Randhawa Singh,
S/o Shri Gurbachan Singh Randhawa
Smt. Amarjit Kaur
W/o S. Gurbachan Singh Randhawa
R/o H. No. 204, Sector 36-A,
Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 558, Sector 36, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1215 of February, 1985, of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 8-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. KHR/97/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 1778, Phase 3-B-2, situated at Mohali, Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and this agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent authority at Kharar in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sona K. Kumar
W/o Shri Kirti Kumar
R/o H. No. 1778, Phase, 3B-2,
Mohali Teh. Kharar.

(Transferor)

- (2) Smt. Amtit Kaur
W/o S. Pal Singh
Smt. Inderjit Kaur
W/o S. Baldeep Singh R/o
H. No. 1615, Sector 36-B,
Chandigarh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1778, Phase, 3-B-2 Mohali, Teh. Kharar:
(The property as mentioned in the sale deed No. 4351 of February, 1985 of the Registering Authority, Kharar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 8-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. DBS/16/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 5 Bighas situated at Village Rampur Kalan, Sub-Teh. Dera Bassi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jagdish Mitter
S/o Shri Hari Ram
For self and CPA of
Shri Vishwa Mitter
S/o Shri Hari Ram
R/o Kothi No. 67, Sector 28-A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) The Panchsheel Co-operative House Building Society
Ltd. (Regd.),
Village Rampur Kalan Sub-Teh.
Dera Bassi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Land measuring 5 Bighas at Village Rampur Kalan Sub-Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1495 of February, 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-10-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. DBS/41/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land measuring 6 Bighas, situated at
Village Rampur Kalan, Sub-Teh. Dera Bassi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
Dera Bassi in February, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer:
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri Jagdish Mitter
S/o Shri Hari Ram
Kothi No. 67, Sector 28A Chandigarh,
Shri Vishwa Mitter
S/o Shri Hari Ram through GPA
Sh. Jagdish Mitter S/o Sh. Hari Ram
R/o Kothi No. 67, Sector 28-A,
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) The Panchsheel Co-operative House Building Society
Ltd. (Regd.),
Village Rampur Kalan Sub-Teh.
Dera Bassi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Bighas at Village Rampur Kalan Sub-
Teh. Dera Bassi.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1469 of
February, 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 8-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. DBS/41/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 6 Bighas, situated at Village Rampur Kalan, Sub-Teh. Dera Bassi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dera Bassi in February, 1985

- (1) Shri Jagdish Mitter
S/o Shri Hari Ram
r/o Kotli No. 67, Sector 28-A, Chandigarh.
Shri Vishwa Mitter
S/o Shri Hari Ram
through GPA, Shri Jagdish Mitter S/o
Shri Hari Ram
R/o Kotli No. 67, Sector 28-A,
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) The Panchsheel Co-operative House Building Society Ltd. (Regd.),
Village Rampur Kalan Sub-Teh.
Dera Bassi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Bighas at Village Rampur Kalan Sub-Teh. Dera Bassi.
(The property is mentioned in the sale deed No. 1462 of February, 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 8-10-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE,
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. DBS/32/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 6 Bighas, situated at Village Rampur Kalan, Sub-Teh. Dera Bassi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Dera Bassi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Jagdish Mitter
S/o Shri Hari Ram
For self and GPA of
Shri Vishwa Mitter
S/o Shri Hari Ram
R/o Kothi No. 67, Sector 28-A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) The Panchsheel Co-operative House Building Society
Ltd. (Regd.),
Village Rampur Kalan Sub-Teh.
Dera Bassi.

(2) Rathindra Vir Singh H.U.F. of 57/4, Ballyganj
Circular Road, Calcutta-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of receipt of the notice by the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bighas at Village Rampur Kalan Sub-Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1495 of February, 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 8-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. DBS/31/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rang, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 6 Bighas, situated at Village Rampur Kalan, Sub-Teh. Dera Bassi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
49—346GI/85

- (1) Shri Jagdish Mitter
S/o Shri Hari Ram
For self and GPA of
Shri Vishwa Mitter
S/o Shri Hari Ram
R/o Kothi No. 67, Sector 28-A,
Chandigarh.
(Transferor)
- (2) The Panchshcel Co-operative House Building Society
Ltd. (Regd.),
Village Rampur Kalan Sub-Teh.
Dera Bassi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bighas at Village Rampur Kalan Sub-Teh. Dera Bassi.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1495 of February, 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 8-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. PTA/53/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
House No. 3153/3 situated at Dharampura Bazar, Patiala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Patiala in Feb., 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this Notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :

- (1) Smt. Rukmani Devi
W/o Shri Raj Kumar Goyal,
R/o 67, Panjabi Bagh,
Patiala, (Transferor)
- (2) Smt. Inder Kaur
W/o Shri S. Sujan Singh,
R/o 6436 1, Guru Nanak Nagar,
Near T. B. Hospital,
Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3153/3, Dharampura Bazar, Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4609 of
Feb., 1985 of the Registering Authority, Patiala.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 10/10 1985
Seal ;

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. PTA/52/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing House No. 3152-3153-3 situated at Dharampura Bazar, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rukmani Devi
W/o Shri Raj Kumar Goyal,
R/o 67, Panjabi Bagh,
Patiala, (Transferor)
- (2) Smt. Inder Kaur
W/o Shri S. Sujan Singh,
R/o 6436-1, Guru Nanak Nagar,
Near T. B. Hospital,
Patiala. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, **whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3152-3153-1, Dharampura Bazar, Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4587 of Feb., 1985 of the Registering Authority, Patiala.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 10/10/1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. DBS/1/85-86.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Holding No. 264 (part), circle No. 262, ward Land measuring 33B, 14B situated at Vill. Sheikhpura, Sub. Teh. Dera Bassi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Sat Pal,
Ramesh Kumar,
Ashwani Kumar,
Sukhdev Kumar,
Sushil Kumar
S/o Sh. Chattar Sain,
R/o Dera Bassi.

(Transferor)

- (2) The Sheikhpura Khurd Co-op
House Building Society,
Sekhupura Khurd now
at H. No. 1860, Sec. 34-D,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 33B, 14B at Vill. Sheikhpura Sub. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 149 of April, 1985, of the Registering Authority, Dera Bassi.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 10/10/1985
Seal :

FORM LT.N.B.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. DBS/36/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. B-128 Hold-Land measuring 33B, 14B situated at Vill. Sheikhpura, Sub. Teh. Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Sat Pal,
Ramesh Kumar,
Ashwani Kumar,
Sukhdev Kumar,
Sushil Kumar
Ss/o Sh. Chatter Sain,
R/o Dera Bassi.

(Transferor)

(2) The Sheikhpura Khurd Co-op
House Building Society,
Sekhpura Khurd now
at H. No. 1860, Sec. 34-D,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 33B, 14B at Vill. Sheikhpura Sub. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 149 of April, 1985, of the Registering Authority, Dera Bassi.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10/10/1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. KHR 100/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1133 situated at Phase, V, Mohali, Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Amrit Lal Sharma
S/o Shri Avinasi Ram,
R/o H. No. 455, Sector 15A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Mohanjit Singh
S/o Shri S. Charanjit Singh,
R/o 11, Mathura Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1133, Phase V, Mohali, Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4558 of Feb., 85 of the Registering Authority, Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 10/10/1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th October 1985

Ref. No. LDH/650/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 share Property No. B-35-7 '21B situated at Bhai Randhir Singh Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bachni Devi
W/o Shri Brij Lal,
R/o 51A, Naulakha Garden Colony,
Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Gursinder Kaur
W/o Dr. Ajit Singh Dhatt,
R/o 9/48, Pb. Agri. University,
Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of Property No. B-35-7 '21B, Bhai Randhir Singh Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No 11662 of Feb., 85 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 7-10-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. LDH/608/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing No.

1/4 share of H. No. B-19-327-B situated at Dr. Sham Singh Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhushan Kumar
S/o Sh. Panna Lal
B-XIX-327-B,
Dr. Sham Singh Road,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Shri Dev Jain
S/o Sh. Sawan Mal Jain
H. No. 773, Mochpura,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-19-327B, Or. Sham Singh Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 11023 of Feb., 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
LudhianaDate : 8-10-1985
Seal

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. LDH/623/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4 share of H. No. B-19-327B situated at Dr. Sham Singh Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons:

(1) Sh. Bhushan Kumar
S/o Sh. Panga Lal
R/o H. No. B-19-327B,
Dr. Sham Singh Road,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Tarsem Jain
W/o Sh. Shri Dev Jain
R/o 773, Mochpura,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-19-327B, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 11184 of Feb. 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 8-10-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. IDH/615-84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4 share of H. No. B-19-327B situated at Dr. Sham Singh Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Ludhiana in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is not truly stated between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhushan Kumar
S/o Sh. Panna Lal
R/o H. No. B-XIX-327B,
Dr. Sham Singh Road,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Shri Dev Jain
S/o. Sh. Swaran Mal
R/o 773, Mochpura,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-19-327B, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 11121 of Feb. 1985, of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 8-10-1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. LDH/610/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1/4 share of H. No. B-19-327B situated at Dr. Sham Singh
Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred at per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Ludhiana in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer, and/
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Bhushan Kumar
So Sh. Panna Lal
R/o H. No. B-XIX-327B,
Dr. Sham Singh Road,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Tarsem Jain
W/o Shri Shri Dev Jain
R/o H. No. 773,
Mochpura,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned . . .

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-19-327B, Dr. Sham Singh Road,
Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No.
11040 of Feb. 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 8-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. LDH/581/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Cold storage building with Land 8K 4M situated at Tarf Karabara, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Kissan Cold Storage,
G. T. Road, Bye Pass,
Vill. Karabara, Ludhiana,
through S. Palwinder Singh
S/o Sh. Gurcharan Singh
Sd. Preet Mohinder Singh
S/o S. Gurcharan Singh
R/o Vill. Sekhowal,
Teh. & Distt. Ludhiana.
Smt. Amarjit Kaur
W/o S. Ranjodh Singh
R/o Vill. Heera,
Teh. & Distt. Ludhiana.
S. Jagir Singh
S/o S. Chet Singh
R/o 146, Miller Ganj,
Ludhiana.
S. Kulwinder Singh
S/o S. Arjan Singh
R/o 447, Vijay Nagar Indl. Area,
Ludhiana.

(Transferor)

- (2) S. Avtar Singh & Sons (HUF)
Smt. Swarn Kaur
W/o S. Avtar Singh
Gurcharan Singh & Sons (HUF) &
Smt. Joginder Kaur
W/o S. Gurcharan Singh
All R/o 77-B, Udham Singh Nagar,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cold storage building with Land 8K 4M at Tarf Karabara, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 10828 of Feb. 1985, of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 8-10-1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 11th October 1985

Ref. No. LDH/657/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 150-C situated at Kitchlew Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Inder Mohan Verma
S/o Sh. Anand Saroop,
150-C, Kitchlew Nagar,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Manmohan Singh
S/o S. Mehar Singh &
Smt. Preet Inder Kaur
W/o S. Manmohan Singh,
R/o 150-C, Kitchlew Nagar,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 150-C, Kitchlew Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 11781 of February, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 11-10-1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. LDH//607, 84-85.—Whereas I,
JOGINDER SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
Rs. 1,00,000/- and bearing No.1/8th share of H. No. B-1-982/2, situated at Opp. Police
Line, Civil Lines, Ludhiana(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Ludhiana in Feb., 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any Income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Sh. Om Parkash
S/o Sh. Amar Nath
R/o 982/2, Opp. Police Lines,
Civil Lines,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Saran Dass
So Sh. Telu Ram Gupta
R/o H. No. B-1-982/2,
Opp. Police Lines,
Civil Lines,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines, Civil
Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 11011 of
Feb. 85, of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 8-10-1985
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA.

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. LDH/674 84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 1/8th share of H. No. B-1-9822, Opp. Police Lines, situated at Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Mangal Dass
S/o Sh. Amar Nath
R/o H. No. 982/2,
Opp. Police Lines,
Civil Lines,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Saran Dass Gupta
S/o Sh. Telu Ram Gupta
R/o H. No. B-1-982/2,
Opp. Police Lines,
Civil Lines,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12004 of Feb. 85, of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 8-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. 11DH/673/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1/8th share of H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines situated at Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Lali: Kumar
S/o Sh. Amar Nath
R/o H. No. 982/2,
Opp. Police Lines,
Civil Lines,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Saran Dass Gupta
S/o Sh. Telu Ram Gupta
R/o H. No. B-1-982/2,
Opp. Police Lines,
Civil Lines,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12003 of Feb. 85, of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 8-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. IDH/607A/84-85.—Whereas, I,

JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/8th share of H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
51—346GI/85

(1) Sudesh Rani D/o. Shri Amar Nath
r/o 982-2, Opp. Police Lines,
Civil Lines,
Ludhiana.

(2) Shri Ram Saran Dass Gupta
s/o. Shri Telu Ram Gupta r/o H. No. B-1-982/2,
Opp. Police Lines,
Civil Lines,
Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of H. No. B-1-982/2 Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 11037 of Feb. 1985, of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 8.10.1985.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. LDH/141/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1/8th share of H. No. B-I-982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Ludhiana in May 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Ashwani Kumar s/o Shri Amar Nath r/o 982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

(2) Shri. Ashwani Kumar s/o Shri Ram Saran Dass r/o H. No. B-I-982-2, Opp. Police Lines, Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of H. No. B-I-982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1623 of May 85 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 8.10.1985.
Seal :

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. 1 DII. 606/84-85.—Whereas, J. JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

1/8th share of H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the and transferor(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kamlesh Rani w/o Sh. Dharam Pal r/o 982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

(2) Shri Ram Saran Dass Gupta s/o Sh. Telu Ram Gupta r/o H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 11010 of Feb. 85, of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 8.10.1985.

Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th September 1985

Ref. No. LDH/588/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.Portion of H. No. B-XXI-8/A, situated at Industrial Area, B,
Ludhiana(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) Shri Gurdip Singh S/o S. Devinder Singh,
r/o 1102, Harnam Nagar, Ludhiana,
through GPA, Shri Devinder Singh S/o
Shri. Shalig Ram,
r/o 1102, Harnam Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Smt. Parminder Kaur w/o S. Balwant Singh,
r/o 1102, Harnam Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XAX of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. B-XXI-8/A, Industrial Area, B, Ludhiana
(The property as mentioned in the sale deed No. 10924 of
February 1985, of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 10th September 1985

Ref. No. LDH/587/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Portion of H. No. B-XXI-8/A, situated at Industrial Area, B,
Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Ludhiana in February, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Gurdip Singh s/o S. Devinder Singh,
r/o 1102, Harnam Nagar, Ludhiana,
through S. Devinder Singh s/o Shri Salig Ram,
r/o 1102, Harnam Nagar, Ludhiana. (Transferor)

- (2) Smt. Narinder Kaur w/o S. Amarjit Singh,
r/o 1102, Harnam Nagar, Ludhiana. (Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.**

THE SCHEDULE

Portion of H. No. B-XXI-8/A, Industrial Area, B, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 10923 of
February 1985, of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S. _____

(1) M/s Parjat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,
170, R. N. T. Marg, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Asgar S. Abbasi, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 15th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Reference No. IAC/Acq/Bpl/6024.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 22 (Ground floor) Jhabua Tower, 170, R. N. T.
Marg, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Bhopal in February, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 22 (Ground floor), Jhabua Towers is situated at
R. N. T. Marg, Indore.S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aayakar Bhawan, Opp. Maida Mill
Hoshangabad Road, BhopalNow, therefore, in pursuance of Section 269G of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

Date : 15-10-1985

Seal :

FORM TINS

(1) Shri Kaushik S/o. Ramji Singh Holkar,
F/o 13, A. Bhawanipur Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Shiromani W/o Vimalchandji Jain,
63, Peergani, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5963.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 2, situated at Meerapath, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer
at Indore on February, 1985
for an amount consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2, Meerapath is situated at Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5964.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 150-B situated at Nemy Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Manoramabai
W/o Shri Narendrakumar Patodi,
R/o 301, Usha Nagar, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Shantikumar Jain,
S/o Vimalchand Jain,
R/o 191, Bhawani Marg, Sanawad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 150-B, Nemy Nagar, (Iain Colony) is situated at Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5965.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bhoomy Kh. No. 26 situated at Gram Lasoodia Mory, Teh. & Distt. Indore (M.P.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore (M.P.) in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
52—346GI/85

- (1) Shri Rameshchandra,
S/o Jagnath Sharma,
R/o Gram Lassodiamory, Teh. & Distt. Indore.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Ramkumar Agarwal & sons (H.U.F.),
through karta Ramkumar,
S/o Jayalalji Agarwal,
2. Dharmapal Agarwal & sons (H.U.F.),
through karta Dharmapal,
S/o Ramkumar Agarwal,
R/o 354, Saketh Nagar, Indore (M.P.).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land Kh. No. 26, is situated at Village Lasoodiamory, Indore (M.P.). This is an immovable property and its complete details given in form No. 37G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5966.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 43 situated at Subhash Nagar Colony, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Major Mahashankar Mehra,
S/o Shri Lala Dhirajramji Mehra,
Principal of Bareli College,
R/o Bareli College Compound, U.P.,
At present Ujjain. (Transferor)
- (2) Smt. Devibai W/o Jethanandji Sahalaji
R/o 32. Mahakal Sindhi Colony, Ujjain. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 43 is situated at Subash Nagar Colony, Lal Bahadur Shastri Marg, Samver Road, Ujjain.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Old Bldg. No. 416, New No. 604
situated at Mahatma Gandhi Marg, Indore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer
at Indore on February 1985
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Sharadadevi
W/o Gopalsingh Chouhan,
R/o Bldg. No. 604,
Mahatma Gandhi Marg, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Shail Kumari,
W/o Shrikant Jain,
R/o 601, Mahatma Gandhi Marg, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old Bldg. No. 416 and New No. 604 is situated at
Mahatma Gandhi Marg, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date :14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/5968.—Whereas I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. No. 85, (old) New No. 109 situated at Joony Kasera Bakhel, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Krishnabai
W/o Shri Govindlalji Nema,
R/o Dharpuri, Distt :
Dhar through Govindlal
S/o Dhannalalji Nema,
R/o Village Dharpuri, Dhar.

(Transferor)

- (2) Smt. Rajkumari bhai,
W/o Shri Ramanlalji Jain,
(Ambola) R/o 22,
Bada Sarafa, Indore (MP)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. No. 85, old and New No. 109 is situated at Joony Kasera Bakhel, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date :14-10-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Lajvantibai
W/o Shri Gopaldas Motwani,
R/o 18, Rajeshnagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Sushma
W/o Radhakishan
R/o 517, Jeevandeep Colony, Indore (MP)
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/5969.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. building constructed at plot No. 345 situated at Saketh Nagar, Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bldg. constructed on Plot No. 345 is situated at Saketh Nagar, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date :14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5970.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. building constructed at plot No. 345 situated at Saketh Nagar, Indore. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February 1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Lajwanti Bai
W/o Shri Gopaldas Motwani,
R/o 18, Rajeshnagar,
Nandlalpura, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ashok kumar
S/o Dayaramji Nawlani,
R/o 8, Roopramnagar,
Indore (MP)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building constructed on plot No. 345, is situated at Saket Nagar, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/AcqR./Bpl./5971.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building No. 41, Plot No. 6, Gali No. 4, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Bhanukumar
S/o Kiranmal
2. Asha W/o Manmohanlal
3. Sakuntala W/o Prehladhadas Goyal
4. Krishnakumar
W/o Ramswaroopji all partners of
M/s. Vijayshree Construction Co., 419, Bholagali
Mahu through: Monzy
Smt. Asha W/o Manmohan Agarwal,
R/o 10 Sikh Mohalla,
Indore (MP)

(Transferor)

(2) Giyauddin S/o
Ahmad Ali Chouhani,
R/o 7/4, Snehlatajanj. Indore (MP)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Bldg. No. 41, flat No. 6, Gali No. 4 is situated at Snehlatajanj, Indore (MP).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date :14-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5972.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 16 Ka Plot situated at Agarwal Nagar, Nai Bhoomy, Indore (MP) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Radheshyam,
S/o Manekchandji and
Smt. Snehlata W/o
Radheshyamji, R/o 12/2,
Parsy Mohalla,
Indore (MP).

(Transferor)

(2) Shri Govind kumar and Ramdas
S/o Shri Vishanlalji Singhal
109, Siaganj, Indore (MP)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16 is situated at Agarwal Nagar Nai Bhoomy, Indore (MP).

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date :14-10-1985

Seal :

FORM ITN9

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5973.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Building constructed on Plot No. 345
situated at Saketh Nagar, Indore
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Indore on February 1985
for an apparent consideration which is less than the fair-
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

53—346GI/85

- (1) Smt. Lajvanti bai
W/o Shri Gopal Das Motwani,
R/o 18, Rajeshnagar, Nandlalpura,
Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Kanta
W/o Rajendrakumar Thotiya,
R/o 187, Sakethnagar,
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette, or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in the Chapter XXXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building constructed on plot No. 345, is situated at Saket-
nagar, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5974.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 23,

situated at Vasudev Nagar Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sadaashiv Ramchandra Kher,
Kherwada, Lodhipura Street No. 1,
Indore,
Permanent address :—
A/10, Model Town Housing Co. Society,
Juhu Vile Parle,
Development Scheme, Gulmohar Cross Road,
Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Arvind Krishnaraj Puranik,
55/1, Snehalataganj,
Indore (MP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 23, is situated at Vasudev Nagar, Colony Indore (MP).

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5975.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
Office No. 424, Panchratna Bldg. situated at Opera House
Rs. 1,00,000/- and bearing
Building No. 25/807,
situated at Rajendraprasad Colony, Tansen Road, Gwalior
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Gwalior on February 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Haridatta Singh
S/o Shri Pooransingh Barar,
R/o Dr. Rajendraprasad Colony,
Gwalior. (Transferor)
- (2) Shri Narayansingh
S/o Vishwansingh,
R/o Gtiadge Ki Ghot, Daulatganj, Lashkar.
Gwalior (MP). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 25/807 is situated at Rajendraprasad Colony,
Tansen Road, Gwalior (MP).

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal. the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5976.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6 (Multistoreyed) situated at 4, Kailash Park, Indore (MP), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections namely:—

- (1) Shri Sainath Apartment through Attorney Premchand Macanlal, 46, M. G. Road, Indore (MP).

(Transferor)

- (2) 1. Mahipal Gendmalji Jain,
2. Sishupal Gendmalji Jain,
R/o Kailash Park, Indore (MP).

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6. is situated at Kailash Park Indore (MP).

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jer V. Contractor,
Neemuch.

(Transferor)

(2) Shri Bhanwarlal Akran
S/o Badrimal Akran,
Neemuch.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. n./5977.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bungalow No. 47, Tiled roof Building situated at Neemuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Neemuch on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated, in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bungalow No. 47, tiled roof building is situated at Neemuch

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5978.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 150 B, situated at Neminagar (Jain Colony) Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Manorma Bai
W/o Shri Narendrakumar Patodi,
R/o 301, Ujanagar,
Indore. (Transferor)
- (2) Shri Vimalchand Porwar (Jain)
S/o Shri Chhajulali,
R/o 22/1, Barathi Colony,
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 150-B, is situated at Neminagar (Jain Colony) Indore. The details of the immovable property is given in form No. 37G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 10-10-1985
Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. n./Bpl./5979.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bhoomy Survey No. 462/1/1 situated at Gram Akaladoona (Dighan) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhar on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ranchod
S/o Shri Ambaraj.
Kulmi R/o Akaladoona Dighan.
Teh. and Dist. Dhar.

(Transferor)

(2) Indore Labour Private Ltd.
Foreign Liquor Unit,
Dr. Shri M. M. Newatiya etc.
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhoomy Survey No. 462/1/1, is situated at Gram Akaladoona (Dighan) Teh. & Dist. Dhar. The details of immovable property is given in form No. 37G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Seal :

~~FORM FINS~~NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5980.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land Survey No. 1737
situated at Hira Mill Road, Ujjain
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Ujjain on Feb. 85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
consideration for such transfer as agreed to between the par-
ties has not been truly stated in the said instrument of trans-
fer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
ing persons, namely :—

- (1) Smt. Divyabai
W/o Gunwant Adhyapak
Madhav Nagar, Ujjain
(2) Kallashchandra
S/o Shantilal Shah,
R/o Nagda
(3) Ashok Kumar
S/o Shantilal Shah,
R/o Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Pushpabai
W/o Mohanlal
R/o Begumpura.
2. Manorama Bai
W/o Jeetmal
R/o Begumpura.
3. Basantibai
W/o Gopal Krishna,
R/o Begumpura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 1737 is situated at Hira Mill Road,
Ujjain (Industrial Area). This is the immovable property
which has been described in form No. 37-G, duly verified
by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

- (1) Shri Krishnaraj
S/o Gopaldasil Kheemji Gujrati Bhaetia
R/o 67, University Marg,
Ujjain. (Transferor)
- (2) Shri Rakesh Kumar Bhargav
S/o Shri Kailash Prasad Bhargav,
R/o 38, Ramprasad Bhargav Marg,
Ujjain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5981.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 67 (Part thereof)
situated at University Marg, Dewas Road, Ujjain
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Ujjain on Feb.' 85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
54—346G1/85

THE SCHEDULE

House No. 67, (Part thereof) is situated at University
Marg, Dewas Road, Ujjain. This is the immovable prop-
erty which has been described in form No. 37-G, duly veri-
fied by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5982.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 60/1
situated at University Marg, Abad Nagar Colony, Dewas
Road, Ujjain
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ujjain on Feb. 85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Mehraj Mohammed
S/o Shri Taj Mohdji Choudhary,
R/o 151, Chandrasekhar Azad Marg,
Ujjain. (Transferor)
- (2) Shri Thansukhlal
S/o Shri Soubhagmalji Talati
R/o Saraswati Niwas, Freeganj,
Ujjain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the official Gazette or a period of
30 days from the service of notice, on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 60/1 is situated at University Marg, Azad
Nagar colony, Dewas Road, Ujjain.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5983.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 50/1 situated at Madhav Nagar, Freegani, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ujjain on Feb.' 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jawaharlal S/o
Shri Shankerlalji Jain
R/o Kamla Nehru Marg. Freegani,
Ujjain. (Transferor)
- (2) Shri Kunwar Sen S/o
Shri Musadhilalji Gupta,
R/o Irrigation colony, Ramtekri,
Mandsaur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 50/1 is situated at Madhav Nagar, Freegani, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. 1AC/Acq./Bpl./5984.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House (New No. 50/1 (Old No. 6/407) situated at Varuchi Marg, Madhav Nagar, Freeganj, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ujjain on Feb. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jawaharlal S/o
Shri Shankerlalji Jain
R/o Kamla Nehru Marg, Freeganj,
Ujjain. (Transferor)
- (2) Smt. Usha Gupta W/o
Shri Kunwarsenji Gupta
R/o Yashodhan Marg, Ramtekri, Mandasaur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 50/1 (Old No. 6/407) is situated at Varuchi Marg, Madhav Nagar Freeganj, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 15 October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5985.—Wherease, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Old Bldg. No. 159, New No. 126 to 126/1, situated at Gurunanak ward, Katni (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Natwarlal,
S/o Shri Chandulal Patel,
Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar,
S/o Sohanlal Kukkal,
Malviyganj, Katni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Old Bldg. No 159, and New No. 126 to 126/1,
Gurunanak ward is situated at Katni.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 15-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC[Acqn.]Bpl:[5986.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Old Bldg. No. 159, New No. 126 to 126/1, situated at Gurunanak ward, Katni (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Katni on February 1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Yateenkumar,
S/o Govindlal Patel,
Through Govindlal Patel,
S/o Manilal Patel,
Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Sugandhibai,
W/o Sureshchand Jain, Mandla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old Bldg. No. 159, New No. 126 to 126/1 is situated at Gurunanak ward, Katni.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 14-10-1985.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5987.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and
bearing No.
Bhhomy Kh. No. 290,
situated at Moja Saveli, Distt. Chhindwara.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Sausar on February 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri Manikrao
S/o Gangaram Mankar,
R/o Saveli, Teh. Sausar,
Distt. Chhindwara.

(Transferor)

- (2) M/s. Bajaj Steel Industries
Pvt. Ltd., Head Office Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhhomy Kh. No. 290, Moja Saveli, Teh. Sausar is situa-
ted at Saveli Distt. Cindwara. This is an immovable property
and its complete details are given in form No. 37 G, duly
verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 14-10-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5988.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 25/1 Sausar on February 1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sausar on February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Devakinandan
S/o Narayandas Paliwal,
R/o Baghoda, Teh. Sausar,
Distt. Chhindwara.

(Transferor)

(2) M/s. Bajaj Steel Industries Pvt. Ltd.,
Head Office, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhhomy Kh. No. 25/1, Moja Baghoda, is situated at Distt. Chindwara. This is an immovable property and its complete details are given in from No. 37 G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 14-10-1985.
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5989.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bhoomy Kh. No. 2, situated at Moja Baghoda, Teh. Sausar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sausar, on February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

55—346GI/85

(1) Shri Santhush Panjiya,
S/o Raghunath Karokar,
R/o Samvali, Teh.
Sausar, Distt. Chindwara.

(Transferor)

(2) M/s. Bajaj Steel Industries, (Pvt.)
Ltd., Head Office Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhoomy Kh. No. 2, Moja Baghoda, Teh. Sausar is situated at Chindwara. This is an immoveable property and its complete details given in form No. 37G., duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 14-10-1985.

Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) Shri Neeleshkumar
S/o Shri Kantilal, Napier
Town, Jabalpur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Rajendrakumar
S/o Parmanand Jain,
Bhaldarpura, Jabalpur,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5990.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Old Bldg. No. 159, New No. 126 to 126/1,
situated at Gurunanak ward, Katni,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Katni on February 1985.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Old Bldg. No. 159, New No. 126 to 126/1 is situated at
Gurunanak ward, Katni.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5991.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 25, Najool Plot No. 14, situated at Civil Line, Jabalpur.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur, on February 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Nagender Singh,
S/o Shri Belasingh, Power of attorney through Shri Sukhdarshan Singh, 1353, Madan Mahal, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Keshavprasad Yadav,
S/o Umrao Yadav,
Pachpedi, South Civil Line, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 25, Najool Plot No. 14, Block No. 35 is situated at Pachpedi, South Civil Lines, Jabalpur.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 14-10-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. n./Bpl./5992.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 67, situated at E-7, Arera Colony, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. J. Sharma
S/o K. L. Sharma, through
K. D. Sharma,
S/o K. L. Sharma,
R/o Retd. I.G.P. 13-C,
E-7, Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

- (2) Shri Janak Raj Dughal
S/o valraj Dughal,
R/o Vaghira Apartment,
Arera Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 67, E-7, Arera Colony, is situated at Bhopal.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 15-10-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. /Bpl. /5993.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing bearing No. Flat No. 3, situated at Civil Line, Jabalpur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur, on February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. Mehta Investment & Finance Jabalpur Prop.
Shri Dileep Mehta,
S/o Shri Dhirjilal Mehta,
Civil lines, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) Shri Tej Singh Singatwaria
S/o Shri Hajarilal Singatwaria,
Pachparhi, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Building No. 402/2 & 402/3 is situated at Civil Lines, Jabalpur.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 15-10-1985
Sent :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5994.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property
bearing No.
Property,
situated at Raipur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Raipur on February 1985.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Shri Sharad Kumar Aggarwal,
S/o Shri Shankarlal Agarwal,
Nehru ward,
Bhatapara, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Vishveshraiya Agarwal,
S/o Shri Suriyavanshi
lal Agarwal,
Puranivasthi, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property is situated at Raipur.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 15-10-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 15 October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5995.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 25, situated at C-Sector, Kohafiza, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Pavi Chandwani
W/o Avatramji Chandwani,
Ashok Colony,
Noor Mahal, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Shantidevi
W/o Shri Chunnilal, 2,
Kaushalya Devi, W/o
Shri Kumar Adwani,
R/o 50/59 A, Bairagarh,
Bhopal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 25, C-Sector, Kohafiza is situated at Bhopal. This is an immoveable property and its complete details are given in Form No. 37G, duly verified by the Transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn. Bpl./5996.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and
bearing No.Bldg. No. 593/3 (old) New No. 593/3/3A,
situated at Moja Kachpura, Ranidurgavati, Jabalpur.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Jabalpur on February 1985.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Vavant Mahajan, S/o late Shri
Narayanrao Mahajan,
Ranidurgavati, Jabalpur. (Transferor)
- (2) Shri Murlidhar Dube, S/o
Shri Mukundilal
Dube, R/o
Jabalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Old bldg. No. 593/3 and New No. 593/3/3A, Moja
Kachpura, N.B. 501, Ranidurgavati, Jabalpur. This is an
immoveable property and its complete details are given in
Form No. 37G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 15-10-1985
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/5997.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Plot No. 34D situated at Kohefiza, Bhopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bhopal on February, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Priyamvada Shrivastava
W/o Shri K. K. Shrivastava,
Through Dr. Pathanjali Shrivastava,
Govt. Quarter F-2, Utai Durg,
Teh. Durg. (Transferor)
- (2) Smt. Urmila Jain
W/o Dr. D. K. Jain,
Resident of Behind Taliya
Near Police Station,
73, Bhagwansahay Marg,
Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 34D, Kohefiza is situated at Bhopal.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—
56—346GI/85

Date : 15-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5998.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 433, Sheet No. 274 situated at
Moja Ghorakpur Distt. Jabalpur
(and more fully described in the Schedule hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jabalpur on February, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

(1) Smt. Ranjit Kaur
W/o Sardar Kuldip Singh
R/o 110/N, Ghorakpur Ward,
Jabalpur,

(Transferor)

(2) Shri K. L. Thantuvay
S/o Harlal,
R/o 41, Shankar Bagh,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 433, Sheet No. 274, is situated at Moja Ghorakpur
Teh. & Distt. Jabalpur.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills
Bhopal

Date : 15-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5999.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 47, Building No. 647 situated at Ganganagar, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur, on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prithalal Majumdar
S/o Shri Satishchandra Majumdar,
Theatre Road, D.N.D.,
Circuit Colony, Cant,
Jabalpur,

(Transferor)

- (2) Shri Rameshkumar
S/o Shri H. P. Shrivastava
R/o 47, Ganganagar Colony, Ghada,
Jabalpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 47, Building No. 647, is situated at Ganganagar, Jabalpur.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date : 15-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6000.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 198, Scheme No. 6, situated at Sanjeevani Nagar, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sunitha Dabu
W/o Late Shri Vasantaram Chandra Dabu and
Manjali Dabu,
2. Abay Dabu
3. Mohan Dabu
Sons of Shri Vasant Dabu and
Mother Smt. Sunitha Dhabu and
Smt. Sunitha Devi on behalf of
Shri Suresh Dabu,
R/o Pratapnagar, Nagpur,
Present at Jabalpur.

(Transferor)

- (2) Shri P. C. Padhey
S/o Shri C. M. Padhey,
R/o Sanjeevani Nagar,
Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

THE SCHEDULE

Plot No. 198, Scheme No. 6, Sanjeevani Nagar, is situated at Jabalpur.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date : 15-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th October 1985

(1) M/s. United Tyres (Indore) (P) Ltd.,
through Managing Director
Mr. K. Vijayan Nair
S/o Mr. M. R. Nayar,
11/4, Old Palasia,
Indore.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Mohandevi
W/o Mohanlal Meliwal &
2. Smt. Shakuntaladevi
W/o Mohanlal Meliwal
R/o 107, Kailash Park Colony,
Indore.

(Transferee)

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6001.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 5/5B situated at Manoramaganj, Rajgarh Kothi (Navraan Bagh Marg), Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 5/5-B is situated at Manoramaganj, Rajgarh Kothi (Navraan Bagh Marg), Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC Acqn./Bpl./6001.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 5/5B situated at Manoramaganj, Rujgarh Kothi (Navraan Bagh Marg), Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. United Tyres (Indore) (P) Ltd.,
through Managing Director
Mr. K. Vijayan Nair
S/o Mr. M. R. Nayar,
11/4, Old Palasia,
Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Mohandevi
W/o Mohanlal Meliwal &
2. Smt. Shakuntaladevi
W/o Mohanlal Meliwal
R/o 107, Kailash Park Colony,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5/5-B is situated at Manoramaganj, Rujgarh Kothi (Navraan Bagh Marg), Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqui./Bpl./6002.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 4/1264 (New No. 25) situated at Kanhaiyalal Manana Marg, Gali No. 1, Shanti Nath Mandir, Gali Dabri Pitha, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Digambar Jain Mandir Trust,
Namak Mandi, Ujjain
Through Trustees—
Satyandher Kumar Sethi
S/o Fatehlalji Sethi
R/o Kshirsagar, Ujjain.
2. Shri Tejkarani Bangdiya
S/o Pyarchandji Bangdiya,
R/o Nai Peeth,
Ujjain.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Shantilal
S/o Rajmalji Jain,
2. Shri Jayantilal
S/o Rajmalji Jain,
3. Sudhir Kumar
S/o Shantilal Jain
4. Atul Kumar
S/o Shantilal Jain
R/o Kalaseri, Ujjain.
Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires first.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4/1264 (New No. 25) is situated at Kanhaiyalal Manana Marg, Gali No. 1, Shantinath Ka Mandir, Gali Dabri Pitha, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Income tax Building,
Near Central Flour Mills,
Bhopal

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th October 1985

(1) Shri Dhansingh
S/o Shri Kashi Ram
R/o Narela Shankeri, Teh. Huzur,
Bhopal.

(Transferor)

(2) Chattarasal Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit,
Bhel, Bhopal,
Through President :
Shri Gandharv Singh
S/o Shri Ganesh Singh,
227, C-3, Sector-B, Piplani,
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC[Acqn.]Bpl.[6003.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land Kh. No. 197/1, 297/197/1, 170, 194, situated at
Village Narela Shankeri, Teh. Huzur, Bhopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bhopal on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Land Kh. No. 197/1, 297/197/1, 170, 194 is situated at
Village Shankeri, Teh. Huzur, Dist. Bhopal. This is the
immovable property which has been described in form No.
37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITN(1) Shri Ashok Kumar Jain,
Satna.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Veghela
S/o Mr. Chatarsingh Dolatsingh Vaghela,
2325, Wright Town,
Jabalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6004.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 307, 309, 310 & 311 (Satna Building) situated at W.R. Gole Bazar, Ganjipura, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. Nos. 307, 309, 310 & 311 (Satna Building) is situated at W.R. Gole Bazar, Ganjipura, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Narendra Kumar Shrivastava (Professor),
G. S. College, Wright Town,
Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6005.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 690 situated at Sanjiwani Nagar, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
57—346G/85

- (2) 1. Miss Mithlesh
D/o Shri Prayaglal Shukla,
2. Shri Prayaglal Pathak
S/o Shri Radheyshyam Pathak
R/o Mauja Dhanpura, Teh. Lakhnadon,
Distt. Seoni.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 690 is situated at Sanjiwani Nagar, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date : 15-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acon./Bpl/6006.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Survey No. 172 situated at Village Barbed, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Timanna
S/o Narsinghji
R/o Chandra Bhavan, Goahala Road,
Ratlam.

(Transferor)

- (2) M/s. Jayant Vitamins Ltd.,
Industrial Area, Dosigaon,
Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land survey No. 172 is situated at Village Barbed, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Income-tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6007.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
H. No. 63, Triveni Extension Colony, situated at Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on February, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Bhanwarlal Dagdi
S/o Shri Baldev Dagdi,
R/o H. No. 78, Radha Nagar Colony,
Indore. (Transferor)
- (2) Shri Hasanand Jetwani
S/o Shri Batumal Jetwani,
R/o 63, Triveni Extension Colony,
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 63 is situated at Triveni Extension Colony, Indore.
This is the immovable property which has been described in
form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Income-tax Building,
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acqu.Bpl./6008.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House and office on plot No. 7B (H. No. 123/1) situated at Labria Bharu, Dhar Road, Indore (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jaimalsingh
S/o Shri Jeevandmal
R/o 86/1, Raj Mohalla,
Indore. (Transferor)
- (2) Shri Hakimuddin
S/o Shri Nazar Hussain
Shri Iqbal Hussain
S/o Shri Nazar Hussain
R/o Labriya Bheru, Dhar Road,
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; .
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 123/1 is situated at Labriya Bheru, Dhar Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6009.—Whereas I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Property (House, Office, tin shed etc. situated at on plot No.
7A) bearing No. 123/1, Labria Bheru, Dhar Road, Indore
situated at Indore (and more fully described in the Schedule
annexed hereto),
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering office at
Indore on Feb. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Vidyawati W/o Shri Jaimal Singh,
R/o 86/1, Raj Mohalla, Indore. (Transferor)
- (2) 1. Shri Hakimuddin S/o Nazar Hussain
2. Iqbal Hussain S/o Nazar Hussain,
Labria Bheru, Dhar Road, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property (House, office, tinshed etc.) No. 123/1 on plot
No. 7A is situated at Labria Bheru, Dhar Road, Indore. This
is the immovable property which has been described in form
No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Tulsidas S/o Shri Tikamdasji Hinduja
R/o 72, Shrinagar colony, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Chand Devi W/o late Shri Ramgopalji
Vijayvargiya R/o 2, Anandeshwar Gali, Dhar. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6010.—Whereas I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing M. H. No. 72, Shrinagar colony, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M. H. No. 72 is situated at Shrinagar colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6011.—Whereas I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
House Municipal No. 73 situated at Mohalla Chandni Chowk,
Ratlam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Indian Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Office at
Ratlam on Feb. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Kantilal S/o Keshimal Jhalani through
Attorney Umesh Chand S/o Kantilal Jhalani,
71, Chhota Sarafa, Ujjain. (Transferor)
(2) Shri Rajendra Kumar Samrathmal Chouradia,
Karta Shri Rajindra Kumar,
60, Chandni Chowk, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of the notice on the respective persons
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

House Municipal No. 73 is situated at Mohalla Chandni
Chowk, Ratlam. This is the immovable property which has
been described in form No. 37-G duly verified by the
transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. n./Bpl./6012.—Whereas I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 155, Shrinagar colony, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. Keshavrao S/o Shri Govindrao Pawar, Bombay. R/o 602, Neelam Apartment, Varsova Road, Andheri, Bombay. (Transferor)
- (2) Smt. Indumati W/o Sheshraoji, R/o H. No. 73, Tilak Path, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 155, is situated at Shrinagar colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6013.—Whereas I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Agrl. land situated at Vill. Chhota Bangdda, Teh. & Dist. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

58—346GI/85

(1) Shri Ramlal, Durga Prasad, & Poonamchand
S/o Sh. Sitaramji & Smt. Saraswati Bai
W/o Sh. Sitaramji
R/o Vill. Chhota Bangdda, Teh. & Dist.
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Vasanshah Grih Nirman Sahkari Sanstha
Maryadit, Indore through President :
Satramdas S/o Sh. Khoobchandji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of that said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at Vill. Chhota Bangdda, Teh. & Dist. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM TINS

(1) Shri Shahji Rao Chandro Rao Angre
R/o Angre-Wada, Lashkar, Gwalior.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) M/s. Jan Kalyan Nyas, Shivpuri.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. n./Bpl./6014.—Whereas I,
S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Kothi (Bhavan) & Agri. land situated at Vill. Fatehpur Pargana, Shivpuri (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Kothi (Bhavan) & Agricultural land is situated at Vill. Fatehpur Pargana, Shivpuri. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 17-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Kanchansingh Chouhan,
R/o Gram Pigdambar. (Transferor)
- (2) M/s. Sanghvi Metal Processing & Mfg. Pvt. Ltd.,
Jawahar Marg, Indore. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6015.—Whereas I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. — situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mhow on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Plot No. 29, S. No. 57, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17610/84-85 on 20-2-1985.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 16-10-85
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Mohd. Ali S/o Khaliluddin Musalman,
Beri Maidan, Burhanpur.
(Transferor)
- (2) M/s. The Industrial Co-Operative Sizing
Processing Calendering Society,
19, Industrial Estate, Burhanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6016.—Whereas I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Land Kh. No. 199/1 & 199/4 situated at Vill. Aimagird, Burhanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 199/1, 199/4, is situated in vill. Aimagird, Teh. Burhanpur. This is the imovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 16-10-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. 1AC/Acq./Bpl./6017.—Whereas 1, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Kh. No. 26 situated at Vill. Lasoodiya Mory, Teh. & Distt. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rameshchand S/o Shri Jagannath Sharma,
R/o Vill. Lasoodiya Mory, Teh. & Distt. Indore.
(Transferor)
- (2) (1) Purshottam Kumar Agrwal
S/o Shri Ramkumarji Agrwal,
(2) Vinod Agrwal S/o Shri Ramkumar Agrwal,
(3) Smt. Pramiladevi Agrwal S/o Devraj Agrwal &
(4) Smt. Rajkumar Agrwal,
R/o 354, Saketnagar, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 26, is situated at vill Lasoodiya Mory, Teh. & Distt. Indore. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 15-10-1985
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Dharamvir S/o Ramlal Arora etc.,
Pratapura, Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Laxman Ramu Mahajan, Shahpur,
Teh. Burhanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.:Bpl./6018.—Whereas I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Land Kh. No. 84/1 & new No. 123 situated at Dighi, Teh.
Burhanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Indian Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Burhanpur on February, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 84/1, New No. 123, is situated at will Dighi
Teh. Burhanpur. This is the immovable property, which has
been described in form No. 37-G, duly verified by the
transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 15-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6019.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Plot No. 11, situated at Jadhav Colony, South Tukoganj Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 20-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Devibai
Wd./ Shri Dwarkadasji,
2. Shri Vikram,
3. Shri Amarlal,
4. Shri Nirmalkumar
5. Shri Harishkumar
6. Shri Dileepkumar
all Ss/o Shri Dwarkadasji &
7. Smt. Shantabai
D/o Shri Dwarkadasji,
R/o H. No. 9/2, Navratan Bagh,
Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Vimalchandji
S/o Shri Surajmalji Jain
2. Smt. Padma Jain
Wo Shri Vimalchand Jain,
R/o H. No. 18/6, Chhoti Gwaltoli,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11, is situated at Jadhav Colony, South Tukoganj, Indore. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
BHOPAL

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6020.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. part of H. No. 15/90, situated at Jawaharnagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on 20-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Jyotika Ben
W/o Shri Bukund,
Jawahar Nagar, Raipur.

(Transferor)

- (2) Rashmi Bai Ashokkumar,
Shambhulal, Sushilkumar,
Shyamsunder & Angooribai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 15/90 is situated at Jawahar Nagar, Raipur. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
BHOPAL

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM IT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn.Bpl/6021.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 992, 992/1 & 993 & 993/1, 1003, Mun. plot No. 116 & 117, Plot No. 242/1 situated at Street No. 151, Goel Bazar, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on 12-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
59—346GI/85

(1) Smt. Ku. Sujata
D/o Late Lieutenant Col. P. R. Oam
R/o 990, Goel Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sunita Jain
W/o Shri Vijaykumar Jain,
2. Shri Vijaykumar Jain
S/o Shri S. L. Jain
3. Kapilkumar Jain
S/o Shri Kelwalchand Jain,
Goel Bazar, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 992, 992/1, 993, 993/1, 1003, Mun. plot No. 116, 117 & plot 242/1, street No. 151, are situated at Goel Bazar, Jabalpur. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
BHOPAL

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th October 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6022.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 14/1, Idgah Hills situated at Idgah Hills, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on 5-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Surendra Naulakha
S/o Shri Pratapsingh Naulakha,
R/o 26, Hozkhas, New Delhi.
(Transferor)

(1) Shri Prakash Chotwani
S/o late Lekhraj
R/o 50-B, Idgah Hills, Bhopal.
(Transferee)

(3) Transferor.
(Person in occupation of the property)
Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 14/1 is situated at Idgah Hills, Bhopal. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
BHOPAL.

Date : 17-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Surendra Naulakha
S/o Shri Pratapsingh Naulakha,
R/o 26, Hozkhas, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Purushottam Khatri
S/o Late Shri Lekhrajmal Khatri,
R/o 50-B, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6023.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 14/2, situated at Idgah Hills, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on 5-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 14/2, is situated at Idgah Hills, Bhopal. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-10-1985
Seal :

FORM ITNS.—

- (1) Western India Builders. (Transferor)
 (2) Smt. Meherbanu Amirali Dodhia. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15190/84-85.—Whereas, I,
 LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
 Flat No. 17, 4th floor D-Wing Gulstan Apartment,
 B-S.V. Road, Dahisar (E), Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered
 under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in
 the office of the Competent Authority at Bombay on
 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Flat No. 17, D-Wing, Gulstan Apartment, B-S.V. Road,
 Dahisar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under No. AR-IV/15190/84-85 on
 1-2-1985.

LAXMAN DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IV
 Bombay

Date : 10-10-1985
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Western India Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Premji Nanji Dodhia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15192/84-85.—Whereas, I,
LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 14, 3rd floor, B-Wing, Gulistan Apartment, E.S.V. Road, Dahisar (E) Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. 14, 3rd floor, E-Wing, Gulistan Apartment 'E' S.V. Road, Dahisar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/15192/84-85 on 1-2-1985.

LAMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Saraswati Dinbandhu Yadav. (Transferor)
 (2) Smt. B. L. Chaliya. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/14942/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. A-10, Mahavir Kripa, 2nd floor, Maratha Colony, Dahisar (E), Bombay-68. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A-10, Madhav Kripa, 2nd floor Maratha Colony, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/14942//84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IV
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1985
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37EF/14999/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. at Bombay on 1-2-1985 Shop No. 1, Vishwavihang Co.op. Hsg. Scty Ltd., Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority (Situated at Bombay) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Vishwavihang Co.op. Hsg. Scty. Ltd.
(Transferor)
- (2) Shri Ashok Agrawal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 1, Vishwavihang Co-operative Housing Society Ltd., Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/14999/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th, October 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15002/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 5, Vishwa Vihang Co-op. Hsg. Scty. Ltd. plot No. 1236, Shivaji Road, Dahisar (E) Bombay-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in for an apparent consideration which is less than the fair value of the property as ascertained by me on 1-2-1985 for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Vishwavihang Co.op. Hsg. Scty. Ltd.
(Transferor)
(2) M/s. Keskar Electronics.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Vishwa Vihang Co-op. Hsg. Scty. Ltd. Plot No. 1236, Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/15002/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15001/84—Whereas, I,
LAXMANDAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 2, Vishwa Vihang Co-op. Hsg. Scty. Ltd.,
Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in
the office of the Competent Authority at Bombay on
1-2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—
60—346GI/85

- (1) M/s. Vishwavihang Co-op. Hsg. Scty. Ltd.
(Transferor)
(2) M/s. Shailesh Benefit Trust.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective person,
whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Vishwavihang Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Shivaji
Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR-IV/15001/84-85 on
1-2-1985.

LAMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 10-10-1985
Seal :

(1) M/s. Vishwavihang Co.op. Hsg. Scty. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri: A. R. Randar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/47EE/15030, 34-85.—Whereas, I,
L. N. Bhatnagar,
being a person authorised under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (hereinafter referred
to as "the Act"), do hereby declare that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- owned by M/s. Crompton H.C. Spty. Ltd.,
Sitapur District, U.P. (C.O. No. 1268
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
is situated in the name of the said company registered
under Section 26A of the Income-tax Act, 1961 in
the office of the Competent Authority at Bombay on
1-2-1985.
for no apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that its fair market value of the property as
agreed exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Vishwa Vihang Co-op. Hsg. Scty. Ltd. Shivaji
Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15060/84-85 on 1-2-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid land by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Vishwa Vihang Co. op. Hsg. Socy. Ltd.
(Transferor)
(2) Smt. P. S. Bhikar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15003/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3, Vishwa Vihang Co. op. Socy. Ltd., Plot No. 236, Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 30 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as well as in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Vishwa Vihang Co. op. Socy. Ltd., Plot No. 236, Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15003/84-85 on dated 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Vishva Vihang Co. op. Hsg. Socy. Ltd.
(Transferor)
(2) Shri V. C. Jain.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15062/84-85.—Whereas, I,
LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 6, Vishva Vihang Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Shivaji
Bahisar (E), Bombay-68.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer is agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Vishva Vihang Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Shivaji
Bahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/15062/84-85 on dated
1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Vishwa Vihang Co. op. Hsg. Socy. Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Devraj Chaganlal Jain.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref. No. ARIV/37EE/15031/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 7, Vishwa Vihang Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Vishwa Vihang Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15031/84-85 on dated 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Avinash M. Khire.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shantinath D. Pangre.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37CF/15318/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Plot Chandralok Bldg. Flat No. 44-B, 4th floor, plot bearing S. No. 918, J. S. Road, Dahisar (W), Bombay-68, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is in pursuance of Section 269AD of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereon by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been disclosed which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 44-B Chandralok Bldg. 4th floor, plot bearing S. No. 918, J. S. Road, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15318/84-85 on dated 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 10.10.1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Vardhman Construction Co.

(Transferor)

(2) M/s. Pioneer Industrial Corpn.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15018/84-85.—Whereas, I,
LAXMANDAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 36, ground floor Vardhman Industrial Estate, bear-
ing S. No. 120 H. No. 6 & 10 Dahisar Bombay-68.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-2-1985.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 36, Ground floor Vardhman Industrial Estate,
bearing S. No. 120 H. No. 6 & 10 Dahisar Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/15081/84-85 on dated
1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Shri Sadguru Enterprises
1. J. W. Range 2. M. N. Nandgaonkar
(Transferor)
- (2) Shri Bhagvan Govind Lad &
Mrs. Prabha G. Apraj.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37EE/15181/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at
Plot No. 26-A, Ratan Nagar, S. V. Road, Dahisar (E),
Bombay-66,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to betw-
een the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 26-A, Ratan Nagar, S. V. Road, Dahisar (E),
Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/15181/84-85 on dated
1-2-1985.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Bastimal K. Jan.

(Transferor)

(2) Mr. Dayal C. Idnani & R. C. Idnani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/371F/15239/84-85. -Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. C, Sumati Bldg. 275, Kokamanya Tilak Marg, Opp. Rly. Station Dahisar (W) Bombay 68, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
61-346GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. G, Sumati Bldg. 275, Kokamanya Tilak Marg, Opp. Rly Station Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15239/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay.

Dated : 10-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Western India Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Maherbanu S. Dodhia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15189/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 13, 3rd floor, E-Wing, Gulistan Apartment, B- S. V. Road, Dahisar (E) Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, E-Wing, Gulistan Apartment, B- S. V. Road, Dahisar (E) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15189/84-85 on dated 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated : 10-10-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Western India Builders.

(Transferor)

(2) Shri Amirali Premji Dodhia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15191/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 18, 4th floor, D-Wing, Gulistan Apartment, B S. V. Road, Dahisar (E), Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 18, 4th floor, D-Wing, Gulistan Apartment, B S.V. Road, Dahisar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15191/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Ashok Kumar Karundia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE.15091/84-85.—Whereas, I,
LAXMANDAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeds Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 12 ground floor in 8, 9, 10 Bldg. at Ratan Nagar,
Dahisar, Bombay-66.(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the
Competent Authority
at Bombay on 1-2-1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning, as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 12 ground floor in 8, 9, 10 Bldg. at Ratan Nagar,
Dahisar, Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/15091/84-85, in dated
1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated : 10.10.1985

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri V. R. Pinnale.

(Transferor)

(2) Shri Prem Prakash S. Satsangi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15390/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Gala at Unit No. 10 2nd floor, Agarwal Industrial Estate, Dahisar, (E) Bombay-68, situated at Bombay, (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Gala at Unit No. 10 2nd floor, Agarwal Industrial Estate, Dahisar, (E) Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV/37FI/15390/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated : 10-10-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. J. B. Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Trisonic Radio & Electronics Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay, the 10th October 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Ref. No. ARIV/37EE/15334/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Gala Unit No. 8, 2nd floor, Agarwal Co-op. Industrial Estate Limited, 121/C, S. V. Road, Dahisar, Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and the expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any movable or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Industrial Gala at Unit No. 8, 2nd floor Agarwal Co-op. Industrial Estate Ltd 121/C, S. V. Road, Dahisar Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Industrial Estate Ltd. 121/C, S. V. Road, Dahisar Bombay-69, 1-2-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Mr. D. D. Mehta & Mrs. B. D. Mehta.
(Transferor)

(2) Mr. L. S. Shah and Mr. B. S. Shah.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay the 10th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37.FF/15013/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 20, 1st floor, Agarwal Industrial Estate, S. V. Road, Dahisar (E), Bombay-68, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 20, 1st floor, Agarwal Industrial Estate, S. V. Road, Dahisar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15012/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Gmsh Dhruplal Mehta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Madhukant B. Jhawari.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15014/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 21, 1st floor, Agarwal Industrial Estate, S. V. Road, Dahisar (E), Bombay-68, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Unit No. 21, 1st floor, Agarwal Industrial Estate S. V. Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15014/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

Date : 10-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Ashish constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Naresh Tarachand Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15054/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. ₹,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, 4th floor G. K. Nagar Bldg. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401 on 4th floor G. K. Nagar Bldg. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15054/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
62—346GI/85

Date : 4-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15204/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 204, 2nd floor, G. K. Nagar Bldg. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Ashish Construction. (Transferor)
- (2) Mr. Bharat Ambalal Shah and Mrs. S. A. Shah. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 204, 2nd floor G. K. Nagar Bldg. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15204/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1985

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.———

(1) M/s. Ashish Constructions.

(Transferor)

(2) Mrs. Versha V. Patel and
Smt. B. T. Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref., No. ARIV/37.EE/14968/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 603, 6th floor, G.K. Nagar Bldg. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 603, 6th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14968/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Ashish Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. S. J. Negandhi and
Mrs. V. S. Negandhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15056/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 403, 4th floor G. K. Nagar Bldg. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor G. K. Nagar Bldg. No. 1 at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15056/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 4-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Ashish Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V. J. Prekh.
Mr. B. V. Parekh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15011/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 704, 7th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 1 at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704, 7th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15011/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15333/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 28, 4th floor Sunderam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) M/s. Trilok Construction Co. (Transferor)
(2) Shri Jatinkumar N. Oza and Shri C. N. Oza. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 28, 4th floor, Sunderam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15333/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Trilok Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmi Ben Dalubhai Lad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15030/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, ground floor, Satyam Building, S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 7, ground floor Satyam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-64.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15030/84-85 on 1-2-85.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Arvind Ratilal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15148/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 38 in Shivam Bldg., S. V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 38 in Shivam Building, S. V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15148/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Rajlaxmi Construction Co. (Transferor)
 (2) Shri Kanji Bawa Chitroda. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15286/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, ground floor, in Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

63—346GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15286/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Rajlaxmi Construction Co. (Transferor)
 (2) Miss Savitriben Popatlal Teli. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15216/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 46, 4th floor, Shivam Building, S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 46 on 4th floor Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15216/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 4-10-1985
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Shah Jayantilal Khimji.

(Transferor)

(2) Smt. Raraben N. Dave.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. ARIV/37EE/15055/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. D-26, Nilkanth Bldg. C.T.S. No. 215, Fatehbaug, Opp. Police Stn., S.V. Rd., Kandivli (W), Bombay-67, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-26, Nilkanth Bldg. C.T.S. No. 215, Fatehbaug Opp. Police Stn., S.V. Rd., Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15055/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS—(1) Shri Bharat K. Maniar &
Smt. C. B. Maniar.

(Transferor)

(2) Sha Tilokchand H. Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY**

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/14920/84-85.—Whereas, I,
LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 9, ground floor Vardhman Kutir Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, ground floor Vardhman Kutir Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14920/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM LT.N.S.———

(1) R. D. Sheth.

(Transferor)

(2) Ila Kirit Kamdar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14996/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Yeshashvini Bank of Baroda Employees' Co-op Hsg. Scty Ltd. Kamla Nehru X-Rd., No. 1, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Yeshashvini Bank of Baroda Employees Co-op Hsg. Scty Ltd., Kamla Nehru X-Rd., No. 1, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14996/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15214/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 31, 3rd floor, Dattani Gram Bldg. No. 1, Hemu Kalani X Road No. 3, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Bombay on 1-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Miss Seema G. Mandawewala.
Mr. G. Mandawewala. (Transferor)
- (2) Mr. Minaxi Mohan Mashru. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor, Dattani Gram Bldg. No. 1, at Hemu Kalani X-Road, No. 3, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15214/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 4-10-1985
Seal:

FORM INS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- | | |
|---|--------------|
| (1) M/s Vardhman Builders, | (Transferor) |
| (2) Mr. Kirit Jayantilal Shah & Mr. K. J. Shah. | (Transferee) |

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15017/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 40, 3rd floor in Vardhman Kutir Wing-B at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 1-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 3rd floor in Vardhman Kutir, B-Wing at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15017/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Vardhman Builders. (Transferor)

(2) Shri Durgaprasad S. Khatri. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 8th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. ARIV/37EE/14820/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, ground floor, Vardhman Kutir B Wing at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 1-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 4 ground floor, in Vardhman Kutir B-Wing at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14820/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM JTNS--

(1) M/s. Goodwill Builders.

(Transferor)

(2) Mr. V. T. Waikhan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 8th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. ARIV/37.EF/14950/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Giri Apartments, flat No. 101, 1st floor, Ashok Chankra-
varty Gram at Village Wadhwan, Kandivli (E), Bombay-67,
situated at Bombay-67,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-2-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Asta-giri Apartment, Chakravarty Ashok Gram at Village
Wadhwan, Kandivli (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/14950/84-85 on
1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
61—346GT/85

Date : 8-10-85
Seal :

FORM ITNS —

(1) M/s Goodwill Builders.

(Transferor).

(2) Mr. V. L. Wakharkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 8th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14949/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Astagiri Apartment, Chakravarty Ashok Gram Village Wadhwan, Kandivli (E), Bombay, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Astagiri Apartment, Chakravarty Ashok Gram Village, Wadhwan, Kandivli (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14949/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15117/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 1, Bobby Shopping Centre, Premises Co-op.
Hsg. Scty. Ltd., M.G. Rd., Kandivli (W), Bombay-67,
situated at Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-2-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) by any other person interested in the said immov-
ables or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Mr. Mani Verghese. (Transferor)
(2) Shri P. C. Ramakrishna. (Transferee)
Shri K. V. Nair.

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act.
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Bobby Shopping Centre, premises co-op. Hsg.
Society Ltd., M.G. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/15117/84-85 on
1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV Bombay.

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Excel Builders.

(Transferee)

(2) Mrs. A. H. Sanghadia and
Mr. H. J. Sanghadia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 8th October 1985

Ref. No. ARIV/37LE/15203/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 13, first floor B-Wing Dattani Apartment No.
4, at Parekh Nagar, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67,
situated at Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-2-1985.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, first floor, B-Wing Dattani Apartment No. 4
at Parekh Nagar, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/15203/85-85 on
1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 8-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Bharti K. Shah and
M. K. Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Kamlaben J. Shah and
and Mr. J. M. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 8th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
**45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;**(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37EE/15205/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 22-A 2nd floor Dattani Apartment No. 4 at
Parekh Nagar, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay 67,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority at
Bombay on 1-2-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer-
and/or

Flat No. 22-A 2nd floor Dattani Apartment No. 4 at
Parekh Nagar, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent
Authority Bombay under Ref. ARIV/15205/84-85 on
1-2-1985

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Dattani Constructions.

(Transferor)

(2) Master Vivek P. Kamath (minor),
through V. P. Kamath.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY**

Bombay, the 4th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37EE/15290/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 19, ground floor Dattani Park at Western Express Highway, Kandivli (E), Bombay-101, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 19, ground floor, Dattani Park at Western Express Highway Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under ARIV/15290/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1985.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Pushpa S. Mehta.

(Transferor)

(2) Mrs. Kumud. H. Srimankr

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15048/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. A-301, Gurnanak Apartments, 51, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A-301, Gurnanak Apartments, 51, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15048/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14975/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11 1st floor Mahavir Darshan at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. G. K. Development Corpn. (Transferor)
(2) Mr. Atul R. Mehta, R. C. Mehta
K. R. Mehta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, first floor Mahavir Darshan at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14975/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 4-10-85
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. G. K. Development Corpn.
(Transferor)
- (2) Mr. Bharat Sanlal Shah & Mr. Jayesh S. Shah.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15207A/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 32, 3rd floor Mahavir Darshan at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67

situated at Bombay (and more fully describe in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

65—346GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor, Mahavir Darshan at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15207A/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 4-10-85
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. G. K. Development Corpn. (Transferor)

(2) Mr. Ramesh Shantilal Shah. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15294/84-85.—Whereas, I,
LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 66, 6th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2 at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 66, 6th floor G. K. Nagar Bldg. No. 2, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15294/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 4-10-85
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. G. K. Development Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Surekha Vinod Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—Ref. No. ARIV/37EE/14971/84-85.—Whereas, I,
LAXMANDAS,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. Flat No. 56, 5th floor G. K. Nagar Bldg. No. 2, at
Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67situated at Bombay (and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred and the
agreement is registered under section 269AB of the Income-
tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at
Bombay on 1-2-85for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Flat No. 56, 5th floor G. K. Nagar Bldg. No. 2 at Shankar
Lane, Kandivli (W), Bombay-67.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/14971/84-85 on 1-2-85.LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 4-10-85

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sarafali Gulam husein
(Transferor)(2) Smt. Kanchangauri Chimanlal Mistry
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15142/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. A/72, Shankar Lane, Rajesh Apartment, A-Bldg., Block No. 1, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A/72, Shankar Lane, Rajesh Apartment, A-Building, Block No. 1, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15142 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Dattani Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajanikant. I Bhatia &
Smt. M. T. Bhatia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37FE/14850/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 45, 4th floor, Dattani Gram Building No. 1, Hemu Kalani Cross Rd. No. 3, Kandivli (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 45, 4th floor, Dattani Gram Building No. 1, Hemu Kalani Cross Road No. 3, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14850/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Akanksha Construction Co. (Transferor)

(2) Mr. Arvind Karsonbhai Patel. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14924/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Block No. B-38, Bldg. under construction, S. No. 15, H. No. 4, Village Shimpoli, Tal. Borivali, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Block No. B-38, Bldg. under construction, S. No. 15, H. No. 4, Village Shimpoli, Tal. Borivali, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14924/84-85 on 1-2-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14956/84-85.—Whereas, I,
LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 23, 2nd floor, Prabhu Niwas, Plot No. 166, Off Factory Lane, Borivali (W), Bombay-92

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

(1) Messrs Himanshu Enterprise

(Transferor)

(2) Mrs. Bharti Pravin Trivedi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 2nd floor, Prabhu Niwas, Plot No. 166, Off Factory Lane, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-FE/14956/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 10-10-85
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Basant Kumar Gupta. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14957/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 31, 2nd floor, A-11 Bldg., 'Rattan Nagar', Borivali (East), Bombay-66 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 31, 2nd floor, A-11 Bldg., 'Rattan Nagar' Borivali (East), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14957/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-85
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.
(Transferor)(2) Mr. Shivram Ragho Katkar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14954/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 10, 3rd floor, Bldg. No. 8, 9, 10, 'Rattan Nagar', Borivali (East), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
66—346GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 3rd floor, Bldg. No. 8, 9, 10, 'Rattan Nagar', Borivali (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14954/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 10-10-85

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Rashmi Kalyan Konnur. (Transferor)
 (2) Shri Laherchand Meghji Shah. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV/37-EE/15129/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 11, Shivdarshan, Shivdarshan Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 16 & 22, Final Plot No. 625, TPS III, Simpholi Road, Borivali, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11, Shivdarshan, Shivdarshan Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 16 & 22, Final Plot No. 625, TPS III, Simpholi Road, Borivali, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37-EE/15129/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 10-10-85
Seal :

FORM ITN—

- (1) Shri Dinesh Laxmidas Ashar. (Transferor)
 (2) Shri Velji Korshi Shah. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-IV,
 BOMBAY**

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/14144/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. C, Ground floor, Maheshwari Bhuvan, Mahesh Co-op. Housing Society Ltd., Dattapada Road, Borivali (E), Bombay-66 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. C, Ground floor, Maheshwari Bhuvan, Mahesh Co-op. Housing Society Ltd., Dattapada Road, Borivali (East), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/14144/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IV
 Bombay

Date : 10-10-1985
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Narayan Manilal Barot.

(Transferor)

(2) Shri Riyasat Hashmatullah & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/14837/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 6, Ground floor, Blue Star Crystal Housing Society Ltd., Sodawala Lane, Borivali (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor, Blue Star Crystal Co-op. Housing Society Ltd., Sodawala Lane, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14837/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Devendra Shivana Shettigar. (Transferor)
 (2) Mrs. Shobha Bharat Gadhia. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. ARIV/37EE/14838/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 111, C-Wing, 1st floor, Matru Krupa Kunj Co-op. Housing Society Ltd., Carter Road No. 3, Borivli (E), Bombay-66 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Flat No. 111, C-Wing, Matru Krupa Kunj Co-op. Housing Society Ltd., 1st floor, Carter Road No. 3, Borivli (East), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14838/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15036/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13, Godhavari Niwas, 1st Kasturba Road, Borivali (W), Bombay-66 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 260D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

(1) Shri Harendra N. Shah.

(Transferor)

(2) Shri Pranlal Vanmalidas & Anr.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 43, Godhavari Niwas, 1st Kasturba Road, Borivali (E), Bombay-66.

Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15036/84-85
Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15036/8-85
on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Girish N. Mehta & Anr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhupendra Mohanlal Doshi & Anr.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15354/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 5, Ground floor, 'A' Neel Dhara, Devidas Road, Borivali (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, 'A' Neel Dhara, Devidas Road, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15354/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 10-10-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Kisan Sitaram Thakur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shashikant Narsing Bhoale.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14917/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1, 1st floor, Laxminarayan Nagar, Bldg. 'C' S. No. 96, H. No. 1-A, C.T.S. No. 2262, Eksar Village, Borivali (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority situated at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1, 1st floor, Laxminarayan Nagar, Bldg. 'C' S. No. 96, H. No. 1-A, C.T.S. No. 2262, Eksar Village, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/14917/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS-----

- (1) Shri H. M. Sundaram,
(2) Shri Iyer Prabhu T. K.
- (Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37FE/15250/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 106, Mohan Terrace B, Kastur Park, Shimpoli Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
67—346GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, Mohan Terrace B, Kastur Park, Shimpoli Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37FE/15250/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 10-10-1985
Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Hasmukh Vaghji Shah & Anr.

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal Lalchand Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15220/84-85.—Whereas ,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 03, 4th floor, 'C' Wing, Sumer Nagar, S. V. Road,
Borivli (West), Bombay-92
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax,
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 403, 4th floor, 'C' Wing, Sumer Nagar, S. V.
Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15220/84-85
on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Vidya Ramesh Patel.

(Transferor)

(2) Mr. Vanlalal N. Bhatt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14952/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A/1/13, Shri Punit Nagar Co-op. Housing Society Ltd., Punit Nagar, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/1/13, Shri Punit Nagar Co-op. Housing Society Ltd., Punit Nagar, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/14952/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) D. N. Enterprise,

(Transferor)

(2) Shri Sundarji Karamshi Vichhivora,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14993/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 51, A-Wing, Dreamland, CTS No. 1830 & 1838 (Pt), Eksar, Link Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 51, A-Wing, Dreamland, CTS No. 1830 & 1838 (Pt), Eksar, Link Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/14993/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Ashwin C. Shah & Anr.

(Transferor)

(2) Mr. Lachman Hariram Mirchandani & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14866/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Flat No. 004, Building No. D-29, Yogi Nagar, Eksar Road,
Borivli (W), Bombay
situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
Bombay on 1-2-1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 004, Bld. No. D-29, Yogi Nagar, Eksar Road,
Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/37EF/14866/84-85
on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Mr. Sudhir S. Badakere.

(Transferor)

(2) Mr. Shirish R. Shirvaikar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14881/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 28, 3rd floor, Sperry Star Co-op. Hsg. Society, Sahayog Nagar, Eksar Road, Borivili (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 28, 3rd floor, Sperry Star Co-op. Hsg. Society, Sahayog Nagar, Eksar Road, Borivili (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/14881/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Dattani Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Jayabai Gokaldas Sampat & Ors.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.IV/37.EF/14845/84-85.—Whereas, I,
LAXMANDAS,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 31, 3rd floor, Bldg., 'Dattani Nagar Bldg. No. 4,
S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority at
Bombay on 1-2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Flat No. 31, 3rd floor, Bldg. 'Dattani Nagar Bldg. No. 4',
S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.IV/37.EE/14845/84-85 on
1-2-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 10-10-85
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Vijay Nagar Corporation. (Transferor)
 (2) Mr. Shamjibhai Khodabhai Patel. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV/37.EE/14955/84-85.—Whereas, I,
 LAXMANDAS,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 -
 and bearing
 Flat No. 103, with Terrace, Bldg. No. E-21, Yogi Nagar,
 Eksar Road, Borivali (West), Bombay-92
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
 the Competent Authority at
 Bombay on 1-2-1985
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, with Terrace, Bldg. No. E-21, Yogi Nagar,
 Eksar Road, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under No. AR.IV/33.EE/14955/84-85 on
 1-2-1985.

LAXMAN DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IV,
 Bombay

Date : 10-10-85
 Seal :

FORM ITS

(1) Ligory Alva.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Candles & Kunder Constructions.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV/37.EE/14831/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, 2nd floor, Belgravia, I. C. Colony, Cross Road, No. 4, I.C. Colony, Borivli (West), Bombay-103 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

68—346GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Belgravia, I.C. Colony, Cross Road No. 4, I.C. Colony, Borivli (West), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37 EE/14831/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 10-10-85
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/14876/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, 3rd floor, Bldg. Yogi Smruti Co-op. Society Ltd., Bldg. D/15, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to following persons namely :—

- (1) Jalal Sha. (Transferor)
- (2) Akhyar Ahmed Freedi & Ors. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Bldg. Yogi Smruti Co-op. Society Ltd., Bldg. No. D/15, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli, Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/14878/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 10-10-85
Seal:

FORM ITNS

(1) M/s. Ailbant Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. A. Menon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37.EE.15161/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 1, Ground floor, A-Wing, Bldg. under Construction Plot No. 14 & 19, City S. No. 15/15, 13/21, Desai of Seth Nagar, Off. S. V. Road, Near Poisar Bus Depot, Borivali (W), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, A-Wing, Bldg. under Construction, Plot No. 14 & 19, City Survey No. 13/15, 13/21, Desai & Seth Nagar, Off. S. V. Road, Near Poisar Bus Depot, Borivali (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37.EE/15161/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 10-10-85
Seal :

FORM ITNE

- (1) Shri Dawood Adam Shaikh. (Transferor)
 (2) Shri Rajaram Pandurang Sawant & Ors. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/14793/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 7, B-Wing, 1st floor, Alka Co-op. Hsg. Society Ltd., Borivali (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 7, B-Wing, 1st floor, Alka Co-op. Hsg. Society Ltd., Borivali (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/14793/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 10-10-1985
 Seal :

FORM ITNS

(1) M. s. Vijay Company.

(Transferor)

(2) Shri Vasant Gopal Shanbhag.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/14834/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 402, 4th floor, Bldg Shyam Krupa No. 1, Eksar Village Road, Borivli (W) Bombay-92 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 402, 4th floor, Bldg. Shyam Krupa No. 1, Eksar Village Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14834/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1985
1:

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Mr. Hamid Ali Abdul Majid.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Pawankumar Kedia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV. 37-EE/14938/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 5, 3rd floor, Jai Guru Dev Bhawan, Village Eksar, Borivali (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 3rd floor, Jai Guru Dev Bhawan, Village Eksar, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV. 37-EE/14938/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 10-10-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Hamid Ali Abdul Majid

(Transferor)

(2) Mrs. Shardadevi Tulsian & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/14873/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Flat No. 6, 3rd floor, Jai Guru Dev Bhawan, Village Eksar, Borivali (West), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 6, 3rd floor, Jai Guru Bhawan, village Eksar, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14875/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) F. E. Dinshaw Charities (Transferor)
 (2) K. B. N. Tiwari (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV 86/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at S. No. 93 pt H. No. 3, C.T.S. No. 325 A & 325A1 to 20 of Malad Kandiqli (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay 2-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. S-2257/80 and registered on 2-2-85 with the sub-registrar, Bombay.

LAXMAN DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IV
 Bombay

Date : 10-10-1985
 Seal :

FORM ITN—

(1) Rainbow Constructions

(Transferor)

(2) Mr. Clarence L. P. Fonseca & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15363/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, Ground floor, Proposed Bldg. "Bella-Vista" Plot No. 7, Survey No. 119, H. No. 7(P) & C.T.S. No. 1014, Taluka Borivli, Eksar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the name of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

69—346GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Proposed Bldg. "Bella-Vista", Plot No. 7, Survey No. 119, H. No. 7(Part) & C.T.S. No. 1014, Taluka Borivli, Eksar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/15363/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 10-10-1985

Sd/- :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV 37EE 14939/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6, A-Wing, 1st floor, Kavita Apartments, Natakwalla Lane, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 100 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer and the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|-------------------------------|--------------|
| (1) M/s. Kavita Constructions | (Transferor) |
| (2) Ketankumar P. Oza & Other | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/6, 1st floor, Kavita Apartments, Natakwalla Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/14939/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Manek & Associates

(Transferor)

(2) Soni Natvarlal Punjiram

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14905/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 6, Ground floor, C/1 Building, Manek Nagar, Borivli (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act for the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor, C/1, Building, Manek Nagar, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/14905/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajan S. R.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Radha T. Cooper

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15319/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, Ground floor, Estee Geejay Co-op. Housing Society, Building No. 12, Saibaba Nagar, Borivli (West), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Estee Geejay Co-op. Hsg. Soc. Bldg. No. 12, Saibaba Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/15319/84-85 on 1-2-1985.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 10-10-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

- | | |
|--------------------------------|--------------|
| (1) M/s. Rainbow Constructions | (Transferor) |
| (2) M/s. Deepali Enterprises | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37EE/15364/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 6, Ground floor, Proposed Bldg. "Bella-Vista", Plot No. 7, Survey No. 119, Hissa No. 7(P) & C.T.S. No. 1014, Taluka Borivli Eksar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Shop No. 6, Ground floor, Proposed Bldg. "Bella-Vista", Plot No. 7, Survey No. 119, Hissa No. 7(P) and C.T.S. No. 1014, Taluka Borivli, Eksar, Bombay.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/15364/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Kamla Enterprises

(Transferor)

(2) Manilal Gangji Kaina & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14886/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 6, Girnar Apartments, Off Mandpeshwar Road, Govind Nagar, Borivli (West), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Girnar Apartments, Off Mandpeshwar Road, Govind Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/14886/84-85 on
The agreement has been registered by the Competent 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 10-10-1985

Sd/-

FORM ITNS

(1) Shri Dipesh N. Soni & Anr.

(Transferor)

(2) Jitendra Shantilal Soni & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. ARIV/37EE/14852/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 2, Satyam Bldg. No. 1, Raiyanigram, Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Satyam Bldg., No. 1, Raiyanigram, Shimpoli Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/38EE/14852/84-85 on 1-2-1985.

LAKMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mahendra Vershi

(Transferor)

(2) Dhiralal Nanji & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette..

Ref. No. AR-IV37EE/15061/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 6, Sahyadri Apartment & Shopping Centre, Lok-
manya Tilak Road, Borivli (West), Bombay-92
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Sahyadri Apartment & Shopping Centre, Lok-
manya Tilak Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/15061/84-85 on
1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Sd/-

FORM ITNS

(1) Kirti C. Shah & Anr.

(Transferor)

(2) Dinesh Ramji Dedhia & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 10th September 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37EE/15153/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, Ground floor, Jamuna Darshan, Natakwalla Lane, Off Swami Vivekanand Road, Borivli (West), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Jamuna Darshan, Natakwalla Lane, Off Swami Vevekanand Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay undtr No. AR-IV37EE/15153/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
70—346GI/85

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITN

(1) M/s. Nick & Faisal Enterprises

(Transferor)

(2) Shri Edgar D'souza

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15338/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601, Sixth floor, Hill Top Kandarpada Cross Road, Borivli (West), Bombay-103 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, Sixth floor, Hill Top Kandarpada Cross Road, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/15338/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Devi Builders (Transferor)
 (2) Smt. Jasintha Pereira (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37EE/15311/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, 1st floor, 'United Apartments', Sri Devi Nagar Vazira Naka, L.T. Road, Borivli (West), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/2/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 101, 1st floor, 'United Apartments', Sri Devi Nagar, Vazira Naka, L.T. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15311/84-85 on 1/2/1985.

LAXMAN DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IV
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10/10/1985
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15329/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-402, 4th floor, The Star Madhuben Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 59, T. P. S. III, Umed Ashram Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Mahendra Gangaram Mirani. (Transferor)
(2) Shri Ramesh Krishnarao Kulkarni. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-402, 4th floor, The Star Madhuben Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 59, T.P.S. III, Umed Ashram Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37.EE/15329/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-10-85

Seal :

FROM I.T.N.S.—

(1) Smt. Neelamben Chintamani Parekh.

(Transferor)

(2) Smt. Lilavati Shantilal Chheda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37.EE/14854/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Ground floor, Bldg. Vithal Apartments, Kastur Park, Sub-plot No. 30, Final Plot No. 321, T.P.S. III, Borivli, Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Bldg. Vithal Apartments, Kastur Park, Sub-plot No. 30, Final Plot No. 321, T.P.S. III, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37.EE/14854/84-85 on 1-2-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 10-10-85
Seal :

FORM ITN—

- (1) Smt. Meera Venkatesh Devle & Anr. (Transferor)
 (2) Smt. D. D. Savant & Others. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15023/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 6, Ground floor, Star Trade Centre, S. V. P. Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor, Star Trade Centre, S. V. P. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37.EE/15023/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-10-85
Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s. Dattani Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Bharat Kantilal Shah & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15296/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Flat No. 52-A, 5th floor, Bldg. 'Dattani Towers', S. V. P.
Road, Borivli (West), Bombay-92
situated at Bombayhas been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-2-1985(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-
said property by the issue of this notice under sub-section (1)
of Section 269D of the Said Act to the following persons,
namely :—

THE SCHEDULE

Flat No. 52-A, 5th floor, Bldg. 'Dattani Towers', S. V. P.
Road, Borivli (West), Bombay-92.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/37.EE/15296/84-85
on 1-2-1985.LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-10-85

Seal:

FORM ITNS—

- (1) M/s. Dattani Constructions. (Transferor)
 (2) Mr. Hitesh K. Shah. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15295/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 112, 11th floor, Bldg. 'Dattani Towers', S. V. Road, Kora Kendra, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 112, 11th floor, Bldg. 'Dattani Towers', S. V. Road, Kora Kendra, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37.EE/15295/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 10-10-85
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Gagangiri Development Corpn.

(Transferor)

(2) Mrs. Anita Murari Pol.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY
Bombay, the 10th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37.EE/14770/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 001, Gagangiri Nagar, C-Building, Plot No. A, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 001, Gagangiri Nagar, C-Building, Plot No. A, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37.EE/14770/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 10-10-85

Seal :

FORM ITNS

(1) Nazir Abdulla & Sons.

(Transferor)

(2) Shri R. Murali Chari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15069/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 501, 5th floor, Oriental Apartment, Plot No. 1329, S. No. 162, Jeevan Bima Nagar, Borivali (W), Bombay-103 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at situated at Bombay Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Oriental Apartment, Plot No. 1329, S. No. 162, Jeevan Bima Nagar, Borivali (W), Bombay-103. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37.EE/15069/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 10-10-85
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Nazir Abdulla & Sons. (Transforor)
(2) Shri T. A. Ranganathan. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15068/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, 4th floor, Oriental Apartment, Plot bearing C.T.S. No. 1329, S. No. 162 (Part), Jeevan Bima Nagar, Borivali (W), Bombay-103 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Oriental Apartment, Plot bearing C.T.S. No. 1329, S. No. 162 (Part), Jeevan Bima Nagar, Borivali (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37.EE/15068/84-85 on 1-2-1985.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 10-10-85
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Manibhai L. Patel.

(Transferor)

(2) Shri Rashmikanth Uttamlal Doshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/14776/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, 'C' Bldg., 2nd floor, Yogideep Co-op. Hsg. Society Ltd., Aksar Road, Borivli (W), Bombay-92

Bomday
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bomday on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 'C' Bldg., 2nd floor, Yogideep Co-op. Housing Society Ltd., Aksar Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14776/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Chetna Dilipkumar Bhatt. (Transferor)
 (2) Shri Bindu Kumar Dave. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15157/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 404, 4th floor, Bldg. C/1, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Bldg. No. C/1, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15157/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-10-1985
 Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/47-EE/14933/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 204, 2nd floor, D/23, Yoginagar, 'Yogi-Kaveri' Bldg., Eksar Road, Borivali (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

- (1) Mr. Cptn. Mrinal Kanti Nag & Anr. (Transferor)
(2) Mr. Narenkumar Jayantkumar Dani & Anr. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, D/23, Yoginagar, 'Yogi-Kaveri' Bldg., Eksar Road, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14933/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mahesh Chimanlal Shah & Anr. (Transferor)

(2) Shri Mahendra Jethabhai Shah & Anr. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/14965/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A/104, 1st floor, Bldg. No. 1, Ganpati Apartment, Plot No. 172 & 177, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer said/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/104, 1st floor, Bldg. No. 1, Ganpati Apartments, Plot No. 172 and 177, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14965/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shirin S. Karachiwalla.
(Transferor)(2) Shri Prakash H. Darira Others.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15064/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 601, Wing-B, Bahubali Towers, 6th floor, Behind Saibaba Dham, Desai Seth Nagar, S. V. Road, Borivali (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, Wing-B, Bahubali Towers, 6th floor, Behind Saibaba Dham, Desai Seth Nagar, S. V. Road, Borivali (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15064/84-85 on 1-2-1985

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS-----

(1) M/s. Sam Constructions.

('Transferor)

(2) Mr. Sunder N. Kuckian

('Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15284/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 10, 2nd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivali(W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, Akshaya Apartments, I.C. Colony, Borivali (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15284/85-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Dated : 14-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Sam Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. D. N. Palan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15277/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 8, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (W) Bombay has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 8, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15277/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Sami Constructions,

(Transferor)

(2) Mrs. J. S. Monteiro,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15283/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, ground floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli(W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) increasing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1, ground floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli(W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15283/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Sam Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Ramakrishnappa Salián.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15270/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivali(W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivali (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15270/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Dated : 14-10-1985
Seal :

FORM ITN

(1) M/s. Sam Constructions.

(Transferor)

(2) Smt. Natalia Dias.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY**

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15274/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivili (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section, (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivili (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15472/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Sam Constructions,

(Transferor)

(2) Mrs. Y. R. Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15276/84-85.-- Whereas, J. LAXMAN D/S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12-A, Akshaya Apartment, I. C. Colony Borivli(W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12-A, Akshaya Apartments, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15276/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-10-1985.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Sam Constructions (Transferor)

(2) Mr. H. C. Shah. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37EE/15273/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing No. Flat No. 18, Akshay Apartments, I.C. Colony, Borivali (W), Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 18, Akshay Apartments, I. C. Colony, Borivali (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15273/84-85 on 1-2-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Sam Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. A. G. Poojary.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15278/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivili (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivili (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EF/15278/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Sam Constructions,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Chandrashekar N. Kolekar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15269/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, 1st floor, Akshaya Apartments, I.C. Colony, Borivli (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 7, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15269/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
73—346GI/85

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS-

- (1) M/s. Sam Constructions.
(2) Mrs. Miranjana K. Shah.
- (Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15281/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS., being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 14, 3rd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (West), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15281/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Sam Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vittal C. Poojary.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15268/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, 2nd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (West), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 9, 2nd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15268/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Sam Constructions.

(Transferor)

(2) Mrs. Verona D'Souza.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15271/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5, 1st floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15271/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1985
Dealt :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15280/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 17, 4th floor, Akshay Apartment, I. C. Colony, Borivali (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sam Constructions,

(Transferor)

(2) Mr. Joseph P. Rodrigues,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

Flat No. 17, 4th floor, Akshay Apartment, I. C. Colony, Borivali (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15280/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV Bombay

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS ———

(1) M/s. Sam Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Uma N. Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15282/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 12, 2nd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony,
Borivli (West), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meanings as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 12, 2nd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony,
Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15282/84-85 on
1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269C of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Sam Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Gangadhara T. Amin.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15272/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16, 3rd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (W), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 3rd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15272/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) M/s. Sam Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Vittal T. Karkera.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15279/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding .
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearingFlat No. 15, 3rd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
Borivli (West), Bombay
at Bombay on 1-2-1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
-
- of 45 days from the date of publication of this
-
- notice in the Official Gazette or a period of 30 days
-
- from the service of notice on the respective persons
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
-
- property, within 45 days from the date of the publi-
-
- cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony,
Borivli (West), Bombay.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15279/84-85 on
1-2-1985.LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, BombayDate : 14-10-1985
Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/14982/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, 1st floor, B-Wing Paresh Apartments, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
74—346G1/85

(1) M/s. Nipa Construction.

(Transferor)

(2) Shri M. S. Kothari and
Shri S. B. Kothari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Wing-B, Paresh Apartments, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14982/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS- _____

- (1) M/s. Bonanza Builders P. Ltd. (Transferor)
 (2) Miss Bertha Sophia Fernandes. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15000/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 5th floor, 'Aakanksha', S.V.P. Road, Opp. Bhagvati Hospital, Borivali (W), Bombay-103 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3, 5th floor, 'Aakanksha', S.V.P. Road, Opp. Bhagvati Hospital, Borivali (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15000/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM FINS

- (1) M/s. Krupa Builders. (Transferor)
(2) Mr. & Mrs. Mohan V. Sahasrabudhe. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15201/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, 4th floor Aarti Apartments, final plot 377, 378, T.P.S. III, Borivli, 5th Road, Vazira Naka, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Aarti Apartments, final plot No. 377, 378, T.P.S. III, 5th Road, Vazira Naka, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15201/84-85 on 1-2-1985.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Sri Devi Builders.

(Transferor)

(2) Shri Thomas P. Galbao.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15315/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 102, 1st floor, 'United Apartments', Sri Devi Nagar, Vazira Naka, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, 'United Apartments', Sri Devi Nagar, Vazira Naka, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15315/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. V. N. Desai and
Mr. N. V. Desai.

(Transferor)

(2) Shri Shrinath Tiwari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37-EE/15367/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 4/B/116, Baj Geerjay Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Saibaba
Nagar, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-2-1985
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

4/B/16 Baj Geerjay Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Saibaba Nagar,
Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/15367/84-85 on
1-2-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Gagangiri Development Corporation.
(Transferor)
(2) J. G. Sawant.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/14979/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 406, C Bldg., Gagangiri Nagar, Behind Laxmi Narayan Temple, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406, C Bldg., Gagangiri Nagar, Behind Laxmi Narayan Temple, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14979/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Gokul Construction Co. (Transferor)

(2) Shri Bhosja B. Kaikera. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15149/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 9, 2nd floor A-Building, at Panchvati, Borivli (W),
Bombay-92,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 9, on 2nd floor, A-building, at Panchvati, Borivli
(W), Bombay-92.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15149/84-85 on
1-2-1985.LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 11-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

- (1) M/s. Akansha Construction Co. (Transferor)
 (2) Mr. Mohanbhai C. Barot. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-IV
 BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/15032/84-85.—Whereas, I,
 LAXMANDAS,
 being the Competent Authority under Section 269AB of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the
 immovable property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Block No. B-15, 2/97, Mangal Saffalya M. Housing Board
 Gorai Road, Borivli (W), Bombay-92
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
 the Competent Authority at
 Bombay on 1-2-1985
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as afore-
 said exceeds the apparent consideration therefore by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of
 the publication of this notice in the Official
 Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or which
 ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Block No. B-15, 2/97, Mangal Saffalya M. Housing Board
 Gorai Road, Borivli (W), Bombay-92

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under No. AR.IV/15032/84-85 on
 1-2-85.

LAXMANDAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IV,
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely:—

Date : 11-10-1985
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Raghavanshi Developers.

(Transferor)

(2) Victor R. Lewis and Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.IV/37EE/14769/84-85.—Whereas, I,
LAXMANDAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 11, B-Wing, Ma Krupa, CTS Nos. 765, 861, 862,
863, 864, 865, 866 & 868, Simpoli Road, Borivli(W), Bom-
bay-92.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 11, B-Wing, Ma Krupa, CTS Nos. 765, 861, 862,
863, 864, 865, 866 & 868, Simpoli Road, Borivli(W), Bom-
bay-92.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.IV/14769/84-85 on
1-2-85.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
75—346GI/85

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Gagangiri Development Corporation.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. M. S. Tandel.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/14978/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 111, C Building, Gagangiri Development Corporation behind Laxmi Narayan Temple, Eksar Road, Borivli (W) Bombay-92,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair value believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 111, C Building, Gangangiri Development Corporation behind Laxmi Narayan Temple, Eksar Road, Borivli (W) Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/14978/84-85 on 1-2-85.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Gagangiri Development Corporation. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. H. Nijap. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/14980/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 120, C Building, Gagangiri Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 120, C Building, Gagangiri Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/14980/84-85 on 1-2-85.

LAXMANDAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Gagangiri Development Corporation. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. S. Pawar. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/14977/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 006, Gagangiri Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay 92, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 006, Gagangiri Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay 92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/14977/84-85 on 1-2-85.

LAXMANDAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EF/15342/84-85.—Whereas, I,
LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, ground floor, Nikeeta Kund Apartment, S. No. 53-6A, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Mahesh Builders.

(Transferor)

(2) Shri P. B. Kadam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor, Nikeeta Kund Apartment, S. No. 53-6A, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/15342/84-85 on 1-2-85.

LAXMANDAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

- (1) M/s. Bhavana Construction Co. (Transferor)
 (2) Mr. Mavji Meghji Chhabaiya & Anr. Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14986/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 17-A, 3rd floor, Bldg. A-17, Rattan Nagar, Near Premji Nagar & Daulat Nagar, Borivli (East), Bombay-66 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17-A, 3rd floor, Bldg. A-17, Rattan Nagar, Near Premji Nagar and Daulat Nagar, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/14986/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. L. N. T. Enterprise.

(Transferor)

(2) Miss D. M. Lewis.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15337/84-85.—Whereas,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 301, 3rd floor, West Avenue, Holy Cross Road, I.C.
Colony, Borivli (W), Bombay-103
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under section 269AB of the Income-tax
Act, 1961 in the office of the Competent Authority at
Bombay on 1-2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
~~and/or~~

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
**45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, West Avenue, Holy Cross Road,
I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15337/84-85
on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14880/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, first floor, West Avenue, Holy Cross Road, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. L. N. T. Enterprise.

(Transferor)

(2) Mr. Maxie Agnel L'souza &
Mrs. L. S. A. D'souza.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, First floor, West Avenue, Holy Cross Road, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/14880/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Himanshu Enterprises.

(Transferor)

(2) Himanshu Dharendra Divecha & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15071/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 'C', Prabhu Niwas, Plot No. 166, Off Factory Lane, Borivali (West), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
76—346GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 'C', Prabhu Niwas, Plot No. 166, Off Factory Lane, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15071/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 10-10-85
Sd/- ;

FORM ITNS

(1) Sri Devi Builders.

(Transferor)

(2) Shri Ramnath Narayan Suvarna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15312/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, 4th floor, 'United Apartments', Sri Devi Nagar, Vazira Naka, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, 'United Apartments', Sri Devi Nagar, Vazira Naka, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15312/84-85 Bombay on 1-2-1985

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 10-10-85
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri M. V. Kamath.

(Transferor)

(2) Shri S. D. Parekh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY**

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/14851/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 15, 2nd floor, Sudamapuri Wagle Smruti Co-op. Hsg. Scty. Ltd., 20, Chandavarkar X Rd. Borivli (W), (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay-92 situated at Bombay for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 2nd floor, Sudamapuri Wagle Smruti Co-op. Hsg. Scty. Ltd., 20, Chandavarkar X Rd., Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14851/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-10-85
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Himanshu Enterprises. (Transferor)
 (2) Rupen. V. Shah & V. A. Shah. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15028/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 43, Prabhu Niwas, Plot No. 166, Off Factory Lane, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 43, Prabhu Niwas, Plot No. 166, Off Factory Lane, Borivli (W), Bombay-92.
 The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15028/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IV,
 Bombay

Date : 11-10-85
 Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Himanshu Enterprises.

(Transferor)

(2) Vipul. V. Shah & C. V. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. ARIV/37.EE/15027/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 44, Prabhu Niwas, Plot No. 166, Off Factory Lane, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 44, Prabhu Nias, plot No. 166, Off Factory Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15027/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/14896/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 2826, 2847, Western Express Highway, Dahisar (E),
Bombay-68 situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Calcutta under registration No. 37EE/Acq.R-III/
Bombay on 1-2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sh. Rasiklal M. Jhonsa.
(Transferor)
(2) M/s. Agrawalas Development Constructions Pvt.
Ltd.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later.
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2826, 2847, Western Express Highway, Dahisar
(E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/14890/84-85
on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 14-10-85
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. B. R. Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Unity Construction Co.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY**

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/14997/84-85.—Whereas, I, **LAXMAN DAS**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. S. No. 15, Hissa No. 3, City Survey No. 1353, Village Dahisar, Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 15, H. No. 13, City Survey No. 1353, Village Dahisar, Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14997/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 14-10-85
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rucha Subhash Patkar.

(Transferor)

(2) Smt. Meena Uttam Motwani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15255/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B 1/5, First floor, Save Nagar Co-op. Scty. Ltd., Chhatrapati Shivaji Rd., Dahisar (E), Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B 1/5, First floor, Save Nagar Co-op. Scty. Ltd., Chhatrapati Shivaji Rd, Dahisar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15255/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 14-10-85
Seal :

FORM TINS

- (1) Kusumben Jitendra Sarvaiya & Ors. (Transferor)
 (2) M/s. Vijay Constructions. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15327/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece or parcel of land bearing S. No. 16, H. No. 11 and C. S. No. 1240 at Village Dahisar, Taluka Borivli situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing S. No. 16, H. No. 11 and C.S. No. 1240 at Village Dahisar, Taluka Borivli, Bombay. on 1-2-1985.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15327/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
77—346GI/85

Date : 14-10-85
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Balkrishna Atmaram Mhatre.

(Transferor)

(2) Shri Mangesh K. Dalvi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15289/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece & parcel of land bearing S. No. 296, Hissa No. 8/2A at Village Dahisar, Taluka Borivli, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

E/PLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing S. No. 296, Hissa No. 8/2A at Village Dahisar, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15289/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 14-10-1985
Seal ;

FORM ITNS—

(1) M/s. Ami Enterprises.

(Transferee)

(2) Mangesh Keshav Dalvi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15326/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 296, Hissa No. 8/2B, C. T. S. No. 169 (pt.) at Village Dahisar, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferor as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land bearing Survey No. 296, Hissa No. 8/2B, C. T. S. No. 169 (pt.) at Village Dahisar, Taluka Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15326/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-85
Seal :

FORM ITNS—

(1) Chandrakant A. Vishwas Rao & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Ami Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15288/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece & parcel of land bearing S. No. 296, H. No. 8(2) pt. BCTS No. 169 at Dahisar Village Khendarpada, Dahisar, Taluka, Borivli situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing S. No. 296 H. No. 8(2) pt. BCTS No. 169 at Dahisar Village Khendarpade Dahisar Taluka, Borivli.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15288/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri O. P. Agarwal

(Transferor)

(2) Mrs. Bhikha Das Jatindernath

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15241/84-85.—Whereas, I,
LAXMANDAS,
being the Competent Authority authorised by the Central
Government in this behalf under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Flat No. 105, 1st floor, Yashodhan Kanderpada Bridge,
Dahisar (W), Bombay-68 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-2-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the transferor(s)
and transferee(s) has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of ;

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor, Yashodhan Kanderpada Bridge,
Dahisar (W), Bombay-68.

(b) facilitating the concealment of any income or any
which ought to be disclosed by the transferee for
moneys or other assets which have not been or
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15241/84-85
on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-10-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amritlal G. Vakharia (Karta)
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. S. C. Mehta
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14951/84-85.—Whereas, I,
LAXMANDAS,being the Competent Authority under Section 269D of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the Said Act), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingFlat No. 205, Brindavan Building Yeshwantrao Marg, Dahisar
(W), Bombay situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority,
Bombay on 1-2-85for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;
-
- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, Brindavan Bldg. Yeshwantrao Marg, Dahisar
(W), Bombay.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/14951/84-85 on 1-2-85.LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, BombayDate : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Arunkumar Chhanalal Shah & Anr.
(Transferor)

(2) Shri Govindbhai Arjanbhai Patel.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15045/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Unit No. 112, 1st floor, B Block, Mandpeshwar Industrial Premises Co-op. Soc. Ltd., Off. S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 269D(1) of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 112, 1st floor, B Block, Mandpeshwar Industrial Premises Co-op. Soc. Ltd., Off. S.V.P. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15045/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Dated : 11-10-85
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Jeevceben Muljibhai Patel.

(Transferor)

(2) Shri Ramjibhai Shamjibhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37-FE/15044/84-85.—Whereas, I,
LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 12A, Ground floor, B-Block, Mandpeshwar Industrial Premises Soc. Ltd., Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 12A, ground floor, B-Block, Mandpeshwar Industrial Premises Soc. Ltd., Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15044/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Dated : 11-10-85

Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh. Siraj Mohamedali Calcuttawala
(Transferor)
(2) M/s. Ellan Associates.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15175/84-85.—Whereas, I,
LAXMANDAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
property at Eksar bearing survey No. 159, Hissa No. 4 (p)
and C.T.S. No. 1273 at Eksar Borivli, Bombay situated at
Bombay
Road, Palledam, Tiruppur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
and the agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent
Authority at
Bombay on 1-2-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—
78—346G1/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Survey No. 159 Hiss No. 4 (pt) and
V.T.S. No. 1273 at Eksar Road, Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/15175/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range IV, Bombay

Dated : 11-10-85
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. 'Raghuvanshi Developers.

(Transferor)

(2) M/s. Shantilal Gokal Tank.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14941/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, 1st floor, Wing-B, Ma Krupa, CTS. Nos. 765, 861, 862, 863, 864, 865, 866 & 868, Shimpoli Road, Borivali (West), Bombay-400 092 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Wing-B, Ma Krupa, CTS. Nos. 765, 861, 862, 863, 864, 865, 866 & 868, Shimpoli Road, Borivali (W), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14941/84-85. on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Shree Sagar Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
(2) Shri Kanubhai Nanji Sagar & Ors. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/14882/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 208, 2nd floor, Amrut Sagar, S.V. Road, Village Magthane, Near Hariom Apartment, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208, 2nd floor, Amrut Sagar, S. V. Road, Village Magthane, Near Hariom Apartment, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14882/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Dated : 11-10-85
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Jay-Deep Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Trimbaklal Mulji Dubal & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14778/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. A/3, Jayadden Apartment, Near Kora Kendra, S.V. Road, Behind Tarabaug, F.P. No. 735, TPS-III, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule below) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A/3, Jaydeep Apartment, Near Kora Kendra S.V. Road, Behind Tarabaug, F.P. No. 735, TPS-III, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14778/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 11-10-85
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mr. Jayant Shivrām Malshe. (Transferor)
(2) M/s. Ganesh Construction Co. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. ARIV/37EE/14932/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 8, of scheme or survey No. 119, Hissa No. 6, (pt) Hissa No. 7 (Pt) Eksar Village Taluka, Borivli, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 8, Scheme of Survey No. 119, Hissa No. 6 (pt) Hissa No. 7 (pt) at Eksar Village, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14932/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 11-10-85
Seal :

FORM I.T.N.S. _____

(1) Shri Shaikh Ahmed Husain. M. A. Rasool.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. P. D. Dialani
Mrs. J. P. Dialani.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15265/84-85.—Whereas, I,
LAXMANDAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Rakesh Apartments Co-op. Hsg. Scty. (proposed) Vallabh-
nagar, Borivli (W), Bombay-103 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

Rakesh Apartments Co-op. Hsg. Scty. (proposed, Vallabh-
nagar, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/15265/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Dated : 11-10-85
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. S. A. Mhatre & Others.

(Transferor)

(2) M/s. Dani Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15355/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece or parcel of land with structures, bearing C.T.S. No. 1208 & 1209, Village Eksar, Behind I.C. Colony, Borivli (W), situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land along with the structures, bearing C.T.S. No. 1208 & 1209, Village Eksar, Behind I.C. Colony, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15355/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jyoti Developers.

(Transferor)

(2) Sh. Ramnolkar Haycem Elijah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14976/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 31, 3rd floor, Jyoti Apartment, Eksar Road, Borivli (West), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor, Jyoti Apartment, Eksar Road, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14976/84-85 on 2-2-1985.

- (b) facilitating the concealment of any income or any business or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 11-10-85
Seal :

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

FORM ITNS—

(1) M/s. Vardhman Builders.

(Transferor)

(2) Shri B. J. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.IV/37EE/15016/84-85.—Whereas, I,
LAXMANDAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 3, ground floor, Vardhman Kutir B-Wing, at
situated at Bombay
Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor Vardhman Kutir Wing, 'B' at
Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.IV/15016/84-85 on
1-2-1985.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
79—346GI/85

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Sunderlal K. Kankal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Y. H. Agarwal,
K. H. Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/15387/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2, ground floor, Shreeji Krupa Co-operative Housing Society Ltd., Adukia Road, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, Shreeji Krupa Co-operative Housing Society Ltd., Adukia Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/15387/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/14906/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-10, Kandivli Matru Ashish Co-operative Housing Society Ltd., Kandivli (W), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
80—346GI/85

(1) 1. H. V. Shrimankar
2. M. V. Shrimankar.

(Transferor)

(2) Morarji Kuvorji Shah
Kirti M. Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-10, Kandivli Matru Ashish Co-operative Housing Society Ltd., Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/14906/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Ajay Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. N. M. Lal and
Mr. H. N. Lal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/15102/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 346-A, Prankutir Survey No. 65, Hissa No. 1, Ramgelly Opp. S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 346-A, Prankutir Survey No. 65, Hissa No. 1, Ramgelly Opp. S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15102/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Vardhman Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Parul Kirit Vora &
Kirit B. Vora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/14821/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5, ground floor, Vardhman Kutir, B-Wing at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5, ground floor, Vardhman Kutir, B-Wing at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/14821/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. A. L. Mendas & Others

(Transferor)

(2) Shri Mohammed Ali Bahadulla & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/15196/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Revenue Survey No. 47, Hissa No. 5, City Survey No. 749 Hissa No. 6 and Hissa No. 9, of Village Kandivli, Taluka Borivli, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons:—namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Revenue Survey No. 47, Hissa No. 5, City Survey No. 749 Hissa No. 6 and Hissa No. 9, of Village Kandivli, Taluka Borivli, Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/15916/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 10-10-1985
Sd/-

FORM I.T.N.S.—

- (1) M/s. The Municipal Co-operative Bank Ltd.
(Transferor)
- (2) M/s. Borivli Manogat Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY**

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV-37G/84/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land property S. No. 47, H. No. 1 (Pt.) C.T.S. No. 225 (Pt.) of Mauje Kaneri Taluka, Borvli, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the registered deed No. 5-3031/81 and registered on 13-2-85 with the sub-registrar, Bombay, Bombay.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1985
Sml :

FORM ITNS

(1) Mrs. Maria P. C. Mendonca.
(Transferor)(2) Mrs. Connie Florence Correla.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV-370/87/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land bearing Plot No. 17, C.T.S. No. 1805, Survey No. 158, Hissa No. 3, Part in Village Eksar, Taluka, Borvil, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 720/83 and registered on 7-2-85 with the sub-registrar, Bombay.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 10-10-1985
Seal :

FORM No. ITNS—

(1) Smt. A. D. Rane.

(Transferor)

(2) S. Gorakhnath.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV/85/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 183/5, C.T[S.] No. 1837/1838 Dahisar (E), Bombay-68. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. S-2314/80 and registered on 11-2-85 with the sub-registrar, Bombay.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 10-10-1985
Seal :

